

भारतीय सामाजिक
विज्ञान अनुसंधान परिषद्

वार्षिक रिपोर्ट

2002–03



विषय सूची



कार्यक्रम

1

सिंहावलोकन

सामाजिक विज्ञान अनुसंधान, जिसकी एक पूर्वापेक्षा बौद्धिक विकल्प और मत की स्वतंत्रता है, एक ऐसी विलक्षणता है जिसे विकासशील देश शायद ही कभी प्रोत्साहित करते हों। भारतवर्ष ने न केवल इसे प्रोत्साहित किया है, अपितु इस दिशा में सरकार के संरक्षण से इसे क्रियान्वित किया है।

1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद से हमारे राष्ट्र निर्माण कार्यक्रमों के एक भाग के रूप में सामाजिक विज्ञान को एक सम्पूर्ण ज्ञान-क्षेत्र बनाने की दिशा में प्रयास किए गए। भारत की समस्याएं अनूठी थीं, लेकिन फिर भी उन समस्याओं का अध्ययन करने के लिए जो साधन उपलब्ध थे, उन सभी का आविष्कार पश्चिम में हुआ था जो सदैव उपयोगी सिद्ध नहीं हुए। इसकी सामाजिक समस्याओं को समझने के लिए प्रासंगिक प्रविधि तैयार करने की एक दृढ़ आवश्यकता महसूस की गई। सामाजिक विज्ञानों का स्वदेशीकरण एक आवश्यकता बन गया। आधुनिकीकरण की आवश्यकताओं के साथ हमारी बौद्धिक परम्पराओं को जोड़ना एक चुनौती थी, जिसके सकारात्मक और नकारात्मक – दोनों प्रकार के अर्थ थे। इस चुनौतीपूर्ण काम को हाथ में लेने के लिए राज्य अपनी हस्तक्षेपणीय भूमिका के साथ सामने आया। वित्तीय और संभार-तंत्रीय – दोनों कारणों से यह काम किसी अन्य एजेन्सी द्वारा हाथ में नहीं लिया जा सकता था।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय (जिसे अब मानव संसाधन विकास मंत्रालय कहा जाता है), द्वारा इस परिषद की स्थापना 12 दिसम्बर 1968 को एक स्वायत्त संगठन के रूप में की गई। इसे भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.) का नाम दिया गया। इसके प्रमुख निर्माता थे: वी.के.आर.वी. राव, एम.एस. गोरे, डी.आर. गाडगिल, रामाकृष्ण मुखर्जी तथा जे.पी. नायक। आई.सी.एस.एस.आर. औपचारिक रूप से 1969 में प्रारंभ की गई और इसे भारतीय लोकतंत्र की एक महान उपलब्धि समझा गया।

यह भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की 34वीं रिपोर्ट है जो 1 अप्रैल 2002 से 31 मार्च 2003 तक की अवधि से संबंधित है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के मुख्य निकाय में, जिसे परिषद के नाम से जाना जाता है, 26 सदस्य हैं - एक अध्यक्ष, 18 समाज विज्ञानी, सरकार द्वारा मनोनीत भारत सरकार के छः प्रतिनिधि और भा.सा.वि.अ. परिषद द्वारा भारत सरकार के अनुमोदन से नियुक्त एक सदस्य-सचिव (परिशिष्ट-1)।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद सचिवालय के अध्यक्ष महानिदेशक और सदस्य-सचिव हैं तथा 66 अधिकारी व अन्य अधिकारीगण सम्मिलित हैं (परिशिष्ट 2)। परिषद का व्यावसायिक स्टाफ, अपने सरकारी कामकाज के अलावा पूर्ण रूप से शैक्षणिक रूप से सक्रिय है और उन्होंने अनेक सेमिनार पत्रों और शोध रिपोर्टों का योगदान किया है।

परिषद के अलावा इसकी पांच स्थायी समितियां हैं जिनमें परषिद से बाहर से लिए गए सदस्य (तीन से अधिक नहीं) शामिल हैं। निम्नलिखित तालिका में वर्ष 2002-03 के दौरान आयोजित परिषद व इसकी स्थायी समिति तथा वित्त समिति की बैठकों की संख्या दर्शाई गई है।

क्र.सं.	परिषद/समिति	कुल संख्या	बैठकों की संख्या और तारीख
1.	परिषद बैठक	3	परिषद की 93वीं, 94वीं और 95वीं बैठकें क्रमश: 2.5 2002, 21.10.2002 तथा 31.3.2003 को हुईं।
2.	योजना और प्रशासन समिति (पी.ए.सी.)	1	पी.ए.सी. की 54वीं बैठक 30.7.2002 को आयोजित हुई।
3.	अनुसंधान समिति बैठक (आर.सी.)	2	आर.सी. की 136वीं बैठक 9.8.2002 को, 137वीं क्रमश: 5.2.2003, 5.3.2003 तथा 21.3.2003 को आयोजित हुईं।
4.	अनुसंधान समिति (आर.आई.सी.)	2	आर.आई.सी. की 49वीं व 50वीं बैठक क्रमश: 6.8.2002 तथा 7.3.2003 को आयोजित हुईं।
5.	अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग संबंधी समिति	2	आई.सी. की पहली और दूसरी बैठक क्रमश: 25.10.2002 और 27.3.2003 को आयोजित हुई।

स्टाफ सदस्यों, पेंशनप्राप्तकर्ताओं व अन्य विद्वानों को पेश आने वाली समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से परिषद ने प्रशासनिक अधिकारी के समग्र पर्यवेक्षण में निम्नलिखित प्रकोष्ठों की स्थापना की है:

ए.सी.आर. प्रकोष्ठ

ए.सी.आर. के महत्व और सन्निहित कार्य को देखते हुए, स्टाफ सदस्यों की ए.सी.आर. को समय पर अद्यतन बनाने तथा मानीटर करने के लिए 9 अप्रैल 2002 को परिषद में एक ए.सी.आर. प्रकोष्ठ की स्थापना की गई।

परिवहन प्रकोष्ठ

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के बेड़े में एक मिनी बस, तीन स्टाफ कार और तीन तिपहिये शामिल हैं। इन वाहनों का उपयोग अध्यक्ष के कार्यालय, सदस्य-सचिव के कार्यालय, भा.सा.वि.अ.प. के अधिकारियों द्वारा और प्रेषण कार्य के लिए किया जाता है। इनके अलावा, भा.सा.वि.अ.प. ने दो आर.टी.वी. की सेवाएं भी किराए पर ली हुई हैं ताकि 35, फिरोजशाह रोड स्थित नासडोक कार्यालय और अरुणा आसफ अली मार्ग स्थित भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के परिसर के बीच विद्वानों की यात्रा को सुविधाजनक बनाया जा सके क्योंकि भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के नए कैम्पस में पर्याप्त सामाजिक परिवहन सुविधा उपलब्ध नहीं है।

पेंशन प्रकोष्ठ

मई 2002 में भा.सा.वि.अ.प. ने अपनी स्थापना के 33 वर्ष पूरे कर लिए। इन 33 वर्षों की अवधि के दौरान भा.सा.वि.अ.प. से रिटायर होने वाले कर्मचारियों की संख्या काफी अधिक हो गई है। इस समय भा.सा.वि.अ.प. के रिटायर हुए कर्मचारियों की संख्या 45 है जिनमें से 26 को पेंशन प्राप्त हो रही है तथा 18 को पारिवारिक पेंशन प्राप्त हो रही है तथा एक मामले को बन्द कर दिया गया है। आगामी कुछेक वर्षों में सेवानिवृत्त कर्मचारियों की संख्या काफी अधिक हो जाएगी।

तद्नुसार, 6 जून, 2002 को पेंशन प्रकोष्ठ की स्थापना की गई। पेंशन प्रकोष्ठ को इस बाबत हिदायतें जारी की गई कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों की शिकायतों पर जल्द से जल्द गौर किया जाए। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ उचित सम्मान के साथ व्यवहार किया जाता है और उनकी शिकायतों पर समुचित रूप से गौर किया जाता है।

परिषद ने 19 अगस्त, 2002 को आयोजित इसके

उद्घाटन समारोह में भाग लेने के लिए सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को आमंत्रित किया। सेवानिवृत्त 25 कर्मचारियों ने समारोह में भाग लिया। उन सभी ने इस पहल का स्वागत किया और इसके लिए अध्यक्ष व सदस्य-सचिव को धन्यवाद दिया।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद ने वर्ष 2002-03 के दौरान निम्नलिखित सेमिनार/सम्मेलन/समारोह/उत्सव आयोजित किए:

1. "डिजिटल परिवेश में समाज विज्ञान सूचना की खोज" पर चार दिन की एक प्रशिक्षण कार्यशाला, जो 27 से 30 मई 2002 तक मुम्बई में आयोजित की गई।
2. "डिजिटल युग में समाज विज्ञान सूचना की सुलभता" पर पांच दिन की एक कार्यशाला, जो 29 अप्रैल से 3 मई 2002 तक आयोजित की गई।
3. 30 दिन का कम्प्यूटर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।

वित्त और बजट

मंत्रालय द्वारा निधियां वार्षिक अनुदानों के रूप में जारी की जाती हैं। इन अनुदानों को योजनागत और योजना-भिन्न के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। योजनागत अनुदानों का उपयोग विभिन्न स्कीमों के माध्यम से समाज विज्ञानों में अनुसंधान के विकास हेतु किया जाता है। दूसरी ओर, योजना-भिन्न अनुदान परिषद के आवर्ती सामान्य प्रशासनिक खर्च के लिए होते हैं।

वित्त वर्ष 2003-04 के लिए परिषद का बजट 415 मिलियन रुपए है। इसमें से 175 मिलियन रुपए विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए विनिश्चित हैं जिसमें स्थापना पर खर्च हेतु 18 मिलियन रुपए की राशि सम्मिलित है (योजनागत के तहत)। इसके अतिरिक्त, 240 मिलियन रुपए की राशि आवर्ती व्यय वहन करने हेतु विनिश्चित की गई है (योजनागत के तहत)। तथापि, इसमें अनुसंधान कार्यक्रमों हेतु 142 मिलियन रुपए की राशि शामिल है। विभिन्न शीर्षों के अन्तर्गत बजट का आबंटन निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है:

	योजनागत	योजना-भिन्न	जोड़
कार्यक्रम	157	142	299
स्थापना	18	98	116
जोड	175	240	415



2

अनुसंधान प्रोत्साहन

अनुसंधान परियोजनाएं

अनुसंधान परियोजनाओं का वित्तपोषण भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के महत्वपूर्ण कार्यकलापों में से एक है ताकि विद्वानों को किसी भी ऐसे विषय पर अनुसंधान आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके जिसका समाज विज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान है।

प्रारम्भ से 2002-2003 तक मंजूर की गई अनुसंधान परियोजनाओं, रद्द की गई/वापिस की गई/ बन्द की गई परियोजनाओं तथा 31 मार्च 2003 तक उनके संबंध में प्राप्त रिपोर्टों की वर्ष-वार स्थिति तालिका 2.1 में प्रस्तुत है। 2002-2003 की अवधिा के दौरान 54 अनुसंधान परियोजनाएं मंजूर की गईं तथा कुल 34 परियोजनाएं रिपोर्टें प्राप्त हुईं। मंजूर की गई अनुसंधान परियोजनाओं की सूची तथा वर्ष के दौरान पूरी हुई अनुसंधान परियोजनाओं की सूची क्रमश: परिशिष्ट 3 और 4 में दी गई है।

राष्ट्रीय अध्येतावृत्तियां

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, अपने अनुसंधान अध्येतावृत्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत उन प्रख्यात समाज विज्ञानियों को, जिन्होंने समाज विज्ञानों के अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान किया है, अपनी पहल पर राष्ट्रीय अध्येतावृत्तियां प्रदान करती है। आलोच्य अवधि के दौरान 14 राष्ट्रीय अध्येतावृत्तियां प्रदान की गईं।

वरिष्ठ अध्येतावृत्तियां

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की वरिष्ठ अध्येतावृत्तियां ऐसे समाज विज्ञानियों को प्रदान की जाती हैं जिन्होंने व्यावसायिक पत्रिकाओं में महत्वपूर्ण प्रकाशनों का योगदान किया है जिनमें उनकी पुस्तकें और/अथवा अनुसंधान पत्र सम्मिलित हैं। ये अध्येतावृत्तियां, सामाजिक कार्यकर्ताओं, अधिकारियों, पत्रकारों आदि को भी प्रदान की जाती हैं। परिषद ने अभी तक 381 वरिष्ठ अध्येतावृत्तियां प्रदान की हैं। आलोच्य अवधि के दौरान 12 वरिष्ठ अध्येतावृत्तियां प्रदान की गई तथा आठ अध्येतावृत्ति रिपोर्टें प्राप्त हुईं।

सामान्य अध्येतावृत्तियां

परिषद की सामान्य अध्येतावृत्तियां (उत्तर-डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां) उन युवा समाज विज्ञानियों को प्रदान की जाती हैं जिन्होंने अपनी पी.एच.डी. डिग्री पूरी कर ली है तथा और आगे अपना अनुसंधान कार्य जारी रखने के इच्छुक हैं। परिषद ने अभी तक 209 सामान्य अध्येतावृत्तियां प्रदान की हैं। आलोच्य वर्ष के दौरान 16 सामान्य अध्येतावृत्तियां प्रदान की गईं तथा 6 अन्तिम रिपोर्टें प्राप्त हुईं।

तालिका 2.1
स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाएं

वर्ष	स्वीकृत अनुसंधान परियोजनाएं	रद्द की गई/ वापिस ली गई/ बन्द की गई परियोजनाएं	31.03.2002 तक प्राप्त अन्तिम रिपोर्ट
योजना आयोग से हस्तान्तरित परियोजनाएं	45	–	45
1969-74	382	23	359
1974-75 से 1978-79	566	62	495
1979-80 से 1983-84	448	51	386
1984-85	101	11	87
1985-86	77	5	72
1986-87	124	25	90
1987-88	102	13	79
1988-89	79	6	73
1989-90	99	19	76
1990-91	79	9	63
1991-92	59	3	50
1992-93	56	7	48
1993-94	57	6	46
1994-95	22	3	19
1995-96	105	9	71
1996-97	54	5	32
1997-98	74	–	47
1998-99	54	1	29
1999-2000	37	–	10
2000-2001	36	–	5
2001-2002	20	–	–
2002-2003	54	–	–
जोड़	2,730	262	2,216

तालिका 2.2

प्रदत्त अनुसंधान अध्येतावृत्तियों का वर्ष-वार वितरण

वर्ष	राष्ट्रीय अध्येतावृत्तियां	वरिष्ठ अध्येतावृत्तियां	उत्तर-डाक्टोरल/सामान्य अध्येतावृत्तियाँ
1969-91	41	256	117
1991-92	1	12	7
1992-93	6	15	12
1993-94	3	4	5
1994-95	6	6	7
1995-96	-	8	15
1996-97	-	23	10
1997-98	8	10	3
1998-99	1	14	3
1999-2000	-	8	5
2000-2001	1	5	3
2001-2002	-	8	6
2002-2003	14	12	16
जोड़	81	381	209

तालिका 2.3

प्रवत्त/मंजूर अनुसंधान अध्येतावृत्तियों का श्रेणी-वार विवरण
और 31.3.2003 को उनकी स्थिति

अध्येतावृत्तियां	प्रदत्त	सम्मिलित/मंजूर	अवधि पूरी हो गई	प्रगति पर
राष्ट्रीय अध्येतावृत्तियां	81	70	56	14
वरिष्ठ अध्येतावृत्तियां	381	333	305	28
सामान्य अध्येतावृत्तियां/ उत्तर-डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां	209	145	125	20

तालिका 2.4

31.3.2003 को विभिन्न अनुसंधान अध्येतावृत्तियों के संबंध में अन्तिम रिपोर्ट प्राप्त होने के संबंध में स्थिति

अध्येतावृत्तियां	सम्मिलित/ मंजूर	अध्येतावृत्तियां प्रगति पर	अध्येतावृत्ति अवधि पूरी हो गई	रिपोर्ट प्राप्त	रिपोर्ट बाकी
राष्ट्रीय अध्येतावृत्तियां	70	14	56	47	9
वरिष्ठ अध्येतावृत्तियां	333	28	305	251	54
सामान्य अध्येतावृत्तियां/ उत्तर-डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां	145	20	125	83	42

डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां

परिषद की डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां उन विद्वानों को प्रदान की जाती हैं जिन्होंने प्रथम अथवा द्वितीय श्रेणी में किसी मान्यताप्राप्त भारतीय विश्वविद्यालय की मास्टर्स डिग्री प्राप्त की है तथा जो समुचित चयन प्रक्रिया के पश्चात समाज विज्ञानों में डाक्टोरल डिग्री के लिए पंजीकृत हैं। परिषद ये अध्येतावृत्तियां अपनी दो स्कीमों के माध्यम से प्रदान करती हैं, नामतः (1) केन्द्र प्रशासित मुक्त डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां, और (2) संस्थागत डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां। पहली स्कीम के अन्तर्गत परिषद अपनी पहल पर अध्येतावृत्तियां प्रदान करती है तथा दूसरी स्कीम के अन्तर्गत चुनिन्दा भा.सा.वि.अ.प. संस्थान अपने आप चयन करते हैं। अध्येतावृत्तियां दो वर्ष की अवधि के लिए प्रदान की जाती हैं जिसे अपवादात्मक मामले में एक और वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। परिषद ने अभी तक 1286 डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां प्रदान की हैं। वर्तमान वित्त वर्ष के दौरान 68 डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां प्रदान की गईं।

तालिका 2.5

वर्ष-वार स्वीकृत डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां (1969-2003)

वर्ष	पूर्ण अवधि	पी.एच.डी. अध्येताओं को अल्पावधिक (आंशिक) सहायता
1969-74	185	-
1974-75	50	-
1975-76	56	07
1976-77	71	20
1977-78	67	17
1978-79	01	26
1979-80	16	30
1980-81	30	33
1981-82	38	40
1982-83	55	70
1983-84	29	72
1984-85	22	75
1985-86	53	84
1986-87	65	67
1987-88	49	69
1988-89	37	60
1989-90	30	79
1990-91	16	59
1991-92	28	73
1992-93	48	83
1993-94	33	19
1994-95	35	81
1995-96	32	77
1996-97	-	74
1997-98	45	50
1998-99	34	45
1999-2000	46	65
2000-2001	47	63
2001-2002	68	91
2002-2003	71	61
जोड़	1,357	1,590

तालिका 2.6

31 मार्च 2003 तक अनुसंधान अध्येतावृत्तियां

अध्येतावृत्तियां	मंजूर	वापस ली गई	प्रगति पर	पूर्ण हो गई	प्राप्त रिपोर्ट	रिपोर्ट बाकी
डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां (पूर्ण-अवधि)	1,357	434	449	474	405	69
जोड़	**1,357**	**434**	**449**	**474**	**405**	**69**

अप्रैल 2002 से मार्च 2003 तक की अवधि के दौरान आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की सूची

1. पूर्णकालिक अनुसंधान अध्येताओं (एम.फिल./पी.एच.डी.) और विश्वविद्यालय/कालेज शिक्षकों के लिए समाज विज्ञानों में डाटा विश्लेषण में दो सप्ताह के एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 15-17 अप्रैल 2002 को टाटा समाज विज्ञान संस्थान, मुम्बई में किया गया।
2. क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के लिए अनुसंधान विधियों और सर्वेक्षण तकनीकों के संबंध में तीन दिन की एक प्रशिक्षण कार्यशाला 16 से 18 मई 2002 को समाज विकास संस्थान, उदयपुर में आयोजित की गई।
3. विधि विज्ञान तथा परियोजना निर्माण के संबंध में दस दिन का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 2 से 12 जुलाई 2002 तक लोक प्रशासन विभाग, लखनऊ में आयोजित किया गया।
4. पी.एच.डी. अध्येताओं और गाइडों की पांच दिन की एक वार्षिक कार्यशाला 8 से 11 जुलाई 2002 तक पी.एस.जी. कला और विज्ञान कालेज, कोयम्बटूर में आयोजित की गई।
5. अनुसंधान रीतिविज्ञान और डाटा प्रसंस्करण में सात दिन का एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 8 से 14 अगस्त 2002 तक गांधीग्राम ग्राम संस्थान, गांधीग्राम में आयोजित किया गया।
6. समाज विज्ञानों में एक दो सप्ताह का अनुसंधान रीतिविज्ञान पाठ्यक्रम 19 से 30 अगस्त 2002 तक जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
7. समाज विज्ञानियों के लिए डाटा प्रसंस्करण में दो सप्ताह का एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 16 से 29 सितम्बर 2002 तक उस्मानिया विश्वविद्यालय केम्पस, हैदराबाद में आयोजित किया गया।
8. अफ्रीकी अध्ययनों के संबंध में दस दिन का एक अनुसंधान रीतिविज्ञान पाठ्यक्रम 9 से 19 सितम्बर 2002 तक दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित किया गया।
9. सामाजिक विज्ञान डाटा विश्लेषण में कम्प्यूटर अनुप्रयोग के संबंध में दो सप्ताह का एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 11 से 23 नवम्बर 2002 तक जी.बी. पन्त समाज विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद में आयोजित किया गया।
10. पूर्णकालिक अनुसंधान अध्येताओं (एम.फिल./पी.एच.डी.) और विश्वविद्यालय/कालेज शिक्षकों के लिए समाज विज्ञानों में डाटा विश्लेषण में दो सप्ताह का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 11 से 23 नवम्बर 2002 तक टाटा समाज विज्ञान संस्थान, मुम्बई में आयोजित किया गया।
11. अनुसंधान रीतिविज्ञान में दस दिन का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 2 से 11 जनवरी 2003 तक गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, गांधीग्राम में आयोजित किया गया।
12. अनुसंधान रीतिविज्ञान तथा समाज विज्ञानों में

डाटा प्रसंस्करण पर एक सप्ताह का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम 6 से 12 जनवरी 2003 तक अर्थशास्त्र विभाग, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति में आयोजित किया गया।

13. समाज विज्ञानों में अनुसंधान रीतिविज्ञान में दस दिन का एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 6 से 15 जनवरी 2003 तक मध्य प्रदेश समाज विज्ञान अनुसंधान संस्थान, उज्जैन में आयोजित किया गया।

14. समाज विज्ञानों में सांख्यिकीय तकनीकों के उपयोग में दस दिन का एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 17 से 26 फरवरी 2003 तक सेंट जान्स कालेज, आगरा में आयोजित किया गया।

15. अक्षमता मुद्दों के संबंध में तीन की एक प्रशिक्षण तथा संवेदनशीलता कार्यशाला का आयोजन "कन्सर्न्ड एक्शन नाव" द्वारा 19 से 21 फरवरी 2003 तक यू.एस.ओ. इन्टरनेशनल, नई दिल्ली में किया गया।

16. समाज विज्ञान अनुसंधान में दस दिन का एक अनुसंधान अनुस्थापन और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 3 से 12 मार्च 2003 तक गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ में आयोजित किया गया।

17. समाज विज्ञानों में अनुसंधान रीतिविज्ञान में दस दिन का एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 3 से 12 मार्च 2003 तक लोक प्रशासन विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित किया गया।

18. छत्तीसगढ़ राज्य के विश्वविद्यालयों और कालेजों में समाज विज्ञान शिक्षकों के लिए अनुसंधान रीतिविज्ञान और कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में एक सप्ताह का एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 3 से 9 मार्च 2003 तक जी.जी. विश्वविद्यालय, बिलासपुर में आयोजित किया गया।

19. अनुसंधान रीतिविज्ञान और कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में पांच दिन की एक कार्यशाला 4 से 8 मार्च 2003 तक डॉ. एच.एस. गौड़ विश्वविद्यालय, सागर में आयोजित की गई।

अध्ययन अनुदान

अध्ययन अनुदानों के अन्तर्गत अध्येताओं को उनके निवास/अनुसंधान स्थान के निकट उपलब्ध न होने वाली पुस्तकालय सामग्री का परामर्श करने के वास्ते यात्रा की लागत वहन करने के लिए, विनिर्दिष्ट दर पर वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। आलोच्य वर्ष के दौरान 52 अध्येताओं को अध्ययन अनुदान मंजूर किए गए।

तालिका 2.7

अध्ययन अनुदान

केन्द्र का नाम	स्वीकृत अध्ययन अनुदानों की कुल संख्या
भा.सा.वि.अ.प. नैसडाक, नई दिल्ली	15
पूर्व क्षेत्रीय केन्द्र, कोलकाता	04
पश्चिम क्षेत्रीय केन्द्र, मुम्बई	09
उत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, दिल्ली	03
दक्षिण क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद	03
उत्तर-पूर्व क्षेत्रीय केन्द्र, शिलांग	07
उत्तर-पश्चिम क्षेत्रीय केन्द्र, चण्डीगढ़	11
जोड़	**52**



3

प्रलेखन

राष्ट्रीय समाज विज्ञान प्रलेखन केन्द्र (नैसडाक) के नाम से विख्यात भा.सा.वि.अ.प. प्रलेखन यूनिट 35, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली में स्थित है। यह समाज विज्ञान समुदाय को पुस्तकालय तथा सूचना सेवाएं प्रदान करता है। अनुसंधान वित्तपोषण और अनुसंधान प्रोत्साहन कार्यकलापों के परिणामों को इष्टतम बनाने के लिए ऐसी सेवा नितांत आवश्यक है। वस्तुतः, प्रलेखन, आंकड़ा अभिलेखीय सुविधाएं और प्रकाशनों के माध्यमों से सूचना का प्रसार किसी भी देश में एक सक्षम बौद्धिक वर्ग के लिए सतत समर्थन प्रणालियां हैं।

राष्ट्रीय समाज विज्ञान प्रलेखन केन्द्र (एन.ए.एस.एस.डी.ओ.सी.) समाज विज्ञानियों को संदर्भ सेवा, इलेक्ट्रानिक डाटा-आधारित साहित्य खोज जैसी नियमित सेवाएं प्रदान करता है जिनमें समाज विज्ञानियों के लिए ग्रन्थसूची संकलन, प्रलेखन वितरण और संदर्भ सेवा सम्मिलित है। नैसडाक में समाज विज्ञान शोधकर्ताओं के लिए एक पुस्तकालय है जिसमें भा.सा.वि.अ.प. व अन्य निधियन एजेन्सियों द्वारा समर्थित अनुसंधान परियोजनाओं की रिपोर्टें तथा भारतीय विश्वविद्यालयों द्वारा अनुमोदित समाज विज्ञानों में डाक्टोरल शोध निबंध की प्रतियां भी रखी जाती हैं।

नवम्बर 2002 के बाद से नैसडाक को अस्थायी रूप से अरुणा आसफ अली मार्ग स्थित भा.सा.वि.अ.प. के कैम्पस में स्थानान्तरित कर दिया गया है। 35, फिरोजशाह रोड स्थित भवन का पुररुद्धार किया जा रहा है और यह एक भविष्योन्मुखी डिजिटल पुस्तकालय के निर्माण हेतु एक आई.टी.-आधारित प्लेटफार्म की दिशा में प्रगति कर रहा है। नैसडाक के शीर्ष नीति और निर्णय निर्माण निकाय का पुनर्गठन किया गया है। समिति का नामकरण अब "प्रलेखन, अनुसंधान सूचना और पुस्तकालय सेवाओं संबंधी भा.सा.वि.अ.प. समिति" के रूप में किया गया है। नैसडाक की अधिप्राप्ति नीति की पुनर्संरचना की गई है। पुस्तकालय के नियमों और विनियमों को सभी संभव विवरणों के साथ अन्तिम रूप दिया जा रहा है।

नैसडाक की एक गहन कम्प्यूटरीकरण/आधुनिकीकरण योजना तैयार की गई है तथा उसे प्रलेखन अनुसंधान सूचना और पुस्तकालय सेवाएं संबंधी भा.सा.वि.अ.प. समिति के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया है। नैसडाक कार्यकलापों के आधुनिकीकरण के संबंध में एक पूर्ण दिवसीय बैठक 29.01.2003 को भा.सा.वि.अ.प. के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य प्रयोजन, प्रलेखों के डिजिटीकरण, माइक्रोफिल्मिंग, ग्रन्थसूचीय/सूचीपत्र डाटा आदि के पूर्व-परिवर्तन, नैसडाक की ग्रन्थसूचीय सेवाओं में सुधार और अन्य सेवाओं के कम्प्यूटरीकरण में अनुभवी व्यक्तियों के साथ नैसडाक के लिए आधुनिकीकरण योजना पर चर्चा करना था। विशेषज्ञ समिति की सिफारिशें संक्षेप में नीचे दी गई हैं:

1. पी.एच.डी. अध्येताओं को शोध निबंधों की साफ्ट प्रति के साथ-साथ हार्ड जिल्दबंद मुद्रित रूपान्तर नैसडाक में जमा कराने के लिए 1500 रुपए की अदायगी की जाएगी। इस समय नैसडाक में रखे गए सभी पी.एच.डी. शोध निबन्धों की माइक्रोफिल्म तैयार की जाएगी।
2. शोध निबन्धों के मुद्रित रूपान्तरों को केवल तीन वर्षों के लिए रखा जाएगा। भारतीय विश्वविद्यालय

एसोसिएशन के सहयोग से, भारतीय विश्वविद्यालयों द्वारा अनुमोदित समाज विज्ञानों पर पी.एच.डी. शोध निबन्धों की एक विस्तृत सूची नैसडाक में रखी जाएगी।

3. समाज विज्ञान शोधकर्ताओं/प्रशासकों के लिए रुचिकर कतिपय विनिर्धारित क्षेत्रों के संबंध में सेवाएं, प्रैस कतरने नैसडाक में प्रारंभ की जाएंगी।

4. अब पुस्तकालय सेवाएं चौबीस घंटे उपलब्ध रहेंगी। पुस्तकालय समाज विज्ञानियों की जरूरतों को पूरा करना जारी रखेगा तथा इसके अलावा यह उपयोगकर्ताओं के विभिन्न समूहों की जरूरतों को भी पूरा करेगा।

इस प्रयास में योगदान करने के लिए, पुस्तकालय व्यावसायिकों की दक्षता और जानकारी को, उन्हें पुस्तकालय और सूचना कार्यकलापों के लिए कम्प्यूटर अनुप्रयोगों के संबंध में अल्पकालिक व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करके, समृद्ध/तीव्र बनाया जा रहा है:

1. 19 से 26 जनवरी 2003 के दौरान, श्रीमती सावित्री देवी, श्रीमती कंचन वासुदेव और डॉ. महावीर सिंह को, ग्रन्थसूचियों के संकलन में सन्निहित प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं के बारे में अपने आपको अवगत करने के लिए केन्द्रीय संदर्भ पुस्तकालय, और भारतीय राष्ट्रीय पुस्तकालय, कोलकाता भेजा गया।

2. 3 फरवरी से 7 मार्च 2003 तक की अवधि के दौरान चार व्यावसायिकों (श्रीमती कमलेश गोयल, श्रीमती मिथिली रमन, श्रीमती कंचन वासुदेव और के.एल. सैनी) को राष्ट्रीय विज्ञान संचार तथा सूचना संसाधन (एन.आई.एस.सी.ए.आई.आर.) नई दिल्ली में कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में अल्पकालीन पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए भेजा गया। (राष्ट्रीय विज्ञान संचार संस्थान (निस्काम), नई दिल्ली और भारतीय राष्ट्रीय वैज्ञानिक प्रलेखन केन्द्र (इन्सडाक), नई दिल्ली के विलयन के फलस्वरूप एन.आई.एस.सी.ए.आई.आर. का हाल ही में गठन किया गया है)।

   पाठ्यक्रम को सात समूहों में विभाजित किया गया था। सभी सातों समूहों में, सूचना प्रौद्योगिकी: आपरेटिंग पद्धति, विन्डोज 2000, एम.एस. वर्ड, एम.एस. एक्सेल, एम.एस. पावर पाइंट, डाटाबेस डिजाइन कन्सेप्ट्स/आर.डी.बी.एम.एस. (सम्बद्ध डाटाबेस प्रबंध पद्धति); दृश्यक फोक्स प्रो; विनिसिस; डेस्कटाप पब्लिशिंग; इन्टरनेट; वेब पेज डिजाइनिंग; सी.डी.-रोम/डी.वी.डी. प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रानिक लायब्रेरी; पुस्तकालय आटोमेशन प्रारम्भ करना तथा वर्तमान प्रवृत्तियों; ग्रन्थालय; बारकोड प्रौद्योगिकी; नेटवर्किंग प्रौद्योगिकी; इनट्रानेट्स; आन-लाइन सर्चिंग; डिजिटल/वर्टयूल लायब्रेरीज; ई-जरनल्स तथा टी.के.डी.एल. (ट्रेडीशनल नोलेज डिजिटल लायब्रेरी) को कवर किया गया। ऊपर वर्णित पूरे पाठ्यक्रम के लिए एक-एक व्याख्यान और अभ्यास आरम्भ किया गया।

3. 6 फरवरी से 11 मार्च 2003 तक तीन पुस्तकालय व्यावसायिकों को (श्रीमती नाग ज्योत्सना राव, श्री महावीर सिंह और श्रीमती पुष्पा रानी) भा.सा.वि.अ.प. कैम्पस में "एम.एस. आफिस एण्ड इन्टरनेट" पर अल्पकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया।

4. 13 से 15 फरवरी 2003 तक, इन्फलीबनेट सेन्टर और निरमा एज्युकेशन एण्ड रीसर्च फाउन्डेशन द्वारा अहमदाबाद में "प्रथम इन्टरनेशनल केलिबर-2003" आयोजित किया गया। श्रीमती ओम कुमारी चौधरी, उप निदेशक को "इन्फार्मेशन गेटवे आफ सोशल साइन्सिज इन इण्डिया" नामक पत्र प्रस्तुत करने और भाग लेने के लिए भेजा गया। पत्र को अभिसमय की कार्यवाही में भी प्रकाशित किया गया है।

5. 19 से 21 फरवरी 2003 तक, डॉ. पी.आर. गोस्वामी, निदेशक, नैसडाक और श्री राजीव खेडा, सिस्टम एनेलिस्ट, कम्प्यूटर सेन्टर को, 35 फिरोजशाह रोड स्थित पुनरुद्धारित पुस्तकालय में आर.एफ.आई.डी. प्रौद्योगिकी लागू करने के वास्ते प्रौद्योगिकी के कार्यकरण का प्रेक्षण करने के लिए जयकर पुस्तकालय, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे भेजा गया। यह प्रौद्योगिकी प्रमुख रूप से कम्प्यूटर आधारित आटोमेटिड इश्यु और पुस्तकों की वापसी के लिए है।

6. 17 से 26 फरवरी 2003 तक, श्रीमती सावित्री

देवी, प्रलेखन अधिकारी को केन्द्रीय सचिवालय पुस्तकालय, नई दिल्ली में ग्रन्थसूचीय प्रारूपों की विभिन्न किस्मों के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए भेजा गया।

पुस्तकालय सेवाएं

नैसडाक पुस्तकालय में देश के सभी भागों से शोधकर्ता पधारे। अध्येताओं ने पी.एच.डी. शोध निबन्धों और अनुसंधान परियोजना रिपोर्टों का परामर्श किया। पुनरुद्धार कार्य की वजह से पुस्तकालय नवम्बर 2002 से मार्च 2003 तक पांच महीने के लिए बन्द रहा। इस अवधि के दौरान नैसडाक ने केवल छुट-पुट प्रलेख प्रदाय सेवा प्रदान की।

अप्रैल से नवम्बर 2002 के दौरान नैसडाक का वाचनालय रविवार और राजपत्रित छुट्टियों को छोड़कर, सोमवार से शनिवार तक सभी दिन सुबह 9.00 बजे से सायं 6.00 बजे तक खुला रहा।

कुल मिलाकर, 3357 अनुसंधान अध्येताओं ने पुस्तकालय का दौरा किया और 35,940 प्रलेखों का, जिनमें शोध निबन्ध, अनुसंधान रिपोर्टें, पुस्तकें और पत्रिकाएं शामिल हैं, परामर्श किया। आलोच्य अवधि के दौरान टेलीफोन पर, व्यक्तिगत रूप से, पत्राचार ई-मेल, फेक्स आदि के माध्यम से अध्येताओं की 14,288 पूछताछों का उत्तर दिया गया।

प्रकाशनों की अधिप्राप्ति

पुस्तकालय के संग्रह में वर्ष के दौरान 310 विनिबन्ध, जिनमें 31 डाक्टोरल शोध निबन्ध, 93 अनुसंधान परियोजना रिपोर्टें शामिल हैं, शामिल किए गए। इसी अवधि के दौरान, 182 रिपोर्टों, शोध निबन्धों और पत्रिकाओं की जिल्दबंदी की गई।

पत्रिकाओं की अधिप्राप्ति

चन्दे/आदान-प्रदान/उपहार के माध्यम से 1500 पत्रिकाएं प्राप्त की गईं। इनमें से 275 शीर्षक वर्ष 2002-2003 के दौरान चन्दे पर प्राप्त किए गए अथवा उनके चन्दे का नवीकरण किया गया। नैसडाक द्वारा प्रत्येक मास 17 दैनिक समाचार-पत्र और 12 मेगजीन मंगाई जाती हैं।

अन्तर-पुस्तकालय ऋण और प्रलेख वितरण

अध्येताओं और परिषद के अधिकारियों को सेवाएं प्रदान करने के लिए विभिन्न संस्थानों/पुस्तकालयों से 392 पुस्तकें और पत्रिकाएं अन्तर-पुस्तकालय ऋण के रूप में उधार ली गईं। नैसडाक ने अनुरोध पर अध्येताओं और अधिकारियों को दस्ती अथवा डाक सेवा के माध्यम से 66,207 फोटोप्रतियां उपलब्ध कराई गईं।

ग्रन्थसूची सेवाएं

समाज विज्ञानों से संबंधित विभिन्न विषयों पर लघु और चुनिन्दा 177 ग्रन्थसूचियां संकलित और मांग पर विभिन्न अध्येताओं और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के स्टाफ सदस्यों को मुहैया कराई गईं। इसके अलावा, नैसडाक में उपलब्ध पहले से संकलित ग्रन्थसूचियों की फोटोप्रतियां भी अध्येताओं को मुहैया की गईं।

डिजिटल संसाधन खोज

नैसडाक, इन्टरनेट, सी.डी.-रोम, फ्लापी आदि जैसे डिजिटल संसाधनों से मांग पर सूचना खोज उपलब्ध कराता है। इस अवधि के दौरान सी.डी.-रोम डाटाबेसों से खोज परिणाम अदायगी आधार पर 205 अध्येताओं को उपलब्ध कराए गए। नैसडाक, डेलनेट (विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क) का एक सदस्य है। सदस्यता के कारण नैसडाक इसके दस डाटाबेसों से खोज कर सकता है। इन डाटाबेसों की किसी पुस्तक विशेष, कोई पत्रिका अथवा किसी विशेषज्ञ के स्थान का पता लगाने के लिए, खोज की जाती है। प्रशासकों, विद्वानों, भा.सा.वि.अ.प. सदस्यों आदि के संबंध में खोज की जाती है। इन्टरनेट तथा अन्य नेटवर्कों जैसे कि विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क (डेलनेट) से खोज 100 अध्येताओं व अन्य समाज विज्ञानियों को निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं।

नैसडाक में उपलब्ध सी.डी.-रोम डाटाबेस

- एग्रिस (कृषि विज्ञान)
- एस्सिआ + (प्रयुक्त समाज विज्ञान सूचक तथा एब्सट्रेक्ट्स प्लस)
- बुक रीव्यू डाइजेस्ट
- ब्रिटिश लायब्रेरी इन्साइड
- डिस्सरटेशन्स एब्सट्रेक्ट्स इन्टरनेशनल : ह्युमनिटीज एण्ड सोशल साइन्सिज

- डी.पी.ई.पी. 2001 - प्रोग्रेस टूवर्ड्स यूनिवर्सल, एक्सेस एण्ड रीटेन्शन
- इकोन लिट
- एरिक (एज्युकेशनल रिसोर्सिज इन्फार्मेशन सेन्टर)
- एग्ज़िम इण्डिया (एक्सपोर्ट एण्ड इम्पोर्ट रिलेटिड इन्फार्मेशन एट ए ग्लान्स)
- फेमिली स्टडीज डाटाबेस
- गाले डायरेक्टरी आफ डाटाबेसिज
- ग्लोबल बुक्स इन प्रिन्ट आन डिस्क
- इन्टरनेशनल पालिटिकल साइंस एब्सट्रेक्ट्स
- आई.एस.आई.डी. रीसर्च एण्ड रेफ्रेन्स सी.डी. (इन्सिटट्यूट फार स्टडीज इन इन्डस्ट्रियल डवलपमेंट)
- जरनल साइटेशन रिपोर्ट : सोशल साइन्सिज
- एन.यू.सी.एस.एस.आई. (नेशनल यूनियन केटेलाग आफ साइन्टिफिक सीरियल्स इन इण्डिया
- पोपलाइन (पोपुलेशन इन्फार्मेशन आनलाइन)
- साइक निट
- सिंगापुर नेशनल बिबलिओग्राफी
- सोशल साइंस साइटेशन इन्डेक्स विद एब्सट्रेक्ट्स
- सोशल साइन्सिज इन्डेक्स
- सोशिओलाजिकल एब्सट्रेक्ट्स
- साउथ इण्डियन पापुलेशन इन्फार्मेशन सिस्टम
- यूनेस्को डाटाबेसिज
- अलरिच आन डिस्क
- वान्स इलेक्ट्रानिक लायब्रेरी
- यूरोपियन इन्वेस्टमेंट बैंक : वार्षिक रिपोर्ट 1998

इन पाठ संबंधी ग्रन्थसूचीय डाटाबेसों के अलावा, कुछेक सांख्यिकीय डाटाबेस हैं:

- वर्ल्ड डवलपमेंट इंडीकेटर्स (1999)
- ग्लोबल डवलपमेंट फाइनेंस (1999)

अधिप्राप्त सी.डी.-रोम

डिस्क पर शोध निबन्ध सार: मानविकी और समाज विज्ञान

इसमें प्रत्यायोजित उत्तर अमरीकी शैक्षिक संस्थानों और अन्यत्र 200 से अधिक संस्थानों द्वारा डाक्टोरल डिग्री के लिए स्वीकृत शोध निबन्धों के सार के साथ (1980 के बाद से) दो मिलियन से अधिक उद्धरण दिए गए हैं।

इकोन लिट

इकोन लिट में, 1969 के बाद से अर्थशास्त्र पर अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य के लिए, चुनिन्दा सार के साथ ग्रन्थसूचीस उद्धरण दिए गए हैं। इसमें विश्वभर में प्रकाशित विभिन्न किस्मों के काफी प्रकारों को शामिल किया गया है, जिनमें पत्रिकाओं के लेख, पुस्तकें और शोध निबंध और साथ ही सामूहिक कृतियों में लेख भी सम्मिलित हैं, जैसे कि सम्मेलनों की कार्यवाही और संग्रहीत निबंध खण्ड । डाटाबेस में, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस डाटाबेस से अर्थशास्त्र में कामकाजी पत्रों के सार, पत्रिकाओं और संग्रहीत खण्डों में आर्थिक लेखों की अनुक्रमणिका तथा जनरल आफ इकोनोमिक लिटरेचर पुस्तक समीक्षा के पूर्ण पाठ भी शामिल हैं।

इकोन लिट विषयों में सम्मिलित हैं: आर्थिक विकास, पूर्वानुमान और इतिहास, राजकोष सिद्धान्त; मौद्रिक सिद्धान्त और वित्तीय संस्थान; व्यापार वित्त; लोक वित्त; और अन्तर्राष्ट्रीय श्रम, स्वास्थ्य देखरेख, प्रबन्ध कीय, जनांकिकीय, क्षेत्रीय, कृषि तथा शहरी अर्थशास्त्र; देशज अध्ययन और सरकारी विनियम।

पत्रिका उद्धरण रिपोर्ट : समाज विज्ञान

सी.डी.-रोम (सी.डी.-रोम पर जे.सी.आर.) पर आई. एस.आई पत्रिका उद्धरण रिपोर्टों में सांख्यिकीय डाटा प्रस्तुत किया जाता है जिससे अपनी-अपनी विषय श्रेणियों के अन्दर पत्रिकाओं के सापेक्ष महत्व का निर्धारण करने का उद्देश्यपरक तरीका प्राप्त होता है। समाज विज्ञान संस्करण में आई.एस.आई. डाटाबेस से लगभग 1600 प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय समाज विज्ञान पत्रिकाओं को कवर किया गया है।

सार के साथ समाज विज्ञान उद्धरण सूचक

आई.एस.आई. समाज विज्ञान उद्धरण सूचक (एस.एस. सी.आई.) में वर्तमान तथा पूर्व व्यापी ग्रन्थसूचीय सूचना, लेखक सार, और 50 से अधिक विषयों को कवर करते हुए विश्व की 1700 से अधिक प्रमुख विद्वतापूर्ण समाज विज्ञान पत्रिकाओं में पाए गए उद्धरित

संदर्भ सुलभ हैं। उनके अन्तर्गत विश्व की लगभग 3,300 प्रमुख विज्ञान और प्रौद्योगिकी पत्रिकाओं से अलग-अलग चुनिन्दा, संगत मद भी सम्मिलित हैं।

विलसन समाज विज्ञान सार

इसमें समाज विज्ञानों के सभी क्षेत्रों में संकल्पनाओं, सिद्धांतों और रीतिविज्ञानों के बारे में जानकारी दी गई है। इसमें, नृ-विज्ञान, अपराध विज्ञान, अर्थशास्त्र, विधि, भूगोल, नीति अध्ययन, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, सामाजिक कार्य और शहरी अध्ययनों के क्षेत्रों में 518 से अधिक अंग्रेजी भाषा पत्रिकाओं के विस्तृत सार और अनुक्रमणिका शामिल है।

साइबर कैफे

भा.सा.वि.अ.प. ने नैसडाक, 35, फिरोजशाह रोड, नई दिल्ली में एक साइबर कैफ स्थापित किया है। प्रदान की जाने वाली सुविधाएं हैं: इन्टरनेट सर्फिंग, ई-मेलिंग व इन्टरनेट की अन्य सुविधाएं। इस अवधि के दौरान लगभग 700 अध्येताओं ने इस सुविधा का लाभ उठाया।

प्रेस कतरनें

निम्नलिखित विषयों पर समाचार-पत्र कतरनें रखी जा रही हैं:

1. भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद और इसके प्रभाग।
2. समाज विज्ञान प्रलेखन केन्द्र।
3. समाज विज्ञान अनुसंधान।
4. समाज विज्ञान अनुसंधान रीति विज्ञान।

प्रकाशन/डाटाबेस

1. डायरेक्टरी आफ फोरेन रेफ्रेंस सोर्सिज आन/एबाउट इण्डिया (पूर्ण)।
2. डाटाबेस आन इण्डियन रेफ्रेंस सोर्सिज (पूर्ण)।
3. इन्डेक्स टू इण्डियन पीरियडिकल्स : ज्योग्राफी; हिस्ट्री एण्ड एलाइड डिस्सिप्लीन्स (प्रगति पर)।
4. एब्सट्रेक्टिंग वर्क आफ आई.सी.एस.एस.आर. रीसर्च प्रोजेक्ट रिपोर्ट्स (प्रगति पर)।
5. अपडेटिंग आफ आई.सी.एस.एस.आर. फेलोशिप्स-डाटाबेस प्रगति पर है।
6. "डाटाबेस आन अफगानिस्तान" का कार्डो पर विकास किया गया है।

अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग

नैसडाक, समाज विज्ञान सूचना क्षेत्र में, संस्थानों, अध्येताओं और विशेषज्ञों के साथ व्यापक रूप से संयोजन बनाए हुए हैं। यह, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पुस्तकालय और सूचना नीति के निर्माण में मदद और सहयोग करता है। नैसडाक, अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तकालय ऐसासिएशन और संस्थान संघ (आई.एफ.एल.ए.) का एक संस्थात्मक सदस्य है। नैसडाक, क्षेत्रीय स्तर पर नेटवर्किंग कार्यकलापों में सक्रिय रूप से भाग लेता है और इसे समाज विज्ञानों में एशिया-प्रशान्त सूचना नेटवर्क हेतु (ए.पी.आई.एन.ई.एस.एस.) राष्ट्रीय सम्पर्क बिन्दु (एन.सी.पी.) के रूप में पदनामित किया गया है।

नैसडाक अनुसंधान सूचना श्रृंखला के तहत श्रृंखला प्रकाशन

नैसडाक अनुसंधान सूचना श्रृंखला के अन्तर्गत निम्नलिखित मिमिओग्राफ्ड क्रममाला प्रकाशन प्रकाशित किए गए:

1. बिबलिओग्राफिक रीप्रिन्ट्स अंक 66-68
2. कन्फरेंस अलर्ट 2002 (2-4)
3. एनोटेटिड इन्डेक्स टू इण्डियन सोशल साइंस जरनल्स, खण्ड 13 (1-4) 2002

नैसडाक सतत शिक्षा कार्यक्रम

शिक्षा, सरकार और उद्योग में कार्यरत सूचना मध्यवर्तियों, पुस्तकालयाध्यक्षों और समाज विज्ञानियों को सूचना प्राप्त करने में नवीनतम सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के उपयोग के बारे में जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से, नैसडाक, नियमित रूप से अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित करता है।

आलोच्य अवधि के दौरान, इडपेड - ई.ओ.एल.डी.डी. कार्यक्रम के अन्तर्गत तीन प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

1. "एक्सेस टू सोशल साइंस इन्फोर्मेशन इन दि डिजिटल एरा", इनफ्लिबनेट, अहमदाबाद में, 29 अप्रैल से 3 मई 2002।
2. "एक्सप्लोरिंग सोशल साइंस इन्फोर्मेशन इन

डिजिटल एनवायरनमेंट'' टाटा समाज विज्ञान संस्थान, मुम्बई में, 27 से 30 मई 2002।

3. ''असेन्शियल स्किल्स फार सर्चिंग सोशल साइंस इन्फोर्मेशन'', नवकृष्ण चौधरी विकास अध्ययन केन्द्र, भुवनेश्वर में, 26-29 जून 2002।

4. ''एक्सेस टू सोशल साइंस इन्फोर्मेशन इन इन्टरनेट एरा'', एम.पी.आई.एस.एस.आर., उज्जैन में, 7-9 अगस्त 2002।

थोक खरीद स्कीम

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की इस स्कीम के अन्तर्गत, नैसडाक ने भा.सा.वि.अ.प. क्षेत्रीय केन्द्रों, अनुसंधान संस्थानों तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों के बीच निम्नलिखित प्रकाशन वितरित किए:

1. ''ओह माई गौड : दि नेचर आफ डिवाइन फाल्टीनेस'', शशि एस. शर्मा द्वारा।
2. ''फ्युचर आफ एग्रीकल्चर इन पंजाब'', एस.एस. जोह्ल और एस.के. रे द्वारा।
3. ''इण्डियन कन्सटीट्युशन : ए रीव्यु'', आर.एन. पाल द्वारा सम्पादित।
4. ''माइग्रेन्ट लेबर एण्ड दि ट्रेड यूनियन मूवमेन्ट इन पंजाब'', कृष्ण चन्द द्वारा।
5. ''डवलपमेंट एण्ड चेंजिंग स्टेट्स आफ शैडयुल्ड कास्ट्स : ए स्टडी आफ अम्बेडकर एण्ड नान-अम्बेडकर विलेजिज इन यू.पी.'', कुलदीप कौर और बी.के. पटनायक द्वारा।
6. ''आपरेशन्स रीसर्च आन स्पेसिंग मेथ्ड्स'', बी. एल. अब्बी, प.के. नन्दा व अन्यों द्वारा।
7. ''इन सर्च आफ इण्डियाज रेनईसेन्स''।
8. ''इकोलोजिकल एग्रीकल्चर एण्ड सस्टेनेबिल डवलपमेंट''।
9. ''अर्बन इन्फोर्मल मैन्युफेक्चरिंग सेक्टर''।

पूर्वव्यापी अनुक्रमणिका और समाचार- पत्र कतरनों का पूर्व-परिवर्तन कार्य

पूर्वव्यापी अनुक्रमणिका परियोजना और समाचार-पत्र कतरनों का पूर्व-परिवर्तन कार्य प्रगति पर है।

अध्ययन अनुदान

अध्ययन अनुदान स्कीम के अन्तर्गत, अध्येताओं के आवास/अनुसंधान स्थान के निकट पुस्तकालय सामग्री उपलब्ध न होने की स्थिति में अपने वांछित स्थान पर सामग्री का परामर्श करने के वास्ते यात्रा व अध्ययन की लागत कवर करने के लिए अध्येताओं को विनिर्दिष्ट दर पर वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस अवधि के दौरान 41 अध्येताओं ने भा.सा.वि.अ.प. अध्ययन अनुदान हेतु आवेदन किया था, 19 अध्येताओं को मंजूरी पत्र जारी किए गए। शेष मामलों के बारे में कार्रवाई की जा रही है।

नैसडाक स्टाफ द्वारा व्यावसायिक लेखन

1. सुधा माथुर

   ''एज्युकेशनल इन्फोर्मेशन सेन्टर्स एण्ड सर्विसिज इन इण्डिया'', सुधा माथुर और सरिता कपूर द्वारा, ''लायब्रेरी हेराल्ड'', खण्ड 40(3), सितम्बर 2002, पृ. 195-209

2. कमलेश गोयल

   ''बिबलियोमिट्रिक स्टडी आफ जेण्डर डिफरेन्सिज इन दि फील्ड आफ साइकोलाजी इन इण्डिया'', खण्ड 27(1), जून 2002, पृ. 11-23।

पुस्तकालय आटोमेशन

नैसडाक ने, अपने लिखित साफ्टवेयर वर्जन 3 को स्तरोन्नत करके उसे विन्डोज एन.टी. के अन्तर्गत लिबसिस 4 में बदल दिया है। लिबसिस साफ्टवेयर का उपयोग पुस्तकालय आटोमेशन, पुस्तकालय प्रलेखों की अधिप्राप्ति, पुस्तकों, शोध निबंधों और अनुसंधान परियोजना का सूची-पत्र तैयार करने के लिए किया जा रहा है। श्रृंखला नियंत्रण, लेख अनुक्रमणिका की प्रक्रिया भी लिबसिस साफ्टवेयर का उपयोग करके चलाई जा रही है। नैसडाक में प्राप्त शोध निबंधों और अनुसंधान परियोजना रिपोर्टों के पहले से उपलब्ध खण्डों के डाटाबेस का निर्माण किया गया है। डाटाबेस की खोज, लेखक, शीर्षक, श्रेणी संख्या और की-वर्ड/विषय-वार की जा सकती है।

सूचीपत्र-कार्ड कम्प्यूटर द्वारा मुद्रित किए जाते हैं। पुस्तकें, शोध निबंध और श्रृंखलाएं अधिप्राप्त करने के लिए पत्राचार के लिए पत्र/नोट भी कम्प्यूटर द्वारा तैयार किए जाते हैं। ''अनोटेटिड इन्डेक्स आफ इण्डियन सोशल साइंस पीरियडिकल्स'' के अंक लिबसिस

साफ्टवेयर का उपयोग करके कम्प्यूटर की मदद से तैयार किए जाते हैं।

लिबसिस साफ्टवेयर के यूनियन केटेलाग माड्यूल का भी उपयोग किया जा रहा है। नैसडाक के आवधिक शीर्षक, आई.एल.आर.सी. शीर्षक सहित, दर्ज, सत्यापित और सम्पादित किए गए हैं।

डिजिटल संसाधन

नैसडाक में निम्नलिखित इन-हाउस डाटाबेस भी हैं:

- कन्फरेन्स अलर्ट।
- अनोटेटिड इन्डेक्स टू इण्डियन सोशन साइंस जरनल्स (पूर्व में करेन्ट इन्डेक्स टू इण्डियन सोशल साइंस जरनल्स के नाम से विख्यात)।
- नैसडाक में उपलब्ध "डाटाबेस आफ अनपब्लिश्ड रिसर्च प्रोजेक्ट रिपोर्ट्स एण्ड डाक्टोरल डिस्सर्शन्स"।
- डायरेक्टरी आफ सोशल साइन्स लायब्रेरीज एण्ड इन्फोर्मेशन सेन्टर्स इन इण्डिया।
- डायरेक्टरी आफ सोशल साइंस रीसर्च एण्ड ट्रेनिंग इन्सिटट्युशन्स इन इण्डिया।
- यूनियन केटेलाग आफ सी.डी.-रोम डाटाबेस इन सोशल साइंस लायब्रेरीज इन इण्डिया।

ये डाटाबेस बिक्री के लिए उपलब्ध हैं तथा समाज विज्ञान अध्येताओं और साथ ही भा.सा.वि.अ.प. व्यावसायिक स्टाफ के लिए भी इनकी खोज की जा सकती है।

और विवरण के लिए निम्नलिखित पते पर सम्पर्क किया जा सकता है:

निदेशक, नैसडाक
भा.सा.वि.अ.प. कैम्पस, होस्टल ब्लाक,
अरुणा आसफ अली मार्ग, ज.ने.वि. संस्थात्मक क्षेत्र,
नई दिल्ली-110067,
टेली : 26179849, 26179850

एशियाई अध्ययनों के संबंध में प्रलेखन केन्द्र

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद ने, जापान सरकार की सहायता से, एशियाई अध्ययनों के संबंध में एक प्रलेखन केन्द्र स्थापित किया है। यह केन्द्र, अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली स्थित भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के मुख्य भवन में स्थित है। केन्द्र के मुख्य उद्देश्य और कार्य निम्नलिखित हैं:

1. एशियाई अध्ययनों के संबंध में सूचना के प्राथमिक और गौण स्रोतों का एक संदर्भ पुस्तकालय स्थापित करना;
2. अनुरोध पर चुनिन्दा ग्रन्थसूचियां उपलब्ध कराना;
3. देश और विदेश में विद्वानों को प्रलेखन वितरण और आपूर्ति सेवाएं प्रदान करना;
4. इलेक्ट्रानिक मीडिया, प्रकाशनों, सेमिनारों आदि के माध्यम से क्षेत्र के बारे में सूचना का प्रसार करना; और
5. एशियाई विद्वानों से संबंधित संस्थानों के बीच साहित्य के आदान-प्रदान के लिए सुविधाएं प्रदान करना।

पुस्तकालय

केन्द्र का पुस्तकालय सभी कार्य दिवसों पर सुबह 9. 30 बजे से सायं 6.00 बजे तक खुला रहता है। इसमें लगभग 35,000 पुस्तकों का संग्रह है तथा पुस्तकालय में एशियाई अध्ययनों के संबंध में 30 पत्रिकाएं व 12 समाचार-पत्र मंगाए जाते हैं।

प्रलेखन

वर्ष 2000-2001 के दौरान निम्नलिखित दो प्रकाशन प्रकाशित किए गए:

1. कन्फरेन्सिज आन एशियन स्टडीज
2. सिलेक्ट जरनल्स आफ एशियन स्टडीज (विषयवस्तु पाठ)

डाटाबेस

निम्नलिखित डाटाबेसों के संबंध में कार्य प्रगति पर है:

1. बिबलियोग्राफी आफ इण्डियन लिटरेचर आन एशियन स्टडीज।
2. लायब्रेरी डाटाबेस।
3. आई.सी.एस.एस.आर. मेलिंग डाटाबेस।

■■

4

अनुसंधान सर्वेक्षण और प्रकाशन

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद का प्रमुख उद्देश्य समाज विज्ञानों में अनुसंधान को प्रोत्साहित करना तथा इसके उपयोग को सुकर बनाना है। समाज विज्ञानियों द्वारा किए गए अनुसंधान कार्य का प्रकाशन इसका एक महत्वपूर्ण कार्यकलाप है। यह, अनुसंधान को और प्रोत्साहित करने तथा साथ ही नीति निर्माताओं के उपयोगार्थ शोध खोजों का प्रसार करती है। प्रकाशन कार्यकलाप के अन्तर्गत भा.सा.वि.अ.प. का शोध सर्वेक्षण कार्यक्रम है; सार और समीक्षा पत्रिकाओं का प्रकाशन; डाक्टोरल शोध निबन्धों, अनुसंधान रिपोर्टों/परियोजनाओं, सेमिनारों की कार्यवाही आदि के प्रकाशन के लिए प्रकाशन अनुदान स्कीम; प्रायोजित कार्यक्रमों, सर्वेक्षण रिपोर्टों और सेमिनार कार्यवाहियों के संबंध में समूल्य पुस्तकों का प्रकाशन; पत्रिकाओं के अनुरक्षण और विकास तथा साथ ही उनके संचालन हेतु व्यावसायिक संगठनों को अनुदान। वर्ष 2002-2003 के दौरान उपलब्धियां निम्नांकित हैं:

प्रकाशित पत्रिकाएं

1. भा.सा.वि.अ.प. सार और समीक्षा पत्रिका : समाज विज्ञान और सामाजिक नृ-विज्ञान, खण्ड 29, अंक 1, जनवरी-जून 2000 और खण्ड 29, अंक 2, जुलाई-दिसम्बर 2000, इन्टर-इण्डिया पब्लिकेशन्स, डी-17, राजा गार्डन, नई दिल्ली-110015।
2. भा.सा.वि.अ.प. सार और समीक्षा पत्रिका : राजनीतिक विज्ञान, खण्ड 28, अंक 2, जुलाई-दिसम्बर 2001, इन्टर इण्डिया पब्लिकेशन्स, डी-17, राजा गार्डन, नई दिल्ली-110015।
3. भारतीय मनोवैज्ञानिक सार और समीक्षा, खण्ड 9, अंक 1 (जनवरी-जून 2002), सागे पब्लिकेशन्स प्रा.लि., बी-42, पंचशील एनक्लेव, नई दिल्ली-110017।
4. "विकल्प", निर्णय निर्माताओं के लिए पत्रिका, खण्ड 27, अंक 1, 2, 3, 4 (जनवरी-दिसम्बर 2002), भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद।
5. भा.सा.वि.अ.प. सार और समीक्षा पत्रिका : अर्थशास्त्र, खण्ड तीन, अंक 1 और 2 (जनवरी-दिसम्बर 2000), मानक पब्लिकेशन्स, जी-19, विजय चौक, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092।
6. भारतीय मनोवैज्ञानिक सार और समीक्षा : खण्ड 9, अंक 2 (जुलाई-दिसम्बी 2002), सागे पब्लिकेशन्स प्रा.लि., बी-42, पंचशील एनक्लेव, नई दिल्ली-110092।
7. भा.सा.वि.अ.प. सार और समीक्षा पत्रिका : समाजशास्त्र और सामाजिक नृ-विज्ञान, खण्ड 30, अंक 1 और 2 (जनवरी-जून, जुलाई-दिसम्बर 2001), इन्टर इण्डिया पब्लिकेशन्स, डी-17, राजा गार्डन, नई दिल्ली-110015।
8. डाक्युमेन्टेशन इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, खण्ड 29, अंक 2, 3, 4 (अप्रैल-दिसम्बर 2001) और खण्ड 30, अंक 1 और 2 (जनवरी-जून 2002), भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली।

9. ''विकल्प'' नीति निर्माताओं के लिए पत्रिका, खण्ड 27, अंक 4, अक्तूबर-दिसम्बर 2002, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद।

प्रकाशित विनिबन्ध

1. सस्टेनेबित कन्जम्पशन : इश्यूज आफ ए पराडिग्म शिफ्ट, डॉ. मुरली मनोहर जोशी द्वारा।
2. फिफ्टी ईअर्स आफ डवलपमेंट स्ट्रगल रिफ्लेक्शन्स, प्रोफेसर वी.आर. पंचमुखी द्वारा।
3. कन्सेप्ट आफ गुड गवर्नेन्स एण्ड कौटिल्याज अर्थशास्त्र, सुभाष सी. कश्यप द्वारा।

विक्रम साराभाई मेमोरियल अवार्ड और व्याख्यान

सिद्धान्त रूप में यह अवार्ड समाज विज्ञान में अनुसंधान के लिए उत्कृष्ट योगदान और ऐसे अनुसंधान का सामाजिक तथा राष्ट्रीय विकास के लिए उपयोग करने के वास्ते प्रत्येक वर्ष (1978 से शुरू करके) दिया जाना है। आयु के संबंध में कोई प्रतिबन्ध नहीं है तथापि श्रेष्ठ होनहार युवा समाज विज्ञानियों को प्राथमिकता प्रदान की जाती है। साराभाई मेमोरियल अवार्ड-2002, 30 अक्तूबर 2002 को उनके द्वारा दिए गए विक्रम साराभाई मेमोरियन व्याख्यान के अवसर पर डॉ. पी.एन. टन्डन को प्रदान किया गया।



5

आंकड़ा अभिलेखागार

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद आंकड़ा अभिलेखागार, समाज विज्ञानियों की अनुसंधान जरूरतें पूरी करने में उन्हें मदद देकर समाज विज्ञान अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए अनेक कार्यक्रम और कार्यकलाप आयोजित करता है। ये कार्यकलाप हैं: समाजार्थिक डाटा बैंकों के एक नेटवर्क की स्थापना, आंकड़ा प्रसंस्करण में मार्गदर्शी व परामर्श सेवाएं प्रदान करना, आंकड़ा प्रसंस्करण में कम्प्यूटर अनुप्रयोग और अनुसंधान रीतिविज्ञान में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रायोजित करना तथा शैक्षिक निकायों, संस्थानों व विश्वविद्यालय विभागों द्वारा सेमिनारों, सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।

सामाजिक-आर्थिक डाटा बैंकों का नेटवर्क

शिक्षा के संबंध में डाटा बैंक

शिक्षा के संबंध में डाटा बैंक के भाग के रूप में बहु-विषयक अनुसंधान केन्द्र, धारवाड ने भारत में प्रारम्भिक शिक्षा को कवर करते हुए "बुलेटिन आफ एज्युकेशनल डाटा बैंक" का खण्ड-एक प्रकाशित किया। बुलेटिन में भारत में प्रारम्भिक शिक्षा के विभिन्न पहलुओं से संबंधित मात्रात्मक और गुणात्मक सूचना प्रकाशित की जाती है। आंकड़े राज्य-वार प्रस्तुत किए जाते हैं, जिन्हें उच्च आय वाले राज्य, मध्यम आय वाले राज्य, निम्न आय वाले राज्य और संघ राज्य क्षेत्रों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। एक पृथक खण्ड में, भारत में शिक्षा नीति के कालक्रमानुसार विकास का उल्लेख करते हुए प्रारम्भिक शिक्षा के संबंध में संवैधानिक प्रावधानों का उल्लेख किया गया है। प्रारम्भिक शिक्षा के संबंध में गठित विभिन्न आयोगों और समितियों के बारे में जानकारी भी इस खण्ड में दी गई है। संकलित डाटा को कम्प्यूटर में भण्डारित किया गया है तथा अध्येताओं को प्रसारार्थ उपलब्ध है। संस्थान द्वारा बुलेटिन की हार्ड प्रतियां सीमित संख्या में प्रकाशित की गई हैं तथा बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए संस्थान का प्रस्ताव शैक्षिक डाटा के बुलेटिन की और प्रतियां प्रकाशित करने का है। शिक्षा के संबंध में डाटा बैंक की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए संस्थान का प्रस्ताव उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने का है। इस कार्य के अन्तर्गत दाखिले, अध्यापकों से संबंधित डाटा और जानकारी तथा उच्च शिक्षा के संबंध में विभिन्न समितियों और आयोगों के अलावा, भारत में उच्च शिक्षा के वित्तपोषण को कवर किया जाएगा। इस कार्य के महत्व को ध्यान में रखते हुए परिषद ने डाटा बैंक को जारी रखने के लिए अतिरिक्त अनुदान प्रदान किया है।

जनसंख्या और रोजगार के संबंध में डाटा बैंक

जनसंख्या और रोजगार के संबंध में डाटा बैंक के कार्यक्रम के प्रथम चरण में आर्थिक विकास संस्थान, दिल्ली ने तीन डाटा सेट प्राप्त किए हैं। ये हैं:

1. 1991 सेन्सस डाटा : इस सी.डी. में सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों की बी से एफ श्रृंखला, प्राइमरी सेन्सस एब्सट्रेक्ट (पी.सी.ए.) और ग्राम निर्देशिका (वी.डी.) से संबंधित तालिका रूप में डाटा दिया गया है।

   प्राइमरी सेन्सस एब्सट्रेक्ट में, मकानों और परिवारों

की संख्या, कुल आबादी, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों, 0-6 वर्ष के आयु-वर्ग में आबादी, नौ प्रकार की औद्योगिक श्रेणियों के अनुसार वर्गीकृत मुख्य कामगारों की संख्या, सीमान्तिक कामगारों और गैर-कामगारों के संबंध में डाटा दिया गया है। ये आंकड़े ग्रामीण क्षेत्रों के संबंध में ग्राम स्तर तक और नगरों व कस्बों के संबंध में वार्ड स्तर तक उपलब्ध हैं।

ग्राम निर्देशिका में, शिक्षा और चिकित्सा सुविधा, पेय जल, डाक और टेलीग्राफ सुविधाओं, बाजार के दिनों, संचार सुविधाओं (बस स्टाप, रेलवे स्टेशन, जल म2र्ग), ग्राम तक पहुंच, निकटतम नगर और उसकी दूरी, विद्युत आपूर्ति तथा लोगों के स्टेपल खाद्य तथा भू-उपयोग पद्धति (वन, सिंचित व गैर-सिंचित भूमि, खेती योग्य अपशिष्ट तथा खेती के लिए उपलब्ध नहीं होने वाला क्षेत्र) की उपलब्धता के बारे में प्रत्येक ग्राम के संबंध में जानकारी दी गई है। 1991 सेन्सस सी.डी. उपयोगकर्ता-अनुकूल नहीं है।

जनगणना (सेन्सस) के अनुसार, उपलब्ध विभिन्न प्रकार के आंकड़ों की कम जानकारी रखने वाले उपयोगकर्ता को उसके द्वारा वांछित जानकारी देने वाली तालिका का पता लगाने में बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इसलिए, एक सहज डाटा पुनः प्राप्ति और माइक्रोसोफ्ट एक्सेल के माध्यम से डाटा प्रसंस्करण के लिए तालिका-प्रेरित कार्यक्रम विकसित करना जरूरी पाया गया। सेन्सस डाटा की सहज और उपयोगकर्ता-अनुकूल पुनः प्राप्ति के उद्देश्य से बैंक द्वारा दृश्यक बेसिक में एक कार्यक्रम विकसित किया गया है। जनसंख्या और रोजगार संबंधी डाटा बैंक का प्रस्ताव अगले चरण में 2001 सेन्सस की डाटा तालिकाओं के लिए ऐसी ही डाटा पुनः प्राप्ति पद्धति विकसित करने तथा पिछली जनगणनाओं की डाटा तालिकाओं का कम्प्यूटरीकरण करने का है जो इस समय केवल मुद्रित रूप में उपलब्ध हैं।

2. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 1991-92 : इस सी.डी. में एन.एफ.एच.एस. 1 से 89,000 परिवारों और 90,000 सदा विवाहित महिलाओं के संबंध में माइक्रो डाटा दिया गया है। ये भली-भांति प्रलेखित हैं और आसानी से उपयोग किए जाने योग्य हैं।

3. राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 1997-98 : इस सी.डी. में एन.एफ.एच.एस. 2 से 91,000 परिवारों और 89,000 सदा विवाहित महिलाओं के संबंध में माइक्रो डाटा दिया गया है।

बैंक का विचार है कि 1991 सेन्सस सी.डी. को पुनः प्राप्ति कार्यक्रम के साथ सभी भा.सा.वि.अ.प. संस्थानों को निःशुल्क वितरित करने का है। अन्य संस्थानों और अनुसंधानकर्ताओं के लिए सी.डी., हार्डवेयर व डाकखर्च को कवर करने के वास्ते मामूली प्रभार पर, उपलब्ध होंगी।

बैंक, 1998-99 और 2002-03 में आयोजित जिला आर.सी.एच. सर्वेक्षणों का माइक्रो डाटा सेट प्राप्त करने की भी योजना बना रहा है। बैंक, रोजगार के संबंध में राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण डाटा की अधिप्राप्ति को कवर करने तथा उनके प्रलेखन की भी योजना बना रहा है जो अब भी लम्बित है।

डाटा प्रसंस्करण में मार्गदर्शी तथा परामर्शी सेवाएं

डाटा प्रसंस्करण में मार्गदर्शी तथा परामर्शी सेवाओं की स्कीम के अन्तर्गत समाज विज्ञान अनुसंधानकर्ताओं को अपनी वैज्ञानिक अनुसंधान दक्षताएं विकसित करने और अपनी डाटा प्रसंस्करण समस्याओं का समाधान करने के वास्ते सहायता प्रदान की जाती है। इसके तहत, अनुसंधान समस्याओं का विनिर्धारण, सेम्पलिंग डिजाइन, डाटा संकलन हेतु अनुसंधान यंत्रों का निर्माण, संहिता पुस्तक तैयार करना, कम्प्यूटर की मदद से विश्लेषण योजना और डाटा का सांख्यिकीय विश्लेषण सम्मिलित है। आंकड़ा अभिलेखागार के अलावा, देश के विभिन्न भागों में स्थित बारह अन्य अनुसंधान संस्थान अध्येताओं को उनके कार्य के स्थान के निकट ये सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं।

वर्ष के दौरान, स्कीम के अन्तर्गत प्रदत्त इन सेवाओं का पच्चीस अध्येताओं ने लाभ उठाया। बहुत से अध्येताओं ने अपना अनुसंधान कार्य पूरा करने के लिए एक से अधिक बार इन केन्द्रों का दौरा किया। इस कार्यक्रम में

भाग लेने वाले संस्थानों की एक सूची परिशिष्ट 9 में तथा वर्ष के दौरान इन सुविधाओं का लाभ उठाने वाले अध्येताओं की सूची परिशिष्ट 10 में देखी जा सकती है।

प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

भा.सा.वि.अ. परिषद, युवा अनुसंधानकर्ताओं, विशेष रूप से आनुभाविक समाज विज्ञान अनुसंधान कार्य करने के इच्छुक अनुसंधानकर्ताओं की अनुसंधान दक्षता उन्नत करने के लिए अनुसंधान रीतिविज्ञान और कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रायोजित करती है। ये प्रशिक्षण पाठ्यक्रम देश के विभिन्न भागों में, भा.सा.वि.अ. परिषद की वित्तीय सहायता से प्रमुख अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालय/कालेज विभागों द्वारा आयोजित किए जाते हैं। वर्ष के दौरान, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद ने अनुसंधान रीतिविज्ञान और कम्प्यूटर अनुप्रयोगों में उन्नीस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रायोजित किए।

वर्ष के दौरान प्रायोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की सूची अनुसंधान प्रोत्साहन अध्याय में देखी जा सकती है।

डाटा अभिलेखागार का एक महत्वपूर्ण कार्य समाज विज्ञान अनुसंधानकर्ताओं के समुदाय को तथा भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के अन्दर अन्य प्रभागों व उपयोगकर्ताओं को कम्प्यूटर समर्थित सहायता प्रदान करना है। अनुसंधानकर्ताओं की सेवार्थ डाटा अभिलेखागार में कुछेक कम्प्यूटर हैं। डाटा के सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु एक साफ्टवेयर पैकेज, एस.पी.एस.एस./पी.सी.+ उपलब्ध है। ये कम्प्यूटर सुविधाएं शिक्षाविदों तथा समाज विज्ञान अनुसंधानकर्ताओं और संस्थानों को कम्प्यूटर प्रयोग के 300 रुपए प्रति घन्टा के साधारण प्रभार पर उपलब्ध हैं।

ऊपर वर्णित किसी भी कार्यक्रम के बारे में कोई अतिरिक्त जानकारी प्राप्त करने के इच्छुक अध्येता उप निदेशक, आंकड़ा अभिलेखागार, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, ज.ने.वि. संस्थात्मक क्षेत्र, अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली-110067 से सम्पर्क कर सकते हैं।

भा.सा.वि.अ.प. में आधुनिकीकरण कार्यक्रम

भा.सा.वि.अ.प. में शुरू किए गए कार्यालय आधुनिकीकरण कार्यक्रम को जारी रखते हुए मुख्य भवन में स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क (लेन) की स्थापना की गई। इससे उपयोगकर्ताओं को इन्टरनेट सुलभता और विद्वानों के साथ संचार की बेहतर विधि उपलब्ध होगी। भा.सा.वि.अ.प. मुख्य कार्यालय से जुड़े रहने के लिए क्षेत्रीय केन्द्रों को समर्पित कम्प्यूटर व आई.एस.डी.एन. लाइनें उपलब्ध कराई गईं। इससे उन्हें भविष्य में विडियो कन्फरेंसिंग सहित तेज और बेहतर संचार सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। एक अन्य प्रमुख प्रयास प्रसंस्करण में लीड-समय को कम करने के लिए एक फाइल रिकार्ड पद्धति का विकास करना है। आलोच्य अवधि के दौरान भा.सा.वि.अ.प. के वेबसाइट की पुनर्संरचना की गई ताकि इसे और अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाया जा सके। वार्षिक गोपनीय रिपोर्टों (ए.सी.आर.) का रख-रखाव विनिश्चित किया गया तथा उसे कार्यरूप दिया गया। भा.सा.वि.अ.प. के कर्मचारियों को विभिन्न प्रकार की छुट्टियां मंजूर करने के प्रयोजनार्थ नए अवकाश फार्म तैयार किए गए और उन्हें लागू किया गया।

अन्य कार्यक्रम : सेमिनार और सम्मेलन

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, वर्तमान वाद-विवादों तथा मानव आचरण और समाज के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, आर्थिक व राजनीतिक पहलुओं को कवर करते हुए, समाज विज्ञानों के विभिन्न विषयों पर सेमिनार, सम्मेलन और कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए, अनुसंधान संस्थानों और कालेज/ विश्वविद्यालय विभागों को आंशिक वित्तीय सहायता प्रदान करती है। वर्ष के दौरान परिषद द्वारा एक सौ से अधिक सेमिनार/सम्मेलन प्रायोजित किए गए। इन सेमिनारों/सम्मेलनों की सूची "अन्य कार्यक्रम" अध्याय में देखी जा सकती है।

■■

6

अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग

अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रम भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य भारत व अन्य देशों के विद्वानों के बीच सम्पर्कों को प्रोत्साहित करना है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत कार्यान्वित किए जाने वाले कार्यकलाप हैं : सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम, सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों से इतर अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय कड़ियां, अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने और विदेश में डाटा संकलन हेतु सहायता, भारतीय परिदृश्य के संबंध में अध्ययन हेतु अनुदान, यूनेस्को, आई.एस.एस.सी., ए.ए. एस.एस.आर.ई.सी. आदि जैसे अन्तर्राष्ट्रीय समाज विज्ञान संगठनों के कार्यकलापों में भाग लेना।

आलोच्य अवधि के दौरान निम्नलिखित कार्यकलाप आयोजित किए गए:

भारत-रूस सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम (सी.ई.पी.)

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद तथा रूसी विज्ञान अकादमी, मास्को के बीच समाज विज्ञानों के क्षेत्र में अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग है जिसमें भारत-रूस सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्वानों का आदान-प्रदान सम्मिलित है।

भारतीय पक्ष की ओर से

1. प्रोफेसर शशिकान्त झा, रूसी अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने "रूस में राजनीतिक संस्थानों का गठन और विकास" पर अनुसंधान कार्य के संबंध में 22 मई 2002 से एक मास के लिए रूस का दौरा किया।
2. डॉ. गुलशन सचदेव, रूसी केन्द्र, मध्य एशियाई और पूर्व-यूरोपीय अध्ययन, ज.ने.वि., नई दिल्ली, ने "रूसी निजीकरण अनुभव : भारत के लिए प्रासंगिकता" पर अनुसंधान कार्य के लिए एक मास की अवधि के लिए रूस का दौरा किया।
3. प्रोफेसर किशोर सी समल, एन.के.सी. विकास अध्ययन केन्द्र, भुवनेश्वर ने "उदारीकरण, वैश्विकरण और निजीकरण: लघु उद्योगों/औपचारिक क्षेत्र पर इसके प्रभाव" पर अनुसंधान कार्य के संबंध में एक मास की अवधि के लिए रूस का दौरा किया।
4. प्रोफेसर एन.वी. चन्द्र मेनन, आपदा प्रबंधन केन्द्र, यशदा बन्नेर रोड, पुणे-411007, ने "आपातिक तैयारी का समेकन और भारत में प्राकृतिक तथा मानव निर्मित आपदाओं के संबंध में प्रतिक्रिया" पर अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में एक मास की अवधि के लिए रूस का दौरा किया।
5. श्री आर.वी. रमना, संग्रहालय विज्ञान विभाग, ललित कला संकाय, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा-390002, ने "सांस्कृतिक और मानव दाय" पर अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में एक मास की अवधि के लिए रूस का दौरा किया।
6. श्री वैद्य बी. बसु, आई डी एस ए, ब्लाक 3, पुराना ज.ने.वि. कैम्पस, नई दिल्ली - 110067, ने "भारत-रूस महत्त्वपूर्ण भागीदारी: वर्तमान वास्तविकताएं और भावी सम्भावनाओं" पर अपने

अनुसंधान कार्य के संबंध में एक मास की अवधि के लिए रूस का दौरा किया।

भारत-फ्रांस सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद तथा मेसन डेस साइन्सिज डे एल होमे, पैरिस के बीच भारत-फ्रांस सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत समाज विज्ञानों के क्षेत्र में सहयोगात्मक संबंध हैं। विद्वानों का आदान-प्रदान इस कार्यक्रम के अन्तर्गत एक कार्यकलाप है। निम्नलिखित विद्वानों ने अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में फ्रांस का दौरा किया:

भारतीय पक्ष की ओर से

1. डॉ. अजय के. मेहरा, डी-104, सेक्टर 27, नोएडा-201301, ने भारत-फ्रांस सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में 14 मई 2002 से दो मास की अवधि के लिए फ्रांस का दौरा किया।
2. डॉ. अशोक के. शर्मा, लोक प्रशासन विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर-302015, ने अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में 1 सितम्बर 2002 से दो मास की अवधि के लिए फ्रांस का दौरा किया।
3. डॉ. एस. अजमल पाशा, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, नगरभवी पो. बंगलौर, ने अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में 4 अक्तूबर 2002 से एक मास की अवधि के लिए फ्रांस का दौरा किया।
4. श्री एन.आर. भानुमूर्ति, आर्थिक विकास संस्थान, यूनिवर्सिटी एनक्लेव, दिल्ली-110007, ने अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में 2 अक्तूबर 2002 से दो मास की अवधि के लिए फ्रांस का दौरा किया।
5. डॉ. के.जे.एस. चतरथ, आई.ए.एस., महानिदेशक, गोपालबन्धु प्रशासन अकादमी, भुवनेश्वर, ने अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में 12 अक्तूबर से 16 नवम्बर 2002 तक एक मास की अवधि के लिए फ्रांस का दौरा किया।
6. प्रोफेसर एस. बनर्जी गुहा, भूगोल विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई-400098, ने अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में 4 मार्च 2003 से एक मास की अवधि के लिए फ्रांस का दौरा किया।

फ्रांस पक्ष की ओर से

1. प्रोफेसर जे.एल. रेसीन, अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय उच्च अध्ययन कार्यक्रम (एम.एस.एच.), पैरिस, ने भारत-फ्रांस सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के अतिथि के रूप में 27 जून से 8 जुलाई 2002 तक भारत का दौरान किया।
2. प्रोफेसर ज़ीन-पियरे बोक्वेट-अपील, सी.एन.आर. एस., पैरिस, ने "भारत-पाकिस्तान संबंधों का मूल्यांकन" पर अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में 26 जून 2002 से भारत का दौरा किया।
3. प्रोफेसर क्रिस्टियन फेगेलसन, पैरिस 3 विश्वविद्यालय, पैरिस, ने अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में भारतीस सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के एक अतिथि के रूप में 17 फरवरी 2003 से दो सप्ताह की अवधि के लिए भारत का दौरा किया।
4. डॉ. गिलेस ताराबौत, निदेशक, भारत फ्रांस कार्यक्रम, मेसन डेस साइन्सिज डेल होम, पैरिस, ने 16 फरवरी 2003 से एक सप्ताह की अवधि के लिए भारत का दौरा किया।

भारत-चीन सांस्कृतिक विनियम कार्यक्रम

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद और चीनी समाज विज्ञान अकादमी (सी.ए.एस.एस.) के बीच समाज विज्ञानों के क्षेत्र में सहयोग कार्यकलाप विद्यमान हैं जिसमें भारत-चीन सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्वानों का आदान-प्रदान सम्मिलित है।

भारतीय पक्ष की ओर से

1. डॉ. एम.आर. नारायण, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, आर्थिक यूनिट, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, नगरभवी पो., बंगलौर-560072, ने अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में भारत-चीन सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत 14 अप्रैल 2002 से एक मास के लिए चीन का दौरा किया।

2. श्रीमती निम्मी कुरिअन, एसोसिएट अनुसंधान प्रोफेसर, नीति अनुसंधान केन्द्र, धर्म मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110021, ने अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में 12 नवम्बर 2002 से एक मास के लिए चीन का दौरा किया।
3. डॉ. (श्रीमती) ताप्ति मुखोपाध्याय, सी-111-1, टाटा हाउसिंग सेन्टर, लल्लूभाई पार्क, अन्धेरी (प.) मुम्बई-400058, ने अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में 21 नवम्बर 2002 से 15 दिन के लिए चीन का दौरा किया।

चीनी पक्ष की ओर से

1. प्रोफेसर वई होउकई, औद्योगिक अर्थशास्त्र संस्थान, चीनी समाज विज्ञान अकादमी (सी.ए.एस.एस), बीजिंग, ने अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में 12 नवम्बर 2002 से 15 दिन के लिए भारत का दौरा किया।
2. प्रोफेसर चेन याओ, औद्योगिक अर्थशास्त्र संस्थान, चीनी समाज विज्ञान अकादमी (सी.ए.एस.एस), बीजिंग, ने अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में 12 नवम्बर 2002 से 15 दिन के लिए भारत का दौरा किया।
3. प्रोफेसर लियु कई, औद्योगिक अर्थशास्त्र संस्थान, चीनी समाज विज्ञान अकादमी (सी.ए.एस.एस), बीजिंग, ने अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में 12 नवम्बर 2002 से 15 दिन के लिए भारत का दौरा किया।
4. प्रोफेसर झांग शुनहांग, वरिष्ठ फैलो, अध्यक्ष, पश्चिम यूरोपीय तथा उत्तर अमरीकी ऐतिहासिक अध्ययन खण्ड, विश्व इतिहास संस्थान, बीजिंग, ने अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में 12 नवम्बर 2002 से 15 दिन के लिए भारत का दौरा किया।
5. प्रोफेसर फंग गुअंगछंग, विश्व धर्म संस्थान, चीनी समाज विज्ञान अकादमी (सी.ए.एस.एस), बीजिंग, ने अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में 26 नवम्बर 2002 से 15 दिन के लिए भारत का दौरा किया।
6. प्रोफेसर (श्रीमती) क्युई योगहुई, विश्व धर्म संस्थान, चीनी समाज विज्ञान अकादमी (सी.ए. एस.एस.), बीजिंग, ने अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में 26 नवम्बर 2002 से 15 दिन के लिए भारत का दौरा किया।
7. प्रोफेसर गाओ जिअनपिंग, चीनी समाज विज्ञान अकादमी (सी.ए.एस.एस.), बीजिंग, ने अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में 23 दिसम्बर 2002 से 15 दिन के लिए भारत का दौरा किया।
8. प्रोफेसर यंग यी, चीनी समाज विज्ञान अकादमी (सी.ए.एस.एस.), बीजिंग, ने अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में 23 दिसम्बर 2002 से 15 दिन के लिए भारत का दौरा किया।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने के लिए अनुदान

1. सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, समाज विज्ञान स्कूल, ज.ने.वि., को 21 से 23 अक्तूबर 2003 तक "पुनर्विचार समाजशास्त्र" पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने के लिए केवल 50,000 रुपए मंजूर किए गए।
2. केन्द्रीय अंग्रेजी और विदेशी भाषा संस्थान, शिलांग, को 16 से 18 दिसम्बर 2003 तक अभिज्ञान संरचना पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने के लिए मात्र 2,00,000 रुपए मंजूर किए गए।
3. चीनी और जापानी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली को 27-28 मार्च 2003 को ''भारत और पूर्व एशिया : एक-दूसरे से सीखना'' पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करने के लिए मात्र 50,000 रुपए मंजूर किए गए।

भा.सा.वि.अ.प. - जे.एस.पी.एस. संयुक्त सेमिनार

भारत-जापान राजनयिक संबंध स्थापित होने की 50वीं वर्षगांठ मनाने के लिए दोनों संगठनों ने भारत-जापान समाज विज्ञान सहयोग कार्यक्रम के अन्तर्गत, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सम्मेलन कक्ष, अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली-110067, में ''भारत-जापान संबंधों के 50 वर्ष'' पर 9 से 11 जनवरी 2003 को एक संयुक्त सेमिनार आयोजित किया।

सेमिनार के लिए भारतीय और जापानी समन्वयकर्ता निम्नलिखित थे:

- प्रोफेसर के.वी. केसवन, प्रोफेसर, जापानी अध्ययन, पूर्व एशियाई अध्ययन केन्द्र, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, ज.ने.वि., नई दिल्ली-110067 तथा प्रोफेसर यानागिस्वा हारुका, प्राच्य संस्कृति संस्थान, तोक्यो विश्वविद्यालय, 7-3-1, होनगो बुनक्योकु, तोक्यो, 1130033, जापान।

इस सेमिनार के लिए विनिर्धारित विषय थे:

- राजनीतिक संबंध
- आर्थिक संबंध
- सांस्कृतिक संबंध
- दर्शन के क्षेत्र में संबंध
- साहित्य के क्षेत्र में संबंध

इस सेमिनार में छः प्रमुख जापानी और बारह भारतीय विद्वानों ने भाग लिया जिन्होंने पत्र प्रस्तुत किए और चर्चाकार के रूप में कार्य किया तथा विचार-विमर्श में भी भाग लिया।

■■

7

उत्तर-पूर्व कार्यक्रम

कार्यक्रम के अन्तर्गत, भारतीय सामाजिक विकास अनुसंधान परिषद का उत्तर-पूर्व प्रकोष्ठ, अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान परियोजनाओं, विभिन्न स्तरों पर समाज विज्ञानियों को डाक्टोरल, सामान्य और वरिष्ठ अध्येतावृत्तियां प्रदान करने और सेमिनार व सम्मेलन आयोजित करने के प्रस्तावों को स्वीकार करने, समाज विज्ञानों में अनुसंधान रीतिविज्ञान तथा डाटा प्रसंस्करण पाठ्यक्रमों को समर्थन प्रदान करने, शोध निबंधों और अनुसंधान रिपोर्टों के प्रकाशन हेतु अनुरोधों को स्वीकार करने और साथ ही उत्तर-पूर्व क्षेत्र में अनुसंधान संस्थानों के वित्तपोषण पर भी विचार करता है। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद का यह भी प्रयास रहा है कि देश के उत्तर-पूर्व क्षेत्र में अन्य भागों में भा.सा.वि.अ.प. क्षेत्रीय केन्द्रों द्वारा वित्तीय सहायतार्थ उत्तर-पूर्व में कार्यरत सक्षम अनुसंधान संस्थानों का पता लगाया जाए। भा.सा.वि.अ.प. से उत्तर-पूर्व को निधियों के शीघ्र प्रवाह को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परिषद ने उत्तर-पूर्व के संबंध में एक सलाहकार समिति का गठन किया है ताकि एक समयबद्ध तरीके से अनुदान का उपयोग सुकर बनाया जा सके।

वित्त वर्ष (2002-2003) के दौरान, एन.ई.पी. प्रकोष्ठ को परियोजनाओं, सेमिनारों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संबंध में अनुसंधान प्रस्ताव प्राप्त हुए तथा उनकी छानबीन की गई। आलोच्य वर्ष के दौरान उत्तर-पूर्व तीव्र प्रगति समिति की, विभिन्न स्कीमों के अन्तर्गत प्राप्त प्रस्तावों की मंजूरी/अस्वीकृति हेतु उनकी जांच व अनुमोदन करने के वास्ते दो बार बैठक हुई। दूसरी बैठक भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में 18 दिसम्बर 2002 को और तीसरी बैठक 11-12 मार्च को "सिपर्ड" (राज्य लोक प्रशासन तथा ग्राम विकास संस्थान), अगरतला, त्रिपुरा में आयोजित हुई। निम्नलिखित अनुसंधान प्रस्ताव/सेमिनार/कार्यशालाएं/प्रस्ताव/सम्मेलन प्रस्ताव/प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रस्ताव तथा एन.आई.पी.सी.सी.डी. के साथ सहयोग कार्यक्रम प्रस्ताव मंजूर किए गए:

अनुसंधान प्रस्ताव

1. प्रोफेसर रामाश्रय राय, प्रधान, भारतीय परम्परा अध्ययन केन्द्र, तंत्रवती गीता भवन, रन्ती हाउस, रन्ती, मधुबनी, ''विकास, साम्प्रदायिकता और विद्रोह : उत्तर-पूर्व क्षेत्र का मामला'', 5,50,000 रुपए।
2. डॉ. सी.जे. थामस, उप निदेशक, उत्तर-पूर्व क्षेत्रीय केन्द्र, अपर नोंगथम्मई, शिलांग, ''उत्तर-पूर्व भारत के विश्वविद्यालयों में समाज विज्ञानों में एम.फिल और पी.एच.डी. शोध निबन्धों का सर्वेक्षण'', 3,50,000/- रुपए।
3. डॉ. बिमल प्रमाणिक, निदेशक, भारत-बंगलादेश सम्बन्ध अनुसंधान केन्द्र, 107, जोधपुर पार्क, कोलकाता, ''पूर्वी तथा उत्तर-पूर्वी राज्यों में जनांकिकीय परिवर्तन : धर्मनिरपेक्ष सामन्जस्य तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बढ़ती समस्या'', 6,00,000/- रुपए।
4. डॉ. नन्देश्वर शर्मा, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, भूगोल विभाग, एल.एन. मिथिला विश्वविद्यालय,

कामेश्वरनगर, दरभंगा, ''मानव संसाधन आधार बनाम अरुणाचल प्रदेश का आर्थिक विकास'', 6,67,800/- रुपए।

5. डॉ. आर. तमुली, रीडर, वाणिज्य विभाग, अरुणाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, रोनो हिल्स, ईटानगर, ''अरुणाचल प्रदेश के पापुम पत्रे जिले के आर्थिक विकास के लिए बैंकिंग संस्थानों की भूमिका'', 2,48,600/- रुपए।

6. डॉ. शिवा नन्द झा, वरिष्ठ व्याख्याता, भूगोल, जे. एन. कालेज, पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश, ''वन और वन्यजीवन प्रबंधन के संदर्भ में अडि जनजातीय समूह के रिवाज़ कानून : सिअंग बेसिन, अरुणाचल प्रदेश का एक मामला अध्ययन'', 1,89,000/- रुपए।

7. डॉ. अर्चना शर्मा, निदेशक, महिला अध्ययन अनुसंधान केन्द्र, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, ''महिला प्रधान परिवारों के विशेष संदर्भ में असम में महिलाओं का स्थिति संबंधी विश्लेषण'', 2,50,000/- रुपए।

8. प्राफेसर एच. गोस्वामी, अर्थशास्त्र विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़, ''असम के चाय बागान श्रमिक समुदाय के उत्पादक स्वास्थ्य का एक अध्ययन'', 3,00,000/- रुपए।

9. डॉ. एस. मंगी सिंह, सहायक प्रोफेसर, राजनीतिक विज्ञान विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचीपुर, इम्फाल, ''मणिपुर में आन्तरिक विस्थापित व्यक्ति (आई.डी.पी.एस.) : जातीय संघर्षों का एक अध्ययन - पर्वतों के पीड़ित'', 3,00,000/- रुपए।

10. श्री एच. सुधीर कुमार सिंह, सहायक प्रोफेसर, इतिहास विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचीपुर, इम्फाल, ''मणिपुर में महिला बाजार और स्थिति: ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में राज्य राजनीति में बाजार महिला भागीदारी का एक अध्ययन'', 2,50,000/- रुपए।

11. डॉ. चौ. यशवन्त सिंह, सह-प्रोफेसर, भाषाविज्ञान विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचीपुर, इम्फाल, ''मणिपुर की जनजातीय बोलियों का एक अध्ययन'', 2,00,000/- रुपए।

12. डॉ. ई. विजयकुमार सिंह, सह-प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचीपुर, इम्फाल, ''उत्तर-पूर्व में बेरोजगारी और रोजगार की प्रकृति: मणिपुर का एक मामला अध्ययन'', 1,68,000/- रुपए।

13. डॉ. संजीव काकोती, सचिव, उत्तर-पूर्व पारि-विकास सोसायटी, पूर्णा भवन, मोती नगर, शिलांग, ''असम और मेघालय राज्यों में एड्स नियंत्रण उपायों की स्थिति और कार्यकुशलता के संबंध में अध्ययन तथा क्षेत्रीय अनुसंधान और इसके भावी निहितार्थ'', 5,00,000/- रुपए।

14. डॉ. सिमा पाल, व्याख्याता, शिक्षा, लुमडिंग कालेज, जि. नागोन, असम, ''असम और नागालेण्ड में जनजातीय महिलाओं के बीच साक्षरता दर प्रभावित करने वाले शिक्षा कार्यक्रम: एक तुलनात्मक अध्ययन'', 5,00,000/- रुपए।

15. प्रोफेसर आर.के. भद्र, समाजशास्त्र और सामाजिक नृ-विज्ञान विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, जिला दार्जीलिंग, --सिक्किम में स्वास्थ्य और सामाजिक संरचना : सततता और परिवर्तन का एक अध्ययन'', 3,00,000/- रुपए।

16. प्रोफेसर ए.सी. सिन्हा, समाजशास्त्र विभाग, उत्तर-पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, ''सिक्किम में राजनीति : एक पुन: अध्ययन'', 1,86,900/- रुपए।

17. डॉ. सविता पाण्डे, सह-प्रोफेसर, दक्षिण एशियाई अध्ययन, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, ''उत्तर-पूर्व विद्रोह में बाह्य कारक और मुद्दें'', 3,50,000/- रुपए।

18. डॉ. बी.बी. पाण्डे, उप निदेशक, अनुसंधान (सेवानिवृत्त), लेगी शापिंग कम्प्लेक्स, बैंक तिनाली, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, ''अरुणाचल प्रदेश में आई.सी.डी.एस. कार्यक्रमों के बारे में समुदायों का ज्ञान, अभिवृत्ति, भागीदारी और योगदान'', 4,32,600/- रुपए।

19. डॉ. डी. मुखोपाध्याय, "स्पार्टा" सामाजिक अध्ययन संस्थान, पडी युब्बे हाउस, ए.पी.आई.डी.ई.सी. के निकट, ईटानगर, ''अरुणाचल प्रदेश में अपा

तानी में प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और संधारणीय विकास का विश्लेषणात्मक अध्ययन तथा नीतिगत मुद्दे'', 3,73,800/- रुपए।

20. डॉ. एम.पी. बेजबरुह, रीडर, अर्थशास्त्र विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, ''भारत- म्यांमार सीमापार व्यापार की समस्याएं और सम्भावनाएं तथा उत्तर-पूर्व के लिए इसके सामाजार्थिक परिणाम'', 3,83,000/- रुपए।

21. डॉ. एच.सी. गौतम, रीडर, वाणिज्य विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, ''संसाधन उपयोग और निर्धनता कमी : ग्राम विकास प्रक्रिया में जनभागीदारी की एक जांच'', 5,00,000/- रुपए।

22. डॉ. एस.के. गुप्ता और ए.के. मिश्रा, वाणिज्य विभाग, नागालैण्ड विश्वविद्यालय, कोहिमा, ''नागालैण्ड में माइक्रो-उद्यम विकास शिक्षा'', 2,50,000/- रुपए।

23. डॉ. प्रशान्त आर आचार्जी, वरिष्ठ व्याख्याता, अर्थशास्त्र विभाग, जी.सी. कालेज, सिल्चर, असम, ''बारक घाटी का औद्योगिक विकास : समस्याएं और सम्भावनाएं'', 4,50,000/- रुपए।

24. डॉ. सोमेश्वर काकोली, प्रोफेसर, सांख्यिकी विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़, ''असम राज्य के सामाजार्थिक विकास की विकेन्द्रीकृत योजना का प्रभाव : एक सांख्यिकीय मूल्यांकन'', 3,50,000/- रुपए।

25. डॉ. सुजीत के. घोष, कार्यकारी निदेशक, उत्तर-पूर्व सांस्कृतिक अध्ययन और अनुवाद मंच, 2, सोनाली कम्प्लेक्स, अम्बिकापट्टी सिल्चर, ''इतिहास के रूप में महाकाव्य : चिन पहाड़ियों से लुशाई पहाड़ियों तक राम कथा की यात्रा'', 2,00,000/- रुपए।

26. राजऋषि राय, वरिष्ठ व्याख्याता, शिक्षा विभाग, असम विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, ''उत्तर-पूर्व में विद्रोह और औपचारिक शिक्षा की भूमिका : एक समालोचनात्मक अध्ययन'', 5,00,000/- रुपए।

27. श्रीमती हजारीमायुम जुबिता, कार्यकारी निदेशक, एरीमा जेण्डर सशक्तिकरण और संसाधन केन्द्र, केईशमयांग होडम लइरक, इम्फाल, ''मणिपुर में एच.आई.वी./एड्स और महिलाएं'', 5,00,000/- रुपए।

28. डॉ. शैलेन्द्र मोहन ठाकुर और दल, प्रधान, सामाजिक सामन्जस्य अनुसंधान और प्रबंध सोसायटी, डी/ई-352, मुनीरका, नई दिल्ली, ''उत्तर-पूर्व क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण और पंचायती राज संस्थानों की भूमिका'', 5,75,400/- रुपए।

29. डॉ. कृष्णा सिन्हा, श्रीमती सुब्रता पुरकायस्थ और श्रीमती वार्नी रानी, व्याख्याता, भूगोल विभाग, सेंट मेरी कालेज, शिलांग, ''ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के विशेष संदर्भ में शिलांग शहरी समूह का भू-पर्यावरणात्मक मूल्यांकन, 1,00,000/- रुपए।

30. डॉ. सी.जे. थामस, उप निदेशक, उत्तर-पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, अपर नोंगथीम्मई, शिलांग, ''उत्तर-पूर्व से समाज विज्ञानियों का संग्रहस्थल'', 2,00,000/- रुपए।

31. डॉ. एन.बी. विश्वास, शिक्षा विभाग, उत्तर-पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, ''पूर्वी तथा उत्तर-पूर्वी भारत में अनुसूचित जातियों की शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल : एक अन्वेषणात्मक अध्ययन'', 4,50,000/- रुपए।

32. डॉ. जी.डी. भट, वरिष्ठ रीडर, राजनीतिक विज्ञान, श्री अरविन्द कालेज, नई दिल्ली, ''सिक्किम में पंचायती राज और महिला नेतृत्व'', 5,00,000/- रुपए।

33. प्रोफेसर अरुणोदय साहा, नेताजी सुभाष बासु प्रोफेसर, अर्थशास्त्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सूर्यमणिनगर, त्रिपुरा, ''विकास के लिए जल : उत्तर-पूर्व भारत में जन संसाधनों का एक अध्ययन'', 6,50,000/- रुपए।

34. भा.सा.वि.अ.प.-उ.पू.क्षे. केन्द्र, अपर नोंगथीम्मई, शिलांग, ''उत्तर-पूर्व भारत समाजविज्ञान पुनरीक्षा के सम्बन्ध में एक बहु-विषयक पत्रिका के प्रकाशन की शुरुआत'', 75,000/- रुपए।

35. भा.सा.वि.अ.प.-उ.पू.क्षे. केन्द्र, अपर नोंगथीम्मई, शिलांग, ''न्यूज आफ नार्थ-ईस्ट इण्डिया'' नामक

प्रेस कतरनों के संबंध में मासिक पत्रिका", 1,00,000/- रुपए।

सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन

1. प्रोफेसर टी.बी. सुब्बा, प्रोफेसर, नृ-विज्ञान तथा डीन, पर्यावरणीय विज्ञान स्कूल, उत्तर-पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, "वेरिअर एलविन तथा उत्तर-पूर्व भारत की जनजातियां", 50,000/- रुपए।

2. प्रोफेसर बी. दत्ता रे, सचिव, उत्तर-पूर्व भारत समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद, बी.टी. होस्टल, शिलांग, "इक्कीसवीं सदी उत्तर-पूर्व भारत में शिक्षा : मुद्दे, सम्भावनाएं और चुनौतियां", 50,000/- रुपए।

3. डॉ. अपूर्व के.बरुआ, उत्तर-पूर्वी विकास अध्ययन संस्थान, 9, नेहू, मवलई, शिलांग, "उत्तर-पूर्व भारत में पारम्परिक परम्पराएं तथा प्रजातांत्रिक अधिशासन", 50,000/- रुपए।

4. डॉ. गिरिन फुकन, निदेशक, ताई अध्ययन और अनुसंधान संस्थान, मोरनहाट, "उत्तर-पूर्व भारत के ताई", 50,000/- रुपए।

5. प्रोफेसर डी.के. नायक, भूगोल विभाग, उत्तर-पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, "पहाड़ पर्यावरण और प्राकृतिक संकट प्रबंधन पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन", 50,000/- रुपए।

6. डॉ. आर.के. गुप्ता, वरिष्ठ रीडर, राजनीतिक विज्ञान, राजकीय एम.बी.पी.जी. कालेज, हलद्वानी (नैनीताल), उत्तरांचल, "उत्तर-पूर्वी राज्यों का रहस्य", 1,00,000/- रुपए।

7. श्री प्रियनाथ, राष्ट्रीय विकास तथा राष्ट्र निर्माण हेतु प्रोत्साहन कार्यकलाप सोसायटी, 116-ए, अर्जुन नगर, नई दिल्ली, "उत्तर-पूर्व में विद्रोह में बंगलादेश की भूमिका", 1,50,000/- रुपए।

8. डॉ. रमेश रमण झा, सामाजिक अनुसंधान और कार्रवाई एसोसिएशन, 1801, जी.टी.बी. एनक्लेव, दिल्ली, "अरुणाचल प्रदेश में सामाजार्थिक विकास : बाधा और सम्भावनाएं", 3,44,400/- रुपए।

9. डॉ. (श्रीमती) एस. बोरा, अवै. निदेशक, युवा अध्ययन केन्द्र, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़, "स्वतंत्रता-पश्चात अवधि में उत्तर-पूर्व भारत में युवा असंतोष", 1,50,000/- रुपए।

10. प्रोफेसर दिलीप सी. नाथ, अध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, "एड्स पर कार्यशाला", 5,30,250/- रुपए।

11. श्रीमती हजारीमायुम जुबिता, कार्यकारी निदेशक, एरिमा जेण्डर सशक्तिकरण और संसाधन केन्द्र, कोईशमथांग होडम लइरक, इम्फाल, "उत्तर-पूर्व भारत में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा", 3,00,000/- रुपए।

12. भा.सा.वि.अ.प. उत्तर-पूर्व क्षेत्रीय केन्द्र, अपर नोंगथीम्मल, शिलांग, "उत्तर-पूर्व भारत में विकास की चुनौतियां", 9,00,000/- रुपए।

13. प्रोफेसर एन.बी. विश्वास, शिक्षा विभाग, उत्तर-पूर्व पर्वतीय विश्वविद्यालय, तुरा कैम्पस, तुरा और प्रोफेसर गौतम विश्वास, दर्शन विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिल्चर, "शिक्षाशास्त्र और ज्ञान मीमांसा : शिक्षा के भारतीय दर्शन में परिप्रेक्ष्य", 1,50,000/- रुपए।

14. डॉ. दिलीप मेधी, प्रोफेसर, नृ-विज्ञान विभाग, "उत्तर-पूर्व भारत में विद्रोह (उत्पत्ति, समस्या और उपचार)", 5,00,000/- रुपए।

15. हिमालय क्षेत्र अध्ययन और अनुसंधान संस्थान, बी-256, लोनी रोड के पूर्व में, चित्रकूट, दिल्ली, "सिक्किम में महिलाओं का सशक्तिकरण और स्थिति", 3,00,000/- रुपए।

16. विवेकानन्द केन्द्र संस्कृति संस्थान, एम.जी. रोड, उल्जनबाजार, गुवाहाटी, "पारम्परिक पद्धतियों, सततता में परिवर्तन पर अरुणाचल प्रदेश, असम और त्रिपुरा में पांच सेमिनार", 4,87,000/- रुपए।

17. डॉ. ए.सी. तालुकदार, डीन, समाज विज्ञान संकाय, अरुणाचल विश्वविद्यालय, रोनो पहाड़ियां, ईटानगर, "उत्तर-पूर्व के पर्वतीय क्षेत्रों में परम्परागत स्व-शासन संस्थानों और आज के संदर्भ में (73वें संविधान संशोधन अधिनियम के विशेष संदर्भ में) उनकी प्रासंगिकता", 2,26,700/- रुपए।

18. हिमालय तथा जनजातीय क्षेत्र अनुसंधान केन्द्र,

ईटानगर, "अरुणाचल प्रदेश : संक्रमणाधीन जनजातियां", 4,00,000/- रुपए।

19. डॉ. माणिक कार, अध्यक्ष, भूगोल विभाग, नागोन कालेज, नागोन, "असम में पर्यटन विकास पर कार्यशाला : समस्याएं और संभावनाएं", 4,00,000/- रुपए।

20. डॉ. सुधीर सिंह, समन्वयकर्ता, ग्रामीण और जनजातीय विकास सोसायटी, "उत्तर-पूर्व में विकास में एन.जी.ओ. की भूमिका पर कार्यशाला", 4,00,000/- रुपए।

21. डॉ. एच. सुधीर कुमार सिंह, सहायक प्रोफेसर, इतिहास विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल, "मणिपुर में युवाओं के बीच मादक औषधि सेवन", 4,00,000/- रुपए।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. डॉ. एस.पी. शुक्ला, अध्यक्ष, अनादी सेवा प्रकल्प, विवेक विहार, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, "उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिए समाज विज्ञानों में डाक्टोरल छात्रों के लिए अनुसंधान रीतिविज्ञान पर प्रशिक्षण कार्यक्रम", 5,00,000/- रुपए।

2. प्रोफेसर अरुणोदय सारा, नेताजी सुभाष बासु प्रोफेसर, अर्थशास्त्र, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, अगरतला, "उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिए समाज विज्ञान अनुसंधान में कम्प्यूटर अनुप्रयोगों पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम", 3,00,000/- रुपए।

3. प्रोफेसर ए.एन.एस. अहमद, निदेशक, ओ.के.डी. सामाजिक परिवर्तन तथा विकास संस्थान, के. के. भट्टा रोड, गुवाहाटी, "अनुसंधान रीतिविज्ञान पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम", 3,00,000/- रुपए।

एन.आई.पी.सी.सी.डी. (राष्ट्रीय सार्वजनिक सहयोग और बाल विकास संस्थान) के साथ 50:50 आधार पर सहयोग कार्यक्रम

1. गंगटोक, सिक्किम में अनुसंधान रीतिविज्ञान पर अनुस्थापन पाठ्यक्रम, 6,33,000/- रुपए।

2. अगरतला, त्रिपुरा में अनुसंधान रीतिविज्ञान पर अनुस्थापन पाठ्यक्रम, 6,33,000/- रुपए।



8

अन्य कार्यक्रम

सेमिनारों/सम्मेलनों के लिए अनुदान

1. डॉ. शैलेन्द्र मोहन ठाकुर, सामाजिक सामन्जस्य, अनुसंधान और प्रबंध सोसायटी, सी-99/6, गौतम नगर, नई दिल्ली, ''पंचायती राज और महिलाओं का सशक्तिकरण : वर्तमान समस्याएं और संभावनाएं'', 25 जुलाई 2002, 25,000/- रुपए।
2. अध्यक्ष, संचेतना, बी-1/128, मोहम्मदपुर, भिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, ''समाजवाद बनाम फलवाद पर सेमिनार : सी.पी.सी. की चौथी पीढ़ी की फलमूलक कार्यसूची'', सितम्बर 2002, 25,000/- रुपए।
3. प्रोफेसर उमा सिंह, दक्षिण एशियाई प्रभाग, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, ज.ने.वि., नई दिल्ली, ''भारत-पाकिस्तान संबधों में एक कारक के रूप में कश्मीर'', 10 अगस्त 2002, 20,000/- रुपए।
4. श्रीमती पूनम मेहरा, अध्यक्ष, महिला कला और ग्रामोद्योग विकास समिति, बी-15ए, हेमकुंठ चैम्बर्स, 89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, ''महिलाओं की लघु उद्योग इकाइयों में अपशिष्ट प्रबंधन पर कार्यशाला, जुलाई 2002, 20,000/- रुपए।
5. डॉ. एम.एस.एस. रावत, संयोजक, भूगोल विभाग, गढ़वाल विश्वविद्यालय कैम्पस, श्रीनगर गढ़वाल, उत्तरांचल, ''मध्य हिमालय : पर्यावरण और विकास (राजनीतिक कार्रवाई और चुनौतियां)'', 23-25 अक्तूबर 2002, 15,000/- रुपए।
6. प्रोफेसर एस. रंजन मोहपात्र, अध्यक्ष, विकास प्रबंधन हेतु दूरदृष्टि प्रतिष्ठान, सी-16, तीसरी मंजिल, अमर कालोनी बाजार, लाजपत नगर-चार, नई दिल्ली, ''भारतीय संस्कृति पर अन्तर्राष्ट्रीय संचार साधनों के प्रकटीकरण के प्रभाव का मूल्यांकन'', जुलाई 2002, 15,000/- रुपए।
7. डॉ. आर.एल. पिताले, अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक अध्ययन केन्द्र (आई.सी.सी.एस.), प्लाट नं. 27, फ्रेन्ड्स सहकारी आवास सोसायटी, ले-आउट-चार, रविन्द्र नगर, नागपुर, संयुक्त अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आई.सी.सी.एस. - वईक्स्तो विश्वविद्यालय, न्युजीलैण्ड, ''प्राचीन संस्कृतियों का परिरक्षण और वैश्विकरण परिदृश्य'', 22-24 नवम्बर 2002, 20,000/- रुपए।
8. डॉ. राकेश कुमार झा, सामाजिक अनुसंधान और कार्रवाई एसोसिएशन, 1801 जनता फ्लेट, जी.टी.बी. एनक्लेव, नई दिल्ली, ''मादक औषधि लत की समस्या : आयाम और उपचार'', 28 अगस्त 2002, 15,000/- रुपए।
9. श्रीमती एल.वी. अनास्कर, बेलगांव जिला महिला परिषद, 8, इन्डल रोड, संगमेश्वर नगर, बेलगांव, कर्नाटक, ''शिक्षा और रोजगार के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण'', 25-26 अगस्त 2002, 20,000/- रुपए।
10. डॉ. हेमलता तलसेरा, 12 ए, पंचवटी, उदयपुर-313001, राजस्थान, ''इक्कीसवीं सदी में मानव अधिकारों और मूलभूत कर्त्तव्यों की प्रासंगिकता'', 24-25 नवम्बर 2002, 15,000/- रुपए।

11. डॉ. ए. पुष्पाराजन, अध्यक्ष, अन्तर-धार्मिक अध्यापन विभाग, मदुरई कामराज विश्वविद्यालय, एन.एम.आर. सुब्बुरमन इलम कैम्पस, 3, वल्लभाई रोड, मदुरई, ''राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय गांधवादी अध्ययन सोसायटी का 25वां सत्र'', अक्तूबर 2002, 20,000/- रुपए।

12. प्रोफेसर भवानी सिंह (सेवानिवृत्त), प्रमुख अन्वेषणकर्ता, राजनीतिक विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान, ''उत्तर भारत में जाति और चुनाव राजनीति'' पर सेमिनार, 20-21 सितम्बर 2002, 20,000/- रुपए।

13. डॉ. जी. विक्टर राजामणिकम, संगठन सचिव, आई.जी.एस. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मृदा विज्ञान विभाग, तमिल विश्वविद्यालय, तंजावूर, ''वैश्विकरण और संधारणीय विकास : डिजिटल क्रान्ति का परिप्रेक्ष्य और पर्यावरण प्रबंधान'' पर सम्मेलन, 23-25 अगस्त 2002, 15,000/- रुपए।

14. डॉ. पी.के. भौमिक, सामाजिक अनुसंधान और प्रयुक्त मानवविज्ञान संस्थान, बिदिशा, नारायणगढ़, मिदनापुर, पश्चिम बंगाल, ''भारत के आदिम जनजातीय समूहों और संकटग्रस्त जनजातीय समुदायों पर राष्ट्रीय सेमिनार'', 10-12 जुलाई 2002, 10,000/- रुपए।

15. डॉ. सीताराम दुबे, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला, एफ-2/6, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, ''वैदिक संस्कृति एवं उसकी सत्यता पर सेमिनार'', 26-28 फरवरी 2002, 30,000/- रुपए।

16. प्रोफेसर डी. मुखोपाध्याय, कार्यक्रम निदेशक, स्पार्टा सामाजिक अध्ययन संस्थान, ए-21, सेक्टर 31, नोएडा, ''जनजातीय विकास और इसके प्रशासन में मुद्दों पर राष्ट्रीय सम्मेलन'', 5-6 अक्तूबर 2002, 15,000/- रुपए।

17. डॉ. सुधीर कुमार, उपाध्यक्ष, समाज विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान, 24 सी, एवरशाइन अपार्टमेन्ट्स, डी ब्लाक, विकासपुरी, नई दिल्ली, ''प्रजातांत्रिक विकेन्द्रीकरण हेतु प्रेरणा पर राष्ट्रीय सेमिनार'', 22-23 अक्तूबर 2002, 20,000/- रुपए।

18. शोधक, बी-424, मालवीय नगर, जयपुर, राजस्थान, ''भारत में धर्म और राजनीति पर सेमिनार'', 9-10 अगस्त 2002, 10,000/- रुपए।

19. (श्रीमती) बीना जैन, उज्जवल महिला एसोसिएशन, बी-117, निर्माण विहार, दिल्ली, ''महिलाओं के बीच सकारात्मक वृद्धावस्था की दिशा में'', 17-18 अगस्त, 2002, 20,000/- रुपए।

20. डॉ. (कैप्टन) डी.वी.पी. राजा, आयोजक, बारहवीं भारतीय समाज विज्ञान एसोसिएशन, मदुरई समाज विज्ञान संस्थान, मदुरई, ''धर्म, संस्कृति और सोसायटी पर भारतीय समाज विज्ञान एसोसिएशन का बाईसवां सम्मेलन'', अक्तूबर 2002, 15,000/- रुपए।

21. प्रोफेसर स्कारिआ जकारिआ, समन्वयकर्ता, सांस्कृतिक अध्ययन स्कूल, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कलाडी, ''स्थानीय ज्ञान पद्धति पर कार्यशाला'', नवम्बर 2002, 15,000/- रुपए।

22. डॉ. सी. स्वामीनाथन, प्रिंसिपल, कोंगू कला और विज्ञान कालेज, ननजनपुरम, ईरोड, तमिलनाडु, ''ग्रामीण विपणन'', अगस्त 2002, 10,000/- रुपए।

23. वेन. हीरो हितो, सचिव, ग्रामोद्योग सेवा आश्रम ग्राम, मेदपुर पो. किनानगर, मेरठ, ''महापन्डित राहुल सांकृत्यायन पर राष्ट्रीय सेमिनार'', 5-6 अक्तूबर 2002, 20,000 रुपए।

24. क. वीरेन्द्र सहाय, एशियाई लोग एसोसिएशन, गांधी आश्रम, किंगसवे कैम्प, दिल्ली, ''कश्मीर समस्या का एक समान और निष्पक्ष समाधान'', 3-8-2002, 20,000/- रुपए।

25. डॉ. उदय कुमार सिन्हा, सहायक प्रोफेसर, नैदानिक मनोविज्ञान विभाग, मानव आचरण और सम्बद्ध विज्ञान संस्थान (आई.एच.बी.ए.एस.), पो. बाक्स 9520, दिलशाद गार्डन, दिल्ली, ''किशोर मानसिक स्वास्थ्य : वर्तमान स्थिति और चुनौतियां'', 27-28 अक्तूबर 2002, 15,000/- रुपए।

26. डॉ. जी.एस. मेहरा, ग्रामीण अध्ययन केन्द्र, ए-120,

सेक्टर-4, लाजपत नगर, ए ब्लाक, साहिबाबाद-201005, ''इक्कीसवीं सदी में भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास पर सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभाव'', 28-29 सितम्बर 2002, 25,000/- रुपए।

27. डॉ. प्रिया नाथ, समन्वयकर्ता, स्पन्दन, 116-ए, ग्राउन्ड फ्लोर, अर्जुन नगर, नई दिल्ली, ''बंगलादेश में अल्पसंख्यकों और मानव अधिकारों पर सेमिनार'', 19-20 अगस्त 2002, 1,00,000/- रुपए।

28. डॉ. आर.एस. गौतम, मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान, 19 महाश्वेता नगर, उज्जैन, मध्य प्रदेश, ''भारत में साम्प्रदायिक सामंजस्य : चुनौतियां और संभावनाएं'', 26-28 सितम्बर 2002, 50,000/- रुपए।

29. डॉ. गजेन्द्र पारीख, अर्थशास्त्र अध्ययन स्कूल, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, मध्य प्रदेश, ''मध्य प्रदेश आर्थिक एसोसिएशन का 16वां वार्षिक सम्मेलन'', 27-28 सितम्बर 2002, 20,000/- रुपए।

30. प्रोफेसर मुशिर-उल-हसन, जामिया मिलिया इस्लामिया, तृतीय विश्व अध्ययन अकादमी, जे. एम.आई., नई दिल्ली, ''फिलिस्तीन के भविष्य पर सेमिनार'', नवम्बर 2002, 20,000/- रुपए।

31. रेव. एल. अश्वघोष, महासचिव, अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शिक्षा संस्थान, मेरठ रोड, हापुड, ''दक्षिण-पूर्व के दृढ़ सांस्कृतिक आधार के रूप में संस्कृत पर सेमिनार'', नवम्बर 2002, 10,000/- रुपए।

32. डॉ. एस.ए. सिद्दीकी, सचिव, सामाजिक विकास शोध संस्थान, आगरा, ''पंचायत राज पद्धति और ग्राम विकास : एक मूल्यांकन पर सेमिनार'', 14-15 दिसम्बर 2002, 25,000/- रुपए।

33. प्रोफेसर बी.एम. शर्मा, अध्यक्ष, राजनीतिक विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, ''प्रौद्योगिकी, प्रजातंत्र और न्याय हेतु चुनौतियां: संधारणीय मानव विकास पर सेमिनार'', 6-8 दिसम्बर 2002, 20,000/- रुपए।

34. डॉ. आर्जा कुलिकन, थापर इंजीनियरी तथा प्रौद्योगिकी संस्थान, पो. बाक्स नं. 32, पटियाला, ''बोध में प्रगतियों पर संगोष्ठी'', 9-11 मार्च 2002, 40,000/- रुपए।

35. डॉ. एन.के. झा, राजनीतिक विज्ञान विभाग, पाण्डिचेरी विश्वविद्यालय, पाण्डिचेरी, ''विश्व मामलों में नेहरूवियन परम्परा : नई सहस्राब्दि में प्रासंगिकता पर सेमिनार'', 5-6 दिसम्बर 2002, 20,000/- रुपए।

36. डॉ. जे.एल. सिंह, प्रिंसिपल, जगतपुर स्नातकोत्तर कालेज, जगतपुर, वाराणसी, ''भारत में जनसंख्या और विकास : इक्कीसवीं शताब्दी के लिए चुनौतियां'', पर सेमिनार, 20-21 दिसम्बर 2002, 25,000/- रुपए।

37. डॉ. ए.पी. चौधरी, आयोजन सचिव, अर्थशास्त्र विभाग, सी.एस.एस.एच.एम.एल. सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, ''राजस्थान आर्थिक एसोसिएशन का 24वां सम्मेलन तथा लोक अर्थशास्त्र पर राष्ट्रीय सेमिनार'', 17-19 जनवरी 2002, 30,000/- रुपए।

38. प्रोफेसर दीपक कुमार, ज़ाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र, समाज विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, ''एशिया के पर्यावरणीय इतिहास पर सेमिनार'', 4-7 दिसम्बर 2002, 25,000/- रुपए।

39. अध्यक्ष, एल्बर्ट विकास संस्थान, थुलाकोतिथा, अम्बेडकर कालोनी, इन्दर गढ़ी, आध्यात्मिक कालोनी, गाजियाबाद, ''वैश्विकरण के युग में बौद्ध धर्म और जाजातियों की परम्परा और संस्कृति पर सेमिनार'', 2 नवम्बर 2002, 10,000/- रुपए।

40. डॉ. स्कन्द कुमार मिश्रा, प्रिंसिपल, राजकीय न्यु साइंस कालेज, रीवा (मध्य प्रदेश), ''नृ-जीवविज्ञान और संधारणीय विकास'', 13-14 जनवरी 2002, 20,000/- रुपए।

41. निदेशक, कालेज और विश्वविद्यालय विकास बोर्ड, नार्थ महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव, ''भारतीय मनोविज्ञान और विभिन्न क्षेत्रों में इसके निहितार्थ पर सेमिनार'', जनवरी-फरवरी 2003, 30,000/- रुपए।

42. प्रोफेसर अख्तर माजिद, संघीय अध्ययन केन्द्र

जामिया हमदर्द, हमदर्द विश्वविद्यालय, हमदर्द नगर, नई दिल्ली, ''भारतीय संघीय संरचना और उभरते आयामों पर सेमिनार'', दिसम्बर 2002, 15,000/- रुपए।

43. सचिव, रश्थ हितकारी शिक्षा प्रसार समिति, 2951, बौद्ध लोक कालोनी, मेरठ रोड, हापुड, ''बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर के लेख और भाषण'', नवम्बर 2002, 10,000/- रुपए।

44. डॉ. पी.के. मिश्रा, एशिया, प्रशान्त अध्ययन अकादमी, पीतमपुरा, दिल्ली, ''119 अमरीकी सोसायटी पश्चात भारतीय चित्र'', 1 दिसम्बर 2002, 10,000/- रुपए।

45. श्री एम.के. ओतानी, आबुशीष ग्रामीण सेवा संस्थान, मेरठ रोड, हापुड, ''तिब्बत मुद्दें : इनके एक साथ समाधान के लिए एक फलमूलक मुद्दे पर सेमिनार'', अक्तूबर 2002, 10,000/- रुपए।

46. अध्यक्ष, बेस फाउन्डेशन, सी-635, स्ट्रीट नं. 9, जाकिर नगर (ओखला), नई दिल्ली, ''ग्रामीण महिलाओं के लिए आय सृजन'', 15 दिसम्बर 2002, 10,000/- रुपए।

47. प्रोफेसर एन.पी. चौबे, 26वीं भारतीय समाज विज्ञान कांग्रेस, भारतीय समाज विज्ञान अकादमी, ईश्वर शरण आश्रम कैम्पस, इलाहाबाद, ''सम्मेलन : शक्ति, हिंसा और सोसायटी'', 22-26 जनवरी 2003, 1,00,000/- रुपए।

48. प्रोफेसर नन्देश्वर मिश्रा, संयोजक, चौबीसवीं भारतीय भूगोल कांग्रेस, भूगोल विभाग, एल.एन. मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा, ''प्राकृतिक आपदा प्रबंधन'', 28-30 दिसम्बर 2002, 25,000/- रुपए।

49. डॉ. ए. रंगा रेड्डी, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभाग, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, ''अपराध राजनीति और पारिस्थितिक विकास के साथ घूस बाजार में अन्तर-संयोजनों पर सेमिनार'', 13-14 मार्च 2002, 10,000/- रुपए।

50. प्रोफेसर शशिकान्त झा, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, रूसी, मध्य एशिया तथा पूर्व यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नई दिल्ली, ''सी.आई.एस. : चुनौतियों और अवसरों के एक दशक पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन'', नवम्बर 2002, 20,000/- रुपए।

51. डॉ. रवीन्द्र शर्मा, सह-प्रोफेसर, लोक प्रशासन विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, ''विकेन्द्रीकृत अधिशासन : विकास प्रशासन हेतु चुनौतियां तथा अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार'', 22-24 दिसम्बर 2002, 20,000/- रुपए।

52. डॉ. ए.के. साहा, अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय महाविद्यालय, पो. तूफानगंज, न्यू टाउन, कूच बिहार, पश्चिम बंगाल, ''ग्रामीण सोसायटी में परिवर्तन'', 22 जनवरी 2003, 15,000/- रुपए।

53. डॉ. ए.के. लाल, ए.एन. सिन्हा सामाजिक अध्ययन संस्थान, पटना, ''लोक नायक जय प्रकाश नारायण के योगदान पर सेमिनार'', जनवरी 2003, 30,000/- रुपए।

54. सचिव, "मे आई हैल्प यू", (एम.आई.एच.यू), बी/25, फ्लाईओवर ग्रिडसे, बालासोर, उड़ीसा, ''साम्प्रदायिक तनाव और राष्ट्रीय एकता'', 5-8 जनवरी 2002, 15,000/- रुपए।

55. प्रिंसिपल कार्डामोम, प्लान्टर्स एसोसिएशन कालेज, पो.बा. 29, पंकाजम नगर, बोडीनयकानुर, ''एक ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उद्यमशीलता'', 13-14 दिसम्बर 2002, 10,000/- रुपए।

56. अध्यक्ष, बिहार आर्थिक एसोसिएशन, एन-34, प्रोफेसर्स कालोनी, कंकडबाग, पटना, ''ई.ए.बी. का छठा वार्षिक सम्मेलन'', 16-18 नवम्बर 2002, 20,000/- रुपए।

57. डॉ. पी. प्रभाकरन, अर्थशास्त्र विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, डॉ. जानमथाई केन्द्र, अरनात्तुकाडा, पो. त्रिस्सुर, ''विकेन्द्रीकृत आयोजना और ई-अधि शासन'', 25-26 अक्तूबर 2002, 15,000/- रुपए।

58. डॉ. प्रियदर्शी पटनायक, मानविकी तथा समाज विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, "समय : भारतीय संदर्भ, पर राष्ट्रीय बहुविषये सेमिनार", 6-7 दिसम्बर 2002, 25,000/- रुपए।

59. डॉ. वी.डी. चोपड़ा, उपाध्यक्ष, एशिया-प्रशान्त अध्ययन संस्थान, के-22, सैनिक फार्म, नई दिल्ली-110062, "भारत-रूस संबंधों में नई प्रवृत्तियां : भावी अध्ययनों पर राष्ट्रीय सेमिनार", दिसम्बर 2002, 20,000/- रुपए।

60. डॉ. वी.बी. सिंह, विकास सोसायटी अध्ययन केन्द्र, 29 राजपुर रोड, दिल्ली, "भारत में समकालीन राजनीतिक सिद्धान्त", 12-13 दिसम्बर 2002, 75,000/- रुपए।

61. डॉ. आर. नलिनी, सेमिनार समन्वयकर्ता, अदिति महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "किशोरों के साथ सामाजिक कार्य : मुद्दे और चिन्ताओं पर सेमिनार", 16-17 जनवरी 2002, 30,000/- रुपए।

62. डॉ. बी.आर. कनौजिआ, रजिस्ट्रार, एम.जी. काशी विद्यापीठ, वाराणसी, "विकेन्द्रीकरण और विकास", नवम्बर 2002, 25,000/- रुपए।

63. डॉ. बलराम सिंह, निदेशक, किसान विकास शोध संस्थान, सलेमपुट, बघाई, गाजीपुर, "भारत में ग्रामीण विकास पर सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका", 16-17 नवम्बर 2002, 15,000/- रुपए।

64. अलख एन. शर्मा, भारतीय श्रम अर्थशास्त्र सोसायटी, आई.ए.एम.आर. भवन (तीसरी मंजिल), आई.पी. एस्टेट, महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, "भारतीय श्रम अर्थशास्त्र सोसायटी का 44वां वार्षिक सम्मेलन" 15-17 दिसम्बर 2002, 50,000/- रुपए।

65. डॉ. प्रकाश सी. सारंगी, राजनीतिक विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, "वैश्विकरण के युग में राजनीतिक सिद्धान्त की पुनः खोज : परिवर्तन और सततताओं पर सेमिनार", 2-4 जनवरी 2003, 25,000/- रुपए।

66. प्रोफेसर बी.के. पटनायक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मानविकी तथा समाज विज्ञान विभाग, कानपुर, "अट्ठाईसवां अखिल भारत समाजशास्त्रीय सम्मेलन", 18-20 दिसम्बर 2002, 40,000/- रुपए।

67. डॉ. जितेन्द्र देसाई, कुलपति, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद, "गुजरात आर्थिक एसोसिएशन का 33वां वार्षिक सम्मेलन", फरवरी 2003, 20,000/- रुपए।

68. डॉ. एन. जयराम, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, गोवा विश्वविद्यालय, तलईगोवा प्लेटो, गोवा, "सोसायटी और स्वास्थ्यः मुद्दे और चिन्ताओं पर सेमिनार", मार्च 2003, 20,000/- रुपए।

69. डॉ. वी.एल. चौहान, मनोविज्ञान विभाग, समाज विज्ञान और मानविकी कालेज, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, "जीवन में दबाव और कार्य", 6-8 नवम्बर 2002, 15,000/- रुपए।

70. प्रोफेसर जगजीत सिंह, कार्यकारी प्रधान, विपणन और प्रबंधन संस्थान, बी711, कुतुब संस्थात्मक क्षेत्र, नई दिल्ली, "एशिया और ओसिअन पर 30वां विश्व विपणन सम्मेलन", 9-11 जनवरी 2003, 15,000/- रुपए।

71. प्रोफेसर डी.डी. खन्ना, निदेशक, शान्ति, सुरक्षा और विकास अध्ययन सोसायटी, सी/7, चिन्तामणि रोड, इलाहाबाद, "दक्षिण एशिया : आने वाले दशक में सुरक्षा चुनौतियां", नवम्बर 2002, 50,000/- रुपए।

72. अध्यक्ष, सामाजिक और राजनीतिक अध्ययन केन्द्र (सी.एस.पी.एस.), पटपडगंज, दिल्ली, "भारतीय सोसायटी संक्रमणधीन : नई शताब्दी में महिलाओं के जीवन में सतता और परिवर्तन", 28 जनवरी 2003, 30,000/- रुपए।

73. प्रोफेसर के.के. मुखोपाध्याय, समाज कार्य विभाग, दिल्ली समाज कार्य स्कूल, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "भारत में सामाजिक कार्य शिक्षा : वास्तविकताओं और प्रतिक्रियाओं पर सेमिनार", 7-9 नवम्बर 2002, 25,000/- रुपए।

74. डॉ. के.आर. शनमुगम, कोषाध्यक्ष, भारतीय इकोनोमिट्रिक सोसायटी, मद्रास अर्थशास्त्र स्कूल, गांधी मण्डपम रोड, कत्तूर, चेन्नई, "भारतीय इकोनोमिट्रिक सोसायटी का 39वां वार्षिक सम्मेलन", 8-10 फरवरी 2002, 30,000/- रुपए।

75. डॉ. संजय लोधा, स्थानीय सचिव, भारतीय अमरीकी अध्ययन एसोसिएशन, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, "अमरीकी अध्ययन हेतु भारतीय एसोसिएशन का 35वां वार्षिक सम्मेलन", 16-18 जनवरी 2003, 15,000/- रुपए।

76. डॉ. सुधाकर रथ, अध्यक्ष, मनोविज्ञान में उच्च अध्ययन केन्द्र विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, वाणिविहार, भुवनेश्वर, "भारतीय परम्पराओं में मनोवृत्ति और सोसायटी पर सेमिनार", 27-31 जनवरी 2002, 45,000/- रुपए।

77. प्रिंसिपल, सेंट फ्रान्सिस डे सालेस कालेज, नागपुर, "भारत-पाकिस्तान संबंधों पर सेमिनार", दिसम्बर 2002, 20,000/- रुपए।

78. प्रोफेसर डी.एस. चन्देल, राजनीतिक विज्ञान और लोक प्रशासन अध्ययन स्कूल, जिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (मध्य प्रदेश), "लोक प्रशासन शिक्षण में नए मुद्दें", 17-18 नवम्बर 2002, 20,000/- रुपए।

79. अध्यक्ष, अखिल भारत महिला सम्मेलन, 6, भगवानदास रोड, नई दिल्ली, "मीडिया में महिलाओं के मुद्दों पर जोर - एक नया दृष्टिकोण", 20 दिसम्बर 2002, 40,000/- रुपए।

80. प्रोफेसर कुलवंत कौर, स्नातकोत्तर राजनीतिक विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जमम्, "विश्व आतंकवाद की चुनौतियां : उभरते मुद्दे, नीतियां, कार्यनीतियां तथा विकल्प", दिसम्बर 2002, 10,000/- रुपए।

81. प्रोफेसर नन्दू राम, महानिदेशक, डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर राष्ट्रीय समाज विज्ञान संस्थान, डोंगरगांव, ए.बी. रोड, महू, मध्य प्रदेश, "झाडूकशों के मानव अधिकारों और सम्मान की बहाली", दिसम्बर 2002, 50,000/- रुपए।

82. प्रोफेसर विनोद कुमार शर्मा, मनोविज्ञान विभाग, कुमायुं विश्वविद्यालय, अल्मोडा, उत्तरांचल, "खेल-कूद मनोविज्ञान : वैश्विकरण", 20,000/- रुपए।

83. डॉ. रामजी लाल, अध्यक्ष, वी.बी.एस. पूर्वांचल विश्वविद्यालय, प्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग, जौनपुर, "प्रयुक्त मनोविज्ञान में नई दिशाओं पर राष्ट्रीय सेमिनार" का आयोजन, 20-21 फरवरी 2003, 20,000/- रुपए।

84. प्रोफेसर विपुल कुमार भद्र, अध्यक्ष, समाजशास्त्र विभाग, यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, "मार्जिनीकरण और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय सेमिनार", 15-16 नवम्बर, 50,000/- रुपए।

85. (श्रीमती) संध्या शर्मा, अपराध रोकथाम सोसायटी, कटवारिया सराय, शहीद जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली, "अपराध रोकने में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका", 15,000/- रुपए।

86. प्रोफेसर ए.सी.के. नाम्बियार, 34वां क्षेत्रीय सम्मेलन, अर्थशास्त्र विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, त्रिस्सुर, केरल, "क्षेत्रीय विज्ञान एसोसिएशन का 34वां सम्मेलन", 25-26 अक्तूबर 2002, 30,000/- रुपए।

87. श्री ए.के. चटर्जी, ट्रस्टी अध्यक्ष, विवेकानन्द निधि, 149/1ई, रायबिहारी एवेन्यु, कोलकाता, "मानव मूल्यों में शिक्षा : क्या यह वाणिज्यिकृत आजीविका-उन्मुख शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में अलंकारिक है" पर सेमिनार, 25,000/- रुपए।

88. प्रोफेसर (डॉ.) डी. स्वामीनाथन, राष्ट्रीय अनुसंधान और सामाजिक कार्रवाई संस्थान (निरसा), सी ब्लाक, गरुड़ाकल्प कम्प्लेक्स, एम.जे. रोड, नामपल्ली, हैदराबाद, "भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलना : युवा शक्ति का उपयोग" पर राष्ट्रीय सेमिनार, 25-26 अक्तूबर 2002, 50,000/- रुपए।

89. डॉ. ओम प्रिय श्रीवास्तव, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, राजनीतिक विज्ञान विभाग, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, "भारत में चुनाव सुधार : अनिवार्यताएं तथा बाधाएं" पर राष्ट्रीय सेमिनार, 50,000/- रुपए।

90. जी. करुणाकरण पिल्लै, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, केरल विश्वविद्यालय, करिआवट्टम, त्रिवेन्द्रम, "भारतीय आर्थिक एसोसिएशन का 85वां वार्षिक सम्मेलन", 1,00,000/- रुपए।

91. प्रोफेसर डी.डी. खन्ना, निदेशक, शान्ति, सुरक्षा और विकास अध्ययन सोसायटी, रक्षा और नीति अध्ययन विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, "दक्षिण एशिया : आने वाले दशक में सुरक्षा चुनौतियां", 50,000/- रुपए।

92. प्रोफेसर शीरीन मूसवी, उन्नत अध्ययन केन्द्र, इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, "भारत का विचार : इसका विकास और सम्भावनाएं" पर सेमिनार, 75,000/- रुपए।

93. अध्यक्ष, हिन्दुस्तान पंचायत संगम, 11, सरदार पटेल मार्ग, नई दिल्ली, "नई सहस्राब्दि में ग्राम विकास और निर्धनता उपशमन हेतु प्रौद्योगिकीय ज्ञान की भूमिका", 20,000/- रुपए।

94. डॉ. पी.एन. मेहरोत्रा, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, "21वीं शताब्दी में भारतीय अर्थव्यवस्था के सम्मुख चुनौतियां", 40,000/- रुपए।

95. डॉ. (श्रीमती) राजेश सिंह, सेमिनार समन्वयकर्ता, आचरण विज्ञान विभाग, आई.आई.पी.ए. आई.पी. एस्टेट, रिंग रोड, नई दिल्ली, 3,00,000/- रुपए।

96. (श्रीमती) कोशा साह, भावी सोसायटी और मानव एकता अध्ययन केन्द्र, अन्तर्राष्ट्रीय अनुसंधान और मानव एकता केन्द्र, एस.ए.डब्ल्यु, सी.एच.यू. भवन, भारत निवास, ओरोविले, "दक्षिण एशिया का भविष्य : कुछ सांस्कृतिक और मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य", 45,000/- रुपए।

97. डॉ. अजय के. मेहरा, निदेशक, सार्वजनिक मामले केन्द्र, "स्वास्ति", डी-104, सेक्टर 27, नोएडा, "संकटपूर्ण समय में नीति पद्धति" पर सेमिनार, अप्रैल 2002, 15,000/- रुपए।

98. डॉ. जी.एन. कामा, अक्षमता तथा पुनर्वास अध्ययन सोसायटी, कटवारिया सराय, नई दिल्ली, "ग्रामीण भारत में अक्षमता : मुद्दे और चुनौतियां" पर सेमिनार, मई 2002, 25,000/- रुपए।

99. प्रोफेसर के.वी. रमेश, अवै. निदेशक, प्राच्य अनुसंधान संस्थान, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, "आधुनिक युग में कौटिल्य अर्थशास्त्र की प्रासंगिकता", मई 2002, 5,00,000/- रुपए।

100. श्री एस.के. पाण्डे, कार्यवाहक अध्यक्ष, पर्यावरणीय अध्ययन संस्थान, बी-17, सी सेक्टर, अलीगढ़, लखनऊ, "उच्च शिक्षा की चुनौतियां", मई 2002, 1,00,000/- रुपए।

101. डॉ. (श्रीमती) नवाज़ बी. मोदी, अध्यक्ष, नागरिक शास्त्र और राजनीति विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय, विद्यानगर, मुम्बई, "संक्रमणाधीन राज्य : अधिशासन सिविल सोसायटी अन्योन्यक्रिया" पर सेमिनार, अगस्त 2002, 50,000/- रुपए।

102. डॉ. (श्रीमती) ए. चक्रवर्ती, प्रिंसिपल, जानकी देवी कालेज, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली, "लिंग मुद्दे : जीवन के दौरान महिलाओं का सफर" पर सेमिनार, 30,000/- रुपए।

103. डॉ. आनन्द वल्लभ आओली, सेमिनार आयोजक, जनजाग्रति समिति, गन्ना केन्द्र, रामपुर रोड, हलद्वानी, मुखानी, हलद्वानी, "थारु जनजाति की वर्तमान स्थिति : समस्याएं एवं समाधान" पर सेमिनार, मार्च 2003, 15,000/- रुपए।

104. डॉ. प्रमोद के. मिश्रा, अवै. निदेशक, एशिया-प्रशान्त अध्ययन अकादमी, दिल्ली, "बच्चे अलग-अलग बोलते हैं : बदलती परिवार पद्धति में बाल अधिकारों का मूल्यांकन", मई 2003, 25,000/- रुपए।

105. डॉ. एम. नज़र, रीडर, वाणिज्य विभाग, मोहिदीन कालेज, अडिरामपट्टीनम, तंजावुर जि., तमिलनाडु, "विश्व परिवर्तन और इक्कीसवीं शताब्दी में भारतीय उद्यमशीलता की भूमिका" पर सेमिनार, अप्रैल 2003, 15,000/- रुपए।

106. डॉ. एम.सी. भण्डारे, निदेशक, जस्टिस सुनन्दा भण्डारे फाउन्डेशन, सी-109, साउथ एक्सटेंशन पार्ट 2, नई दिल्ली, "महिलाओं के सम्पत्ति अधिकार", मार्च 2003, 20,000/- रुपए।

107. प्रिंसिपल, श्री वेंकटेश्वर कालेज, दक्षिण भारतीय अध्ययन केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, धौला कुआं, नई दिल्ली, "क्षेत्रों, संस्कृतियों और गाथाओं" पर सेमिनार, फरवरी 2003, 20,000/- रुपए।

108. डॉ. प्रमोद कुमार, समन्वयकर्ता, सामाजिक अधिकारिता सोसायटी, 24-सी, एवरशाइन

अपार्टमेन्ट्स, डी ब्लाक, विकासपुरी, नई दिल्ली, दक्षिण एशिया में आतंकवाद" पर सेमिनार, 17 मार्च 2003, 20,000/- रुपए।

109. डॉ. नादनीन हुसैन, महासचिव, एल-11/31, सेक्टर बी, अलीगंज, लखनऊ, "डॉ. डी.एन. मजुमदार शताब्दी समारोह", मार्च 2003, 25,000/- रुपए।

110. डॉ. राजेन्द्र शर्मा, अध्यक्ष, भारतीय शिक्षा शोध एवं निर्देशन संस्थान, 52/529, प्रताप नगर, जयपुर, "सामाजिक सुरक्षा, युवा संगठनों की भूमिका और जिम्मेदारी", मार्च 2003, 10,000/- रुपए।

111. डॉ. मनमोहन शर्मा, अध्यक्ष, शिव शिक्षण संस्थान समिति, 64/303, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर, "राजस्थान में एच.आई.वी./एड्स तथा मानव अधिकार", मार्च 2003, 10,000/- रुपए।

112. प्रोफेसर आर.वी. दादीभवी, अर्थशास्त्र विभाग, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, कर्नाटक, "डब्ल्यू.टी.ओ. करार : भारत के लिए निहितार्थ" पर सेमिनार, मार्च 2003, 40,000/- रुपए।

113. प्रोफेसर एम.पी. दुबे, राजनीतिक विज्ञान तथा लोक प्रशासन विभाग, कुमायुं विश्वविद्यालय, नैनीताल, "जनजातीय महिलाओं, पर्यावरण और विकास" पर सेमिनार, मार्च 2003, 20,000/- रुपए।

114. डॉ. संजीव कुमार, सचिव, प्रयुक्त सामाजार्थिक अनुसंधान और विकास सोसायटी, ब्लाक 23, मकान नं. 420, त्रिलोकपुरी, दिल्ली, "कामगारों का स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा : वैश्विकरण का प्रभाव" पर सेमिनार, फरवरी 2003, 20,000/- रुपए।

115. डॉ. आभा चौहान, रीडर, समाजशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, "संघर्ष स्थितियों में परिवार", मई 2003, 50,000/- रुपए।

116. डॉ. के.के.एन. शर्मा, मानवशास्त्र विभाग, डॉ. एच.एस. गौड विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश, "भारत के ग्रामीण क्षेत्र में पुनर्जनन तथा बाल स्वास्थ्य समस्याओं" पर राष्ट्रीय सेमिनार, मार्च 2003, 20,000/- रुपए।

117. डॉ. अरन्तिका प्रसाद मार्मेट, अध्यक्ष, मध्य प्रदेश दलित अकादमी, उज्जैन, "दलित वर्ग के विकास में पंचायत राज व्यवस्था की भूमिका", मार्च 2003, 20,000/- रुपए।

118. डॉ (श्रीमती) एम. अधिकारी, अध्यक्ष, स्नातकोत्तर अंग्रेजी अध्ययन और अनुसंधान विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर-482001, "बहुसंस्कृतिवाद तथा अंग्रेजी में 20वीं शताब्दी उपन्यास" पर सम्मेलन, मार्च 2003, 15,000/- रुपए।

119. डॉ. के. मल्ला रेड्डी, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, "आर्थिक सुधार और भारतीय अर्थव्यवस्था" पर सेमिनार, मार्च 2003, 40,000/- रुपए।

120. डॉ. भास्कर चट्टोपाध्याय, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, इतिहास, निदेशक, अनुसंधान अध्ययन, भारत विद्या चर्चा केन्द्र, शंकरीपुकुर श्रीपल्ली, जिला बर्दवान, "वाणिज्य और संस्कृति : भारतीय संदर्भ", मार्च 2003, 20,000/- रुपए।

121. डॉ. आर.एन. पति, कार्यकारी निदेशक, जनजाति और ग्राम विकास परिषद, शाहिद नगर, भुवनेश्वर, "छत्तीसगढ़ की जनजातियां : जरूरतें, समस्याएं और विकास परिप्रेक्ष्य" पर सेमिनार, मार्च 2003, 20,000/- रुपए।

122. डॉ. एम. सौन्दरपाण्डियन, रीडर, ग्राम उद्योग तथा प्रबंध, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान (विश्वविद्यालय), गांधीग्राम, "आर्थिक सुधार और ग्रामीण श्रम बाजार" पर सेमिनार, मार्च 2003, 20,000/- रुपए।

123. डॉ. जी.पी. मिश्रा, निदेशक, गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ, "वंचना और सम्मिलित विकास: उत्तर प्रदेश के लिए विकल्प तथा नीतियों" पर सेमिनार, 50,000/- रुपए।

124. श्रीमती अरुणा सैनी, अध्यक्ष, "कारवां" (ग्रामीण महिला सहयोग हेतु रचनात्मक कार्यकलाप), एस.डी.ए. के निकट, कपिल विहार, सहारनपुर (उ.प्र.), "स्वैच्छिक संगठनों के लिए जागरूकता कार्यक्रम पर एड्स कार्यशाला" मार्च 2003, 20,000/- रुपए।

125. डॉ. सी.पी. सिंह, अध्यक्ष, गांधीवाद विचार विभाग, टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, ''गांधी और आज का बिहार'', मार्च 2003, 20,000/- रुपए।

126. डॉ. सुरेन्द्र निश्चल, सचिव, मार्फत श्री अनुज प्रताप सिंह, सी-72, लोअर ग्राउन्ड फ्लोर, शिवालिक, मालवीय नगर के निकट, नई दिल्ली, ''भ्रूण हत्या से लेकर दहेज मृत्यु तक महिलाओं के विरुद्ध हिंसा'', मार्च 2003, 20,000/- रुपए।

127. डॉ. करुई सिंह, निदेशक, दक्षिण एशिया अध्ययन केन्द्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, ''दक्षिण एशिया में राष्ट्रीय सुरक्षा'' पर सेमिनार, मार्च 2003, 20,000/- रुपए।

128. प्रोफेसर एम.सी. पाण्डेय, प्रिंसिपल, राजकीय एम.बी.पी.जी. कालेज, हलद्वानी, ''सामान्य रूप से तथा उत्तरांचल में विशेष रूप से उच्च शिक्षा में गुणवत्ता'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन, मई 2003, 15,000/- रुपए।

129. डॉ. इश्तियाक दानिश, इस्लामिक अध्ययन विभाग, जामिया हमदर्द, हमदर्द नगर, नई दिल्ली, ''इस्लाम और मुसलमानों के बारे में नासमझी'', मार्च 2003, 15,000/- रुपए।

130. प्रोफेसर विश्वजीत चटर्जी, डीन, कला संकाय, यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, ''विभाजन पर पुनर्विचार : पूर्वी भारत में दलित जीवन और दलित दृष्टिकोण'', मई 2003, 20,000/- रुपए।

131. डॉ. गंगानाथ झा, राजनय अध्ययन केन्द्र, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और अर्थशास्त्र, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, ज.ने.वि., नई दिल्ली, ''दक्षिण एशिया में इस्लामिक आतंकवाद'', अप्रैल 2003, 20,000/- रुपए।

132. प्रोफेसर एन.ए. आजाद, अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, जे.एम.आई., नई दिल्ली, ''भारत में निर्धनता और खाद्य सुरक्षा'' पर सेमिनार, 18-19 फरवरी 2003, 20,000/- रुपए।

133. प्रोफेसर देवासिस भट्टाचार्य, महासचिव, विश्व भारती अध्यापक सभा, "उच्च शिक्षा का नवीकरण - इसका वर्तमान और भविष्य", मार्च 2003, 40,000/- रुपए।

134. डॉ. आर.सी. त्रिपाठी, निदेशक, गोविन्द वल्लभ पंत समाज विज्ञान संस्थान, झूसी, इलाहाबाद, ''पूर्व उत्तर प्रदेश क्षेत्र के पी.एच.डी. विद्वानों का वार्षिक सम्मेलन'', 26-28 फरवरी 2003, 35,000/- रुपए।

135. अध्यक्ष, शान्ति और संधारणीय विकास फाउन्डेशन, सी-63, पंचशील एनक्लेव, नई दिल्ली, ''नाम पर सेमिनार'', 18 फरवरी 2003, 25,000/- रुपए।

136. डॉ. ए.के. जैन, अर्थशास्त्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, ''आर्थिक सुधार और केन्द्रीय बजट से आकांक्षाएं'' पर सेमिनार, फरवरी 2003, 25,000/- रुपए।

137. डॉ. जी.एन. कर्ना, अवै. अध्यक्ष, पुनर्वास और विकलांगों हेतु सोसायटी, ए-2/144, सेक्टर 17, रोहिणी, नई दिल्ली, ''अक्षमता और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में सार्वजनिक नीति'' पर संगोष्ठी, मार्च 2003, 25,000/- रुपए।

138. समन्वयकर्ता, डॉ. तपस विश्वास, स्पन्दन, 116ए, अर्जुन नगर, सफदरजंग एनक्लेव, नई दिल्ली, ''भारत के महानगरों में बुनियादी सुविधाओं की सुलभता'', 24-26 मार्च 2003, 99,000/- रुपए।

139. प्रोफेसर पी.के. ढिल्लन, अध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, ''एकीकृत मनोविज्ञान (श्री अरविन्द की कृतियों पर आधारित)'', 5-6 मार्च 2003, 18,350/- रुपए।

140. प्रोफेसर वी.वी.एन. समायाजुलु, अर्थशास्त्र विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, ''निविष्ट-परिणाम का बारहवां अखिल भारत निविष्टि-उत्पादन सम्मेलन'', फरवरी 2003, 20,000/- रुपए।

141. माया सेन, समन्वयकर्ता, ए.आई.डब्ल्यु.ई.एफ.ए., हन्ना सेन काटेज, 4, सिकन्दरा रोड, नई दिल्ली, ''भारत में विकास लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में भागीदारी निर्माण'' पर कार्यशाला, मार्च 2003, 1,00,000/- रुपए।

142. वसुधा कामत, प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, शिक्षा

प्रौद्योगिकी विभाग, एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, सान्ताक्रुज, मुम्बई, ''शिक्षा में अन्तर-कार्यकलाप'', मार्च 2003, 25,000/- रुपए।

143. डॉ. अजय दुबे, पश्चिम एशियाई और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नई दिल्ली, ''भारत और भारतीय परिदृश्य'', अप्रैल 2003, 10,000/- रुपए।

144. डॉ. उज्जवल कुमार, ए-453, जैतपुर विस्तार, बदरपुर, नई दिल्ली, ''भाषा विवाद एवं राष्ट्रीय एकता'', अप्रैल 2003, 10,000/- रुपए।

145. श्रीमती पूनम मेहरा, महिला कला एवं ग्रामोद्योग विकास, बी-15ए, हेमकुंठ चैम्बर्स, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, ''भारत में विधवाओं की बदलती स्थिति'' पर सेमिनार, मई 2003, 15,000/- रुपए।

146. श्री श्याम सुन्दर पाण्डेय, समन्वयकर्ता, पर्यावरण, शिक्षा और सामाजिक विकास प्रोत्साहन सोसायटी, ''उत्तर प्रदेश में पंचायत पद्धति और महिलाओं का सशक्तिकरण'', अप्रैल 2003, 15,000/- रुपए।

147. डॉ. आनन्द कुमार, एस.एस.एस. ज.ने.वि., नई दिल्ली, ''भारतीय समाज की सामाजिक गतिकी'', मार्च 2003, 25,000/- रुपए।

148. भारतीय साक्षरता विकास सोसायटी, डी-96, बाबा गंगनाथ मार्केट, मुनीरका गांव, नई दिल्ली, ''दिल्ली की मलिन बस्तियों से बाल श्रमिक : शिक्षा के माध्यम से ज्ञान'', मई 2003, 10,000/- रुपए।

149. डॉ. बी.एल. गुप्ता, ह्युमेन टच, 402/ए.डी.ई., मुनीरका, नई दिल्ली, ''महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण हेतु वैश्विकरण की चुनौतियां'', मई 2003, 10,000/- रुपए।

150. प्राफेसर के. नारायणन, राज्य कोषाध्यक्ष (कार्यालय प्रभारी), भारतीय जनता पार्टी, केरल राज्य कार्यालय, माराजी स्मृति मन्दिरम, के.जी. मराड रोड, ताईकोड पो., तिरुवनन्तपुरम, ''केरल आर्थिक सम्मेलन 2003'', मार्च 2003, 20,000/- रुपए।

151. डॉ. (श्रीमती) अमृत श्रीनिवास, गणेस, जे-235 ए, सैनिक फार्म्स, खानपुर, नई दिल्ली, ''खाद्य सुरक्षा हेतु जी.एम. प्रौद्योगिकी की प्रासंगिकता'', अप्रैल 2003, 20,000/- रुपए।

152. (श्रीमती) बीना जैन, उज्जवल महिला एसोसिएशन, बी-117, निर्माण विहार, दिल्ली, ''महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की मनोवृत्ति'', मई 2003, 10,000/- रुपए।

153. डॉ. धर्मपाल, भारतीय अफ्रीकी-एशियाई अध्ययन सोसायटी, 297, सरस्वती कुंज, आई.पी.एस्टेट, नई दिल्ली, ''भारत और अफ्रीका : 20वीं शताब्दी के लिए नीतियां तथा कार्यनीतियां'', अप्रैल 2003, 40,000/- रुपए।

154. डॉ. ए.एन. शर्मा, मानव विकास संस्थान, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली, ''दिल्ली का संधारणीय विकास : वैश्विकरण के युग में चुनौतियां तथा अवसर'', अप्रैल 2003, 2,00,000/- रुपए।

155. प्रोफेसर आर.एस. गौतम, निदेशक, मध्य प्रदेश समाज विज्ञान अनुसंधान संस्थान, 19 महाश्वेता नगर, उज्जैन, अप्रैल 2003।

भारतीय समाज विज्ञान संस्थान एसोसिएशन (आई.ए.एस.एस.आई.), नई दिल्ली को अनुदान

परिषद, आई.ए.एस.एस.आई. को प्रत्येक वर्ष 20 लाख रुपए का अनुदान देती है। इसके लिए भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की जरूरतों के अलावा, एसोसिएशन को दिए जाने हेतु, सरकार 20 लाख रुपए का और अतिरिक्त आबंटन करती है। वर्ष 2002-2003 के दौरान आई.ए.एस.एस.आई., नई दिल्ली को 20 लाख रुपए का अनुदान मंजूर और जारी किया गया।

व्यावसायिक संगठनों को अनुदान

क) वर्ष 2002-03 के दौरान, समाज विज्ञानियों के व्यावसायिक संगठनों द्वारा चलाई जा रही निम्नलिखित पत्रिकाओं को भा.सा.वि.अ. परिषद से तदर्थ वार्षिक अनुदान मंजूर किए गए:

पत्रिका का नाम

1. जरनल आफ पालिटिक्स, डिब्रूगढ़।
2. मैन एण्ड लाइफ, डिस्ट्रिक्ट मिदनापुर, प.बं.।
3. दि एशियन इकोनोमिक रीव्यु, हैदराबाद।

4. गांधी प्रसंग, इलाहाबाद।
5. इण्डियन जरनल आफ रीजनल साइंस, कोलकाता-700091।
6. पर्सपेक्टिव इन एज्युकेशन, बड़ोदा-390007।
7. दि इण्डियन जरनल आफ लेबर इकोनोमिक्स, नई दिल्ली-110022।
8. आई.एस.डी.ए. जरनल, तिरुवनन्तपुरम-695024।
9. गांधी मार्ग (हिन्दी में), नई दिल्ली-110002।
10. इण्डियन जरनल आफ गेरोनटोलाजी, उदयपुर-302004।
11. रीजनल सिमबोसिस, कानपुर।
12. जरनल आफ नार्थ-ईस्ट इण्डिया काउन्सिल फार सोशल रीसर्च, शिलांग-783003।
13. पालिटिकल इकोनोमी, जरनल आफ इण्डिया-1600017।
14. हिमालयन एण्ड सेन्ट्रल एशियन स्टडीज, नई दिल्ली-110067।
15. पंजाब जरनल आफ पालिटिक्स, अमृतसर-143005।
16. गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110002।
17. फाल्टलाइन्स : राइटिंग आन कनफ्लिक्ट एण्ड रेजोल्युशन, नई दिल्ली-110001।
18. दि ओरिएन्टल एन्थ्रापालिजिस्ट, इलाहाबाद-110007।
19. इण्डियन एन्थ्रापालिजिस्ट, दिल्ली-110007।
20. विकास परिचर्चा, लखनऊ-226016।
21. अनल्स, दिल्ली-110007।
22. साउथ एशियन एन्थ्रापालिजिस्ट, रांची-834012।
23. अनव (हिन्दी), अलीगंज, लखनऊ-226024।
24. गुरू नानक जरनल आफ सोसिओलाजी, अमृतसर-143005।
25. अर्थ-विकास, वल्लभ विद्या नगर-388120।
26. साइकोलाजिकल स्टडीज, दिल्ली-110007।

ख) निम्नलिखित व्यावसायिक संगठनों को वर्ष 2002-2003 के लिए तदर्थ अनुरक्षण और विकास अनुदान मंजूर किए गए:

समाज विज्ञानियों के व्यावसायिक संगठनों के नाम

1. सेन्टर फार रीसर्च इन इण्डो-बंगलादेश रीलेशन्स, 107 जोधपुर पार्क (ग्राउन्ड फ्लोर), कोलकाता-7700068।
2. सेन्टर फार एनवायरनमेंट, सोशल एण्ड इकोनोमिक रीसर्च, पो.बा. नं. 113, रुडकी-247667।
3. इण्डियन सोशिओलाजिकल सोसायटी, 8 नेलसन मण्डेला रोड, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070।
4. सोसायटी फार पीस, सिक्युरिटी एण्ड डवलपमेंट स्टडीज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद।
5. मराठी अर्थशास्त्र परिषद, 1 कपिल अपार्टमेन्ट्स, तेजस सोसायटी के निकट, काथुर्ड, पुणे-411029।
6. दि इण्डियन इकोनोमिक एसोसिएशन, स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र अध्ययन और अनुसंधान विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर-482001।
7. साउथ एशियन रीसर्च सोसायटी, 309 जोधपुर पार्क, कोलकाता।

■■

9

क्षेत्रीय केन्द्र

क्षेत्रीय केन्द्रों की स्थापना प्रशासन को विकेन्द्रीकृत करने, समाज विज्ञान अनुसंधान को व्यापक आधार प्रदान करने और समाज विज्ञान अनुसंधान प्रोत्साहित करने के लिए क्षेत्रों में समाज विज्ञान संस्थाओं को सम्मिलित करने के परिषद के कार्यक्रम के एक भाग के रूप में की गई थी। उनकी प्रमुख भूमिका निम्न प्रकार परिभाषित की गई थी:

- क्षेत्र में भा.सा.वि.अ.प. का प्रतिनिधित्व करना और भा.सा.वि.अ.प. सन्देश और कार्यक्रम क्षेत्र में समाज विज्ञानियों के बीच प्रसारित करना;
- क्षेत्र के समाज विज्ञानियों के विचारों और समस्याओं को यथावश्यक कार्रवाई हेतु भा.सा.वि.अ.प. के ध्यान में लाना;
- क्षेत्र के अन्दर समाज विज्ञान अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए क्षेत्र के समाज विज्ञानियों को निकट लाना; और
- क्षेत्र के समाज विज्ञानियों और राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय समाज विज्ञानियों के समुदाय के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करना।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के छः क्षेत्रीय केन्द्र हैं। उनका स्थान और कार्यक्षेत्र निम्न प्रकार हैं:

- पर्वू क्षेत्रीय केन्द्र, कोलकाता, जिसका कार्यक्षेत्र है: बिहार, उड़ीसा, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, झारखण्ड और अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के संघ राज्य क्षेत्र;
- उत्तर-पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, शिलांग, जिसका कार्यक्षेत्र है : अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा।
- उत्तर-पश्चिम क्षेत्रीय केन्द्र, चण्डीगढ़, जिसका कार्यक्षेत्र है : हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब तथा चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र;
- उत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, नई दिल्ली, जिसका कार्यक्षेत्र है : मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ तथा दिल्ली;
- दक्षिण क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद, जिसका कार्यक्षेत्र है : आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और लक्षद्वीप तथा पाण्डिचेरी संघ राज्य क्षेत्र;
- पश्चिम क्षेत्रीय केन्द्र, मुम्बई, जिसका कार्यक्षेत्र है : गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, दमन व दीव, दादरा व नागर हवेली के संघ राज्य क्षेत्र।

अनेक राज्य सरकारें भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद क्षेत्रीय केन्द्रों के कार्यकलापों और कार्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर रही हैं। क्षेत्रीय केन्द्र निम्नलिखित कार्यकलाप आयोजित करते हैं :

- क्षेत्रीय भाषाओं में प्रलेखन और ग्रन्थसूचीय कार्य को प्रोत्साहित करना;
- क्षेत्र में सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन आयोजित करना, विशिष्ट विद्वानों के व्याख्यान आयोजित करना;
- समाज विज्ञानियों की क्षेत्रीय व्यावसायिक

एसोसिएशनों और क्षेत्रीय भाषाओं में समाज विज्ञान पत्रिकाओं को सहायता प्रदान करना;

- पुस्तकालय अथवा क्षेत्रीय कार्य के लिए स्थान का दौरा करने वाले छात्रों/अध्येताओं को सस्ती लागत पर आवास सुविधा प्रदान करना (जहां संभव हो);
- शैक्षिक कार्य के वास्ते पुस्तकालयों और संस्थानों का दौरा करने के लिए अध्येताओं को अध्ययन अनुदान प्रदान करना;
- अध्यताओं को फोटोकापी सुविधाएं, विशेष रूप से पत्रिकाओं से चुने हुए लेखों आदि की फोटोकापियां प्रदान करना; और
- कोई अन्य कार्यकलाप जिससे क्षेत्र में समाज विज्ञान अनुसंधान को प्रोत्साहन मिले और/या जो भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा सौंपा जाए।

क्षेत्रीय केन्द्रों ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद और कुछ राज्य सरकारों द्वारा प्रदत्त निधियों से, जहां वे स्थित हैं, पिछले वर्षों के दौरान अवस्थापना और अनुसंधान सहायता सुविधाएं विकसित कर ली हैं। इनमें होस्टल/अतिथि गृह सुविधाएं, अतिरिक्त पुस्तकालय स्थान, सम्मेलन कक्ष, सेमिनार कक्ष और प्रतिलेखन सुविधाएं सम्मिलित हैं।

क्रियाकलाप

उत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, नई दिल्ली, हिन्दी और अंग्रेजी में विद्वानों को समाज विज्ञान सामग्री प्रदान करने के वास्ते एक राष्ट्रीय केन्द्र के रूप में काम करता है। केन्द्र ने, 18 सेमिनारों, तीन कार्यशालाओं और एक संगोष्ठी के लिए आलोच्य अवधि के दौरान वित्तीय सहायता प्रदान की।

पूर्व क्षेत्रीय केन्द्र, कोलकाता, बंगला तथा उड़िया के लिए एक राष्ट्रीय केन्द्र है। केन्द्र ने अपने पुस्तकालय में 175 पुस्तकें और 12 दैनिक समाचार-पत्र शामिल करके उसे सुदृढ़ बनाया। चीनी समाज विज्ञान अकादमी, बीजिंग, के चार चीनी विद्वानों ने वर्ष के दौरान केन्द्र का दौरा किया।

पश्चिम क्षेत्रीय केन्द्र, मुम्बई, ने वर्ष के दौरान 13 सेमिनारों, तीन सम्मेलनों और एक कार्यशाला के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की। केन्द्र ने अध्ययन अनुदान स्कीम के अन्तर्गत, 9 पी.एच.डी. छात्रों को भी सहायता प्रदान की। केन्द्र ने 18 विदेशी और 9 भारतीय पत्रिकाएं मंगाई।

उत्तर-पूर्व क्षेत्रीय केन्द्र, शिलांग, ने कुछेक अनुसंधान परियोजनाएं पूरी कर ली हैं तथा फिलहाल छः अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य कर रहा है। केन्द्र ने 27 सेमिनारों/कार्यशालाओं/सम्मेलनों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की तथा सात अध्येताओं को अध्ययन अनुदान किए। केन्द्र ने पांच डाक्टोरल अध्येताओं को आकस्मिकता अनुदान प्रदान किए। इसने मासिक प्रकाशन "नार्थ ईस्ट" प्रकाशित किया, जो चुनिन्दा समाचार-पत्रों से कतरनों का एक प्रकाशन है।

उत्तर-पश्चिम क्षेत्रीय केन्द्र, चण्डीगढ़ ने नियमित आधार पर "सोशल साइंस डाक्युमेन्टेशन लिस्ट" प्रकाशित की। यह वर्तमान लेखों की एक अनुक्रमणिका भी तैयार कर रहा है जिसमें प्रमुख दैनिक समाचार-पत्रों में प्रकाशित क्षेत्र के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक कार्यकलापों को कवर किया गया है। इसने, "सामाजिक विज्ञान खबर सूची" शीर्षक के अन्तर्गत, चुनिन्दा पंजाबी भाषा समाचार-पत्रों में प्रकाशित समाज विज्ञानियों के लिए रूचिकर समाचारों और सम्पादकों की एक त्रैमासिक अनुक्रमणिका तैयार की है।

इसके अलावा, इसने 22 सेमिनारों के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की तथा 11 अध्येताओं को अध्ययन अनुदान मंजूर किए।

दक्षिण क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद, "डाटाबेस आन इण्डियन इकोनोमी" का नियमित रूप से प्रकाशन कर रहा है। इसने, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, मेघालय, सिक्किम और कर्नाटक से विधानमण्डलों की रिपोर्टें एकत्र करने के वास्ते एक "राजकीय प्रलेख प्रकोष्ठ" भी कायम किया है। केन्द्र ने 9 सेमिनारों और तीन कार्यशालाओं के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की। इसने तीन अध्येताओं को अध्ययन अनुदान भी प्रदान किए।

पूर्व क्षेत्रीय केन्द्र, कोलकाता

पूर्व क्षेत्रीय केन्द्र, कोलकाता, ने वर्ष 2002-2003 के दौरान अपने सामान्य कार्यकलाप जारी रखे।

अतिथि गृह

पूर्व क्षेत्रीय केन्द्र के अतिथि गृह ने उन अध्येताओं को

आवास की सुविधा प्रदान करना जारी रखा जो अपने अनुसंधान कार्य के सिलसिले में अथवा सेमिनारों/पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों/कार्यशाला आदि में भाग लेने व अन्य शैक्षिक प्रयोजनार्थ कोलकाता आए। इस अवधि के दौरान 98 अध्येताओं को अतिथि गृह में आवास की व्यवस्था की गई।

अध्ययन अनुदान

इस अवधि के दौरान पूर्व क्षेत्रीय केन्द्र ने विभिन्न पुस्तकालयों/अभिलेखागार आदि में सामग्री का परामर्श करने के वास्ते कोलकाता आने वाले चार अध्येताओं को अध्ययन अनुदान मंजूर किए।

अनुसंधान प्रोत्साहन

आलोच्य अवधि के दौरान पूर्व क्षेत्रीय केन्द्र ने महिशादल राज कालेज के प्रभारी-शिक्षक, प्रोफेसर पी.सी. सामन्त को, 13 और 14 फरवरी 2002 को आयोजित उनके सम्मेलन की कार्यवाही खण्ड के प्रकाशन हेतु 15 नवम्बर 2002 को 10,000/- रुपए का आंशिक अनुदान मंजूर किया।

विदेशी अतिथि

चीनी समाज विज्ञान अकादमी, बीजिंग से प्रोफेसर वई होउकई चेन याओ, लियु कई और झांग शुनहोंग ने भारत-चीन सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत भा.सा.वि.अ.प. के अतिथि के रूप में भारत का दौरा किया। वे 17 नवम्बर 2002 को कोलकाता आए और केन्द्र का दौरा किया। कोलकाता में अपने प्रवास के दौरान उन्होंने अपनी रुचि के अनेक स्थानों का दौरा किया, जैसे कि विक्टोरिया मेमोरियल, इण्डियन म्युजियम, साइंस सिटी, इत्यादि और भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, कोलकाता विश्वविद्यालय तथा नेशनल लायब्रेरी में अनेक विद्वानों के साथ बैठक की।

पुस्तकालय

आलोच्य अवधि के दौरान पुस्तकालय के संग्रह में 175 पुस्तकें शामिल की गईं। इस अवधि के दौरान बारह दैनिक समाचार-पत्र मंगाए गए।

अन्य संस्थानों से पुस्तकालय का दौरा करने वाले अनुसंधानकर्ताओं के लिए सामान्य पुस्तकालय सेवाएं आयोजित की गईं। इस अवधि के दौरान 91,424 पृष्ठों की फोटोकापी सामग्री अध्येताओं को सप्लाई की गई।

उत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, नई दिल्ली

सेमिनार

1. भारत में धर्म का समाजशास्त्र, सामाजिक प्रणाली अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-110067, 8,000/- रुपए।
2. परिवार का हिन्दी और संस्कृत लेखों में चित्रण, महिला अध्ययन और विकास केन्द्र समाज विज्ञान संकाय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005, 10,000/- रुपए।
3. कश्मीर में शान्ति की संभावनाएं, अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति अध्ययन केन्द्र, नई दिल्ली-110049, 8,000/- रुपए।
4. संधारणीय विकास हेतु समाजशास्त्र का अनुप्रयोग: मुद्दे और संभावनाएं, प्रयुक्त समाजशास्त्र केन्द्र, नई दिल्ली-110055, 8,000/- रुपए।
5. समाजशास्त्र पर पुनर्विचार : भारतीय संदर्भ, सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (ज.ने.वि.), नई दिल्ली-110067, 10,000/- रुपए।
6. चीन में क्षेत्रीय असमानता तथा भावी विकास, उत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, ज.ने.वि. नई दिल्ली-110067, 7,000/- रुपए।
7. मानव अधिकार, वैश्विकरण और विकास, मानव अधिकार शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, ज.ने.वि. नई दिल्ली-110015, 12,000/- रुपए।
8. अक्षमता और मानव अधिकार, राष्ट्रीय विकास तथा राष्ट्र निर्माण हेतु कार्यकलापों के प्रोत्साहन हेतु सोसायटी, नई दिल्ली-110029, 5,000/- रुपए।
9. भारतीय अमरीकी अध्ययन एसोसिएशन, राजनीतिक विज्ञान विभाग, मोहन लाल सुखाड़िया का 35वां वार्षिक सम्मेलन, विश्वविद्यालय, उदयपुर-313001, 10,000/- रुपए।
10. राजस्थान के अनुसूचित क्षेत्र में विकास उपाय, राजस्थान अध्ययन हेतु भारतीय नेटवर्क, जयपुर-302015, 10,000/- रुपए।
11. जनजातियों और विस्थापन पर 14वीं आधारभूत

राजनीतिक चर्चा, विकासशील देश अनुसंधान केन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007, 10,000/- रुपए।

12. प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन की स्थानिक सूचना पद्धति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007, 10,000/- रुपए।
13. मानव क्षमताओं का निर्माण : एक सुविज्ञ सोसायटी की दिशा में, राजकीय स्नातकोत्तर कला और वाणिज्य कालेज, बिलासपुर, 10,000/- रुपए।
14. विकेन्द्रीकृत अधिशासन और ग्राम विकास, ग्रामोदय कालेज और अनुसंधान संस्थान, अमरपुरकाशी, बिलारी-202411, 8,000/- रुपए।
15. सी.आई.एस. : वैश्विकीरण के युग में राजनीति और अर्थशास्त्र, रूसी केन्द्र, मध्य एशियाई और यूरोपीय अध्ययन, एस.आई.एस., ज.ने.वि., नई दिल्ली-110067, 10,000/- रुपए।
16. नेपाल में माओ विद्रोह और मानव अधिकार : सामाजिक अधिकारिता सोसायटी, नई दिल्ली-110018, 7,000/- रुपए।
17. अमरीकन और मुस्लिम विश्व, अमरीकी और पश्चिम यूरोपीय अध्ययन केन्द्र, एस.आई.एस., ज.ने.वि., नई दिल्ली-110067, 9,000/- रुपए।

कार्यशालाएं

अमरीकन और मुस्लिम विश्व, अमरीकी और पश्चिम यूरोपियाई अध्ययन केन्द्र, एस.आई.एस. ज.ने.वि., नई दिल्ली-110067, 9,000/- रुपए।

अयोग्यता और शिक्षा : विगत और सम्भावना, सामाजिक अनुसंधान और कार्रवाई एसोसिएशन (ए.एस.आर.ए.), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सहयोग से, ज.ने.वि. विकलांग व्यक्ति एसोसिएशन, ज.ने.वि., नई दिल्ली-110067, 8,000/- रुपए।

समकालीन राजनीति और इतिहास, समकालीन इतिहास अभिलेखागार द्वारा आयोजित, ज.ने.वि., नई दिल्ली-110067, 8,000/- रुपए।

संगोष्ठी

1. मानव क्षमताओं का निर्माण : एक सुविज्ञ सोसायटी की दिशा में, राजकीय स्नातकोत्तर कला और वाणिज्य कालेज, बिलासपुर, 10,000/- रुपए।

उत्तर-पूर्व क्षेत्रीय केन्द्र, शिलांग

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. जनसंख्या और विकास शिक्षा प्रकोष्ठ के कार्यक्रमों का मूल्यांकन, सी.जे. थामस, उ.पू.क्षे.के.-भा.सा.वि.अ.प.।
2. उत्तर-पूर्व भारत में श्रम अध्ययनों के बारे में सटिप्पण ग्रन्थसूची, सी.जे. थामस, उ.पू.क्षे.कें. -भा.सा.वि.अ.प.।
3. कर्बी अंगलोंग राजनीति में परिवर्तन, टी. भट्टाचार्जी, राजनीतिक विज्ञान विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिल्चर।
4. नागालैंड और मणिपुर राज्यों में विद्रोह का भूगोल, आर. गोपालकृष्णन, और सी.जे. थामस, उ.पू.क्षे.कें.-भा.सा.वि.अ.प.।

चल रही परियोजनाएं

1. मणिपुर और नागालैंड राज्यों में विद्रोह का भूगोल।
2. शिलांग के विशेष संदर्भ में मेघालय में कामकाजी महिलाएं।
3. नागालैंड राज्य में राजनीतिक विज्ञान विषय की स्थिति।
4. मातृ और बाल स्वास्थ्य स्थिति का मूल्यांकन : मेघालय की जनजातियों के बीच मानवशास्त्रीय अध्ययन।
5. समाज विज्ञानों में एम.फिल. और पी.एच.डी. शोध निबन्धों का सर्वेक्षण।
6. उत्तर-पूर्व भारत के संबंध में समाज विज्ञानियों का रजिस्टर।

अध्ययन अनुदान

पुस्तकालयों का परामर्श करने के लिए वर्तमान अवधि के दौरान सात अध्येताओं को उ.पू.क्षे.कें. अध्ययन अनुदान सुविधाएं प्रदान की गईं।

सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन

1. वैश्विकरण, रोजगार, उत्प्रवास और प्रवृत्तियां : भारत के लिए उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिए प्रासंगिकता, 10,000/- रुपए।
2. संधारणीय विकास हेतु उत्तर-पूर्व भारत में

जैव-विविधता और पर्यावरणीय नीतियों की भूमिका, 10,000/- रुपए।

3. उत्तर-पूर्व भारत में पारम्परिक संस्थान और प्रजातांत्रिक अधिशासन, 5,000/- रुपए।

4. पर्यावरणीय और प्राकृतिक संकट प्रबंधन का अनुरक्षण, 10,000/- रुपए।

5. उत्तर-पूर्व में बौद्ध : अरुणाचल प्रदेश का एक मामला अध्ययन, 10,000/- रुपए।

6. पूर्व-उपनिवेश उत्तर-पूर्व भारत में अर्थव्यवस्था और सोसायटी, 10,000/- रुपए।

7. उत्तर-पूर्व भारत में स्वदेशी उद्यमशीलता का उद्भव : समस्याएं और संभावनाओं पर सम्मेलन, 10,000/- रुपए।

8. मानव आन्दोलन : उत्तर-पूर्व भारत में नेपाली, 10,000/- रुपए।

9. मिजोरम में प्रशासनिक पद्धति का विकास और मूल्यांकन, 7,000/- रुपए।

10. अनुसंधान रीतिविज्ञान और वैज्ञानिक अनुसंधान में जी.आई.एस. अनुप्रयोग, 5,000/- रुपए।

11. भारतीय लोककथा कांग्रेस की पच्चीसवीं बैठक, 10,000/- रुपए।

12. राष्ट्रीय एकीकरण शिविर-सह-कार्यशाला, 10,000/- रुपए।

13. उत्तर-पूर्व भारत के विशेष संदर्भ में संसदीय प्रजातंत्र, 5,000/- रुपए।

14. उत्तर-पूर्व भारत में समाजशास्त्र के शिक्षण और अनुसंधान के 35 वर्ष : इसका विकास और संभावनाएं, 10,000/- रुपए।

15. उत्तर-पूर्व भारत शिक्षा सोसायटी (एन.ई.आई.ई. एस.) का बारहवां वार्षिक सम्मेलन, शिक्षा विभाग, अरुणाचल विश्वविद्यालय द्वारा दोइमुख में आयोजित, 10,000/- रुपए।

16. उत्तर-पूर्व भारत के ताई, 10,000/- रुपए।

17. मानव जाति की उत्तरजीविता के लिए शिक्षा पर सम्मेलन, 10,000/- रुपए।

18. उत्तर-पूर्व भारत के विशेष संदर्भ में सुरक्षा और विकास मुद्दों पर परिप्रेक्ष्य, 10,000/- रुपए।

19. वेरिअर एलविन और उत्तर-पूर्व भारत की जनजातियां, 10,000/- रुपए।

20. अभिज्ञान का निर्माण : विश्व और स्थानीय, 10,000/- रुपए।

21. एन.ई.आई.एच.ए. का तेइसवां वार्षिक सम्मेलन, 10,000/- रुपए।

22. उत्तर-पूर्व भारत के संदर्भ में कृषि विकास और आर्थिक सुधार, 10,000/- रुपए।

23. भारत के उत्तर-पर्वी राज्यों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली, 15,000/- रुपए।

24. मिजोरम में शहरी स्थानीय स्व:शासन : समस्याएं और संभावनाएं, 10,000/- रुपए।

25. सांस्कृतिक विविधता की समस्याएं : नीतिगत प्रतिक्रिया और परिणाम, 10,000/- रुपए।

26. असम राज्य में मानव अधिकार, 10,000/- रुपए।

डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां

उत्तर-पूर्व पर्वतीय विश्वविद्यालय के निम्नलिखित अनुसंधान अध्येता भा.सा.वि.अ.प. की केन्द्र प्रायोजित डाक्टोरल अध्येतावृत्ति के अंतर्गत अपना अनुसंधान कार्य जारी रखे हुए हैं और वे सभी अपना अध्येतावृत्ति अनुदान केन्द्र के माध्यम से प्राप्त कर रहे हैं।

1. सुजाता दत्त हजारिका, समाजशास्त्र विभाग, उ.पू. प.वि., शिलांग, को "असम के प्रवासी चाय बागान श्रमिकों का समामेलन" विषय पर।

2. श्रीमती गीता पायल, समाजशास्त्र विभाग, उ.पू.प. वि., शिलांग, को "आन्ध्र प्रदेश में बाल श्रम के सामाजिक आयाम" विषय के लिए।

3. श्रीमती किमखोइहोई बैती, अर्थशास्त्र विभाग, उ. पू.प.वि., शिलांग, को "मणिपुर राज्य में जनजातीय भू-पद्धति और सामाजार्थिक स्थिति पर इसका प्रभाव" विषय पर।

डाक्टोरल अध्येताओं के लिए आकस्मिक अनुदान

निम्नलिखित अनुसंधान/अध्येताओं को प्रत्येक का 5,000/- रुपऐ का आकस्मिक अनुदान प्रदान किया गया:

1. ए.एस. यर्सा, वाणिज्य विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचीपुर, को "उत्तर-पूर्व भारत में फल प्रसंस्करण उद्योग का निष्पादन और मूल्यांकन" पर उनके शोध निबन्ध के लिए।

2. बेनजोंग कुम्बा इम्चेन, शिक्षा विभाग, नागालैंड विश्वविद्यालय, को विश्वविद्यालय शिक्षकों और छात्रों के बीच पर्यावरणीय जागरूकता और नागालैंड में पर्यावरणीय शिक्षा के प्रति उनकी अभिरूचियों" के संबंध में उनके शोध निबन्ध के लिए।

3. केडिलेज़ी किखी, समाजशास्त्र विभाग, उ.पू.प.वि., शिलांग को "नागालैंड में शिक्षित बेरोजगारों के संबंध में एक समाजशास्त्रीय अध्ययन" के संबंध में उनके शोध निबन्ध के लिए।

4. सुजाता दत्ता हजारिका, समाजशास्त्र विभाग, उ.पू.प.वि., शिलांग को "नागालैंड में शिक्षित बेरोजगारों के संबंध में एक समाजशास्त्रीय अध्ययन" के संबंध में उनके शोध निबन्ध के लिए।

5. अमरजीत सिंह, समाजशास्त्र विभाग, उ.पू.प.वि, शिलांग, को "बेरोजगारों की समस्याओं" के लिए।

व्याख्यानमाला

1. प्रजातन्त्र, हिंसा और परिवर्तन, सातवीं उ.पू.क्षे.कें.-उ.पू.प.वि. वार्षिक व्याख्यानमाला, अजय साहनी, कार्यकारी निदेशक, संघर्ष प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली, द्वारा, अप्रैल 2002 में उ.पू.प.वि. शिलांग।
2. प्रजातंत्र का विरोधाभास, बी.पी. मिश्रा, हिमालय अध्ययन केन्द्र, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, सितम्बर 2002, उ.पू.प.वि., शिलांग।
3. बीसवीं शताब्दी में अर्थशास्त्र की विकास स्थिति, आठवीं उ.पू.क्षे.कें.-उ.पू.प.वि. वार्षिक व्याख्यानमाला, अमिय कुमार बागची, निदेशक, कोलकाता विकास अध्ययन संस्थान, उ.पू.प.वि. शिलांग, 12 और 13 मार्च 2003।
4. आधुनिकतावाद पर एक वार्ता, दर्शनशास्त्र विभाग, श्री एस.सी. डेनियल, उ.पू.प.वि., संकाय सदस्य, अनुसंधान अध्येता और छात्र।

पुस्तकें

- वार्षिक रिपोर्ट, 2001-2002, पहली बार बुकलेट फार्म में प्रकाशित।
- "दि नागा क्रोनिकल", वी.के. नुह द्वारा संकलित और वेटशोखरोलो लसुह द्वारा सम्पादित, केन्द्र द्वारा रीजेन्सी पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली के माध्यम से प्रकाशित।
- "न्यूज आन नार्थ-ईस्ट", चुनिन्दा समाचार पत्रों से मासिक पत्र कतरनें।
- "डायमेन्शन्स आफ डवलपमेंट इन नागालैंड", सी.जे. थामस और गुरूदास दास द्वारा (सं.), द्वारा रीजेन्सी पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
- "डायमेन्शन्स आफ डिस्प्लेस्ड पीपल इन नार्थ-ईस्ट इण्डिया", सी.जे. थामस (सं.), द्वारा रीजेन्सी पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।

उत्तर-पश्चिम क्षेत्रीय केन्द्र, चण्डीगढ़

केन्द्र ने निम्नलिखित सेमिनारों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की :

1. "रीथींकिंग नेरेटिव्ज इन कलचरल स्टडीज", सायंकालीन अध्ययन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 17,000/- रुपए।
2. ग्रामीण निर्धनता अपशमन कार्यक्रम और भारत में संधारणीय विकास, लोक प्रशासन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 17,000/- रुपए।
3. "मार्जिनलाइज़्ड ग्रुप्स इन नार्थ वैस्ट इण्डिया : चेन्जिज एण्ड रेसपोंस", समाजशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 17,000/- रुपए।
4. "डेमोग्राफिक डायनेमिज्म इन इण्डिया विद स्पेशल फोकस आन दि सेन्सस 2002", भूगोल विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 15,000/- रुपए।
5. "इन्फोर्मेशन प्रोडक्ट्स एण्ड सर्विसिज इन सोशल साइन्सिज", पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 17,000/- रुपए।
6. "साइंस, टेक्नोलोजी एण्ड सोसायटी (प्रोटोहिस्टोरिक टू दि कन्टेम्पोरेरी पीरियड)", उत्तर-पश्चिम क्षेत्र पर विशेष सत्र के साथ, इतिहास विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 17,000/- रुपए।
7. "सेमिनार-कम-ट्रेनिंग वर्कशाप आन करेन्ट मेनेजमेंट प्रेक्टिस इन मेन्टल रीटार्डेशन", शिक्षा विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 17,000/- रुपए।

8. "वीमेन इन आर्म्ड फोर्सिज : चेलेन्जिज एण्ड प्रोस्पेक्ट्स", रक्षा और महत्वपूर्ण अध्ययन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 17,000/- रुपए।
9. "डायनेमिक्स आफ इण्डियाज सिक्युरिटी इन नार्थ-वेस्टर्न रीजन – चेलेन्जिज एण्ड रेस्पोन्सिज" रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन केन्द्र, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 17,000/- रुपए।
10. "करीकुलम डवलपमेंट इन कामर्स, विश्वविद्यालय व्यवसाय स्कूल, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 17,000/- रुपए।
11. "क्वालिटी आफ मेनेजमेंट एज्युकेशन इन इण्डिया: फेसिंग दि चेलेन्ज आफ चेंज", विश्वविद्यालय व्यावसाय स्कूल, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 17,000/- रुपए।
12. "मिडिवल पायट्री एण्ड इट्स सोशल रेलेवेंस इन दि माडर्न पंजाब विद स्पेशल रेफ्रेंस टू नार्थ-वेस्टर्न रीजन", गुरू नानक सिख अध्ययन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 17,000/- रुपए।
13. "रोल आफ मिडिया इन सोसायटी", जन संचार विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 20,000/- रुपए।
14. "दि रेलेवेंस आफ स्पोर्ट्स इन माडर्न सोसायटी विद स्पेशल रेफ्रेंस टू नार्थ-वेस्टर्न रीजन", शारीरिक शिक्षा विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, 17,000/- रुपए।
15. "प्राबलम्स एण्ड प्रोस्पेक्ट्स आफ स्माल बिजनेस इन नार्थ वेस्टर्न इण्डिया", व्यवसाय और अर्थशास्त्र विभाग, गुरू जाम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार, 17,000/- रुपए।
16. "ग्लोबलाइजेशन एण्ड पालिटिकल इकोनोमी", श्री गुरू गोविन्द सिंह कालेज, सेक्टर-26, चण्डीगढ़, 12,000/- रुपए।
17. "रीथिंकिंग वीमेन : कलचर, लिटरेचर एण्ड मिडिया", डी.ए.वी. महिला कालेज, सेक्टर-36, चण्डीगढ़, 12,000/- रुपए।
18. "रीथिंकिंग दि स्ट्रेटेजी फार दि इन्डस्ट्रियल ग्रोथ इन पंजाब : लेसन्स फ्राम दि न्यु इकोनोमिक रिफोर्म्स", डी.ए.वी. कालेज, सेक्टर-10, चण्डीगढ़, 12,000/- रुपए।
19. "प्राबलम्स एण्ड प्रास्पेक्ट्स : एन्ट्रीप्रीन्योरशिप इन नार्थ-वेस्टर्न रीजन" राजकीय कालेज, एस.ए.एस. नगर, मोहाली, 12,000/- रुपए।
20. "इकोनोमिक स्टेट्स आफ वीमेन इन इण्डिया विद स्पेशल रेफ्रेन्स टू नार्थ वेस्टर्न रीजन", देव समाज महिला कालेज, सेक्टर 45 बी, चण्डीगढ़, 12,000/- रुपए।
21. "वीमेन एम्पावरमेंट इन नार्थ वेस्टर्न रीजन", मास्टर तारा सिंह स्मारक महिला कालेज, लुधियाना, 12,000/- रुपए।
22. "एक्सप्लोरिंग इण्डियन आइडेन्टिटी इन माडर्न इण्डिया", महाराजा प्रताप नेशनल (पी.जी.) कालेज, मुलाना (अम्बाला), 12,000/- रुपए।

विख्यात समाज विज्ञानियों द्वारा व्याख्यानमाला

क्षेत्रीय केन्द्र ने अपने विशिष्टीकरण वाले क्षेत्रों में और वर्तमान हित के विषयों पर विख्यात समाज विज्ञानियों द्वारा व्याख्यान आयोजित किए। ये व्याख्यानमालाएं महान अकादमिक तथा व्यावहारिक महत्व के विषयों पर प्रख्यात विद्वानों द्वारा किए गए अनुसंधान कार्य पर आधारित थी और आम सार्वजनिक व्याख्यानों से भिन्न थी।

वर्ष 2002-2003 के दौरान निम्नलिखित विद्वानों ने व्याख्यान दिए :

1. "पार्टिसिपेटरी रीसर्च : सुजाने स्पीक, 7 अप्रैल 2002।
2. "अम्बेडकर एण्ड हिज अनफुलफील्ड ड्रीम्स", एस.के. थोरट, 12 अगस्त 2002।
3. "फेल्युर्स आफ इण्डियन डवलपमेंट प्रोसेस ड्युरिंग दि लास्ट फिफ्टी ईअर्स", वी.आर. पंचमुखी, अध्यक्ष, भा.सा.वि.अ.प., 5 सितम्बर 2002।
4. "पालिटिकल इस्लाम : यस्टरडे, टूडे एण्ड टूमारो", जे.पी.एस. ओबराय, 13 सितम्बर 2002।
5. "क्वालिटेटिव अप्रोच टू सोशल साइंस रीसर्च : थ्योरी एण्ड प्रेक्टिस", सुजाने स्पीक, पीटर केलेट और के.सी. कैस्था, 11 अक्तूबर 2002।
6. "रोल आफ अम्बेडकर इन कामर्स एण्ड इकोनोमिक्स", ओम प्रकाश, 13 नवम्बर 2002।

7. ''स्ट्रेस मेनेजमेंट'', जितेन्द्र मोहन, 27 नवम्बर 2002।
8. ''एडमिनिस्ट्रेटिव रिफोर्म्स एण्ड सस्टेनेबिल इकोनोमिक ग्रोथ'', विनायक रे, 12 दिसम्बर 2002।
9. ''टूवर्ड्स ए थ्योरी आफ करेप्शन एण्ड इट्स इरेडिकेशन'', एस.एल. शर्मा, 11-13 मार्च 2003।

अध्ययन अनुदान

केन्द्र ने ग्यारह विद्वानों को अध्ययन अनुदान मंजूर किए।

फोटोकापिंग सेवाएं

क्षेत्रीय केन्द्र, भा.सा.वि.अ.प. पुस्तकालय तथा पंजाब विश्वविद्यालय पुस्तकालय का दौरा करने वाले छात्रों, अनुसंधानकर्ताओं और संकाय सदस्यों को मामूली दरों पर फोटोकापिंग सेवाएं प्रदान करता है। यह एक बहुत ही लोकप्रिय सेवा है और अध्येताओं द्वारा इसका व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। बाहरी अध्येताओं द्वारा समाज विज्ञान पत्रिकाओं से लेखों की फोटोप्रतियों के अनुरोध भी पूरी किए जाते हैं। आलोच्य अवधि के दौरान 64,000 लेखों की फोटोकापी की गई।

सेमिनार-सह-अतिथि गृह कम्प्लेक्स

1. कम्प्लेक्स में सेमिनार कक्षों की सुविधाएं, पंजाब विश्वविद्यालय के 165 समाज विज्ञान/विज्ञान विभागों और पंजाब, हरियाणा, चण्डीगढ़ संघ राज्य क्षेत्र और केन्द्रीय सरकार विभागों को सेमिनार/सम्मेलन, कार्यशालाएं आदि आयोजित करने के लिए मुहैय्या की गई।
2. केन्द्र के अतिथि गृह ने, चण्डीगढ़ आने वाले अनुसंधान अध्येताओं और समाज विज्ञानियों को अपने अनुसंधान व अन्य अकादमिक प्रयोजनार्थ आवास की सुविधा मुहैय्या की। आलोच्य अवधि के दौरान 1250 अध्येताओं ने आवास सुविधा का लाभ उठाया।

पुस्तकालय

1. क्षेत्रीय केन्द्र के पुस्तकालय में 45 समाज विज्ञान पत्रिकाएं मंगाई जाती हैं जिनमें विदेश से मंगाई जाने वाली 20 पत्रिकाएं सम्मिलित हैं, जो प्रमुख समाज विज्ञान क्षेत्रों से संबंधित हैं। इनमें से अधिकांश पत्रिकाएं पंजाब विश्वविद्यालय पुस्तकालय व क्षेत्र के अन्य प्रमुख पुस्तकालयों द्वारा नहीं मंगाई जाती हैं। इसके अलावा, केन्द्र में भा.सा.वि.अ.प. के राष्ट्रीय समाज विज्ञान प्रलेखन केन्द्र से कुछ पत्रिकाएं प्राप्त होती हैं।

   केन्द्र, ''सोशल साइंस डाक्युमेंटेशन लिस्ट'' नियमित रूप से प्रकाशित करता है। इस लिस्ट में क्षेत्रीय केन्द्र के पुस्तकालय को प्राप्त होने वाली विभिन्न पत्रिकाओं के लेख सम्मिलित होते हैं। आलोच्य अवधि के दौरान वर्ष 2001 से संबंधित ''सोशल साइंस डाक्युमेंटेशन लिस्ट'' खण्ड 14 (1 और 2), जो छमाही रूप से प्रकाशित किया जाता है, जारी किया गया तथा क्षेत्र के विभिन्न समाज विज्ञान विभागों और कालेजों को वितरित किया गया तथा 2002 के प्रथम अर्ध के संबंध में खण्ड 15 पर कार्यवाही चल रही है। केन्द्र, क्षेत्र के विश्वविद्यालयों और कालेजों के अनुसंधानकर्ताओं, अध्येताओं और संकाय सदस्यों के उपयोगार्थ विभिन्न विषयों/क्षेत्रों को कवर करते हुए वर्तमान विषयों पर ग्रन्थसूचियां तैयार कर रहा है।
2. केन्द्र, प्रमुख समाचार-पत्रों में छपने वाले आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक कार्यकलापों को कवर करते हुए वर्तमान लेखों की एक अनुक्रमणिका तैयार कर रहा है। इन लेखों की कतरनें उपयोगकर्ताओं के लिए पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। वर्ष 2002-2003 के दौरान केन्द्र ने अप्रैल 2002 से मार्च 2003 तक की अवधि को कवर करते हुए ''सोशल साइंस न्यूज इन्डेक्स'' खण्ड 8 (3 और 4) तथा 9 (1 और 2) प्रकाशित किया। खण्ड 9 अंक 3 के संबंध में कार्य प्रगति पर है।
3. क्षेत्रीय केन्द्र, चुनिन्दा पंजाबी भाषा समाचार-पत्रो में छपने वाले, समाज विज्ञानियों के लिए रूचिकर सम्पादकीय और समाचारों की ''सामाजिक विज्ञान खबर सूची'' नामक एक त्रैमासिक अनुक्रमणिक तैयार कर रहा है। यह अनुक्रमणिका जनवरी 2001 में शुरू की गई थी तथा अक्तूबर-दिसम्ब 2000 अवधि से संबंधित प्रथम अंक इस अवसर पर जारी किया गया। अनुक्रमणिका अ

अपने प्रकाशन के तीसरे वर्ष में है तथा अप्रैल 2002-मार्च 2003 अवधि से संबंधित चार अंक आलोच्य अवधि के दौरान जारी किए गए।

4. वर्ष के दौरान केन्द्र को राष्ट्रीय समाज विज्ञान प्रलेखन केन्द्र से 114 पुस्तकें प्राप्त हुईं।

केन्द्र, क्षेत्र में विश्वविद्यालय और कालेज - दोनों स्तर पर ''विषयोन्मुखी सेमिनार'' आयोजित करने के लिए निरन्तर वित्तीय सहायता प्रदान करता है। वर्ष 2002-2003 के दौरान केन्द्र ने सेमिनार अनुदान समिति की सिफारिशों पर, क्षेत्र के समाज विज्ञान विभागों/कालेजों को 22 सेमिनारों के लिए अनुदान मंजूर किए।

दक्षिण क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद

केन्द्र ने निम्नलिखित सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की:

सेमिनार

1. ''दि पुलिस - दि एक्सपेक्टेशन्स एण्ड रीअलिटीज'', लोक प्रशासन विभाग, रेलवे डिग्री कालेज, सिकन्दराबाद, 3,000/- रुपए।
2. ''सिक्युरिटी इश्यूज इन साउथ एशिया : आल्टर्नेटिव पर्सपेक्टिव्ज'', नाभिकीय निःशस्त्रीकरण और शान्ति गठबंधन, हैदराबाद, 10,000/- रुपए।
3. ''एक्सप्लोरेशन्स इन एनवायरनमेंटल हिस्ट्री आफ आन्ध्र प्रदेश, सेवन्टीन्थ सेन्चरी टू दि फर्स्ट हाफ आफ ट्वेनटीयथ सेन्चरी'', इतिहास विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 5,000/- रुपए।
4. ''ग्लोबलाइजेशन : इण्डियन स्टेट एण्ड एज्युकेशनल पर्सयुट्स'', समाजशास्त्र विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 8,000/- रुपए।
5. ''वीमेन्स राइट्स एण्ड चेन्जिंग रोल्स एट हैदराबाद'', समाजशास्त्र विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय महिला कालेज, 5,000/- रुपए।
6. ''इकोनोमिक रिफोर्म्स एण्ड इण्डियन इकोनोमी: ए डवलपमेंट एक्सपीरिएन्स'', अर्थशास्त्र विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 8,000/- रुपए।
7. इन्टर-लिंकेजिज आफ ब्राइबरी मार्केट विद क्राइम, पालिटिक्स एण्ड इकोलोजिकल डवलपमेंट'', अर्थशास्त्र विभाग, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, 5,000/- रुपए।
8. ''रीजनल डवलपमेंट एण्ड स्पेटिअल इन्फोर्मेशन टेक्नोलोजीज'', भूगोल विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 5,000/- रुपए।
9. ''ई-गवर्नेन्स इनिशिएटिव्ज इन इण्डिया : अपोरच्युनिटीज एण्ड चेलेन्जिज'', लोक प्रशासन विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 5,000/- रुपए।

कार्यशालाएं

1. ''रीसर्च मेथोडोलाजी कोर्स'', पर कार्यशाला, शिक्षा और अनुसंधान प्रबंधन संस्थान, बेलगांव, 12,000/- रुपए।
2. ''टेक्स रिफोर्म्स इन इण्डिया'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 20 दिसम्बर 2002, वाणिज्य विभाग, निजाम कालेज, हैदराबाद, 5,000/- रुपए।
3. ''रीसर्च मेथोडोलाजी वर्कशाप इन सोशल साइन्सिज'', राजनीतिक विज्ञान विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, 8,000/- रुपए।

व्याख्यानमाला

प्रोफेसर रशीदुद्दीन खान स्मारक व्याख्यान, शुक्रवार 19 अप्रैल 2002, भा.सा.वि.अ.प. सम्मेलन कक्ष, हैदराबाद।

दक्षिण क्षेत्रीय केन्द्र का दौरा

1. प्रोफेसर वी.आर. पंचमुखी, अध्यक्ष, भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली, का दौरा, 2 जुलाई 2002।
2. श्री भास्कर चटर्जी, आई.ए.एस., सदस्य-सचिव, भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली, का दौरा, 23 अगस्त 2002।
3. श्री भास्कर चटर्जी, आई.ए.एस., सदस्य-सचिव, भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली, का दौरा, 19-20 दिसम्बर 2002।
4. भा.सा.वि.अ.प. की समीक्षा समिति, नई दिल्ली, का दौरा, 12-13 जनवरी, 2003, हैदराबाद।

अध्ययन अनुदान

पुस्तकालयों का परामर्श करने के लिए केन्द्र ने तीन अध्ययन अनुदान मंजूर किए।

पुस्तकालय

''डाटाबेस आन इण्डियन इकोनोमी'' : दक्षिण क्षेत्रीय केन्द्र, भा.सा.वि.अ.प., ने भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं से संबंधित सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों की प्राप्ति और भण्डारण द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था के एक समृद्ध डाटा का निर्माण करने की परियोजना शुरू की है। अब भारतीय अर्थव्यवस्था से संबंधित महत्वपूर्ण अनुक्रमणिकाएं, सार और पृष्ठ सामग्री क्षेत्रीय केन्द्र में प्राप्त हो रही हैं। अभी तक कवर न हुए पहलुओं से संबंधित कुछ और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को शामिल करके केन्द्र का इरादा इस डाटाबेस को सुदृढ़ करने का है।

इस डाटाबेस के मुख्य स्रोत वे दस्तावेज हैं जो भारतीय अर्थव्यवस्था मानीटरन केन्द्र, मुम्बई द्वारा प्रकाशित किए जाते हैं। केन्द्र इस सेवा की प्राप्ति हेतु प्रत्येक वर्ष 10,000/- रुपए अदा करता है। यह डाटा न केवल अर्थशास्त्र के अध्येताओं के लिए उपयोगी है बल्कि अन्य समाज विज्ञान विषयों के लिए भी उपयोगी है। अभी तक 31 मार्च 2003 तक केन्द्र में 662 खण्ड प्राप्त हुए हैं।

राजकीय प्रलेख प्रकोष्ठ : चार वर्ष पहले स्थापित राजकीय प्रलेख प्रकोष्ठ में जम्मू और कश्मीर, पंजाब, मेघालय, सिक्किम और कर्नाटक से विधानमण्डलों की रिपोर्टें प्राप्त हो रही हैं। निम्नलिखित सामग्री प्राप्त करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं:

क) विधायी समितियों, निगमों व अन्य एजेन्सियों की रिपोर्टें;

ख) बजट पत्र; और

ग) आर्थिक और सांख्यिकी ब्यूरो के प्रकाशन।

पत्रिकाएं और समाचार पत्र

इस समय पुस्तकालय में 21 अंग्रेजी पत्रिकाएं, 4 तेलुगु पत्रिकाएं और 4 उर्दू पत्रिकाएं मंगाई जाती हैं। आन्ध्र प्रदेश व अन्य राज्यों में प्रकाशित चुनिन्दा समाचार-पत्र भी प्राप्त होते हैं। इसके अलावा, केन्द्र में काफी संख्या में नैसडाक, नई दिल्ली से प्रकाशन प्राप्त हुए।

कम्प्यूटर

केन्द्र में इन्टरनेट सुविधाओं के साथ पेन्टियन-III की कम्प्यूटर सुविधाएं उपलब्ध हैं। दो कम्प्यूटर पी.सी. 386 और 486 भी उपयोग में लाए जाते हैं।

अन्य सेवाएं

अनुसंधान अध्येताओं को मार्गदर्शन

हैदराबाद व अन्य स्थानों से बहुत से अनुसंधान अध्येता, पठन सामग्री, ग्रन्थसूचियों, प्रलेखन सूचियों, अनुसंधान प्रस्तावों की संरचना, प्रश्नावलियों के निर्माण आदि की दृष्टि से अपने अनुसंधान कार्यकलापों के संबंध में मार्गदर्शन हेतु द.क्षे. केन्द्र, भा.सा.वि.अ.प. आते रहते हैं। आलोच्य वर्ष के दौरान केन्द्र ने काफी अध्येताओं को ऐसी सहायता प्रदान की।

भा.सा.वि.अ.प. द्वारा प्रदत्त अध्येतावृत्तियों और अनुसंधान अनुदानों के संबंध में सूचना का प्रसार

समाज विज्ञान संस्थानों के अनेक प्रमुखों और आन्ध्र विश्वविद्यालय, समाज विज्ञान विभागों के अनुरोध पर केन्द्र अनुसंधान अनुदानों और अध्येतावृत्तियों की भा.सा.विअ.प. स्कीम की मिमिओग्राफ प्रतियां प्रकाशित की गईं और दक्षिणी विश्वविद्यालयों के सभी समाज विज्ञान विभागों और समाज विज्ञानों में अनुसंधान व प्रशिक्षण संस्थानों को वितरित की गईं।

उपलब्ध सुविधाएं

(क) अतिथि गृह

द.क्षे. केन्द्र का एक सुसज्जित अतिथि गृह है जो पुस्तकालयों का परामर्श करने के लिए अध्ययन अनुदान प्राप्तकर्ता अध्येताओं को मामूली दरों पर आवास की सुविधा उपलब्ध कराता है।

(ख) सम्मेलन कक्ष

क्षेत्रीय केन्द्र का एक सुसज्जित सम्मेलन कक्ष है जिसमें फिक्स्ड सार्वजनिक ऐड्रेस सिस्टम के साथ 120 व्यक्तियों के लिए बैठने की सुविधा है। उस्मानिया विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और संस्थानों द्वारा सेमिनार व कार्यशालाएं आयोजित

करने के वास्ते सम्मेलन कक्ष की काफी मांग रहती है।

(ग) समिति कक्ष

क्षेत्रीय केन्द्र में 20 ग 30 आकार का एक समिति कक्ष है।

(घ) प्रोजेक्टर और टेप रिकार्डर

क्षेत्रीय केन्द्र में एक स्लाइड प्रोजेक्टर और एक ओवरहेड प्रोजेक्टर है। केन्द्र में एक टेप रिकार्डर है जिसका उपयोग व्याख्यान, सेमिनार कार्यवाही आदि रिकार्ड करने के लिए किया जाता है।

पश्चिमी क्षेत्रीय केन्द्र, मुम्बई

केन्द्र ने विभिन्न कार्यकलाप आयोजित किए जिनमें निम्नलिखित सम्मिलित हैं : (1) विदेशी विद्वानों का दौरा; (2) अनुसंधान रीतिविज्ञान में कार्यशालाओं, सेमिनार पाठ्यक्रमों का आयोजन और विशेष व्याख्यानों की व्यवस्था; (3) समाज विज्ञानों में पी.एच.डी. अथवा डी.लिट. डिग्री के लिए अनुसंधान करने वाले अध्येताओं को अध्ययन अनुदान प्रदान करना; (4) शोध निबन्धों की प्राप्ति; और (5) जमा/उपहार आधार पर वैयक्तिक और संस्थात्मक पुस्तकालयों की स्वीकृति।

केन्द्र ने निम्नलिखित सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं के लिए समर्थन प्रदान किया :

सेमिनार

1. वी.जे./वी.टी., भारतीय शिक्षा संस्थान, पुणे की शैक्षिक समस्याएं, 17-18 जून 2002, 15,000/- रुपए।
2. आजादी के बाद से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातियों की शैक्षिक प्रगति : एक राज्य स्तरीय परिदृश्य, 14-15 मई 2002, 10,000/- रुपए।
3. विकलांगों के हितार्थ विकास, 24-25 अगस्त 2002, 9,000/- रुपए।
4. गुजरात के वर्तमान संदर्भ में सिविल सोसायटी की स्थिति, 29-30 अगस्त 2002, 15,000/- रुपए।
5. भारत में क्षेत्रीय असमानताओं की गतिकी, 15-17 नवम्बर 2002, 15,000/- रुपए।
6. भारतीय नगरों के शहरी कमजोरों का प्रबंधन, भारतीय भूगोलवेत्ता संस्थान, पुणे विश्वविद्यालय, 27-29 नवम्बर 2002, 15,000/- रुपए।
7. श्रम पर वैश्विकरण का प्रभाव, अर्थशास्त्र विभाग, एस.एन.डी.टी. विश्वविद्यालय, मुम्बई, 26 नवम्बर 2002, 10,000/- रुपए।
8. महिलाओं का पेशेवर स्वास्थ्य, मनोविज्ञान विभाग, एस.एन.डी.टी. विश्वविद्यालय, मुम्बई, 4-5 दिसम्बर 2002, 8,000/- रुपए।
9. भारत के आर्थिक सुधारों के कुछ निहितार्थ, समाजशास्त्र विभाग, मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, 17-18 जनवरी 2003, 10,000/- रुपए।
10. आर्थिक सुधारों के सामाजिक आयाम, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, 29-30 जनवरी 2003, 18,000/- रुपए।
11. महिलाएं और वैश्विकरण, सोफिया कालेज, मुम्बई, 4 मार्च 2003, 8,000/- रुपए।
12. आजादी-पश्चात भारत में विकास, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, 10-11 मार्च 2003, 15,000/- रुपए।
13. पोखरण-II पश्चात अवधि के दौरान भारत-पाकिस्तान संबंध, राजनीतिक विज्ञान विभाग, गुजरात विश्वविद्यालय, 27-28 मार्च 2003, 15,000/- रुपए।

सम्मेलन

1. मराठी तत्वज्ञान परिषद, पुणे का वार्षिक सम्मेलन, 17-19 नवम्बर 2002, 10,000/- रुपए।
2. मराठी अर्थशास्त्र परिषद का 26वां वार्षिक सम्मेलन, वैद्यनाथ कालेज, पार्ली, 17-19 नवम्बर 2002, 10,000/- रुपए।
3. जल के उपयोग – वेंगुरिआ तालुका पानी परिषद, खरडेकर कालेज, वेंगुरिआ, 18 फरवरी 2003, 7,000/- रुपए।

कार्यशालाएं

दूरवर्ती संवेदनशीलता और भू-उपयोग अध्ययनों हेतु इसका अनुप्रयोग, भूगोल विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय, 31 जनवरी से 1 फरवरी 2003, 7,000/- रुपए।

सार्वजनिक व्याख्यान

डॉ. ए.आर. देसाई स्मारक व्याख्यान, आर.एस. शर्मा, विख्यात इतिहासकार, समाजशास्त्र विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय, द्वारा 26 फरवरी 2003 को आयोजित।

समाज विज्ञान पत्रिका के लिए अनुदान

"भारतीय इतिहास अणि संस्कृति" त्रैमासिक पत्रिका के प्रकाशन हेतु प्रकाशन अनुदान, इतिहास संशोधन मण्डल, मुम्बई, 5,000/- रुपए।

प्रकाशन अनुदान

पी.पी. शिरोडकर, पूर्व निदेशक, अभिलेखागार, गोवा, को माननीय जगन्नाथ शंकर की अंग्रेजी में जीवनी पर एक परियोजना, के लिए प्रकाशन अनुदान, 5,000/- रुपए।

विदेशी अतिथि

आलोच्य वर्ष के दौरान तीन विदेशी विद्वानों ने केन्द्र का दौरा किया :

1. चीन से चार विद्वानों का एक प्रतिनिधिमंडल, भारत-चीन सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अन्तर्गत, भा.सा.वि.अ.प. के अतिथि के रूप में 20 से 24 नवम्बर 2002 तक। उनमें सम्मिलित थे : प्रोफेसर वई हौकई, प्रोफेसर चेन याओ, प्रोफेसर लियु कई, औद्योगिक अर्थशास्त्र संस्थान, सी.ए.एस.एस. और प्रोफेसर झांग शुनहोंग, विश्व इतिहास संस्थान, बीजिंग, चीन।
2. प्रोफेसर फांग गुआंगचांग और श्रीमती क्यु योंगहुई, विश्व धर्म संस्थान, बीजिंग, 30 नवम्बर से 5 दिसम्बर 2002।

भा.सा.वि.अ.प. समीक्षा समिति का दौरा

अनुसंधान संस्थान समिति की 22 जनवरी 2002 को आयोजित बैठक में, क्षेत्रीय केन्द्रों के दर्जे से संबंधित मुद्दे पर विचार करते समय, समिति ने सदस्य-सचिव को उनके संबंध में उपयुक्त मार्गनिर्देश तैयार करने के वास्ते प्राधिकृत किया। इस निर्णय के अनुसरण में, सचिवालय ने क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए संस्था ज्ञापन-पत्र और नियमावली का एक प्रारूप तैयार किया।

इस उल्लिखित निर्णय के अनुसरण में, भा.सा.वि.अ.प. के अध्यक्ष ने निम्नलिखितों को मिलाकर एक समिति गठित की गई :

डॉ. टी.एस. पपोला, डॉ. एल.के. देशपाण्डे, डॉ. इन्द्र देव और श्री भास्कर चटर्जी, सदस्य-सचिव, भा.सा.वि.अ.प. अथवा उसके द्वारा मनोनीति कोई अन्य।

तदनुसार, समीक्षा समिति ने, क्षेत्रीय केन्द्र के निष्पादन का मूल्यांकन करने तथा क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए कामकाज का विनिर्धारण करने के वास्ते 9 और 10 जनवरी 2003 को प.क्षे. केन्द्र का दौरा किया। डॉ. रणजीत सिन्हा, निदेशक, भा.सा.वि.अ.प. और डॉ. एस. वी. खाण्डेवाले, उप निदेशक, भा.सा.वि.अ.प. ने भी केन्द्र का दौरा किया।

अध्ययन अनुदान

केन्द्र की अध्ययन अनुदान स्कीम के अन्तर्गत 9 डाक्टोरल अध्येताओं ने अपने अनुसंधान कार्य के संबंध में पुस्तकालयों का परामर्श करने के लिए मुम्बई का दौरा किया।

होस्टल

आलोच्य वर्ष के दौरान, 1620 विद्वानों ने केन्द्र द्वारा प्रदत्त होस्टल सुविधाओं का लाभ उठाया।

सम्मेलन कक्ष

भा.सा.वि.अ.प. सम्मेलन कक्ष का विभिन्न विश्वविद्यालय विभागों व अन्य अकादमिक संस्थानों ने व्याख्यान, सेमिनार, कार्यशालाएं, बैठकें आदि आयोजित करने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया।

पुस्तकालय

आलोच्य अवधि के दौरान, केन्द्र में 27 पत्रिकाएं (18 विदेशी और 9 भारतीय) मंगाई गईं।

वर्ष 2002-2003 के दौरान क्षेत्रीय केन्द्रों का अनुदानों का अन्तिम आबंटन और संवितरण (योजनेतर तथा योजनागत) (लाख रुपए)

		योजनेतर		योजनागत		योजनेतर (अनावर्ती)		कुल संवितरण 4+6+8
1	2	3	4	5	6	7	8	
क्रम सं.	अनुसंधान संस्थान का नाम	आबंटन	संवितरण	आबंटन	संवितरण	आबंटन	संवितरण	
1.	पश्चिम क्षेत्रीय केन्द्र, मुम्बई	17	18.5	10	10		28.5	
2.	पूर्व क्षेत्रीय केन्द्र, कोलकाता	10	11.5	7	7		18.5	
3.	दक्षिण क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद	20	22	8	8	0.4	30.4	
4.	उत्तर-पश्चिम क्षेत्रीय केन्द्र, चण्डीगढ़	24	26.99	4	4	0.5	31.49	
5.	उत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, नई दिल्ली	4	4.5	21	21		25.5	
6.	उत्तर-पूर्व क्षेत्रीय केन्द्र, शिलांग	16	16.5	8	8	25.9	50.4	
	जोड़ (अनु.केंद्र)	91	99.99	58	58		26.8	184.79
	अन्य : (समीक्षा समिति)				14.46			14.46

* सेवानिवृती लाभों के लिए जारी राशि भी सम्मिलित है।

वर्ष 2002-2003 के दौरान क्षेत्रीय केन्द्रों के अनुसंधान परिणाम के संबंध में मात्रात्मक सूचना

क्रम सं.	केन्द्र का नाम	अवार्ड के लिए चुने गए अध्ययन अनुदान	प्रवत्त अध्ययन अनुदान	कार्यक्रमों के लिए अनुदान	व्याख्यान	व्यावसायिक संगठनों को अनुदान	प्राप्त की गईं होस्टल एवं अतिथि गृह सुविधाएं	स्टाफ
1.	पश्चिम क्षेत्रीय केन्द्र, मुम्बई	169	17	1	1	1620		15
2.	पूर्व क्षेत्रीय केन्द्र, कोलकाता	4	4	उ.न.	उ.न.	उ.न.	98	10
3.	दक्षिण क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद	3	3	12	1	उ.न.	292	14
4.	उत्तर-पश्चिम क्षेत्रीय केन्द्र, चण्डीगढ़	11	11	22	9	उ.न.	1250	19
5.	उत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, नई दिल्ली	उ.न.	उ.न.	21	उ.न.	उ.न.	उ.न.	3
6.	उत्तर-पूर्व क्षेत्रीय केन्द्र, शिलांग	12	7	26	4	5	150	13

उ.न. - उपलब्ध नहीं

10

अनुसंधान संस्थान

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, 27 अनुसंधान संस्थानों को अनुदान देती है। समाज विज्ञान ज्ञान के आधार को बढ़ाने, अनुसंधान की कोटि सुधारने और अन्तर-विषयक परिप्रेक्ष्य प्रोत्साहित करने में परिषद का एक प्रमुख कार्यक्रम, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के कार्यक्षेत्र से बाहर, अनुसंधान संस्थाओं को प्रायोजित करना है। ये संस्थान, अनुसंधान प्रतिभाओं का प्रसार करने और देश के विभिन्न क्षेत्रों में, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां समाज विज्ञान अनुसंधान का अभी विकास नहीं हुआ है, अनुसंधान क्षमताओं का निर्माण करने में परिषद की नीति को कार्यान्वित करने के लिए एक महत्वपूर्ण साधन हैं।

परिषद, अनुसंधान संस्थाओं की समीक्षा समिति की सिफारिश को, विशेष रूप से संकाय के नवीकरण, अवस्थापना और अनुसंधान सुविधाओं का उन्नयन और परम्परागत शैक्षणिक सीमाओं से परे अनुसंधान के क्षेत्र को प्रोत्साहित करने से संबंधित सिफारिशों को, कार्यान्वित करने का प्रयास कर रही है। तथापि, वित्तीय तंगी के कारण संस्थानों को उतनी निधियां प्रदान नहीं की जा सकीं जितनी कि अपेक्षित थीं।

अनुसंधान संस्थानों ने क्षेत्रों में व अन्यत्र भी सेमिनारों, कार्यशालाओं और प्रशिक्षण व परामर्श कार्यक्रमों के माध्यम से अध्येताओं के साथ निकट संबंध स्थापित किए हैं। कुछेक संस्थान, राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर आयोजना और विकास एजेन्सियों से निकटतः जुड़े हुए हैं, और उन्होंने इस प्रकार अनुसंधान और नीति निर्माण के बीच कड़ियों को सुदृढ़ किया है।

प्रत्येक संस्थान अपने अनुसंधान की दिशा स्वयं तय करता है जिसमें कृषि और ग्रामीण विकास, औद्योगिक संरचना और विकास, आय वितरण और निर्धनता, रोजगार व मजदूरी, विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण के स्तरों में अन्तर-क्षेत्रीय अन्तर, स्त्रियों सहित समाज के कमजोर वर्गों की समस्याओं, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, पारिस्थितिकी और पर्यावरण तथा विकास के सामाजिक, सांस्कृतिक और विकास के संस्थात्मक पहलुओं से सम्बद्ध क्षेत्र सम्मिलित हैं। इस प्रकार, अनुसंधान अध्ययनों से भारतीय अर्थ व्यवस्था और सोसायटी की संरचना और उसकी राष्ट्रीय व क्षेत्रीय स्तरों पर गतिकी का पर्याप्त आनुभाविक ज्ञान सृजित हुआ है।

विगत पांच वर्षों के दौरान संस्थानों द्वारा 1,263 अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की गईं तथा 1,886 परियोजनाओं के संबंध में कार्य प्रगति पर था। इनमें उन विषयों से संबंधित अनेक मुद्दे शामिल हैं जिनका उल्लेख उपरोक्त पैराग्राफ में किया जा चुका है। इन प्रयासों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि ये न केवल प्रकृति से अन्तर-विषयक हैं बल्कि इनमें क्षेत्रीय और स्थानीय समस्याओं पर भी बल दिया जाता है।

प्रकाशनों की दृष्टि से, संस्थानों ने पिछले पांच वर्षों के दौरान 528 पुस्तकें और 1,035 कार्य-पत्र प्रकाशित किए।

एक अन्य महत्वपूर्ण कार्यकलाप जिस पर परिषद ने बल दिया है, वह है अनुसंधान संस्थानों द्वारा एम.फिल. और पी.एच.डी. कार्यक्रमों और कार्यशालाओं व सेमिनारों के माध्यम से युवा समाज विज्ञानियों के प्रशिक्षण का है। विगत पांच वर्षों के दौरान 131 पी.एच.डी. तैयार हुए तथा 1,073 अध्येता पी.एच.डी. के संबंध में कार्य कर

रहे हैं। अनुसंधान संस्थानों द्वारा अनुसंधान और प्रशिक्षण को प्रोत्साहित करने में परिषद ठीक ही गर्व अनुभव करती है। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान इन संस्थाओं में 249 अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की गई। वर्ष के अन्त में चल रहे अध्ययनों की कुल संख्या 413 थी।

अनुसंधान संस्थान, प्रकाशित पुस्तकों और मिमिओग्राफों तथा कार्य/अवसरिक पत्रों आदि के रूप में अपने अनुसंधान अध्ययनों के परिणामों का प्रसार करते हैं। वर्ष के दौरान 97 पुस्तकें तथा 825 मिमिओग्राफ, कार्य अवसरिक पत्र तथा लेख प्रकाशित किए गए।

ये संस्थान, युवा विज्ञानियों को प्रशिक्षण भी प्रदान करते हैं और नए अनुसंधानकर्ताओं की उनके अनुसंधान कार्य के डिजाइन और संचालन में भी मदद करते हैं। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए इन संस्थानों को डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां उपलब्ध कराई गई हैं। कुछेक संस्थान एम.फिल. और पी.एच.डी. छात्रों के लिए शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मदद कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, परिषद की नीति के अनुसार वे स्नातकोत्तर शिक्षण, विश्वविद्यालयों में अनुसंधान कार्यक्रमों में भाग लेते हैं और विश्वविद्यालय शिक्षकों को अपने अनुसंधान कार्यक्रमों में शामिल करते हैं। अनुसंधान संस्थानों के संकायों के मार्गदर्शन में कार्यरत 32 अध्येताओं को पी.एच.डी. डिग्री प्रदान की गई। वर्ष के दौरान 30 अध्येताओं ने अपने शोध निबंध प्रस्तुत कर दिए और 143 अध्येता अनुसंधान संस्थानों में कार्य कर रहे थे। वर्ष 2002-2003 के दौरान 661 सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

ए.एन. सिन्हा सामाजिक अध्ययन संस्थान, पटना का मुख्य बल बिहार और पूर्वी क्षेत्र की समस्याओं के विशेष संदर्भ में विकास पर ध्यान देना है। विकास के प्रति इसके दृष्टिकोण में सामुदायिक पहल पर बल दिया जाता है। निर्धनता उन्मूलन, ग्राम विकास, बाल विकास, आर्थिक नीति, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अध्ययन, महिलाओं की भूमिका तथा समाज में उनकी स्थिति, बदलती प्रौद्योगिकी के प्रभाव, सामाजिक वर्गीकरण और राज्य में कृषि, राजनीतिक, अर्थव्यवस्था आदि से संबंधित अन्य अनेक अध्ययन संस्थान में आयोजित किए जा रहे हैं। इस अवधि के दौरान 10 अध्ययन पूरे किए गए तथा 9 अध्ययन प्रगति पर थे। संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न पत्रिकाओं में 14 लेख और दो पुस्तकें प्रकाशित और सम्पादित की गई। इसके साथ ही संस्थान ने अपनी पत्रिका "सोशल और इकोनोमिक स्टडीज" प्रकाशित की। दो छात्रों ने अपना पी.एच.डी. अध्ययन पूरा कर लिया तथा एक अध्येता अपना उत्तर-डाक्टोरल अनुसंधान कार्य कर रहा था तथा उसके लिए कार्यरत था।

विकास अध्ययन केन्द्र, त्रिवेन्द्रम के अनुसंधान कार्यकलापों में मानव विकास में सार्वजनिक नीति, कृषि अर्थव्यवस्था, श्रम और विकास प्रौद्योगिकी, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, सामुदायिक सिंचाई, महिलाओं के विरुद्ध हिंसा, बैंकिंग क्षेत्र सुधार, श्रम और विकास, मेक्रो आर्थिक समायोजन नीति, जनसंख्या और भू-उपयोग, कृषि सुधारों तथा भूमि वितरण अनुभवों आदि को प्राथमिकता प्रदान की जाती है। 43 अध्ययन पूरे किए गए तथा 37 अध्ययनों के संबंध में कार्य चल रहा था। तीन छात्रों को पी.एच.डी. डिग्री प्रदान की गई और 34 छात्र अपनी पी.एच.डी. डिग्री के लिए कार्य कर रहे थे। तीन पुस्तकें और 16 कार्य पत्र प्रकाशित किए गए। संकाय सदस्यों ने विभिन्न पत्रिकाओं में 41 अनुसंधान पत्रों का योग दिया तथा पुस्तकों का सम्पादन किया। केन्द्र ने 104 व्याख्यान, सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित कीं।

आर्थिक और सामाजिक अध्ययन केन्द्र, हैदराबाद के अनुसंधान कार्यलाप, आन्ध्र प्रदेश की आर्थिक और सामाजिक समस्याओं से संबंधित हैं। वर्ष के दौरान केन्द्र ने अपने कार्य में सिंचाई प्रबंधन, जनजातीय विकास कार्यक्रमों, स्वास्थ्य क्षेत्र सुधारों, संधारणीय विकास रूपरेखा, ठोस अपशिष्ट प्रबंध पद्धति, कृषि, सामाजिक सुरक्षा, निर्धनता उपशमन, पुनर्वास और पुरुद्धार तथा रोजगार पर बल दिया। केन्द्र ने 8 अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की तथा 20 अनुसंधान अध्ययन प्रगति पर थे। इसके अतिरिक्त, केन्द्र के संकाय ने 42 अनुसंधान पत्र और तीन कार्य पत्र प्रकाशित किए। दो अध्येताओं को पी.एच.डी. डिग्री प्रदान की गई और चार ने अपने शोध निबन्ध प्रस्तुत कर दिए। केन्द्र ने तीन सेमिनार और एक कार्यशाला भी आयोजित की।

बहु-विषयक विकास अनुसंधान केन्द्र, धारवाड़ के मुख्य कार्यकलाप हैं - प्रारम्भिक शिक्षा का वित्तपोषण, स्वास्थ्य संकेतक, तम्बाकू से बदलाव का अर्थशास्त्र, आपरेशन ब्लैक बोर्ड का प्रबंधन, व्यापार और पर्यावरण

तथा शिक्षा के विकास में सामुदायिक अंशदान। आलोच्य अवधि के दौरान संस्थान ने छः अध्ययन पूरे किए तथा सात परियोजनाएं पूर्णता के विभिन्न स्तरों पर थीं। एक अध्येता को पी.एच.डी. प्रदान की गई तथा सात अपना अनुसंधान कार्य कर रहे थे। केन्द्र ने दो सेमिनार आयोजित किए।

नीति अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली के अध्ययनों में निम्नलिखित पर बल दिया गया : अधिशासन की समस्याएं, सुरक्षा नीति, उत्प्रवास और जनांकिकीय परिवर्तन, विकेन्द्रीकरण की राजनीति और प्रगति, शहरीकरण का भविष्य, आर्थिक उदारीकरण, सामाजिक हिंसा, वैश्विकरण, राजनय और राष्ट्रीय सुरक्षा आदि। वर्ष के दौरान केन्द्र ने छः अध्ययन पूरे किए तथा 15 अध्ययन प्रगति के विभिन्न स्तरों पर थे। संकाय द्वारा 5 पुस्तकें और बारह विनिबंध प्रकाशित किए गए। वर्ष के दौरान केन्द्र ने 36 सेमिनार/कार्यशालाएं भी आयोजित की।

ग्रामीण और औद्योगिक विकास अनुसंधान केन्द्र, चण्डीगढ़ ने निम्नलिखित विषयों पर अनुसंधान आयोजित किए - जनसंख्या, पुनर्वास, शिक्षा और विकास, उत्प्रवास, शहरी विकास, महिला-विशिष्ट स्कीमों का प्रभाव, माडल ग्राम योजना, पुनर्जनन और बाल स्वास्थ्य आदि। वर्ष के दौरान केन्द्र ने दो अध्ययन पूरे किए तथा सात अध्ययन पूर्णता के विभिन्न स्तरों पर थे। इसके अलावा, केन्द्र ने वर्ष के दौरान 60 व्याख्यान/सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। संकाय ने 13 अनुसंधान पत्र प्रकाशित किए।

गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद ने प्रमुख रूप से निम्नलिखित पर बल दिया - शिक्षा प्रोत्साहन स्कीमें, प्रौढ़ साक्षरता, पारि-पद्धति का संरक्षण, परिधीय अर्थव्यवस्था पर औद्योगीकरण का प्रभाव, महिला कामगार और विकास, अनौपचारिक विनिर्माण क्षेत्र और अर्थव्यवस्था का योगदान, गुजरात में नमक उद्योग का कार्यकरण और शुष्क भू-क्षेत्र में निवेश। वर्ष के दौरान संस्थान ने चार अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की तथा आठ अध्ययन प्रगति पर थे। संस्थान के संकाय ने 30 अनुसंधान पत्र, 11 विनिबंध और दो पुस्तकें प्रकाशित की। संस्थान ने छः कार्यशालाओं का आयोजन किया।

समाज विज्ञान अध्ययन केन्द्र, कोलकाता ने समाज की आर्थिक और सामाजिक समस्याओं पर मुख्य रूप से बल देना जारी रखा। केन्द्र की परियोजनाओं में प्रमुख रूप से निम्नलिखित पर बल दिया गया - भारतीय अर्थव्यवस्था पर वैश्विकरण का प्रभाव, औद्योगिक वित्त, शहरी लोकप्रिय संस्कृति, लघु उद्योगों में अल्पनिवेश की समस्याएं, विस्थापित बस्तियों का मूल्यांकन और बंगाल में साम्प्रदायिक संघर्ष का अध्ययन। वर्ष के दौरान, पांच अध्ययन प्रगति पर थे। केन्द्र ने पांच पुस्तकें और एक आवसरिक पत्र प्रकाशित किया। आलोच्य अवधि के दौरान 32 कार्यशालाएं, व्याख्यान आयोजित किए गए। तीन छात्रों ने पी.एच.डी. डिग्री के लिए अपना शोध निबंध प्रस्तुत कर दिया तथा पांच छात्र अध्ययन कर रहे थे। संकाय सदस्यों ने देश-विदेश में विख्यात पत्रिकाओं में 16 अनुसंधान पत्र और लेख प्रकाशित किए।

विकासशील सोसायटी अध्ययन केन्द्र, दिल्ली के अनुसंधान कार्य में मुख्य रूप से निम्नलिखित पर बल दिया गया - प्रजातांत्रिक राजनीति और इसका भविष्य, संस्कृति और ज्ञान की राजनीति, शान्ति सुरक्षा और विकास के लिए आर्थिक सहयोग, आतुवशिकी तथा विविधता, राजनीतिक पद्धति और मतदान आचरण, आपदा प्रबंधन, और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रतिमान। आलोच्य वर्ष के दौरान चार अध्ययन पूरे किए गए तथा 37 अध्ययन प्रगति पर थे। वर्ष के दौरान केन्द्र ने छः पुस्तकें प्रकाशित कीं। केन्द्र ने 63 सेमिनार/वार्ताएं/व्याख्यान/चर्चाएं भी आयोजित कीं।

सामाजिक विकास परिषद, हैदराबाद के अनुसंधान कार्यकलापों में निम्नलिखित पर बल दिया गया - गरीबी का निदानशास्त्र, पंचायती राज संस्थाएं, मानव विकास, औद्योगिक समूह, और साक्षरता-पश्चात कार्यक्रमों का मूल्यांकन। आलोच्य वर्ष के दौरान परिषद ने सात परियोजनाएं पूरी कीं तथा आठ प्रगति पर थीं। परिषद के संकाय ने 18 अनुसंधान लेख प्रकाशित किए। वर्ष के दौरान परिषद ने एक पुस्तक प्रकाशित की तथा एक सेमिनार आयोजित किया।

महिला विकास अध्ययन केन्द्र, दिल्ली ने अपनी स्थापना से ही अनुसंधान एवं कार्रवाई परियोजनाएं आयोजित की हैं। आलोच्य अवधि के दौरान, केन्द्र के प्राथमिकतापूर्ण विषय थे - महिलाओं के विरुद्ध अपराध, जनजातीय महिलाओं की बदलती राजनीतिक

भूमिका, लिंग और पुनर्जनन आचरण, मीडिया में लिंग संरचना, विवाह, जाति और लिंग, खाद्य सुरक्षा और संध ारणीय आजीविका, मानव अधिकार, लिंग और भारत में हिंसा। चार अध्ययन पूरे हो गए, 18 प्रगति पर थे और केन्द्र ने एक पुस्तक प्रकाशित की। इसके अतिरिक्त, केन्द्र ने अपनी पत्रिका का प्रकाशन जारी रखा। केन्द्र ने सात कार्यशालाएं और सेमिनार भी आयोजित किए। संकाय सदस्यों ने तीन लेख और पांच अवसरिक पत्र प्रकाशित किए।

गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ द्वारा किए गए अनुसंधान कार्य में निम्नलिखित पर बल दिया गया- ग्रामीण अनौपचारिक क्रेडिट बाजार, पोषाहार सहायता के राष्ट्रीय कार्यक्रम का मूल्यांकन, साक्षरता, पुनर्वास, कृषि तथा ग्राम विकास, भू-सुधार, क्षेत्रीय दोहरापन, काश्तकारी स्थिति, उद्योग तथा भौतिक अवस्थापना, विशेष रूप से सिंचाई, विद्युत और सड़क परिवहन आदि। वर्ष के दौरान संस्थान ने 9 अध्ययन पूरे किए तथा 11 प्रगति पर थे। संस्थान ने 9 मिमिओग्राफ और दो पुस्तकें प्रकाशित कीं। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने तीन सेमिनार/कार्यशालाएं आयोजित कीं। संस्थान में तीन अनुसंधान अध्येता अपनी पी.एच.डी. के लिए अध्ययनरत थे।

जी.बी. पंत समाज विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद द्वारा वर्ष के दौरान निम्नलिखित पर बल दिया गया - समग्र साक्षरता अभियान, सांस्कृतिक सतता और बदलाव, वृद्धजनों की समस्याएं, बाल श्रम का उन्मूलन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली। वर्ष के दौरान संस्थान ने दो अनुसंधान परियोजनाएं पूरी कीं तथा 12 प्रगति पर थीं। संस्थान ने सात सेमिनार/व्याख्यान आयोजित किए। इसके अतिरिक्त, तीन पुस्तकें प्रकाशित की गई और विभिन्न पत्रिकाओं में 48 पत्र/लेख प्रकाशित किए गए तथा सम्पादित पुस्तकें प्रकाशित की गईं। दो छात्र पी.एच.डी. के लिए कार्यरत थे तथा एक छात्र को पी.एच.डी. प्रदान की गई।

सामाजिक अध्ययन केन्द्र, सूरत के अनुसंधान कार्यकलाप निम्नलिखित से संबंधित हैं : मलेरिया, बाल श्रम, सूखे के सामाजिक परिणाम, दलित और सामाजिक संघर्ष, साम्प्रदायिक हिंसा, जनजातीय उत्प्रवास, शहरी स्वास्थ्य स्कीमें, लिंग मुद्दें, तथा पंचायती राज और जन सहभागिता। आलोच्य अवधि के दौरान, 9 अध्ययन पूरे हो गए तथा 10 अध्ययन प्रगति पर थे। केन्द्र ने अपनी पत्रिका "अर्थात" का प्रकाशन जारी रखा। केन्द्र ने 17 पुस्तकें तथा 17 विनिबंध प्रकाशित किए तथा संकाय सदस्यों ने विभिन्न पत्रिकाओं में पांच अनुसंधान पत्र प्रकाशित किए। इसके अतिरिक्त, केन्द्र ने 75 सेमिनार/कार्यशालाएं आयोजित कीं। पांच छात्र पी.एच.डी. के लिए अध्ययनरत हैं।

भारतीय शिक्षा संस्थान, पुणे के अनुसंधान कार्यक्रम में निम्नलिखित अध्ययन सम्मिलित थे - शिक्षा का बोध और दृष्टिकोण, आपरेशन ब्लैक बोर्ड का कार्यान्वयन, संधारणीय विकास हेतु गैर-औपचारिक शिक्षा और स्कूल शिक्षा में विकल्प। आलोच्य वर्ष के दौरान चार अध्ययन पूरे हो गए तथा आठ अध्ययन प्रगति पर थे। संस्थान की मराठी में त्रैमासिक पत्रिका "शिक्षण अणि समाज" का प्रकाशन जारी रहा। चार छात्र पी.एच.डी. डिग्री के लिए अध्ययनरत थे। संस्थान ने दो सेमिनार/कार्यशालाएं आयोजित कीं। संस्थान ने 9 अवसरिक पत्र प्रकाशित किए तथा संकाय सदस्यों ने विख्यात पत्रिकाओं में 16 अनुसंधान पत्र और लेख प्रकाशित किए।

सामाजिक तथा आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बंगलौर, कर सुधार, स्त्री-पुरुष अध्ययनों, संस्थागत विकास, दलित अध्ययन, रोजगार, कृषि, सिंचाई, परिवार कल्याण, प्रबंध, स्वास्थ्य, पंचायती राज, विकेन्द्रीकृत शासन, आदि के संबंध में अनुसंधान कार्य करता है। संस्थान ने कृषि आयात पर मात्रात्मक प्रतिबन्ध, राष्ट्रीय वाटरशेड विकास कार्यक्रम, फसल पद्धति, जैव-विविधता संरक्षण का विश्लेषण, क्षेत्रीय असमानताएं और शिक्षा तथा विकास जैसे अध्ययनों पर बल दिया। वर्ष के दौरान 19 अध्ययन पूरे हो गए, 19 पूर्णता के विभिन्न स्तरों पर थे। संस्थान ने पांच पुस्तकें प्रकाशित कीं। इसके अतिरिक्त, संकाय द्वारा तैयार किए गए 47 महत्वपूर्ण पत्र/लेख महत्वपूर्ण भारतीय और विदेशी पत्रिकाओं तथा समाचार-पत्रों में प्रकाशित किए गए। संस्थान ने, "जरनल आफ सोशल एण्ड इकोनोमिक डवलपमेंट" नामक अपनी पत्रिका प्रकाशित की। इसने 81 सेमिनार/कार्यशालाएं आयोजित कीं। चार छात्र पी.एच. डी. के लिए अपना कार्य जारी रखे हुए हैं।

औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान, दिल्ली में अनुसंधान के प्राथमिकतापूर्ण क्षेत्र थे - समाज विज्ञान अनुसंधान के प्रोन्नयन और प्रसार में उभरती सूचना और

संचार प्रौद्योगिकियां। संस्थान ने मुख्य रूप से सामाजिक सुरक्षा कड़ी, निगमित क्षेत्र की बचत और निवेश, भारत के विदेशी व्यापार में प्रवृत्तियां और पटरीवासी व शासन पर बल दिया। आलोच्य अवधि के दौरान संस्थान की दो अनुसंधान परियोजनाएं पूरी हो गई और चार परियोजनाएं प्रगति पर थीं। संस्थान ने छः कार्य-पत्र और पांच अनुसंधान लेख प्रकाशित किए। संस्थान ने नई प्रौद्योगिकियों के संयोजन, विभिन्न अनुसंधानकर्ताओं और संस्थानों के बीच कड़ी कायम करने के उद्देश्य से एक मल्टी मिडिया केन्द्र स्थापित किया है। संस्थान ने तीन सेमिनार आयोजित किए।

विकास अध्ययन संस्थान, जयपुर द्वारा किए गए अनुसंधान कार्य निम्नलिखित से संबंधित थे - बाजार और संस्थात्मक प्रणाली, स्वास्थ्य अध्ययन, साक्षरता और विकास, क्रेडिट और ग्रामीण औद्योगीकरण, वैश्विककरण तथा सांस्कृतिक उपनिवेशवाद, प्रारम्भिक शिक्षा का वित्तपोषण और पंचायती राज। वर्ष के दौरान 19 अध्ययन पूरे हो गए और 22 अध्ययन प्रगति पर थे। संस्थान ने 69 सेमिनार/कार्यशालाएं/व्याख्यान और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए। संस्थान ने दो पुस्तकें।, 91 अनुसंधान पत्र/लेख, दो विनिबंध और 9 आवसरिक पत्र प्रकाशित किए।

आर्थिक विकास संस्थान, दिल्ली के अनुसंधान कार्यकलाप निम्नलिखित से संबंधित थे - लघु उद्योग, सिंचित कृषि में परिवर्तन, कृषि के लिए क्रेडिट, वानिकी, शहरी निर्धनता, योजना और पूर्वानुमान, अवैध औषधि बाजार, पुनर्जनन स्वास्थ्य, जनांकिकीय परिवर्तन, धर्मनिरपेक्षता, व्यापार उदारीकरण, भारतीय उद्योग में विकास आदि। संस्थान ने 60 अनुसंधान अध्ययन पूरे किए और 95 अनुसंधान अध्ययन प्रगति पर थे। वर्ष के दौरान, संकाय द्वारा विभिन्न पत्रिकाओं में 8 पुस्तकें तथा 136 पत्र प्रकाशित किए गए। संस्थान ने 29 सेमिनार/कार्यशालाएं/व्याख्यान आयोजित किए। इसने 13 चर्चाएं/अवसरिक पत्र और 61 विनिबंध प्रकाशित किए। दो छात्रों को पी.एच.डी. डिग्री प्रदान की गई और 16 छात्र अपने शोध निबन्ध हेतु कार्यरत थे।

लोक उद्यम संस्थान, हैदराबाद, ने सरकारी क्षेत्र उद्यमों के पुनर्गठन, जन्म भूमि कार्यक्रम, वी.ए.एस. के लिए सामाजिक सुरक्षा कड़ी, भारत में जैव-प्रौद्योगिकी, निर्धनता पहल कार्यक्रम, विपणन नीतियों और सरकारी क्षेत्र इकाइयों में विनिवेश के संबंध में अध्ययन आयोजित किए। संस्थान, एम.बी.डी. (पी.ई.) और पी. जी.डी.सी.एस. के संबंध में पाठ्यक्रमों की व्यवस्था करता है। संस्थान ने छः अनुसंधान अध्ययन पूरे किए तथा तीन अध्ययन प्रगति पर थे। वर्ष के दौरान 9 पुस्तकें और 12 अनुसंधान लेख प्रकाशित किए गए। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने, 15 प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित कीं। दो अध्येताओं ने अपना पी.एच.डी. शोधनिबंध प्रस्तुत किया तथा सात अध्ययनरत थे।

ओमेओ कुमार दास सामाजिक परिवर्तन और विकास संस्थान, गुवाहाटी, की स्थापना, असम और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के अन्य राज्यों की अर्थव्यवस्था और सोसायटी से संबंधित मुद्दों पर अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए की गई थी। संस्थान द्वारा विनिर्धारित अनुसंधान, आर्थिक इतिहास, जनसंख्या परिवर्तन, जनजातीय अध्ययन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण तथा पंचायती क्षेत्र में सहभागी प्रजातंत्र से संबंधित थे। संस्थान ने सात अनुसंधान परियोजनाएं पूरी कर ली तथा सात अध्ययन प्रगति पर थे। दो पुस्तकें तथा 29 अनुसंधान पत्र प्रकाशित किए गए। इसके अतिरिक्त, वर्ष के दौरान संस्थान ने सात सेमिनार/कार्यशालाएं भी आयोजित कीं। चार छात्र अपनी पी.एच.डी. के लिए अध्ययनरत थे।

मद्रास विकास अध्ययन संस्थान, चेन्नई, के अध्ययन विषयों में निम्नलिखित विषय सम्मिलित थे - लिंग और रोजगार, जल संरक्षण प्रबंधन, भू-सुधार, महिलाएं और मतदान राजनीति, पर्यावरण और सामाजिक परिवर्तन। वर्ष के दौरान एक अध्ययन पूरा किया गया, 13 प्रगति पर थे। एक छात्र को पी.एच.डी. डिग्री प्रदान की गई तथा चार डाक्टोरल छात्रों ने पी.एच.डी. का अध्ययन जारी रखा। संस्थान ने 9 पुस्तकें और दस कार्य-पत्र प्रकाशित किए। संकाय ने संपादित पुस्तकों और पत्रिकाओं में 10 लेख प्रकाशित किए। संस्थान ने, वर्ष के दौरान 25 सेमिनार/व्याख्यान और कार्यशालाएं आयोजित कीं।

नवकृष्ण चौधरी विकास अध्ययन केन्द्र, भुवनेश्वर, उड़ीसा, ने निम्नलिखित विषयों पर बल दिया : बालिका साक्षरता, सार्वजनिक स्वास्थ्य, गरीबी-रोधी कार्यक्रम, पुनर्वास, महिला सशक्तिकरण, उड़ीसा अर्थव्यवस्था, कल्याण स्कीमों का कार्यकरण, वन और आजीविका तथा महाचक्रवात का प्रभाव। आलोच्य

अवधि के दौरान, केन्द्र ने 9 अध्ययन पूरे किए तथा 12 अनुसंधान अध्ययन प्रगति पर थे। केन्द्र ने 4 सम्मेलन/ सेमिनार/कार्यशालाएं भी आयोजित कीं। एक छात्र को पी.एच.डी. डिग्री प्रदान की गई।

सरदार पटेल सामाजिक और आर्थिक अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद, के वर्ष के दौरान प्रमुख कार्यकलापों में निम्नलिखित सम्मिलित थे : संधारणीय विकास संरचना, महिला विकास कार्यकलाप, गैर-कृषि क्षेत्र में निवेश, भारत में जल संसाधन उपयोग, भारतीय कृषि का विविधीकरण आदि। सात नई परियोजनाएं शुरू की गई तथा एक परियोजना पूरी हो गई। संस्थान ने एक छमाही पत्रिका अंग्रेजी में और एक अन्य गुजराती में प्रकाशित की। छः पुस्तकें, 15 विनिबंध और छः कार्य-पत्र भी प्रकाशित किए गए। इसके अलावा, तीन सेमिनार/व्याख्यान आयोजित किए गए। एक छात्र को पी.एच.डी. डिग्री प्रदान की गई तथा चौदह नए छात्रों को उसके लिए पंजीकृत किया गया।

मध्य प्रदेश समाज विज्ञान अनुसंधान संस्थान, उज्जैन अपेक्षाकृत एक नवीन संस्थान है। संस्थान के कार्यकलापों में निम्नलिखित सम्मिलित हैं - मध्य प्रदेश और निकटवर्ती क्षेत्रों की समस्याओं पर विशेष बल देते हुए समाज विज्ञानों में अन्तर-विषयक अनुसंधान। आलोच्य अवधि के दौरान अनुसंधान के विषयों में निम्नलिखित विषय सम्मिलित हैं - जनजातीय विकास, पंचायती राज पद्धति, पुनर्वास, कामकाजी महिलाएं, ग्रामीण विकास और सूचना प्रौद्योगिकी। वर्ष के दौरान, संस्थान ने चार परियोजनाएं पूरी कीं और सात पूर्णता के विभिन्न स्तरों पर थीं। तीन पुस्तकें प्रकाशित की गईं। संस्थान ने अपनी पत्रिका "मध्य प्रदेश जरनल ऑफ सोशल साइन्सिज" का प्रकाशन किया। संस्थान ने 9 सेमिनार/कार्यशालाएं और विशेष व्याख्यान आयोजित किए। बारह छात्र पी.एच.डी. डिग्री के लिए अध्ययनरत थे। संस्थान के संकाय ने चौदह अनुसंधान पत्र/लेख विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित किए तथा दो विनिबंध प्रकाशित किए।

बाबा साहेब डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय समाज विज्ञान संस्थान, महू के वर्ष के दौरान मुख्य अनुसंधान कार्यकलापों में निम्नलिखित सम्मिलित थे - सामाजिक अलगाव और सहजता, बालिका वध, व्यावसायिक गतिशीलता और सामाजिक परिवर्तन, पंचायती राज तथा अनुसूचित जातियों का विकास, झाडूकशों का पुनर्वास और अनुसूचित जातियों तथा बौद्धों के बीच मूल्य संकट। वर्ष के दौरान, तीन अध्ययन पूरे किए गए तथा 11 प्रगति पर थे। ग्यारह अध्येताओं को पी.एच.डी. डिग्री प्रदान की गई तथा 18 ने अपना शोध निबंध प्रस्तुत कर दिया और 21 छात्र पी.एच.डी. डिग्री कार्यक्रम के लिए कार्य कर रहे थे। वर्ष के दौरान, दो पुस्तकें प्रकाशित की गईं। संकाय सदस्यों ने विभिन्न पत्रिकाओं के लिए सात लेखों का योग दिया। इसके अलावा, संस्थान ने वर्ष के दौरान 14 सेमिनार/व्याख्यान आयोजित किए।

भारत सरकार के निर्देशानुसार, **गांधी अध्ययन संस्थान,** वाराणसी को अगस्त 1999 से अनुदान रोक दिया गया है। इसलिए कोई वार्षिक रिपोर्ट शामिल नहीं की गई।

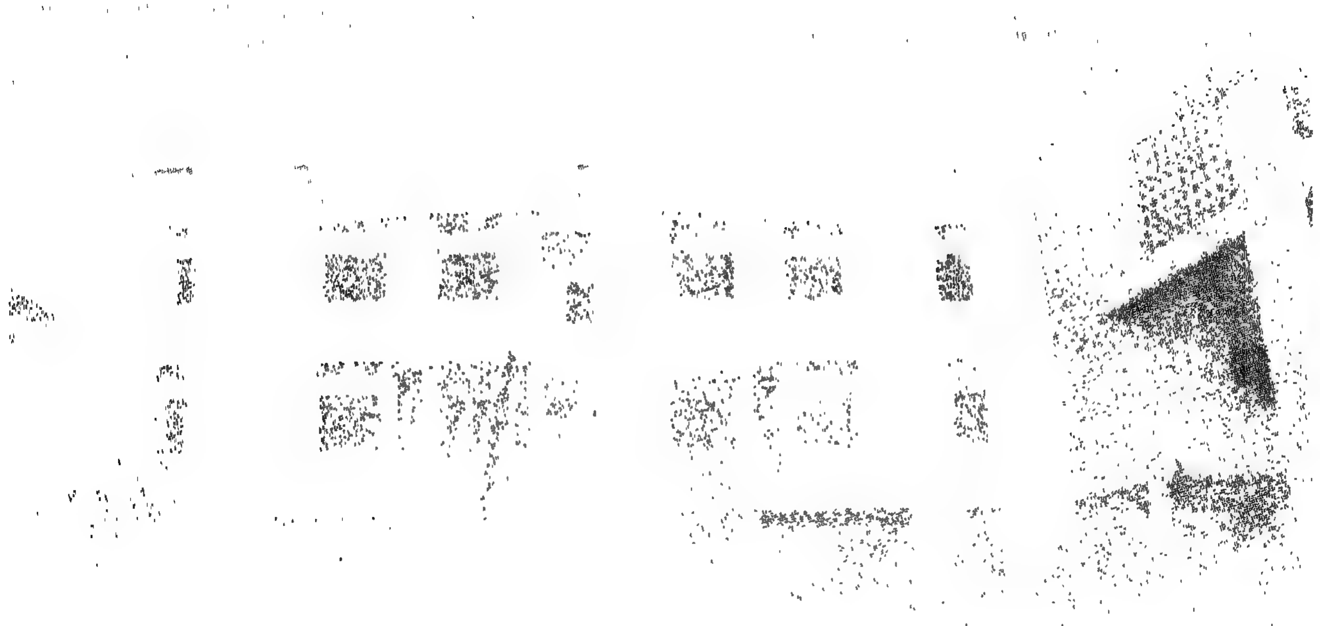


2002-03 के दौरान अनुसंधान संस्थानों के अनुसंधान परिणामों के संबंध में मात्रात्मक सूचना

क्र. सं.	संस्थान का नाम	पूरी हो चुकी परियोजना	चल रही परियोजना	पी-एच.डी. डिग्री प्रदान की गई	शोध निबंध प्रस्तुत किए	चल रहे पी-एच.डी. शोध निबंध	प्रकाशित पुस्तकें	प्रकाशित अनुसंधान पत्र/लेख	विनिबंध/ मिमिओग्राफ	कार्य/ अवसरिक पत्र	सेमिनार/ कार्यशालाएं और व्याख्यान	[illegible]
1.	आई. एस.ई.सी., बंगलौर	19	19	6	–	4	5	47	–	–	81	14
2.	सी.डी.एस., तिरुवनन्तपुरम	43	37	3	–	34	3	41	–	16	104	28
3.	सी.एस.एस.एस., कोलकाता	11	19	–	3	5	5	16	–	1	32	-
4.	जी.आई.एस., वाराणसी	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	-
5.	ए.एन.एस.आई.एस.एस., पटना	10	9	2	–	1	2	14	–	–	–	17
6.	आई.पी.ई., हैदराबाद	6	3	–	2	7	9	12	–	7	15	15
7.	आई.ई.जी., दिल्ली	60	95	2	2	16	8	136	61	13	29	34
8.	सी.एस.डी.एस., दिल्ली	4	37	–	–	–	6	–	–	–	63	19
9.	सी.एस.एस., सूरत	9	10	–	–	5	17	5	17	–	75	11
10.	एम.आई.डी.एस., चेन्नई	1	13	1	–	4	9	10	–	10	25	26
11.	आई.आई.ई., पुणे	4	8	–	–	4	–	16	–	9	2	12
12.	जी.आई.डी.एस., लखनऊ	9	11	–	–	3	2	–	9	–	3	16
13.	सी.पी.आर., नई दिल्ली	6	15	–	–	–	5	–	12	–	36	37
14.	एस.पी.आई.ई.एस.आर., अहमदाबाद	1	7	1	–	14	6	–	15	6	3	12
15.	जी.बी.पी.एस.एस.आई., इलाहाबाद	2	12	1	–	2	3	48	–	–	7	9
16.	सी.एस.डी., हैदराबाद	7	8	–	–	–	1	18	–	–	1	9
17.	आई.डी.एस., जयपुर	19	22	–	–	–	2	91	2	9	69	22
18.	सी.आर.आर.आई.डी., चण्डीगढ़	2	7	–	–	–	3	13	–	–	60	32
19.	सी.डब्ल्यू.डी.एस., नई दिल्ली	4	18	–	–	–	1	3	–	5	7	19
20.	सी.ई.एस.एस., हैदराबाद	8	20	2	4	–	–	42	–	3	3	22
21.	एन.के.सी.सी.डी.एस., भुवनेश्वर	9	13	1	–	–	–	–	–	–	4	12
22.	जी.आई.डी.आर., अहमदाबाद	4	8	–	–	–	2	30	11	–	7	9
23.	आई.एस.आई.डी., नई दिल्ली	2	4	1	–	–	–	5	–	6	3	11
24.	ओ.के.डी.आई.एस.सी. तथा डी., गुवाहाटी	7	7	–	–	4	2	29	–	–	7	5
25.	सी.एम.डी.आर., धारवाड़	6	7	1	1	7	1	–	14	–	2	10
26.	बी.ए.एन.आई.एस.एस., महू	3	11	11	18	21	2	7	–	–	14	6
27.	एम.पी.आई.एस.एस.आर., उज्जैन	4	7	–	–	12	3	14	2	–	9	9
	जोड़	260	427	32	30	143	97	597	143	85	661	416



परिशिष्ट



परिशिष्ट-1
परिषद के सदस्यों की सूची

डॉ. वी. आर. पंचमुखी
अध्यक्ष
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद,
अरुणा आसफ अली मार्ग,
जे.एन.यू. संस्थात्मक क्षेत्र,
नई दिल्ली - 110067
दूरभाष : (का.) 26179679 (नि.) 55454865
फैक्स + (का.) 26162516
ई-मेल : vadirajp@hotmail.com

श्री एस.के. त्रिपाठी,
सचिव,
माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
कमरा नं. 128, "सी" विंग,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001
दूरभाष (का.) 23386451 (नि.) 26870585
फैक्स : 23385807
ई-मेल : secy_she@sb.nic.cn

श्री जे.के. बंथिया,
महापंजीयक तथा जनगणना आयुक्त, भारत,
गृह मंत्रालय,
2-ए, मानसिंह रोड, नई दिल्ली-110001
दूरभाष (का.) 23383761 (नि.) 24101855
फैक्स : 23383145
ई-मेल : orgcndia@vsnl.net

डॉ. सी. गोपाल रेड्डी,
सचिव,
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय,
कमरा नं. 604, "ए" विंग,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001
दूरभाष (का.) 23382683 (नि.) 26886377
फैक्स : 23385180
ई-मेल : secywel@sansad.nic.cn

श्री वी.के. पिपरसेनिया,
वित्तीय सलाहकार,
माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
कमरा नं. 215, "सी" विंग,
शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110 001
दूरभाष (का.) 23382696 (नि.) 23384699
फैक्स : 23070668
ई-मेल : vpkindia@rediffmail.com

श्री एन.के. सिन्हा,
सचिव, योजना आयोग,
कमरा नं. 241, योजना भवन,
पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-110001
दूरभाष (का.) 23096574, 23096575
(नि.) 23387947
ई-मेल : nksinha@yojna.nic.cn

प्रोफेसर योगेश अटल,
डी-224, सीमा सदन, सुशान्त लोक, फेस-1,
गुड़गांव-122002 (हरियाणा)
दूरभाष : (नि.) 95124-2386775/95124-8941785
फैक्स : 95124-2386775, मोबाइल: 98102-67557
ई-मेल : yatal@ndf.vsnl.net.in

प्रोफेसर आभा अवस्थी,
ए-1, सेक्टर-बी, बसंत विहार, अलीगंज,
लखनऊ-226020 (उ.प्र.)
दूरभाष : 0522-2374239
ई-मेल : abhasoc@hotmail.com

डॉ. जितेन्द्र के. बजाज,
नीति अध्ययन केन्द्र, 27, राजशेखर स्ट्रीट, मयलापोर,
चेन्नई-600004, तमिलनाडु
दूरभाष (का.) 044-2873802/28474352
(नि.) 044-28472611
ई-मेल : policy@vsnl.com
दिल्ली का पता: बी-43, एक्सप्रेस अपार्टमेंट्स,
दिल्ली-110096

माननीय श्री टी.एन. चतुर्वेदी,
राज्यपाल, कर्नाटक,
राज भवन, बंगलौर-560001, कर्नाटक
दूरभाष (का.) 080-22541019
(नि) 080-2382002,
फैक्स : 2258150
ई-मेल : rbblr@vsnl.com

प्रोफेसर उमराव सिंह चौधरी,
103, विष्णुपुरी एनेक्सी, इन्दौर-452017 (म.प्र.)
दूरभाष : (नि.) 0731-2361683
ई-मेल : uschaudhari@hotmail.com
दूसरा पता : के-404, शालीमार टाउनशिप,
ए-बी रोड, इन्दौर-452010 (म.प्र.)
दूरभाष : (नि.) 0731-5034334

डॉ. सी. सुभाष कश्यप,
अवैतनिक अनुसंधान प्रोफेसर,
नीति अनुसंधान केन्द्र,
धर्म मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली-110021
दूरभाष : 26115273, फैक्स : 26872746
ई-मेल : cprindia@vsnl.com/
ckashyap@rediffmail.com
आवासीय पता : 62, सैनिक फार्म, नई दिल्ली-110062
दूरभाष : 26962517/26560792

प्रोफेसर दिवाकर कुण्डु
शिक्षा विभाग, वीता भारती,
शान्ति निकेतन-731235 (पश्चिम बंगाल)
दूरभाष : (का.) 03463-264845
(नि.) 033-25545548

प्रोफेसर गिरीश्वर,
प्रोफेसर, मनोविज्ञान,
दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007
दूरभाष : (का.) 27666285, फैक्स : 27666285
आवासीय पता : सी-20 (29-31), छत्र मार्ग, दिल्ली विश्वविद्यालय,
दिल्ली-110007
दूरभाष : (नि.) 27666148
ई-मेल : misragirishwar@hotmail.com

डॉ. सरदिन्दु मुखर्जी,
212, टैगोर पार्क, दिल्ली-110009
दूरभाष : 276506
ई-मेल : saridindum@bol.net.in

डॉ. शंकर नागेश नवलगुंडकर,
रेणुका, 568, प्लाट नं. 9,
कंचनजंगा सोसायटी, बिबवेवाडी, पुणे-411037
(महाराष्ट्र राज्य), दूरभाष : 020-4261314

डॉ. रविन्द्र नाथ पाल,
प्रो. उप-कुलपति, पंजाबी विश्वविद्यालय,
पटियाला-147002 (पंजाब),
दूरभाष : 0175-2282469,
ई-मेल : rnpal@pbi.ac.in
आवासीय पता : प्रो-वाइस चांसलर का निवास,
पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला-147002 (पंजाब),
दूरभाष : 0175-2282693/ 2283072,
फैक्स : 0175-2280117
दिल्ली का सम्पर्क नं. 25711795

डॉ. जयन्त कुमार रे,
309, जोधपुर पार्क, कोलकाता-700068
(पश्चिम बंगाल)
दूरभाष : 033-24733187, फैक्स : 033-24739175
ई-मेल : sars@vsnl.net

डॉ. पी.एन. टंडन,
अध्यक्ष, राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केन्द्र,
एस.सी.ओ. 5,6 तथा 7, सेक्टर-15, भाग-2,
गुड़गांव-122001 (हरियाणा)
दूरभाष (का.) 95124-2308317, फैक्स :
95124-2220237
आवासीय पता: सं.1, जागृति एनक्लेव, विकास मार्ग एक्सटेंशन, दिल्ली-110092
दूरभाष : (नि.) 2216272/ 22150578,
फैक्स : 95124-2220237
ई-मेल : nbrc@vsnl.com / vsnl@nbrc.com

डॉ. आर. सी. त्रिपाठी,
जी.बी. पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान,
झूसी, इलाहाबाद-211019 (उ.प्र.)
दूरभाष (का.) 0532-2667206,
फैक्स : 0532-2667206 तथा 2667214
ई-मेल : rctripathi@rediffmail.com
आवासीय पता : 37/2, छटम लाइन्स,
इलाहाबाद-211002 (उ.प्र.)
दूरभाष : 0532-2644895,
फैक्स : 0532 -2667206 तथा 2667214

प्रोफेसर मोहन लाल छीपा,
अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग,
एम. डी. एस. विश्वविद्यालय,
अजमेर - 305001, राजस्थान
फो. 0145-2787056/258
फेक्स: 0145-2787049
ई-मेल: mchhipa@nedffmail.com
निवास स्थान:
रामदेव मन्दिर के निकट, घूघरा,
एम.डी.एस. विश्वविद्यालय,
अजमेर (राजस्थान)
फोन: (नि.) 0145-2787409

डा. बी. एल. गुप्ता,
रीडर, अर्थशास्त्र,
एस एस एन कालेज, अलीपुर,
दिल्ली-110036,
(का.) फोन: 27202278
निवास:
म.न. 1118, सेक्टर-14,
सोनीपत-131001 (हरियाणा)
(आ.) फोन: 01264-242733/245814
ई-मेल: gajranglalgupta@sify.com

डा. सुर्यनाथ यू. कामत,
798, "कीर्ति" ग्यारहवाँ मेन, सिक्स्थ क्रास,
हनुमंतनगर, बंगलौर-560019, कर्नाटक,
फोन: 080-6624806/6676753

श्री भास्कर चटर्जी,
सदस्य-सचिव,
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद
अरुणा आसफ अली मार्ग, जे.एन.यू. इंस्टिट्यूशनल
एरिया, नई दिल्ली-110067
दूरभाष (का.) 26192059 (नि.) 26149876,
26142845, फैक्स : 26182109
ई-मेल : rupa_chatterjee@hotmail.com



परिशिष्ट - 2

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के वरिष्ठ अधिकारी

अध्यक्ष
प्रोफेसर वी.आर. पंचमुखी

सदस्य-सचिव
भास्कर चटर्जी

निदेशक
डॉ. विनोक के. मेहता
डॉ. अरुण पी. बाली
डॉ. पार्थी एस. घोष
श्री आर.आर. प्रसाद
डॉ. रणजीत सिन्हा
डॉ. के.जी. त्यागी
(31.8.2002 तक)
डॉ. पी.आर. गोस्वामी
(8.10.2002 से)

प्रशासनिक अधिकारी
डॉ. के.डी. गौड़

वित्तीय सलाहकार तथा मुख्य लेखा अधिकारी
श्री एन.के. गुप्ता

उप निदेशक
श्री शंकर बोस
श्री ए.के. चोपड़ा
डॉ. ए.पी. मंगला
श्री के.एल. खेड़ा
श्री आर.एन. सक्सेना
डॉ. एस.एन.एम. कोप्पार्टी
डॉ. के.एन. जहांगीर
डॉ. जी.एस. सौन
(22.10.2002 से)
श्रीमती ओ.के. चौधरी
श्रीमती आबिदा वजाहत
(31.7.2002 तक)
श्रीमती मीना वालिया
श्री एस.सी. गरकोटी
श्री अजय गुप्ता
(24.11.2002 से)

वरिष्ठ प्रोग्रामर
श्री एस.के. गुप्ता
श्री राजीव खेड़ा

सहायक निदेशक
श्रीमती साराह जॉन
डॉ. प्रहलाद सिंह
डॉ. ए. रहमान
डॉ. पी.पी. पाण्डे
डॉ. पी.जे. मेशराम
श्री पी.एम. रामटेके
श्रीमती इन्दु मनचन्दा
श्री अशोक श्रीवास्तव
(21.2.2003 तक)
डॉ. संचिता दत्ता
डॉ. जेस्सी जार्ज
श्री ए. महापात्र
(31.10.2002 तक)
श्री यू.सी. राय
श्री एम.ए. जावेद
डॉ. रमेश मदान
श्रीमती रचना जैन
डॉ. वी.एन. सोंधी
श्री आर.सी. बिन्द्रा
डॉ. हरीश शर्मा

प्रलेखन अधिकारी
श्रीमती रमा तेजपाल
श्रीमती सुधा माथुर
श्रीमती सावित्री देवी
सुश्री इन्द्र कौल
डॉ. कमलेश गोयल
श्रीमती नूतन जोहरी
सुश्री हरिन्द्र कौर
श्रीमती टी. मैथिली रमन
श्रीमती कंचन वासुदेव

उप मुख्य वित्तीय अधिकारी
श्री एस. भास्कर
(19.9.02 से)

सामाजिक विज्ञान सम्पर्क अधिकारी
डॉ. सुरेश चन्द्र

आई.डी.पी.ए.डी. अधिकारी
डॉ. एस.वी. खंडेलवाल

प्रोग्रामर
श्रीमती अंजना शुक्ला
श्री अनिल कुमार

अध्यक्ष वे निजी सचिव
श्री सुरेन्द्र कुमार

सदस्य-सचिव के निजी सचिव
श्री आर. एल. टन्डन

निजी सचिव
श्री वाई.एल. वर्मा

अनुभाग अधिकारी
श्री बी.के गुप्ता
श्री बनारसी लाल
श्रीमती सुनिता पुरी
श्री मोहिन्द्र सिंह
श्रीमती दर्शन कुमारी

परिशिष्ट -3
स्वीकृत परियोजनाएं

1. डॉ. के. केशव शर्मा, कन्नड़ विभाग, कुवेम्पु विश्वविद्यालय, जन सहयाद्रि, शंकरघट्टा, कर्नाटक-577451, "शिवराज कारन्थ के उपन्यास के सामाजिक आयाम", 80,000/- रुपए।

2. प्रोफेसर लीला दुबे, महिला विकास अध्ययन केन्द्र, 25 भाई वीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, "लक्षद्वीप में मातृ मुस्लिम समाज में सामाजिक संरचना और संस्कृति के पहलू", 99,000/- रुपए।

3. डॉ. शफीकुल्लाह, भूगोल विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, "कार्य बल में क्षेत्रकीय बदलाव तथा ग्राम आयोजना : उत्तर प्रदेश का एक मामला अध्ययन", 85,000/- रुपए।

4. डॉ. राज कुमार पाण्डेय, ग्रामोदय शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, भालुआ, पो. भालुआ, बुधौली, जिला नवादाह, बिहार, "बिहार में राजकीय कार्यक्रम के माध्यम से दलित महिलाओं का सशक्तिकरण (नवादाह जिले के सूखा-प्रधान क्षेत्र का एक मामला अध्ययन)", 88515/- रुपए।

5. डॉ. एस. हरिहरन, वाणिज्य संकाय, स्नातकोत्तर अध्ययन विभाग, वाणिज्य अनुसंधान केन्द्र, नेशनल कालेज, भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली-620001, तमिलनाडु, "तंजावूर और नागपट्टम जिला, तमिलनाडु में बैंकिंग क्षेत्रक सामाजिक दायित्वों का एक अध्ययन", 49,500/- रुपए।

6. डॉ. आशुतोष सिन्हा, अर्थशास्त्र और ग्रामविकास विभाग, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद-224001, "शहरी भारतीय श्रम बाजार में स्त्री-पुरुष भेदभाव" (लखनऊ नगर का एक मामला अध्ययन)", 26,000/- रुपए।

7. डॉ. बी. कृष्णारेड्डी, व्यवसाय प्रबंधन विभाग, श्री कृष्णदेवार्य विश्वविद्यालय, श्री वेंकटेश्वरपुरम, अनन्तपुर-515003 (आं.प्र.), "आन्ध्र प्रदेश में केन्द्रीय सहकारी बैंकों का प्रबंध : अमेच्युर जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक का एक मामला अध्ययन", 96,400/- रुपए।

8. डॉ. ए. सुबैय्या, रीडर, वाणिज्य, श्री एस.आर.एन. एम. कालेज, सतुर विरुद्धनगर, जिला, तमिलनाडु "प्राइमरी स्तर पर पढ़ाई बीच में छोड़ देने वाले छात्र (विरुद्धनगर जिला तमिलनाडु का एक मामला अध्ययन)" 44,100/- रुपए।

9. डॉ. एम. कुट्टप्पन, ट्रापिकल अध्ययन केन्द्र, टी सी 5/1770, अम्बालम जंक्शन, पीरूरकाडा पो. तिरुवनंतपुरम-695005 (केरल), "केरल में विकेन्द्रीकृत आयोजना के लिए जन अभियान का एक मूल्यांकन अध्ययन", 99,175/- रुपए।

10. श्री गिरधारी दाश, मधुसूदन नगर, तुलसीपुर, कटक, उड़ीसा, "उड़ीसा राज्य में जनजातीय भू-अन्याक्रमण", 99,998/- रुपए।

11. डॉ. जी.एस. वाजपेयी, अपराध विज्ञान तथा फारेनसिक विज्ञान विभाग, डॉ. एच.एस. गौड़ विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.), "भारत में अपराध विज्ञान : एक मूल्यांकन अध्ययन", 99,000/- रुपए।

12. डॉ. आर. पद्मावती और डॉ. टी.एन. श्रीनिवासन, सिज़ोफरेनिया अनुसंधान प्रतिष्ठान (भारत) - प्लाट आर/7ए, नार्थ मेन रोड, अन्ना नगर (पश्चिम एक्सटेंशन), चेन्नई-600101, "सिज़ोफरेनिया वाले मनोरोग बाह्य रोगियों का आक्रामक और हिंसक आचरण", 1,99,000/- रुपए।

13. डॉ. जी. देवराजन, पुस्तकालय और सूचना विभाग, केरल विश्वविद्यालय, तिरवनन्तपुरम-34, "केरल में उच्च माध्यमिक स्कूलों में छात्रों की पठन आदतों पर सामाजार्थिक कारकों और इलेक्ट्रानिक मिडिया का प्रभाव : एक प्रायोगिक अध्ययन", 65,625/- रुपए।

14. डॉ. संजय कुमार पाण्डेय, समाजशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, "उत्तर प्रदेश में जन प्रतिनिधियों पर ग्रामीण विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों का एक प्रभाव अध्ययन", 98,900/- रुपए।

15. डॉ. राजीव कुमार, राजनीतिक विज्ञान विभाग, श्री बजरंग पी.जी. कालेज, सिकन्दरपुर बलिया (उ.प्र), "भारत में राजनीतिक आधुनिकीकरण : उत्तर प्रदेश के बलिया जिले का एक मामला अध्ययन", 49,300/- रुपए।

16. डॉ. जयप्रकाश माविनाकुली, राजनीतिक विज्ञान विभाग, श्री महावीर कालेज, मूद बिद्रि–574196 (कर्नाटक), "उड़ीसा और शिमोगा जिले के संदर्भ में 2000 के कर्नाटक विधान सभा चुनाव में मतदान न करना तथा प्रजातन्त्र की वैधता", 86,100/- रुपए।

17. प्रोफेसर कृष्णा किशोर सिन्हा, त्वादियम, एन–28, प्रोफेसर कालोनी, चित्रगुप्तनगर, पटना–800020, बिहार, "पंचायत असमंजस : विकास इकाइयों के रूप में पुनर्जागरण और सम्भावनाओं की कार्यनीति (बिहार के विशेष संदर्भ में)", 91,350/- रुपए।

18. डॉ. प्रेम आर. भारद्वाज, राजनीतिक विज्ञान विभाग, राजकीय स्नातकोत्तर कालेज, नाहन, हिमाचल प्रदेश, "हिमाचल प्रदेश विधान सभा चुनाव 2003 पर मतदान–पूर्व व मतदान–पश्चात प्रतिक्रियाएं", 48,300/- रुपए।

19. प्रोफेसर पी.के.बी. नायर, गेरोनटोलाजिकल अध्ययन केन्द्र, अस्वाति, टेम्पल रोड, त्रिवेन्द्रम–695011, "भारत के लिए गेरोनटोलाजी पर एक अनुसंधान विनिबन्ध तैयार करना : सैद्धान्तिक नवीनता, स्थिति संबंधी विश्लेषण और 2000 ए.डी. के लिए पूर्वानुमान", 1,60,000/- रुपए।

20. डॉ. सतीश रोहतगी, मूल्यांकन प्रभाग, यशवंतराव चवहाण मुक्त विश्वविद्यालय, नयनगंगोत्री, गंगापुर बांध के निकट, नासिक–422222 (एम.एस.), "महराष्ट्र राज्य में अनुसूचित जनजातियों के बीच अनिवार्य जरूरतों के बारे में जागरूकता पैदा करने के संबंध में मल्टीमिडिया पैकेज का विकास और परीक्षण"।

21. डॉ. एस.आर. रस्तोगी, पं.गो.व.पंत ग्रामीण विकास अध्ययन संस्थान, 42, शिवानी विहार, कल्याणपुर, लखनऊ–226022, "शहरी स्वच्छता और झाड़ूकशों का पुनर्वास : उत्तर प्रदेश में एक अध्ययन", 3,44,400/- रुपए।

22. डॉ. सी. गंगैय्या, अर्थशास्त्र विभाग, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय (पी.जी.) केन्द्र, कावली–524201 नेल्लोर जिला (आन्ध्र प्रदेश), "सामुदायिक परिसम्पत्तियां, रोजगार और आय के सृजन पर जन्मभूमि कार्यक्रम का प्रभाव : आन्ध्र प्रदेश का एक मामला अध्ययन", 1,93,200/- रुपए।

23. प्रोफेसर एस. कृष्णा राव, राष्ट्रीय विकास अकादमी, 12-10-627, वारासिगुडा (सीताफलमंडी स्ट्रीट 15), सिकन्दराबाद–500061 (आं.प्र.), "परिवारों की ईंधन उपयोग पद्धति : ईंधन विकल्प तथा अंदरुनी वायु प्रदूषण – महिलाओं के स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रभाव : ग्रामीण आन्ध्र प्रदेश का एक मामला अध्ययन", 4,27,350/- रुपए।

24. डॉ. निशापति भूषण शुक्ला, कला संकाय, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी–221005, "खेलों की क्षमताओं वाली जनजातीय बालिकाओं के विकास में जैव–संस्कृति स्थिति का मूल्यांकन : रांची की जनजातीय बालिकाओं के बीच खेल मनोविज्ञान का अध्ययन", 1,70,000/- रुपए।

25. डॉ. सुरेन्द्र सिंह, एच 8/8, पेपर मिल कालोनी, लखनऊ–226006 (उ.प्र.), "उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जाति महिलाओं के बीच विद्यमान पुनर्जनन तथा बाल स्वास्थ्य प्रथाओं पर प्रौढ़ शिक्षा का प्रभाव", 2,75,100/- रुपए।

26. डॉ. एस.बी. सदर, व्यवसाय प्रशासन और प्रबंध विभाग, अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती–444602 (एम.एस.), "अमरावती नगर में होटल और खानपान उद्योग में बाल श्रमिकों का एक अध्ययन", 4,20,000/- रुपए।

27. डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, एम.एल.बी. राजकीय उत्कृष्टता कालेज, ग्वालियर–474009, "ग्रामीण लोगों का आचरण चाहने संबंधी सूचना : मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले का एक अध्ययन, 2,04,750/- रुपए।

28. डॉ. ए. जयकुमार, ननजिलनाडु विकास सोसायटी, पेरूमसेलवाविलई, पो. अल्लूर, जिला कन्याकुमारी, तमिलनाडु–629801, "ग्रामीण तमिलनाडु में बाल श्रमिकों के रोजगार पर मध्याह्न भोजन कार्यक्रम का प्रभाव और खाद्य सुरक्षा", 2,74,050/- रुपए।

29. डॉ. शिव पूजन पाण्डेय, पं.गो.व. पंत ग्राम विकास अध्ययन संस्थान, 42, शिवानी विहार, कल्याणपुर, लखनऊ–226022, "उत्तर प्रदेश में अनुसूचित जातियों की सामाजार्थिक स्थिति सुदृढ़ करने में विकास कार्यक्रम का एक अध्ययन", 2,13,150/- रुपए।

30. डॉ. संकर्सन दास, एस.सी.एस. (स्वायत्त) कालेज, पुरी–752001, "उड़ीसा राज्य में स्कूल–पूर्व शिक्षा के परिप्रेक्ष्य का एक समालोचनात्मक मूल्यांकन तथा भविष्य की एक झलक", 3,67,500/- रुपए।

31. डॉ. मीता बर्मन, समाजशास्त्र विभाग, कल्याण विश्वविद्यालय, कल्याणी–741235 (प.बंगाल),

"बंगाल आधुनिक सोसायटी के बाउल", 1,38,600/- रुपए।

32. प्रोफेसर डी.सी. साह, मध्य प्रदेश समाज विज्ञान अनुसंधान संस्थान, 19, महाश्वेतानगर, उज्जैन-456010 (म.प्र.), "पश्चिमी जनजातीय मध्य प्रदेश में उर्वरक उपयोग, 3,52,000/- रुपए।

33. डॉ. सुधांशु शेखर मिश्रा, यू.एन.एस. महाविद्यालय, मुगुपल, जि. जाजपुर, उड़ीसा, "जिला क्योंझर, उड़ीसा में जुआंग जनजातियों के समाजार्थिक विकास का एक समालोचनात्मक विश्लेषण", 3,91,175/- रुपए।

34. डॉ. देवकी नन्दन शर्मा, वाणिज्य महाविद्यालय, पटना, "निवेश प्रबंधन का अध्ययन : बिहार राज्य के भागलपुर और पटना नगरों में निवेश निर्णय और उनका निष्पादन माप", 1,58,000/- रुपए।

35. डॉ. एन. ललिता, ग्राम विकास विभाग, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, (विश्वविद्यालयवत्), गांधीग्राम-624302, डिंडिगुल जिला (तमिलनाडु), "लघु-वित्त हस्तक्षेप और महिलाओं का सशक्तिकरण – तमिलनाडु में चुनिन्दा जिलों का एक अध्ययन", 3,12,900/- रुपए।

36. डॉ. आभा चौहान, समाजशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, "रिवाज़ और वैयक्तिक कानूनों के बीच अन्योन्यक्रिया के लिंग संबंधी निहितार्थ : मेवात के मेव", 2,52,000/- रुपए।

37. डॉ. यू.सी. साहू, समाज विज्ञान स्कूल, स्वामी रामानन्द तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, नयनतीर्थ, विष्णुपुरी, नान्देड-431606 (एम.एस.), "विकास कार्यक्रमों में स्वैच्छिक संगठनों की भूमिका", 68,250/- रुपए।

38. डॉ. धरनी पी. सिन्हा, कोस्मोड प्रबंध अनुसंधान केन्द्र, 1228, रोड नं. 60, जुबली हिल्स, हैदराबाद-500033, "भारतीय प्रबन्धन पर संस्कृति का प्रभाव : एक आनुभाविक अध्ययन", 5,65,950/- रुपए।

39. डॉ. एम. सौन्दरापाण्डियन, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, गांधीग्राम-624302, जि. डिंडीगुल (तमिलनाडु), "लघु उद्योगों पर नई आर्थिक नीति का प्रभाव : तमिलनाडु में एक माइक्रो स्तर अध्ययन", 2,77,200/- रुपए।

40. डॉ. बी.पी. वर्मा, सी-458, योजना विहार, नई दिल्ली-110092, "मध्य प्रदेश के मोरेना जिले में समग्र विकास में पंचायती राज संस्थाओं में महिला सदस्यों की प्रभावशीलता", 3,23,400/- रुपए।

41. प्रोफेसर जयन्त बन्दोपाध्याय, भारतीय प्रबंध संस्थान, डी.एच. रोड, जोका, कोलकाता-700104, "भारत में वायु प्रदूषण की स्थिति तथा निम्न आय वर्गों के स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव की समीक्षा", 3,57,000/- रुपए।

42. डॉ. अयूब खान, राजकीय एम.एल.बी. कालेज, ग्वालियर, "ग्वालियर, मध्य प्रदेश के असंगठित क्षेत्र में महिला किशोर कामगारों का एक मन : सामाजिक अध्ययन"।

43. डॉ. जोस पी. चाको, सेक्रेड हार्ट कालेज, चालाकुडी, केरल, "प्रदूषण स्वास्थ्य कड़ियां : ग्रामीण केरल के संबंध में परिवार बोध और अभिवृत्ति का एक अध्ययन"।

44. प्रोफेसर ब्रज राज चौहान, 2-दर्शनपुरा, उदयपुर-313001, "एक राजस्थान ग्राम का पुनर्अध्ययन", 1,64,850/- रुपए।

45. प्रोफेसर गोपा भारद्वाज, मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007, "भारतीय संगठन संदर्भ में प्रबंधकों और कामगारों के बीच भावनात्मक बुद्धि के विभिन्न पहलुओं की खोज", 3,70,000/- रुपए।

46. डॉ. एन.एस. गहलोत, राजनीतिक विज्ञान विभाग, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर (राजस्थान), "राजस्थान में पंचायती राज संस्थानों में महिला अधिकारिता (बाडमेर जिले के विशेष संदर्भ में), 2,27,800/- रुपए।

47. डॉ. यतीन्द्र सिंह सिसोदिया, मध्य प्रदेश समाज विज्ञान अनुसंधान संस्थान, 19, महाश्वेतानगर, उज्जैन-456010 (मध्य प्रदेश), "प्रत्यक्ष प्रजातंत्र का प्रयोग : मध्य प्रदेश में ग्राम स्वराज का एक अध्ययन", 3,04,500/- रुपए।

48. डॉ. मरुनलिनी फडनवीस, रीडर और अध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, महिला महाविद्यालय, 152, नन्दनवन लेआउट, नागपुर-440004 (महाराष्ट्र), "गोसीखुर्द सिंचाई परियोजना के पी.ए.पी.एस. के लिए वैकल्पिक आजीविका के साथ पुनर्वास के संबंध में एक सर्वेक्षण", 1,69,230/- रुपए।

49. डॉ. शगुफा कपाडिया, मानव विकास तथा परिवार अध्ययन विभाग, गृह विज्ञान संकाय, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ोदा, बड़ोदा-392002 (गुजरात), "अभिभावक-किशोर संबंध : अंतर-वैयक्तिक असहमतियों/संघर्षों की सामाजिक और नैतिक व्याख्याएं", 3,47,550/- रुपए।

50. डॉ. (श्रीमती) मल्लिका बनर्जी, मनोविज्ञान विभाग, विश्वविद्यालय विज्ञान कालेज, कोलकाता विश्वविद्यालय, 92, आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रोड, कोलकाता-700009, ''प्रायोगिक अध्ययन - भ्रान्ति (ओटिज़्म) की हस्तक्षेप प्रक्रिया के रूप में संगीत उपचार'', 48,720/- रुपए।

51. डॉ. फूल बदन, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-110067, ''मध्य एशिया में इस्लाम का पुनः उत्थान'', 1,64,850/- रुपए।

52. डॉ. विशम्भर प्रसाद सती, स्नातकोत्तर भूगोल विभाग, राजकीय स्नातकोत्तर कालेज, शिवपुरी (मध्य प्रदेश)-473551, ''अपर सिंध बेसिन : संसाधन विश्लेषण और क्षेत्र विकास का एक उ .. , 51,450/- रुपए।

53. डॉ. नित्यनन्द पटनायक, समाज विज्ञान तथा विकास अनुसंधान संस्थान, प्लाट नं. 1243, नागेश्वर तंगी, भुवनेश्वर-751002 (उड़ीसा), ''पुरी का पवित्र भूगोल : तीर्थ केन्द्र की सांस्कृतिक भूमिका तथा संरचना और संगठन'', 1,45,110/- रुपए।

54. डॉ. पार्था एस. घोष, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली-110067, ''वैयक्तिक और रीति-रिवाज़ कानूनों के संबंध में एक समान सिविल कोड - दक्षिण एशियाई अनुभव का एक राजनीतिक-कानूनी अध्ययन'', 3,80,100/- रुपए।



परिशिष्ट-4

पूरे हो चुके अनुसंधान

परियोजनाएं

1. डॉ. सबिर अली, सामाजिक विकास परिषद, 53, लोदी एस्टेट, नई दिल्ली, "दिल्ली की त्रिलोकपुरी पुनर्वास कालोनी में पर्यावरण की स्थिति"।

2. डॉ. पी.आर. पंचमुखी और डॉ. सैलबाला देवी, बहु-विषयक विकास अनुसंधान केन्द्र, जुबली सर्किल, धारवाड़-580001, "शिक्षा के विकास में सामुदायिक योगदान : एक मामला अध्ययन"।

3. डॉ. एस.एस. जगनायक, दक्षिणी समाज विज्ञान अनुसंधान संस्थान, तिरुवनन्तपुरम, केरल, "ग्रामीण महिलाओं के बीच सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षिक विकास में पुस्तकालयों की भूमिका"।

4. डॉ. आशीष भट, मध्य प्रदेश समाज विज्ञान अनुसंधान संस्थान, 19 महाश्वेतानगर, उज्जैन-456010, "मध्य प्रदेश की पंचायती राज व्यवस्था में ग्राम सभाओं का सशक्तिकरण : उज्जैन जिले के विशेष संदर्भ में एक अध्ययन"।

5. डॉ. अब्दुल रहमान बेग, बादशाहनगर, पो. नातीपुरा, ओल्ड आर.टी.ओ. श्रीनगर (जम्मू और कश्मीर), "काश्मीर घाटी के लोगों की समाजार्थिक समस्याएं और उर्दू प्रेस"।

6. डॉ. (श्रीमती) धुलसी विरुंधा वर्दराजन तथा अध्यक्ष, अर्थशास्त्र पर्यावरण विभाग, अर्थशास्त्र स्कूल, मदुरई कामकाज विश्वविद्यालय, मदुरई-625021, "तमिलनाडु में वनारोपण स्कीमों के प्रभाव का एक आर्थिक अध्ययन"।

7. डॉ. धर्मपाल, अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007, "भारत तथा नया दक्षिण अफ्रीका : सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक सम्बन्धों की उभरती पद्धति"।

8. डॉ. रीटा बनर्जी, डी-7/4, विश्वविद्यालय फ्लैट्स, मौरिस नगर, दिल्ली-110007, "बंगाल में लोकप्रिय संस्कृति, सेंधमारी और सामाजिक परिवर्तन"।

9. डॉ. बिमल प्रमाणिक, भारत-बंगलादेश संबंध अनुसंधान केन्द्र, 107 जोधपुर पार्क (ग्राउन्ड फ्लोर), कोलकाता-700068, "पश्चिम बंगाल राज्य के विशेष संदर्भ में 1971 में बंगलादेश स्वतंत्रता संघर्ष के प्रति भारतीय लोगों की प्रतिक्रिया"।

10. डॉ. शरित के. भौमिक, समाजशास्त्र विभाग, बम्बई विश्वविद्यालय कैम्पस, कलिना, बम्बई-400098, "कोलकाता में लघु और मझौले उद्योगों में कामगार सहकारिताएं"।

11. डॉ. एम. सारंगधरन और डॉ. जी. राज, वाणिज्य विभाग, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनन्तपुरम-695034 (केरल), प्रारम्भ में डॉ. एम.के. सानू के लिए मंजूर, "केरल में परम्परागत उद्योग : साहित्य की समीक्षा"।

12. डॉ. मुजफ्फरर अवादी, राजनीतिक विज्ञान विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय, मानसगंगोत्री, मैसूर-570006 (कर्नाटक), "समृद्ध कृषक वर्ग की राजनीति के संदर्भ में भारतीय राज्य को समझना : कर्नाटक तथा महाराष्ट्र वे कृषक आन्दोलन, 1980-87 का एक विश्लेषण"।

13. डॉ. मुजफ्फर असदी, राजनीतिक विज्ञान विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय, मानसगंगोत्री, मैसूर-570006 (कर्नाटक), "समृद्ध किसानों की राजनीति के संदर्भ में भारतीय शास्त्र की समझ: कर्नाटक और महाराष्ट्र के कृषक आन्दोलन का एक विश्लेषण"।

14. डॉ. मालप्पा अमरावती, और डॉ. चन्द्रकान्त यातानूर, राजनीतिक विज्ञान विभाग, गुलबर्गा विश्वविद्यालय, गुलबर्गा-585106 (कर्नाटक), "सार्क के प्रमुख सदस्यों के रूप में दक्षिण एशिया में शान्ति और सुरक्षा बनाए रखने में भारत और पाकिस्तान की भूमिका"।

15. प्रोफेसर के.आर.जी. नायर, व्यवसाय अर्थशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दक्षिणी कैम्पस, बेनितो जुआरेज़ मार्ग, नई दिल्ली-110021, "केरल में औद्योगीकरण"।

16. डॉ. पिताम्बर नइलवाल, एच-2/55, एक्स-1 ब्लाक, कृष्ण पुरम, कानपुर-208007", उत्तर प्रदेश के पर्वतों में ऊन उद्योग : क्षेत्रीय विकास में एक लघु अध्ययन"।

17. डॉ. पी.सी. जोशी, चिकित्सा मानवशास्त्र विभाग, मानव आचरण और सम्बद्ध विज्ञान संस्थान, दिलशाद गार्डन, दिल्ली-110095, " अभिघात-पश्चात दबाव विकृति का उद्‌भव और जम्मू तथा कश्मीर में किशोरों पर दुर्घटनाओं का प्रभाव"।

18. श्री विश्वनाथ बनर्जी, विकास में वैकल्पिक अनुसंधान केन्द्र, बी-3, राकडाले हाउसिंग (सुनन्दा), 15 सी जुबली पार्क, कोलकाता-700033, "कोलकाता नगर में रहने वाले मलिन बस्तिवासियों के बीच वृद्धावस्था समस्याओं के कुछ पहलू"।

19. डॉ. मेहराज उद्दीन, अकादमिक स्टाफ कालेज, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर-190006, "आपराधिक न्याय के प्रशासन में भ्रष्टाचार : एक आनुभाविक अध्ययन"।

20. डॉ. उमा चक्रवर्ती, श्रीमती गीता रामकृष्णन्, श्रीमती श्यामला राकृष्णन् और श्रीमती कमला विश्वेश्वरन, भारती महिला अध्ययन संस्थान, 13, न्यु कालोनी, नुनगम्बाक्म, मद्रास-600034, "चार तमिल समुदायों में विवाह प्रथाएं : महिलाओं की स्थिति का एक अध्ययन"।

21. डॉ. उग्र मोहन झा, भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, "ग्रामीण अर्थव्यवस्था में जवाहर रोजगार योजना के जरिए रोजगार सृजन का एक अध्ययन"।

22. प्रोफेसर एच.एम. शिवानन्द स्वामी, आयोजना स्कूल, के.एल. पर्यावरणीय आयोजना और प्रशिक्षण केन्द्र, कस्तूरभाई लालभाई कैम्पस, विश्वविद्यालय रोड, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-380009, "शहरी सड़कों का वित्तपोषण"।

23. प्रोफेसर जय बी.पी. सिन्हा, प्रोफेसर, मनोविज्ञान, असर्ट प्रबंध अध्ययन संस्थान, 143-डी, एस.के. पुरी, पटना-800001, "एकीकरण प्रबंधन की खोज में"।

24. प्रोफेसर अतिया हबीब किदवई, 123, उत्तराखण्ड, ज.ने.वि., नई दिल्ली, "एक शहरी मलिन बस्ती में अक्षम और अक्षमता-भिन्न बालिकाओं का एक तुलनात्मक अध्ययन"।

25. डॉ. एन.बी. शुक्ला, शारीरिक शिक्षा विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005 (उ.प्र.), "खेल की क्षमताओं वाले जनजातीय बच्चों के विकास में जैव-सांस्कृतिक स्थिति : रांची के जनजातीय बच्चों के बीच खेल मानवशास्त्र का एक अध्ययन"।

26. प्रोफेसर आनन्द कुमार, 1310, पूर्वांचल, ज.ने.वि., नई दिल्ली-110067, "वाराणसी में रिक्शा चालक : उनके रहन-सहन और कामकाजी स्थितियों का एक अध्ययन"।

27. नित्यानन्द पटनायक, समाज विज्ञान विकास अनुसंधान संस्थान, प्लाट नं. 1243, नागेश्वरतागी, लेविस रोड, भुवनेश्वर-751000, "तीर्थ यात्रा और पुरी तीर्थ केन्द्र के संबंध में एक अध्ययन"।

28. डॉ. (श्रीमती) वाणी चटर्जी, भारतीय अनुसंधान एसोसिएशन, 771, सोती गंज, मेरठ, "कालेज महिलाओं का राजनीतिकरण : स्रोत और निहितार्थ"।

29. डॉ. अनिता सोनी, मार्फत निदेशक, विकास सोसायटी अध्ययन केन्द्र, 29 राजपुर रोड, दिल्ली-110054, "भाटी वन्यजीव आरक्षणालय, दिल्ली के क्षेत्रों में बसी आबादी का एक समाजशास्त्रीय सर्वेक्षण"।

30. डॉ. वीणा मजुमदार, महिला विकास अध्ययन केन्द्र, गोल मार्केट, नई दिल्ली, "बालिकाओं के संबंध में साहित्य का सर्वेक्षण, 1975-1990"।

31. डॉ. पी.के. समल, जी.बी. पन्त हिमालय पर्यावरण और विकास संस्थान, कोसी कटरमल, अल्मोड़ा, उत्तरांचल, "लोग, स्त्री-पुरुष तथा भारत के मध्य हिमालयाई क्षेत्र में संसाधनों का उपयोग और संरक्षण का स्वदेशी ज्ञान : एक आनुभाविक अध्ययन"।

32. डॉ. (श्रीमती; मन्जु पाण्डे, उत्तरी समाज कल्याण केन्द्र, डी-61/38, एफ, सिद्धगिरी बाग, वाराणसी-221010 (उ.प्र.), "वाराणसी और मिर्जापुर जिले के लघु उद्योगों में बाल श्रमिक : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन"।

33. डॉ. पी.आर. झा, यगोदा सत्संग महाविद्यालय, जगन्नाथपुर, रांची-834004, "कृषि में प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों के सामाजिक निहितार्थ : रांची जिले का एक मामला अध्ययन"।

34. डॉ. नमिता चौधरी और डॉ. संजय राय, समाजशास्त्र और सामाजिक मानवशास्त्र विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, जिला दार्जीलिंग, पश्चिम बंगाल, "शहरी निर्धन : भारतीय मलिन बस्तियों में एक तुलनात्मक अध्ययन"।

वरिष्ठ अध्येतावृत्तियां

1. डॉ. पी.पी. पाण्डे, नई दिल्ली, "पंक्तिपावन समुदाय की लुप्त होती लोक कथाएं एवं लोकाचार"।
2. डॉ. एम. कृष्णाराज, मुम्बई, "भारत में स्त्री-पुरुषों के सैद्धान्तिक विचार"।
3. मिकी देसाई, अहमदाबाद, "गुजरात की स्वदेशी क्षेत्रीय वास्तुकला (1850-1947) : सामाजिक-सांस्कृतिक विकास का एक अध्ययन"।
4. शील के. असोपा, जयपुर, "क्षेत्र में सोवियत के विकेन्द्रीकरण के बाद से ट्रांसकाकसोआ-मध्य एशियाई नीति में हित क्षेत्र के लिए संघर्ष"।
5. डॉ. के.के. सुब्रमण्यन, तिरुवनन्तपुरम, आर्थिक उदारीकरण के तहत क्षेत्रीय औद्योगिक विकास।
6. गिरबन रन्जन विश्वास, सिल्चर, "उत्तर-पूर्व भारत में ननकर आन्दोलन (1945-50)"।
7. डॉ. वी.एन. देशपाण्डे, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़, "आज भारत में अर्थशास्त्र की संगतता पर दार्शनिक तथा रीति वैज्ञानिक प्रभाव"।
8. प्रोफेसर के. श्रीनिवासुलु, हैदराबाद, "पार्टियां, सामाजिक आधार तथा नीतियां – आन्ध्र प्रदेश राजनीति में तेलुगु देशम पार्टी का एक अध्ययन"।

परिशिष्ट-5
प्रदत्त अध्येतावृत्तियां

राष्ट्रीय अध्येतावृत्तियां

1. प्रोफेसर कुसुम लता केडिया, गांधी अध्ययन संस्थान, राजघाट, वाराणसी, महात्मा गांधी राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति, ''आर्थिक समृद्धि की अहिंसक अवधारणा : सभ्यतागत संदर्भ (गांधीवादी विवेचना)''।

2. प्रोफेसर आर. नारायणन, वि.अ.आ. भ्रमणकारी प्रोफेसर, गोवा विश्वविद्यालय, गोवा-403206, जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति, ''गुयाना, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबेगो के विशेष संदर्भ में केरिबियन में भारतीय परदृश्य''।

3. प्रोफेसर श्यामलाल, समाजशास्त्र विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति, ''उत्तरी भारत में सामाजिक न्याय और अस्पृश्यता आन्दोलन (1940-2000)''।

4. प्रोफेसर एस.सी. शर्मा, प्रोफेसर तथा डीन (रिटायर्ड), आन्ध्र विश्वविद्यालय, वाल्टेयर, जे.पी. नायक राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति, ''भारत-सेन्ट्रिक शिक्षा - एक सुझाया गया डिजाइन''।

5. प्रोफेसर यू. शंकर, मद्रास अर्थशास्त्र स्कूल, गांधी मन्डप्पम रोड, चेन्नई-600025, ''संधारणीय विकास हेतु पर्यावरणीय नीतिगत सुधार''।

6. प्रोफेसर एल.एम. भट, रिटायर्ड प्रोफेसर, भारतीय सांख्यिकीय संस्थान, क्षेत्रीय सर्वेक्षण यूनिट, 7, एस. जे.एस. सनसनवल मार्ग, नई दिल्ली-110029, ''भारत में विकेन्द्रीकृत आयोजना : विशेष परिप्रेक्ष्य''।

7. प्रोफेसर एम.एम. संखधर, प्रोफेसर, राजनीतिक विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007, ''आधुनिक राजनीतिक विज्ञान के साथ प्राचीन भारतीय क्लासिकों की प्रासंगिकता''।

8. प्रोफेसर जितेन्द्र मोहन, मनोविज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़-160014, ''कोरोनरी आर्टिरी बीमारियों में मन:सामाजिक कारक : निवारण और हस्तक्षेप में नए क्षेत्र''।

9. प्रोफेसर एन्ड्रे बेटेली, समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007, ''सोसायटी का एक अध्ययन : एक तुलनात्मक दृष्टिकोण''।

10. प्रोफेसर एम.वी. नादकर्णी, पूर्व कुलपति, गुलबर्गा विश्वविद्यालय, जन गंगा, गुलबर्गा-585106, कर्नाटक, ''उदार धर्म की गतिकी : गांधीवादी परिप्रेक्ष्य में हिन्दू धर्म का एक सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरणीय विश्लेषण''।

11. प्रोफेसर जे.पी.एस. उबेराय, रिटायर्ड प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, ''समाजशास्त्रीय सिद्धान्त तथा संस्कृति क्षेत्र अध्ययन''।

12. श्री वीराराघवन, निदेशक, भारतीय विद्या भवन, दिल्ली केन्द्र, मेहता सदन, कस्तूरबा मार्ग, नई दिल्ली-110001, ''शिक्षा और सामाजिक विकास के बीच द्विपक्षीय संयोजन''।

13. प्रोफेसर आर.बी. जैन, पूर्व प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, राजनीतिक विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, ''भारतीय संसद की विषय समिति : अच्छे शासन हेतु साधन''।

14. प्रोफेसर आर. वैद्यनाथन, भारतीय प्रबंध संस्थान, बन्नेरघाटा रोड, बंगलौर-560076, ''अर्थव्यवस्था के विकास साधन : कारपोरेट-भिन्न भारत''।

वरिष्ठ अध्येतावृत्तियां

1. डॉ. के.जी. त्यागी, एस.डी. 139, टावर अपार्टमेन्ट्स, पीतमपुरा, दिल्ली, ''भारत में समाज विज्ञानों में अनुसंधान संसाधनों की उपलब्धता और उपयोग''।

2. डॉ. राजवीर शर्मा, राजनीतिक विज्ञान विभाग, ए. आर.एस.डी. कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, ''कानून और व्यवस्था प्रशासन - पुलिस स्टेशन के संगठन और निष्पादन का एक अध्ययन''।

3. डॉ. (श्रीमती) अनिता गुप्ता, 151, नर्मदा अपार्टमेन्ट्स, अलकानन्दा, नई दिल्ली, ''सापेक्ष कुशलता का एक अध्ययन : महत्वाकांक्षी हाई स्कूल बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य और निष्पादन सुधारने के बारे में स्व:नियंत्रित प्रक्रियाएं''।

4. डॉ. बी. कृष्णा रेड्डी, मानवशास्त्र विभाग, एस.वी. विश्वविद्यालय, तिरुपति, ''शिर्डी तीर्थयात्रा और साईं बाबा का मत''।

5. प्रोफेसर सुरेन्द्र के गुप्ता, 190 डी, पाकेट सी, सिद्धार्थ एक्सटेंशन, नई दिल्ली, ''विदेश में भारतीय – भारतीय स्थिति का एक तुलनात्मक अध्ययन''।

6. डॉ. (श्रीमती) एस. मूर्ति, 89, आजाद नगर, उज्जैन, ''अनौपचारिक क्षेत्र में महिलाओं की समाजार्थिक भागीदारी : मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले का एक आनुभाविक अध्ययन''।

7. डॉ. (श्रीमती) मीरा लाल, मार्फत श्री एस.के. लाल, उप महाप्रबंधक (क्रेडिट), स्टेट बैंक आफ हैदराबाद, प्रधान कार्यालय, गन फाउण्डरी, ए.बी.आई.डी.एस., हैदराबाद, ''स्वयं-सेवी समूहों के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण, भारत में उभरती प्रवृत्तियां तथा सम्भावनाएं''।

8. डॉ. पी.एस. जार्ज, विकास अध्ययन केन्द्र, तिरुवनन्तपुरम, ''केरल कृषि पर उदारीकरण और वैश्विकरण का प्रभाव''।

9. डॉ. डी.के. तकनेत, देवम, 1, महात्मा गांधी मार्ग, झालना संस्था क्षेत्र, जयपुर, ''उत्तर-पूर्व चाय उद्योग – पुनरुद्धार और विकास की योजना''।

10. डॉ. शक्ति काक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली, ''ग्रामीण भारत में रोजगार विकास तथा निध नता कटौती''।

11. डॉ. जी.जे. नाहवी, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली, ''श्रीनगर : शहरी प्रबंधन में सुधार हेतु नीतिगत पहल''।

12. डॉ. एस.एल. लोधा, ई-161, शास्त्री नगर, अजमेर (राजस्थान), ''भारत में 1980-81 से 1999-2000 तक मुद्रा भण्डार का निर्धारण''।

13. डॉ. आशा नगेन्द्र, सिमबिओसिस अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, सेनापति बापट रोड, पुणे, ''उद्योग में महत्वपूर्ण मानव अनुसंधान प्रबंधन – निष्पादन का एक तुलनात्मक अध्ययन : दो आटोमोबाइल उद्योगों में मूल्यांकन''।

14. श्री एम.के. टिक्कू, 145, नेशनल मिडिया सेन्टर, नाथुपुर, गुड़गांव, हरियाणा, ''श्रीलंका में संघर्ष और संकल्प : जटिलता की समस्या''।

15. डॉ. ए. मुखर्जी, फ्लैट नं. 265, टावर 4, सुप्रीम एनक्लेव, मयूर विहार, फेज-1, दिल्ली, ''तालिबान के अधीन अफगानिस्तान : क्षेत्रीय स्थिरता के निहितार्थ''।

16. डॉ. एस.पी. वैद्य, 85, सुभाष नगर, जम्मू (जम्मू और कश्मीर) 180003, ''जम्मू और कश्मीर में समाजार्थिक असंतोष की जड़ें : 1931-47''।

सामान्य अध्येतावृत्तियां

1. डॉ. (श्रीमती) रेणु मेहरा, 6-एच/109, एच.आई.जी. फ्लेट्स, सेक्टर-5, राजेन्द्र नगर, साहिबाबाद-201005, जि. गाजियाबाद (उ.प्र.), ''पंचायती राज संस्थानों की दिशा में महिलाओं की राजनीतिक जागरूकता : पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले का एक मामला अध्ययन''।

2. डॉ. सत्यनारायण पट्टनायक, कमरा नं. 143 ई, ब्रह्मपुत्र होस्टल, ज.ने.वि., नई दिल्ली-110067, ''आन्तर-इस्लाम शीत युद्ध''।

3. डॉ. मौसमी सेनगुप्ता, 12/डी/1/30, डी.पी.पी. रोड, नकताला, कोलकाता-700047, ''डॉ. अम्बेडकर के दर्शन और आन्दोलन की पृष्ठभूमि और प्रासंगिकता''।

4. डॉ. राजशेखर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-110067, ''म्यांमार का प्रजातांत्रिक आन्दोलन और आसियान प्रतिक्रिया''।

5. डॉ. प्रीति गुप्ता, ए-419, इन्द्रा नगर, लखनऊ (उ. प्र.), ''बोधात्मक आचरणात्मक पहलू और एच. आई.वी./एड्स रोगियों के जीवन की गुणवत्ता''।

6. डॉ. धीरेन्द्र सिंह, अनुसंधान एसोसिएट, सामाजिक विकास शोध संस्थान, आगरा (उ.प्र.), ''क्षेत्र विकास में आवधिक बाजारों की भूमिका : उ.प्र. में जिला कानपुर देहात के ब्लाक रसूलाबाद पर आधारित एक मामला अध्ययन''।

7. डॉ. चितरंजन दास, मानवविज्ञान विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ''कुमायुं पहाड़ियों की प्रवासी भोतिआ जनजाति की संस्कृति और आचरणात्मक पद्धति पर आधुनिकीकरण का प्रभाव''।

8. डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह, अर्थशास्त्र विभाग, जगतपुर पी.जी. कालेज, वाराणसी (उ.प्र.), ''ग्राम विकास पर कृषि-आधारित उद्योगों का प्रभाव - पूर्वी उत्तर प्रदेश में चन्दौली जिले का एक मामला अध्ययन''।

9. डॉ. नम्रता गुप्ता, म.नं.432, आई.आई.टी., कैम्पस, कानपुर-208016, ''एक वैज्ञानिक के निर्माण में लिंग-विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के प्रमुख संस्थाओं में पुरुष और महिला अनुसंधान छात्रों के शैक्षिक परिवेश और आकांक्षाओं का एक अध्ययन''।

10. डॉ. जी. योगानन्दम, वेलाखालम, वेलाकुट्टी, न्यु

टाउन, वेनिआबादी, जि. वैल्लोर, तमिलनाडु, "आदिम जनजातियों की आय सृजन और व्यय पद्धतियां : नीलगिरी जिले में पनियन जनजातियों का अध्ययन"।

11. डॉ. कमल किशोर मिश्रा, 112, जुबली हाल, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007, "भारतीय व्याख्यात्मक परम्परा में स्वयं : महाकाव्य महाभारत से सामाजिक-मनोवैज्ञानिक अन्तर्दृष्टि"।

12. डॉ. भास्वती भट्टाचार्य, मार्फत एम.सी.एच.वी. आई. आई.एम., कोलकाता, "कोलकाता के वाणिज्यिक उद्यमी, 1780-1850"।

13. डॉ. (श्रीमती) मार्गिट कोव्ज, दक्षिणापुरम, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-110067, "भारत का बोध और हंगरी में प्राच्य" (उनकी अध्येतावृत्ति उन्हें भारतीय नागरिकता प्राप्त होने की शर्त पर है)"।

14. डॉ. अरुण कुमार सिंह, कंचनपुर, मां. लक्ष्मी नगर (सेन्ट्रल स्कूल के निकट), डी.एल.डब्ल्यु. बाउन्ड्री लेन, वाराणसी-221004, "असंगठित क्षेत्र में महिला कामगारों की भागीदारी : पूर्वी उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन"।

15. डॉ एम. शेक बाशा साहेब, श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति (आन्ध्र प्रदेश), "आन्ध्र प्रदेश में नवसाक्षरों की समाजार्थिक स्थितियों पर समग्र साक्षरता कार्यक्रम के प्रभाव का एक अध्ययन"।

16. डॉ. कोमिला पार्थी, म.नं. 553, सेक्टर 10 डी, चण्डीगढ़-160001, "पुनर्जनन स्वास्थ्य समस्याओं वाली महिलाओं की मानसिक स्वास्थ्य स्थिति"।

केन्द्र प्रशासित डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां

मुक्त डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां

1. एम.पी. नगेन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "शहरी भारत में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य"।

2. एन.आर. सुरेश बाबु, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "तमिलनाडु में कुछ चुनिन्दा क्षेत्रों में जाति संघर्षों की गतिकी : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन"।

3. कुशेन्द्र मिश्रा, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, "स्वास्थ्य और परिवार कल्याण क्षेत्रक में चुनिन्दा एन.पी.ओ.एस. के निष्पादन मूल्यांकन दृष्टिकोणों का एक अध्ययन"।

4. ब्रिगित जोसफ, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "आर्थिक उदारीकरण के तहत केरल कृषि : वाणिज्यिक फसलों के विशेष संदर्भ में एक विश्लेषण"।

5. पुत्चाकयाला कणक राव, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "प्रजातंत्र की दलित अवधारणाएं : आन्ध्र प्रदेश में दो गांवों के राजनीतिक शास्त्र का एक अध्ययन"।

6. अवनेश कुमार सिंह, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "पारि-पर्यटन : उत्तरांचल में इसके आर्थिक, सामाजिक और पारिस्थितिकीय प्रभाव - दून घाटी और कार्बेट नेशनल पार्क का एक मामला अध्ययन"।

7. जुपाका माधवी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "सीमा-पार स्वापक व्यापार : स्वर्ण चतुर्भुज का एक स्थानिक विश्लेषण"।

8. बालक राम ठाकुर, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, "आई.टी.डी.पी. की शुरुआत से हिमाचल प्रदेश के भरमौर जनजातीय क्षेत्र में समाजार्थिक परिवर्तन"।

9. सैयद ऐमान रज़ा, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "संस्कृति, पारिस्थितिकी और मारंग तहसील, किन्नोर जिला, हिमाचल प्रदेश के किन्नरों के बीच संधारणीय विकास"।

10. हेमन्त बाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "संसाधन तथा कोन्ध के बीच स्वास्थ्य संस्कृति प्रबंधन: जिला कालाहाण्डी, उड़ीसा की एक आदिम जनजाति"।

11. शान्तनु घोष, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "बोध अवधारणा निर्माण और अध्ययन: भारतीय संदर्भ में टी.ई.एस.एल. पाठ्यचर्या डिजाइन के लिए एक प्रस्तावित एकीकृत माडल"।

12. संजय कुमार प्रधान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "दक्षिण अफ्रीका में भारतीय मूल के लोग (पी.आई.ओ.) : रंगभेद पश्चात युग में एकीकरण में समस्याएं"।

13. अनवर सादात, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "बहुपक्षीय पर्यावरणीय करारों के विशेष संदर्भ में पर्यावरण संरक्षण हेतु न्यास निधियां : एक विधिक अध्ययन"।

14. गरिमा कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "संगठनात्मक संस्कृति में बदलते प्रतिमान : व्याख्यात्मक परिप्रेक्ष्य में एक अध्ययन"।

मौमिता चक्रवर्ती, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "नेतृत्व आकृति और अभिप्रेरण आधार बनाम संगठनात्मक नेतृत्व"।

जे. मारिया अगनेस सासिथा, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, "कांचीपुरम जिले (तमिलनाडु) में रेशम उद्योग में बाल श्रमिकों के बीच कर्ज-बन्धन"।

डी. मालमरुगन, वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान, वेल्लोर, "ग्राहक संबंध प्रबंधन"।

एम. शमीना, मंगलौर विश्वविद्यालय, मंगलौर, "क्रेडिट सहकारिताओं का मूल्यांकन"।

पुलक मिश्रा, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर, "उदारीकरण-पश्चात युग में भारतीय निगमित क्षेत्रक में विलयन तथा प्राप्ति : एक विश्लेषण"।

असम निर्मला देवी, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, "भारत के भुगतान शेष का एक आनुभाविक विश्लेषण (आर्थिक सुधारों के संदर्भ में)"।

टी. राज प्रवीण, तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, कोयम्बतूर, "तमिलानाडु की तटीय कृषि पद्धति में देशज ज्ञान का प्रलेखन"।

आर. मनोज कुमार, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, "असम में मानव अधिकार मुद्दे, शिक्षा और प्रवर्तन : कामरूप जिले का एक अध्ययन"।

डी. तिरुपति वीणा, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, "आन्ध्र प्रदेश में चुनिन्दा जनजातियों की सांस्कृतिक पारिस्थितिकी : संधारणीय विकास और अन्य संक्रमण की समस्याओं का अध्ययन"।

एम.ए. ज्योति, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर, "माध्यमिक शिक्षक स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की मौखिक-भिन्न सम्प्रेषण दक्षताओं में प्रशिक्षण का कक्षा में उनके मौखिक-भिन्न आचरण पर प्रभाव और शिक्षक कारगरता"।

समित राय, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुम्बई, "मानव अधिकारों के संरक्षण के लिए सिविल सोसायटी को सुदृढ़ करने में अन्तर्राष्ट्रीय सहायता की भूमिका और प्रभाव की जांच करना"।

मनु गौराहा, डॉ. एच.एस. गौड़ विश्वविद्यालय, सागर, 'मुसलमानों और इसाईयों के बीच जाति और अस्पृश्यता की प्रथा : मानव अधिकारों के परिप्रेक्ष्य में"।

नेघना एम. दक्षिणी, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा, वडोदरा, "तीन वर्ष से कम के बच्चों में प्रोटीन ऊर्जा कुपोषण को कम करने के लिए ग्रामीण बड़ोदरा में आई.सी.डी.एस. में पोषाहार सेवाओं के कार्यान्वयन की कोटि सुधारने हेतु हस्तक्षेप : समाज विज्ञान तथा महामारीय अनुसंधान दृष्टिकोण का समेकन"।

28. मीता मल्होत्रा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद, "मानसिक बीमारी के प्रति परिवार प्रतिक्रिया : देखभालकर्ता, दबाव, समाधान और परिवार कामकाज के प्रभाव का एक अध्ययन"।

29. काकुलावरापु मानसा, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, "बौद्धिक पूंजी विकास तथा संगठनों में ज्ञान का प्रबंधन"।

30. वी. स्नेहा भट्टाचार्य, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा, वड़ोदरा, "भारतीय किशोरों में आक्रामकता को कम करने के प्रयास में तर्कसंगत अभिप्रेरण आचरण उपचार का प्रयोग और समाजिक दक्षता प्रशिक्षण"।

31. उषा कृष्णा, चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, "एम.एन. राय तथा भारत में क्रान्तिक मानववादी आन्दोलन : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन"।

32. कुसुम अवस्थी गुप्ता, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "भारत में अफसरशाही-अभिवृत्तियां तथा आचरण पद्धतियां"।

33. रूचिका सोढ़ी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, "भारत में महिलाओं की सशक्तिकरण : भारतीय और कनाडा अनुभव का अध्ययन"।

34. मिथिला रमन, मदर टेरेसा महिला विश्वविद्यालय, कोडईकनाल, "भारतीय समाज विज्ञानों में सहयोगात्मक अनुसंधान : अनुसंधान के सहयोग कार्यक्रमों में महिला भागीदारी की स्थिति की समीक्षा"।

उत्तर-पूर्व क्षेत्र

1. अथिखो कैसीली, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "उभरती पीढ़ी : शिपफोमाराम्थ नागाओं के बीच युवाओं का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन"।
2. कोसेनो, उत्त-पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, "शिक्षित अंगामी महिलाओं की बदलती भूमिका और स्थिति : कोहिमा ग्राम का एक मामला अध्ययन"।
3. प्रियंका प्रियदर्शिनी, अरुणाचल विश्वविद्यालय, इटानगर, "अरुणाचल अर्थव्यवस्था में सम्पत्ति अधिकार और उत्पादन कार्यक्षमता का एक अध्ययन"।
4. सुमना दास, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, "जनसंख्या का आन्तरिक प्रतिस्थापन : असम में संघर्ष प्रेरित प्रतिस्थापन का एक अध्ययन"।

5. लेखोलेन ल्ह्युनडिम, उ.पू.प. विश्वविद्यालय, शिलांग, ''मणिपुर के कुकियों के बीच नृवंश-मेडिकल प्रथाः परिवर्तन और सतता का अध्ययन''।

6. डोरसस रियाओफी रमसम, उत्तर-पूर्वी पर्वतीय विश्वविद्यालय, शिलांग, ''उखरूल जिले, मणिपुर के तंगखुलों के बीच वृद्ध महिलाएं : एक मानवशास्त्रीय अध्ययन''।

7. थेनसई ल्ह्युंगडिम, अरुणाचल विश्वविद्यालय, इटानगर, ''अरुणाचल प्रदेश में प्रौढ़ शिक्षा की तैयारी हेतु कुछ प्रशिक्षण क्रियाविधियों की कारगरता''।

8. ह्युइरम रत्ना, पूना विश्वविद्यालय, पुणे, ''मणिपुर में मानव अधिकार : एक समाजिक कार्य परिप्रेक्ष्य''।

विदेशी राष्ट्रिकों को डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां

1. अहमद रेज़ा बी. घेजे़लिजे़ह, पूना विश्वविद्यालय, पुणे, ''शीत युद्ध पश्चात विश्व में तेल और गैस की राजनीति : ईरान की भू-महत्व स्थिति''।

2. क्लिफोर्ड जी. मयोगु, आर.बी.एस. कालेज, आगरा, ''भारतीय रेलवे के विशेष संदर्भ में सरकारी क्षेत्र उपक्रमों में बजट पद्धति का एक समालोचलात्मक अध्ययन''।

3. शान्ता राज शर्मा न्युपाने, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, ''सहकारी आन्दोलन : एक जन आधारित विकास दृष्टिकोण : नेपाल की अर्थव्यवस्था में इसकी भूमिका''।

4. के. सर्वेशवरण, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, ''तमिल यूनाइटिड लिब्रेशन फ्रन्ट : श्रीलंका में एक उदार वंश पार्टी का उत्थान और ह्रास''।

संस्थागत डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां

गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ

1. अनु सिंह, ''भारत में बेरोजगारी में प्रवृत्तियों का अध्ययन''।

2. सविता श्रीवास्तव, ''विकास का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मानव संसाधनों और प्राकृतिक संसाधनों का प्रबंधन''।

3. अतुल अग्रवाल, ''सरकारी क्षेत्र उद्यमों में विनिवेश''।

4. आरती अग्रवाल, ''मुजफ्फरनगर (पश्चिम उत्तर प्रदेश) में घरेलू हिंसा की प्रकृति और सीमा''।

5. पूनम सिंह, ''बचत निवेश और भारतीय कृषि में पूंजी निर्माण'' (वेतन संरक्षण)।

सरदार पटेल आर्थिक और सामाजिक अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद

1. चौहान नरेश मुलजीभाई, ''भारतीय अर्थव्यवस्था में स्वास्थ्य स्थिति और आर्थिक विकास के बीच संबं''।

2. नेहा सिंह, ''संस्थागत क्रेडिट, रोजगार सृजन और निर्धनता उपशन : एक तुलनात्मक विश्लेषण'' (वेतन संरक्षण)।

3. सोनल एस. पाण्डया, ''गुजरात में जल क्षेत्रक का वित्तपोषण : समस्याएं और सम्भावनाएं''।

लोक उद्यम संस्थान, हैदराबाद

1. लक्ष्मय्या बोटला, ''प्रबंधन के संबंध में भागवत गीता की प्रासंगिकता''।

2. पी.जे. प्रेम कुमार, ''सरकारी क्षेत्र उद्यमों में अधिकारी विकास''।

3. लक्ष्मी कुमारी सी, ''सरकारी उद्यमों में पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन'' (वेतन संरक्षण)।

आर्थिक और सामाजिक अध्ययन केन्द्र, हैदराबाद

1. प्रज्ञा परामिता मिश्रा, ''1990 के दशक में भारत में क्रेडिट राशनिंग का एक विश्लेषण''।

2. गंगाधर बी. सोनार, ''हैदराबाद-कर्नाटक क्षेत्र में वृद्धों की सामाजिक-मनोवैज्ञानिक तथा आर्थिक समस्याएं - एक सामाजिक कार्य परिप्रेक्ष्य''।

3. सौम्या विनयन, ''उदारीकरण तथा कपड़ा उद्योगः आन्ध्र प्रदेश में हथकर्घों और विद्युतकर्घों के बीच अन्योन्यक्रिया का एक मामला अध्ययन''।

4. अरुण कुमार, ''अनुसूचित क्षेत्रों में स्थानीय स्वःशासनः आन्ध्र प्रदेश में पश्चिमी गोदावरी जिले का एक अध्ययन''।

भारतीय शिक्षा संस्थान, पुणे

1. अरविन्द बी. सेलर, ''विश्वविद्यालय वित्तपोषण में उभरते मुद्दे - पुणे विश्वविद्यालय का एक अध्ययन (वेतन संरक्षण)''।

2. उज्वला देशपाण्डे, ''स्वैच्छिक संगठनों द्वारा प्रदत्त शिक्षा सेवाओं का एक समालोचनात्मक अध्ययन तथा पुणे नगर में व उसके बाहर लक्ष्य समूहों पर उनका प्रभाव''।

3. गोरे भारत बलभिमराज, ''विक्रेन्द्रीकरण की प्रक्रिया

तथा महाराष्ट्र के परभनी जिले में प्राथमिक शिक्षा पर इसका प्रभाव''।

4. टी.एन. साल्वे, ''पुणे की चुनिन्दा मलिन बस्तियों के अनुसूचित लोगों की समाजार्थिक स्थितियों का एक समलोचनात्मक अध्ययन'' (वेतन संरक्षण)।

गोविन्द वल्लभ पन्त समाज विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद

1. चन्दन सिन्हा, ''वाटरशेड विकास तथा प्रबन्धन : दार्जिलिंग जिला, प. बंगाल में चुनिन्दा परियोजनाओं के प्रभाव का एक अध्ययन''।
2. रेणुका मिश्रा, ''असम राज्य के लिए संधारणीय विकास की नीति''।

विकास अध्ययन केन्द्र, तिरुवनन्तपुरम

1. रंजन कुमार दाश, ''वित्तीय उदारीकरण, स्टाक बाजार विकास तथा निगमित वित्तपोषण पर इसका प्रभाव''।
2. वी.आर. प्रभाकरन नायर, ''भारत में मौद्रिक प्रबंधन - 1980 और 1990 के दशक''।

ओमेओ कुमार दास सामाजिक परिवर्तन और विकास संस्थान, गुवाहाटी

1. मीनाक्षी सहारिया, ''जनजातीय अभिज्ञान से स्वायत्तता तक - ब्रह्मपुत्र घाटी की मैदानी जनजातियों की राजनीतिक आकांक्षाओं का एक अध्ययन''।
2. विपुल हजारिका, ''प्रजनन स्वास्थ्य में पुरुष भागीदारी: आयल इण्डिया लिमिटेड में कर्मचारियों का अध्ययन''।

बहु-विषय विकास अनुसंधान केन्द्र, धारवाड़

1. एस.एन. नयतनतारा, ''मद्यपान का बोझ - एक समाजार्थिक विश्लेषण'' (वेतन संरक्षण)।
2. इन्दिरा, ''अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन की सम्भावनाएं : आन्ध्र प्रदेश पर्यटन का एक ऐतिहासिक अध्ययन, 1951-2001 (ए.डी.)''।

मध्य प्रदेश समाज विज्ञान अनुसंधान संस्थान, उज्जैन

1. सीमा झाला, ''विकास, विस्थापन और पुनर्वास''।
2. नीरजा के. जैन, ''ग्राम आर्थिक विकास पर राजनीतिक विकेन्द्रीकरण का प्रभाव''।

मद्रास विकास अध्ययन संस्थान, चेन्नई

1. एम. अरिवलगन, ''कणिक्करण समुदाय की संस्कृति और विकास में चुनौतियां - एक मामला अध्ययन''।
2. आर. मणिवासागम, ''पोषाहार, स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक विकास : कुड्डालोर जिले के विशेष संदर्भ में एक आर्थिक अध्ययन''।

समाज विज्ञान अध्ययन केन्द्र, कोलकाता

1. एम. पोन्तीरानावुक्कारासु, ''कोयम्बतूर के मुसलमान: बोध, अभिज्ञान और एजेन्सियां''।

आर्थिक विकास संस्थान, दिल्ली

1. मोनदिरा मुखर्जी, ''एक वैश्विक व्यापार व्यवस्था में बासमती चावल की खेती''।

सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बंगलौर

1. विकास चन्द्र दाश, ''संधारणीय विकास हेतु पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका और कामकाज का अध्ययन''।
2. के.आर. निशा, ''सामाजिक पूंजी और निर्धनता उपशमन : तटीय केरल में एन.जी.ओ. पर बल''।
3. सुकुमारन वी., ''स्वास्थ्य देखरेख के उपयोग और गुणवत्ता पर उपभोक्ता फीस का प्रभाव: केरल में जिला अस्पतालों का एक अध्ययन''।

आकस्मिकता अनुदान

1. हंस राज यादव, वाणिज्य विभाग, एम.डी. विश्वविद्यालय,. रोहतक; हरियाणा में असंगठित क्षेत्र में आटो कार्यशालाओं में बाल श्रमिकों का एक समालोचनात्मक अध्ययन'' 10,000/- रुपए।
2. सरोज कुमार, मनोविज्ञान विभाग, चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, ''बच्चों के बीच आचरणात्मक समस्याओं का एक विकासात्मक अध्ययन'' 9,000/- रुपए।
3. संत लाल अरोड़ा, क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र, समाज विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, ''अनौपचारिक विनिर्माण क्षेत्र का विकास और गतिकी : एक क्षेत्रीय विश्लेषण'' 10,400/- रुपए।
4. शीना पी., अर्थशास्त्र विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट, ''केरल के संगठित क्षेत्रक में महिलाओं का रोजगार : कोज़्हीकोड जिले का एक मामला अध्ययन'' 10,500/- रुपए।
5. अरुमुगम शंकरन, अर्थशास्त्र विभाग, भारतीदसन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली-620024,: "तमिलनाडु के औद्योगिक विकास में संरचनात्मक परिवर्तनों के संबंध में एक अध्ययन'' 8,700/- रुपए।

6. चन्द्रकान्त गजानन पुरी, ग्राम विकास विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई, "जनजातीय विकास कार्यक्रमों का प्रभाव : महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में स्केतकारियों का एक मामला अध्ययन" 10,900/- रुपए।

7. राज कुमार वर्मा, गांधी अध्ययन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, "महात्मा गांधी : स्व:वास्तविकरण का एक अध्ययन" 5,000/- रुपए।

8. कौशल कुमार गुप्ता, राजनीतिक विज्ञान विभाग, चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, "भारतीय महिलाओं की उभरती स्थिति का एक तुलनात्मक और विश्लेषणात्मक अध्ययन" 10,000/- रुपए।

9. आई.एस. अवस्थी, क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र, समाज विज्ञान स्कूल, ज.ने.वि., नई दिल्ली, "उत्तरांचल राज्य में रोजगार और आय पर ग्रामीण कृषि-भिन्न क्षेत्र विकास का प्रभाव", 10,000/- रुपए।

10. ए.के. मलिक, विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र, समाज विज्ञान स्कूल, ज.ने.वि., नई दिल्ली, "सूचना संचार प्रौद्योगिकी का समाजार्थिक प्रभाव : भारतीय बैंकिंग क्षेत्रक का एक मामला अध्ययन" 10,000/- रुपए।

11. बी. सुमति, अर्थशास्त्र विभाग, पाण्डिचेरी विश्वविद्यालय, पाण्डिचेरी, "संघ राज्य क्षेत्र पाण्डिचेरी के कराईकल क्षेत्र में महिलाओं के उर्वरता आचरण पर धर्म का प्रभाव", 10,500/- रुपए।

12. अर्पिता भट्टाचार्य, भूगोल विभाग, नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, "नागपुर महानगर के इर्द-गिर्द के क्षेत्र में कृषि में परिवर्तन", 10,000/- रुपए।

13. चन्द्रशेखर एस. रेड्डी, लोक प्रशासन विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, "सेतविन" का संगठन,"आन्ध्र प्रदेश में रोजगार सृजन का एक माडल", 12,000/- रुपए।

14. वी. रत्नप्पा, राजनीतिक विज्ञान तथा लोक प्रशासन विभाग, एस.के. विश्वविद्यालय, अनन्तपुर, "ग्रामीण विकास प्रशासन : अनन्तपुर जिले में जन्मभूमि कार्यक्रम के संबंध में एक अध्ययन" 12,000/- रुपए।

15. के. कालीडोस, सहकारिता विभाग, टी.बी.एम.एल. कालेज, त्रिची, "तमिलनाडु में एकल उत्पाद तथा बहु-उत्पाद सहकारी विपणन सोसायटियों के अर्थशास्त्र के बारे में एक अध्ययन" 10,250/- रुपए।

16. रमणिक श्रीवास्तव, भूगोल विभाग, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी, "काल्पी तहसील (जालोन), उत्तर प्रदेश की माइक्रो स्तर आयोजना, 10,500/- रुपए।

17. मोहम्मद मुख्तार आलम, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति केन्द्र, अन्तर्राष्ट्रीय संगठन तथा निःशस्त्रीकरण स्कूल, ज.ने. वि. नई दिल्ली, "भारतीय समुद्र क्षेत्र में क्षेत्रीय अर्थशास्त्र विकास तथा राजनीतिक एकीकरण : एक भौगोलिक अध्ययन" 10,000/- रुपए।

18. अर्चना सिन्हा, समाजशास्त्र विभाग, मगध महिला कालेज, पटना विश्वविद्यालय, पटना, "बिहार में पुनर्जनन अधिकार तथा महिला सशक्तिकरण", 9,000/- रुपए।

19. अमरनन्दा चौधरी, समाजशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोध गया, (बिहार), "वैश्याओं के बच्चों के पुनर्वास में प्रगति और सम्भावनाएं : बिहार और पश्चिम बंगाल के दो प्रमुख वैश्यावृत्ति क्षेत्रों का एक मामला अध्ययन" 8,000/- रुपए।

20. बिन्दु पी. वर्गीस, अर्थशास्त्र विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, डॉ. जान मथाई केन्द्र, "केरल में मानव विकास : असमानताएं और विकृतियां, 10,000/- रुपए।

21. मधु सुधीर परान्जपे, सांख्यिकी विभाग, "बेरोजगारी समस्या तथा शिक्षा नीतियां", 10,000/- रुपए।

22. विजय कुमार येदावन्दु, "सामुदायिक स्वास्थ्य सामाजिक औषधि केन्द्र, "सार्वजनिक स्वास्थ्य में रीति वैज्ञानिक व्यक्तिवाद : प्रबंधन की रूपरेखा तैयार करना", 12,000/- रुपए।

23. संजीव कुमार, "चीन में सार्वजनिक नीति तथा ग्राम विकास : ग्रामीण औद्योगीकरण का अध्ययन" 8,300/- रुपए।

24. बीना पाण्डेय, भूगोल विभाग, कुमायुं विश्वविद्यालय, नैनीताल, "कुमायुं प्रभाग, उत्तरांचल में पर्यटक परिसरों के परिवहन नेटवर्क विकास का प्रभाव", 12,000/- रुपए।

अल्पावधि अध्यतावृत्तियां

1. मेरिनिनला पन्ती जमिर, समाजशास्त्र विभाग, उ.पू.क्षे. के., शिलांग, "नागा राजनीति में महिलाएं : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन"।

2. मोहम्मद आरिफ, वाणिज्य विभाग, जामिया मिलिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, "उ.प्र. की सहकारी क्षेत्र चीनी मिलों में प्रबंधन का व्यावसायीकरण"।

3. प्रेम सिहं राणा, समाजशास्त्र विभाग, एम.बी. राजकीय पी.जी. कालेज, हलद्वानी, नैनीताल (उत्तरांचल), "थारू जनजाति में स्वास्थ्य और पोषण के सामाजिक-सांस्कृतिक आयाम"।

4. मृणाल कान्ति दत्ता, अर्थशास्त्र विभाग, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़ (असम), "असम की कृषि में सिंचाई क्षमता का उपयोग"।

5. रजनी गुप्ता, समाजशास्त्र विभाग, जे.एल.एन.पी.जी. कालेज, एटा, "भारतीय समाज में हिन्दू विवाह परिवार और जाति के बदलते प्रतिमान और उनके प्रति ग्रामीण महिलाओं के दृष्टिकोण का समाजशास्त्रीय अध्ययन"।

6. चन्द्रावती जोशी, शिक्षा विभाग, कुमायुं विश्वविद्यालय, अल्मोड़ा, "जे. कृष्णामूर्ति के शैक्षिक दर्शन का विश्लेषणात्मक अध्ययन"।

7. सुजित कुमार मिश्रा, शिक्षा विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, "विकास प्रतिस्थापन और पुनर्वास : रेंगाली बांध, उड़ीसा के जनजातीय विस्थापन का एक मामला अध्ययन"।

8. कुमुद लता शर्मा, समाजशास्त्र विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर (राजस्थान)।

9. हबीब मंजर, इतिहास विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, "भारत में साम्यवादी आन्दोलन और साम्प्रदायिक प्रश्न, 1920-48"।

10. चिन्तामणि वशिष्ठ, अर्थशास्त्र विभाग, जवाहरलाल नेहरू कालेज, एटा, उ.प्र., "सार्क देशों में क्षेत्रीय आर्थिक सहयोग और व्यापार सम्बन्ध"।

11. भूपेन्द्र सिंह नामराक्पम, अर्थशास्त्र विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल, "मणिपुर के कृषि क्षेत्र में पूंजी निर्माण, 1972-97"।

12. एन. श्रीधर नायडू, भूगोल विभाग, एस.के. विश्वविद्यालय, अनन्तपुर, "खाद्य उत्पादन की पद्धति : ग्रामीण आन्ध्र प्रदेश में भूमि वहन क्षमता तथा पोषाहार स्तर"।

13. नोरी उषा, अर्थशास्त्र विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद, "यूरोपियन यूनियन के साथ सार्क व्यापार संबंध : व्यापार एकीकरण का एक विश्लेषण।

14. नरिन्द्र कुमार आंगिआ, भूगोल विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, "हरियाणा में ग्रामीण कृषि-भिन्न रोजगार का विविधिकरण, 1971-91: एक भौगोलिक विश्लेषण"।

15. प्रेम सागर, भूगोल विज्ञान, कुमायुं विश्वविद्यालय, नैनीताल, "सुयाल पृष्ठग्रहण क्षेत्र, ग्रहण क्षेत्र, कुमायुं हिमालय के संधारणीय ग्रामीण पारिपद्धति विकास हेतु प्राकृतिक संसाधन विश्लेषण और प्रबंधन"।

16. धनन्जय कुमार त्रिपाठी, समाजशास्त्र विभाग, एम. जी. काशी विद्यापीठ, वाराणसी, "सरकारी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सामाजिक जीवन का समाजशास्त्रीय अध्ययन"।

17. मणिलेई सेर्टो, शिक्षा विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल, "मणिपुर की कोम जनजाति की शिक्षा और सामाजिक परिवर्तन"।

18. आशुतोष श्रीवास्तव, समाजशास्त्र विभाग, किसान पी.जी. कालेज, बघर, गाजीपुर, "परिवर्तन के परिप्रेक्ष्य में पंचायती राज व्यवस्था की भूमिका"।

19. ऋचा सिंह, समाजशास्त्र विभाग, आई.एन.पी.जी. कालेज, मेरठ, "शहरी महिलाओं के बीच राजनीतिकरण के परिणाम और पूर्ववृत्त"।

20. येंगखोम एन सिंह, भूगोल विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल, "मणिपुर घाटी में बस्तियों का कार्यात्मक संगठन"।

21. राउल सुसान्त कुमार, शिक्षा विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, "स्वायत्त और गैर-स्वायत्त कालेज शिक्षकों की उनके मानसिक स्वास्थ्य, संगठनात्मक परिवेश और छात्र उपलब्धि की दृष्टि से शिक्षण कारगरता का एक तुलनात्मक अध्ययन"।

22. गौतम कुमार झा, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, ज.ने. वि., "इण्डोनेशिया नीति में इस्लामीकरण: समस्याओं और परिप्रेक्ष्यों का एक अध्ययन"।

23. शिवारामकृष्ण साके, ग्राम विकास और सामाजिक कार्य विभाग, एस.के. विश्वविद्यालय, अनन्तपुर (आं. प्र.), "अनुसूचित जाति निगम का कार्यकरण और अनुसूचित जातियों पर उसका प्रभाव : सूखा प्रधान अनन्तपुर जिले के विशेष संदर्भ में एक अध्ययन"।

24. सुधीर कुमार सिंह, दक्षिण एशियाई अध्ययन केन्द्र, एस.आई.एस., ज.ने.वि., नई दिल्ली, "पाकिस्तान में मानव अधिकार, 1972-99"।

25. वन्दना त्रिपाठी, अर्थशास्त्र विभाग, जिवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, "सामाजिक क्षेत्रक के माध्यम से ग्राम विकास"।

26. बबीता गुप्ता, मनोविज्ञान विभाग, दयालबाग शिक्षा संस्थान, दयाल बाग विश्वविद्यालय, दयालबाग, आगरा,

"मधुमेह रोगियों बनाम उनके मधुमेह-भिन्न व्यक्तियों के व्यक्तित्व दबाव व समाजार्थिक स्थिति का एक अध्ययन"।

27. देवी विद्यालक्ष्मी थचकोम, अर्थशास्त्र विभाग, मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल, "इम्फाल जिले की बुनकर कशीदाकारी और बुनाई इकाइयों में कार्यरत महिला उद्यमियों और कामगारों के संबंध में अध्ययन"।

28. शैलजा सिंह, मनोविज्ञान विभाग, एम.जी. काशी विद्यापीठ, वाराणसी, मन:सामाजिक जोखिम कारक तथा चिरकालिक पीठ दर्द रोगियों का जीवन स्तर"।

29. कमलेश सिंह कुंवल, भूगोल विभाग, एच.एन.बी. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, गढ़वाल, "यमुना बेसिन (गढ़वाल हिमालय) का उसके मेलों और त्योहारों के विशेष संदर्भ में सांस्कृतिक भूगोल"।

30. विमल आनन्द, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, ज.ने.वि. , नई दिल्ली, "कोरियाई संकट 1997-98 की राजनीतिक अर्थव्यवस्था : परिणाम और प्रतिक्रियाएं"।

31. सन्दीप द्विवेदी, अर्थशास्त्र विभाग, राजकीय एम.एल. बी. कला और वाणिज्य कालेज, ग्वालियर, "निर्धन वर्ग के आर्थिक उत्थान में ग्वालियर दलित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का योगदान"।

32. शिव कुमार वर्मा, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति केन्द्र, संगठन और नि:शस्त्रीकरण अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, ज. ने.वि., नई दिल्ली, "उर्जा निर्भरता की भू-राजनीति : भारत और फारस की खाड़ी"।

33. राजेन्द्र प्रताप बोरा, राजनीतिक विज्ञान विभाग, कुमायुं विश्वविद्यालय, नैनीताल, "कुमायुं में जल आपूर्ति प्रबंधन की राजनीति"।

34. ज्योत्सना साहू, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, वाणि विहार, भुवनेश्वर, "उड़ीसा के पुस्तकालयों में पाण्डुलिपियों का परिरक्षण और आयोजन"।

35. एकता छिपा, अर्थशास्त्र विभाग, एम.डी.एस. विश्वविद्यालय, अजमेर (राजस्थान), "बैंकिंग विकास में स्थानिक भिन्नताएं : मध्य प्रदेश का एक मामला अध्ययन"।

36. अम्बिका शर्मा, अर्थशास्त्र विभाग, राजकीय पी.जी. कालेज, मोरेना (म.प्र.), "महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण - मोरेना जिला (म.प्र.) के विशेष संदर्भ में"।

37. अनीता, वाणिज्य विभाग, जगतपुर, पी.जी. कालेज, वाराणसी (उ.प्र.), "सहकारिताओं की मदद हेतु राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम की भूमिका"।

38. सतीश कुमार सिंह, समाजशास्त्र विभाग, जगतपुर पी. जी. कालेज, जगतपुर, "वाराणसी (उ.प्र.), "ग्रामीण विकास के सांस्कृतिक व संस्थात्मक अवरोध"।

39. लायसन चनु शीलेइमा, राजनीतिक अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नई दिल्ली, "महिलाएं और राजनीतिक सहभागिता : मणिपुर की पंचायतों में मीतई महिला प्रतिनिधियों का एक अध्ययन"।

40. धमेन्द्र दुबे, भूगोल विभाग, कुमायुं विश्वविद्यालय कैम्पस, अल्मोड़ा (उ.प्र.), "पर्यावरणीय परिवर्तन तथा ग्रामीण कुमायुं में महिला जीवन पर उसका प्रभाव : एक संधारणीय विकास की खोज"।

41. नीरज अवाना, राजनीतिक विज्ञान विभाग, एस.डी.पी. जी. कालेज, गाजियाबाद (उ.प्र.), "आजीवन कांग्रेसी और 1969 में कांग्रेस में फूट : सामाजिक कार्रवाई की भूमिका का एक मामला अध्ययन"।

42. आर. राधा रानी, परिवार संसाधन प्रबंधन विभाग, आचार्य एन.जी. रंगा कृषि विश्वविद्यालय, बपाटला, जि. गुन्टुर, आन्ध्र प्रदेश, "मल्टीमीडिया के माध्यम से उपभोक्ता शिक्षा : एक मूल्यांकन अध्ययन"।

43. टी.वी.जी.एन.एस. सुधाकर, समाज विज्ञान स्कूल, ज. ने.वि., नई दिल्ली, "अन्तर्राष्ट्रीय-भिन्न आपराधिक कानून में मानव अधिकारों का संरक्षण"।

44. श्री रवि कान्त, मनोविज्ञान विभाग, महात्मा गाधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी, "जीत का इरादा : प्रतिस्पर्द्धात्मक उत्सुकता, आक्रमण और प्रतिस्पर्द्धात्मक स्तर एथलीटों में आत्म सम्मान"।

45. श्री रवि कान्त, मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, "दिल्ली विश्वविद्यालय के कर्मचारियों की भूमिका व्यवहार्यता के संगठनात्मक तथा वैयक्तिक निर्धारक"।

46. कैरा लता, भूगोल विभाग, कुमायुं विश्वविद्यालय, नैनीताल, "कृषि पारि-पद्धति, प्रबंधन तथा कृषि विकास : एक वाटरशेड दृष्टिकोण : दबका वाटरशेड, उत्तरांचल हिमालय का एक अध्ययन"।

दिल्ली, ''चाय बागान में श्रमिक और स्वास्थ्य : पुगुरी चाय एस्टेट, दार्जिलिंग का एक मामला अध्ययन''।

49. दुर्योधन कतकी, अन्तर्राष्ट्रीय स्कूल, ज.ने.वि., नई दिल्ली, ''मध्य एशिया में क्षेत्रीय सहयोग''।

50. जितेन्द्र कुमार, समाजशास्त्र विभाग, पी.सी. बागला डिग्री कालेज, हाथरस, ''ग्रामीण स्वास्थ्य संरक्षण के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के योगदान का समाजशास्त्रीय अध्ययन : जनपद हाथरस के विशेष संदर्भ में''।

51. प्रदीप कुमार, समाज विज्ञान स्कूल, ज.ने.वि., नई दिल्ली, ''स्वैच्छिक संगठन तथा जनजातीय विकास''।

52. भागबान बहेड़ा, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, ज.ने.वि., नई दिल्ली, ''1991 के बाद से मध्य एशिया-चीन संबंध''।

53. इकरामुर रशीद, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, ज.ने.वि., नई दिल्ली, ''खाड़ी उत्प्रवास तथा इसका आर्थिक प्रभाव : उ.प्र. में आजमगढ़ जिले का एक मामला अध्ययन''।

54. प्रभु दयाल, राजनीतिक विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, ''राजस्थान में जिला नियोजन प्रशासन : दोसा जिले के संदर्भ में एक अध्ययन''।

55. पूर्णिमा शेखर सिंह, भूगोल विभाग, ए.एन. कालेज, पटना, ''दुमका जिला, बिहार का समग्र साक्षरता अभियान''।

56. परवेज़ आलम, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, ज.ने.वि., नई दिल्ली, ''जापान के प्रति सोवियत और रूसी नीति 1985-2000 का एक तुलनात्मक अध्ययन''।

57. ममता रानी नाइक, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, ज.ने.वि., नई दिल्ली, ''सोवियत-पश्चात किर्गीस्तान तथा तुर्कमेनिस्तान में सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन''।

58. मोहसिम आज़म अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, ज.ने.वि., नई दिल्ली, ''उजबेकिस्तान और तजाकिस्तान में सांस्कृतिक परिवर्तन (19991-98)''।

59. वनीता यादव, अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन स्कूल, ज.ने.वि., नई दिल्ली, ''अहमदाबाद ओर हैदराबाद में शहरी शासन हेतु संस्थागत संरचना''।

60. रीता जायसवाल, समाजशास्त्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, ''नगरीय कार्योजित महिलाएं और उनका परिवार''।

61. नरेन्द्र ककाड़े, समाज विज्ञान स्कूल, ज.ने.वि., नई दिल्ली, ''अस्पतालों में डाक्टर तथा सार्वजनिक स्वास्थ्य: बम्बई नगर का एक मामला अध्ययन''।

परिशिष्ट-6

प्रलेखन तथा ग्रन्थसूचीय सेवाओं के लिए सहायता-अनुदान

प्रलेखन और ग्रन्थसूचीय परियोजनाओं के लिए सहायता-अनुदान के अन्तर्गत निम्नलिखित परियोजनाएं पूरी हो गई।

1. "भारत में लघु उद्योग के संबंध में अध्ययन, 1960-1999", पी.एम. मैथ्यू, लघु उद्यम तथा विकास संस्थान, कोची, द्वारा।
2. "महाराष्ट्र और गुजरात में दलित साहित्य के संबंध में चयनित ग्रन्थसूची", एस.पी. पुनालेकर, सामाजिक अध्ययन केन्द्र, सूरत द्वारा।
3. "मराठवाडा के संबंध में सटिप्पण ग्रन्थसूची" (मराठी में), एस.वी. गोगाते, स्वामी रामानन्द तीर्थ अनुसंधान संस्थान, औरंगाबाद द्वारा।

■■

परिशिष्ट-7

प्रकाशन अनुदान

प्रकाशित डाक्टोरल शोध निबंध/अनुसंधान रिपोर्ट

डाक्टोरल शोध निबंध

1. डॉ. टी. राजेन्द्रन, "इवैल्युएशन आफ रूरल डवलपमेंट प्रोग्राम्स", क्लासिकल पब्लिशिंग कं., 28, शापिंग केन्द्र, कर्मपुरा, नई दिल्ली-110015।
2. डॉ. पी. प्रिंस धनराज, "इन्डस्ट्रियल इकोनोमिक्स" (सूती कपड़ा मिलों के विशेष संदर्भ में), रिलाएन्स पब्लिशिंग हाउस, 3026/74, रणजीत नगर, नई दिल्ली-110068।
3. डॉ. टी.सी. मोहनम, "दि डीटरमीनेन्ट्स आफ फर्टिलाइजर कंजम्पशन एण्ड इट्स ग्रोथ", नार्दर्न बुक सेन्टर, 4221/1, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002।
4. डॉ. जगदीश चन्द्र बत्रा, "इन्टरनेशनल एयर लॉ", रिलाएंस पब्लिशिंग हाउस, 3026/7एच, शिव चौक, साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली-110008।
5. डॉ. राम अवतार राम, "भारतीय सुरक्षा और पाकिस्तान का परमाणुविक शस्त्र कार्यक्रम", मंक पब्लिकेशन्स प्रा. लि., बी-7, सरस्वती कम्प्लेक्स, सुभाष चौक, लक्ष्मी नगर, दिल्ली।
6. डॉ. टी.एन. गिरी, "रिफ्यूजी प्राबलम्स इन एशिया एण्ड अफ्रीका", मानक पब्लिकेशन्स प्रा. लि., बी-7, सरस्वती कम्प्लेक्स, सुभाष चौक, लक्ष्मी नगर, दिल्ली।
7. डॉ. शैली जोसफ, "एन्टरप्रीन्युयर्स आफ केरल - ए स्टडी आन दि सोशिओ-साइक्लोजिकल बैकग्राउन्ड आफ दि एन्टीप्रीन्युर - मेनेजर्स आफ स्माल स्केल इन्डस्ट्रियल यूनिट्स इन इरनाकुलम डिस्ट्रिक्ट, केरल", नार्दर्न बुक सेन्टर, 4221/1, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002।
8. डॉ. एच.के. सक्सेना, "इकोनोमिक्स आफ शार्टेज आफ व्हीट इन ईस्ट उत्तर प्रदेश", नार्दर्न बुक सेन्टर, 4221/1, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002।
9. डॉ. समिता मन्ना, "क्रिस्टलाइजेशन आफ कास्ट इन फ्रन्टीयर बंगाल", क्लासिकल पब्लिशिंग कं., 28, शापिंग केन्द्र, कर्मपुरा, नई दिल्ली-110015।
10. शीला वर्गीस, "एम्प्लायमेंट आफ वीमेन इन दि अण्डरग्राउण्ड मेन्युफेक्चरिंग सेक्टर", क्लासिकल पब्लिशिंग कं., 28, शापिंग केन्द्र, कर्मपुरा, नई दिल्ली-110015।
11. डॉ. वसुधा जोशी, "इन्फोर्मल मेन्युफेक्चरिंग कन्डीशन्स एण्ड प्रोस्पेक्ट्स", न्यु सेन्चरी पब्लिकेशन्स, 34 गुजरांवाला टाउन, पार्ट-2, नई दिल्ली-110009।

अनुसंधान रिपोर्ट

1. डॉ. संजय अम्बात्कर, "इण्डिया एण्ड एसिअन इन दि ट्वेन्टीफर्स्ट सेचरी : इकोनोमिक लिंकेजिज", अनमोल पब्लिकेशन्स प्रा. लि., ए-347/4बी, अन्सारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002।
2. डॉ. एस.एच. पाटिल, "कम्युनिटी डोमिनेंस एण्ड पालिटिकल माडर्नाइजेशन", मित्तल पब्लिकेशन्स, ए-22 ओ, मोहन गार्डन, नई दिल्ली-110059।
3. डॉ. टी. चक्रवर्ती, "कम्युनिटी पालिसिंग इन दिल्ली", राधा पब्लिकेशन्स, 4378/43, गली मुरारी लाल, अन्सारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-110002।
4. डॉ. बी.एम. वर्मा, "सोशल जस्टिस एण्ड पंचायती राज", मित्तल पब्लिकेशन्स, ए-110, मोहन गार्डन, नई दिल्ली-110059।
5. डॉ. राजिन्द्र एम. कालरा, "ड्रग एडिक्शन इन स्कूल्स : मिथ आर रिअल्टी", शिपरा पब्लिकेशन्स, 115-ए, विकास मार्ग, शकरपुर, दिल्ली-110092।

प्रकाशन अनुदान

डाक्टोरल शोध निबंध

1. डॉ. अर्चना दस्सी, सामाजिक कार्य स्कूल, जामिया मिलिया इस्लामिया, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025, "सोशल टोलरेन्स आफ डेविएन्ट बिहेवियर इन चिल्ड्रन इन ए स्लम इन दिल्ली"।
2. डॉ. संगीत कुमार, कुसुममिलय रोड, नं. 14ए, ईस्ट अशोक नगर, न्यु बाई पास रोड पर, पो. लोहिया नगर, पटना-800020, "चेंजिंग रोल आफ कास्ट सिस्टम इन इण्डिया : ए क्रिटिक"।

3. डॉ. वन्दना तिवारी, 11सी/210, नेहरू नगर, गाजियाबाद, ''नोइज कम्युनिकेशन एण्ड कोगनिटिव फंक्शन्स''।

4. डॉ. अनिल कुमार जोशी, श्री भवन माल रोड, रानीखेत-263645 (उत्तरांचल), ''रोल आफ न्यूजपेपर्स आफ कुमायुं इन नेशनल मूवमेंट (1871-1947)।

5. डॉ. अपूर्व पंडित, ''अस्ताई'', 24 औंध रोड, खिड़की, पुणे-411003, ''कल्चर एण्ड टेक्नोलोजी (स्टडीज इन ट्राइबल टेक्नोलोजीज इन महाराष्ट्र)''।

6. प्रोफेसर के.एल. जार्ज, अवै. सचिव, मद्रास समाज कार्य स्कूल, 32 कासा मेजर रोड, एगमोर, चेन्नई-600008, ''एम.एस.एस.डब्ल्यु. गोल्डन जुबली कोमेमोरेटिव वाल्यूम''।

7. अब्दुस सलाम सिद्दकी, भारतीय भाषा विभाग, ज.ने. वि., नई दिल्ली-110067, ''ए क्रिटिकल स्टडी आफ कृष्ण चन्द्रस नावल्स''।

8. डॉ. वसुधा जोशी, सी-6, अमर एनक्लेव, ए.एस.पी. टी. के सामने, शोलापुर, पुणे-411013, ''एम्पीरिकल इन्वेस्टीगेशन आफ इट्स मेन्युफेक्चरिंग इन पुणे मेट्रोपोलिटन रीजन''।

9. डॉ. मन्जू पाण्डेय, पो.बा. नं. 30, श्रीनगर, गढ़वाल-246174, ''लर्निंग डिस्एबिलीटीज एण्ड साइको-कोरिलेट्स''।

10. डॉ. विजय नाथ गिरी, मानविकी तथा समाज विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खडगपुर-721302 (प.बंगाल), ''इम्पेक्ट आफ जेण्डर रोल सेल्फ पर्सेप्शन, सेल्फ-डिस्क्लोज़र एण्ड सेल्फ एस्टीम आन कम्युनिकेशन स्टाइल''।

11. डॉ. डी.वी. राव, 123 ई, महानदी एक्सटेंशन, ज.ने. वि. नई दिल्ली, ''दि राइट्स आफ दि चाइल्ड अण्डर इन्टरनेशनल लॉ एण्ड इण्डियन लॉ''।

12. डॉ. सुनिता कुमारी, खाद्य और पोषाहार विभाग, गृह विभाग कालेज, आर.ए.यू. पूसा, समस्तीपुर-848125, बिहार, ''डायटरी बिहेवियर एण्ड न्युट्रीशनल स्टेट्स आफ शेडयूल्ड कास्ट्स इन बिहार''।

13. डॉ. सुरंजन शर्मा, वरिष्ठ व्याख्याता, डिमोरिआ कालेज, खेतडी, असम-782403, ''ए स्टडी आफ पब्लिक इन्वेस्टमेंट इन रूरल हैल्थ केयर इन असम विद स्पेशल रेफ्रेंस टू कामरून डिस्ट्रिक्ट''।

14. डॉ. अजय कुमार, मार्फत श्री वी.पी. सिंह, आर-3, हैदराबाद कालोनी, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005, ''पालने से कबर तक ग्रामीण परिदृश्य में कृषि-मजदूरों की दशा (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन)''।

15. डॉ. इमेस्टो नोरोन्हा, मार्फत श्री एल.ई.डी. क्रुज, 7 कासा कारोलिना सूनावाला अगिआरी मार्ग, महिम, मुम्बई-400016, ''एथनिसिटी एण्ड शेपिंग आफ माडर्न इन्डस्ट्रियल वर्कर : दि केस आफ टू आर्गनाइजेशन्स इन मुम्बई''।

अनुसंधान रिपोर्टें

1. प्रोफेसर मालविका दास गुप्ता, शहरी आर्थिक अध्ययन केन्द्र, अर्थशास्त्र विभाग, रेफोमेटरी रोड, कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता-700027, ''ट्रान्जीशन इन दि इकोनोमी आफ दि ट्राइबल्स आफ त्रिपुरा : एन एक्सर्साइज इन इकोनोमिक थ्योरी''।

2. डॉ. बी.बी. बरिक, बैकुण्ठ मेहता, राष्ट्रीय सहकारी प्रबंध संस्थान, यूनिवर्सिटी रोड, पुणे-411007, ''पैटर्न आफ लेबर यूज एण्ड इन्कम आफ फार्म वीमेन इन मथुरा डिस्ट्रिक्ट आफ उत्तर प्रदेश''।

3. डॉ. आर.के.पी. सिंह, कृषि अर्थशास्त्र विभाग, राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, बिहार, पूसा-848125, समस्तीपुर, ''एन इकोनोमिक ऐनेलिसिस आफ फिश प्राडक्शन मार्केटिंग इन नार्थ बिहार''।

4. डॉ. मोहि-उ-दद्दीन, 21-सी, बीलिया ग्राम के निकट, पुर रोड, भीलवाडा (राजस्थान), ''स्पेटिअल पेटर्न इन दि एज्युकेशनल लेवल्स आफ मुस्लिम्स इन राजस्थान''।

5. डॉ. के.वी. जोसफ, कुमबद्दु हाउस ड-21, एश्वर्य नगर, टी.सी.-तेरह/313, केशवदासपुरम, त्रिवेन्द्रम-695004, ''कलचरल एण्ड इन्डस्ट्रियल डवलेपमेंट : दि इण्डियन एक्सपीरिएन्स''।

6. डॉ. जी.एस. अरोड़ा, नं. 2, श्रीनिवाजुलु लेआउट, एस.टी. बेड, कोरामंगलम, बंगलौर-560034, ''कोर इश्यु इन एग्रेरिअन इकोनोमी एण्ड सोसायटी आफ कर्नाटक''।



परिशिष्ट-8

प्रकाशनों की बिक्री और वितरण

1. अप्रैल 2002 से मार्च 2003 तक की अवधि के दौरान भा.सा.वि.अ.प. के प्रकाशनों और पत्रिकाओं की कुल 1,18,690 रुपए की बिक्री हुई।

पत्रिकाएं

1. आई.सी.एस.एस.आर. जरनल आफ एब्सट्रेक्ट्स एण्ड रीव्यूज : पालिटिकल साइंस, खण्ड 28 (2), जुलाई-दिसम्बर 2001।
2. आई.सी.एस.एस.आर. जरनल आफ एब्सट्रेक्ट्स एण्ड रीव्यूज : इकोनोमिक्स, खण्ड तीन, 2000।
3. आई.सी.एस.एस.आर. जरनल आफ एब्सट्रेक्ट्स एण्ड रीव्यूज : सोसिओलाजी एण्ड सोशल एन्थ्रोपालोजी खण्ड 30, 2001।

प्रकाशन अनुदान स्कीम के अन्तर्गत वितरित प्रकाशन

1. "कम्युनिटी डोमिनेन्स एण्ड पालिटिकल माडर्नाइजेशन", एस.एच. पाटिल द्वारा।
2. "दि डिटरमीनेन्ट्स आफ फर्टिलाइजर कन्जम्पशन एण्ड इट्स ग्रोथ इन तमिलनाडु, टी.सी. मोहनम द्वारा।
3. "इण्डिया एण्ड एसिअन इन दि ट्वेन्टीफर्स्ट सेन्चरी", संजय अम्बातकर द्वारा।
4. "इन्डस्ट्रियल इकोनोमिक्स", पी. प्रिंस धनराज द्वारा।
5. "इन्टरनेशनल एयर लॉ", जे.सी. बत्रा द्वारा।
6. "इन्फोर्मल मेन्युफेक्चरिंग कन्डीशन्स एण्ड प्रोस्पेक्ट्स", वसुधा जोशी द्वारा।
7. रिफ्यूजी प्राबलम्स इन एशिया एण्ड अफ्रीका : रोल आफ दि उनचेर", टी.एन. गिरी द्वारा।
8. "सोशल जस्टिस एण्ड पंचायती राज", बी.एम. वर्मा द्वारा।
9. "इकोनोमिक्स आफ स्टोरेज आफ व्हीट इन ईस्ट उत्तर प्रदेश", एच.के. सक्सेना द्वारा।
10. "एन्ट्रीप्रीन्योर्स आफ केरल", सल्ली जोसफ द्वारा।
11. क्रिस्टलाइजेशन आफ कास्ट इन फ्रन्टीयर बंगाल", समिता मन्ना द्वारा।
12. "कम्युनिटी पालिसिंग इन दिल्ली", तपन चक्रवर्ती द्वारा।
13. "ड्रग एडिक्शन इन स्कूल - मिथ आर रीअलिटी", राजिन्दर एम. कालरा द्वारा।
14. "भारतीय सुरक्षा और पाकिस्तान का परमाणुविक शस्त्र कार्यक्रम", राम अवतार राम द्वारा।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, अपनी बिक्री बढ़ाने के लिए पिछले कुछ वर्षों से पुस्तक मेलों/प्रदर्शनियों में भाग लेती रही है। पहले, यह केवल विश्व पुस्तक मेला, नई दिल्ली में भाग लेती थी। किन्तु वर्ष 2002-03 के दौरान इसने मुम्बई अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेले और राष्ट्रीय संग्रहालय पुस्तक प्रदर्शनी में भी भाग लिया। इसके अलावा, अपने इतिहास में पहली बार भा.सा.वि.अ. परिषद् ने अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भाग लिया - बीजिंग अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला (24-28 मई 2002) और कोलम्बो अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला (10-15 सितम्बर 2002)। इन सभी पुस्तक मेलों में छात्रों, शिक्षाविदों और प्रकाशकों ने बड़ा उत्साह दिखाया। भा.सा.वि.अ.प. प्रकाशनों की बहुत मांग रही तथा प्रकाशकों, पुस्तकाध्यक्षों, वितरकों व व्यावसायिकों के साथ उपयोगी विचार-विमर्श हुआ। इन पुस्तक मेलों से निश्चय की भा.सा. वि.अ. परिषद को एक विशाल बाजार तक पहुंचने में मदद मिली, जिसका अभी तक उपयोग नहीं हुआ था।



परिशिष्ट-9

डाटा प्रसंस्करण में मार्गदर्शन और परामर्श सेवाएं प्रदान करने वाले संस्थान

1. विकासशील सोसायटी अध्ययन केन्द्र, 29, राजपुर रोड, नई दिल्ली-110054।
2. सरदार पटेल आर्थिक और सामाजिक अनुसंधान संस्थान, पो.बा.नं. 4062, नवरंगपुरस, अहमदाबाद-380009।
3. गोखले राजनीति और अर्थशास्त्र संस्थान, पुणे-411004।
4. टाटा समाज विज्ञान संस्थान, सिओन-ट्राम्बे रोड, देवनगर, मुम्बई-400004।
5. सामाजिक अध्ययन केन्द्र, दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय कैम्पस, उढना-मगदल्ला रोड, सूरत-395007।
6. गिरी विकास अध्ययन संस्थान, सेक्टर "ओ", अलीगंज हाउसिंग स्कीम, लखनऊ-226020।
7. ए.एन. सिन्हा सामाजिक अध्ययन संस्थान, पटना-800001।
8. भारतीय सांख्यिकी संस्थान (समाजशास्त्रीय यूनिट), 203 बैरकपोर ट्रंक रोड, कोलकाता-700035।
9. आर्थिक और सामाजिक अध्ययन केन्द्र, निजामिया, प्रेक्षणशाला कैम्पस, बेगमपेट, हैदराबाद-500016।
10. मानविकी और समाज विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर-16।
11. ग्रामीण और औद्योगिक विकास अनुसंधान केन्द्र, 2 ए, सेक्टर 19ए, मध्य मार्ग, चण्डीगढ़-160019।
12. ओ.के. दास सामाजिक परिवर्तन और विकास संस्थान, के.के. भट्टा रोड, चेनीकुथी, गुवाहाटी।
13. भा.सा.वि.अ.प., डाटा अभिलेखागार, अरुणा आसफ अली मार्ग, पो. बा.नं. 10528, ज.ने.वि., संस्था क्षेत्र, नई दिल्ली-110067।



परिशिष्ट-10

डाटा प्रसंस्करण में मार्गदर्शन और परामर्श सेवाओं का लाभ उठाने वाले विद्वान

सामाजिक अध्ययन केन्द्र, सूरत

1. राजेन्द्र वी. मोरी, समाजशास्त्र विभाग, भावनगर विश्वविद्यालय, भावनगर, ''भावनगर जिले में जल प्रबंधन में जन भागीदारी : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन''।

विकासशील सोसायटी अध्ययन केन्द्र, दिल्ली

2. पंकज कान्त सिंगल, व्याख्याता, राजकीय डिग्री कालेज, जैन्ती, अल्मोड़ा, उत्तरांचल, ''कुमायुं में परम्परागत वन प्रबंधन पर जे.एफ.एम. का प्रभाव: लोअर सलेम की लाथ पंचायत का एक मामला अध्ययन''।

टाटा समाज विज्ञान संस्थान, मुम्बई

3. चन्द्रशेखर वी. जोशी, यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, गोवर्धन, नासिक-422005, ''प्रतिनिधिक पद्धतियों ''मेटा'' कार्यक्रमों और अध्ययन शैलियों का प्रबंधन छात्रों की शैक्षिक उपलब्ध पर प्रभाव का एक अध्ययन''।
4. संजीवनी एस. वाघमारे, कार्वे समाज विज्ञान संस्थान, कार्वे नगर, पुणे-411007, ''ग्रामीण जल आपूर्ति और स्वच्छता में समुदाय भागीदारी''।
5. नागराज राव, यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, गोवर्धन, नासिक-422005, ''परामर्श के बारे में इग्नू/वाईसीएमडीओ से परामर्शदाताओं और छात्रों का एक मुक्त सर्वेक्षण: एक विश्लेषण''।
6. कान्तिनी कामत, समाजशास्त्र विभाग, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई, ''बाह्य विज्ञान कार्यकलापों के प्रभावों का एक अध्ययन''।
7. संजीवनी एस. वाघमारे, कार्वे समाज विज्ञान संस्थान, पूना विश्वविद्यालय, पुणे, ''ग्रामीण जल आपूर्ति और स्वच्छता में समुदाय भागीदारी''।
8. स्मृति ए भोसले, समाजशास्त्र विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, ''मुम्बई में महिला अपराधी-एक समाजशास्त्रीय अध्ययन''।
9. जगजीवन कौर, मनोविज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, ''रक्षा अधिकारीगण परिवारों में परिवार और बाल अध्ययन प्रथाओं का माता-पिता-किशोर बोध''।
10. सान्द्रा जोसफ, समाज कार्य विभाग, चेन्नई विश्वविद्यालय, चेन्नई, ''बहु व्यावसायिक दृष्टिकोण के माध्यम से स्वयंसेवी समूहों में महिला भागीदारी की कारगरता तथा महिलाओं की सामाजिक स्थिति पर इसका अध्ययन''।
11. मृणालिनी पुरनडारे, पी.जी. मनोविज्ञान विभाग, एस. एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, मुम्बई, ''विद्वत मजबूरी तथा अवसाद-बोधात्मक सहवर्तियों और हस्तक्षेप की व्यवहार्यता का एक अध्ययन''।

गिरी विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ

12. घनश्याम द्विवेदी, डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद, ''ग्राम विकास का अर्थशास्त्र: सुलतानपुर जिले का एक अध्ययन''।
13. हरी नन्द भट्ट, एच.एन.बी., गढ़वाल विश्वविद्यालय, एस.आर.टी.कैम्पस, बादशाह थाउल, टिहरी गढ़वाल (उत्तरांचल), ''उत्तराखण्ड हिमालय की अर्थ-व्यवस्था में क्षेत्रीय अनुसंधान का एक आर्थिक विश्लेषण''।
14. धर्मेन्द्र कुमार, भूगोल विभाग, कुमायुं विश्वविद्यालय कैम्पस, अल्मोड़ा (उत्तरांचल), ''पर्यावरणीय परिवर्तन तथा ग्रामीण कुमायुं में ग्रामीण जीवन पर उनका प्रभाव: संधारणीय विकास हेतु अनुसंधान''।

भा.सा.वि.अ.प. डाटा अभिलेखागार, नई दिल्ली

15. जयदीप दास, जिला परियोजना समन्वयकर्ता, रा.शै. अ.प्र.प., क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, श्यामला हिल्स, भोपाल, ''मध्य प्रदेश के जनजातीय स्कूलों में कार्यरत प्राथमिक स्कूल शिक्षकों की अभिवृत्तियों और मूल्यों का एक अध्ययन''।
16. निघत परवीण बेग (पी.एच.डी. अध्येता), जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र, समाज विज्ञान स्कूल, ज.ने.वि., दिल्ली, ''स्त्री-पुरुष शिक्षा और कार्य : केरल में महिला इंजीनियरों का एक अध्ययन''।

17. ए. मारुफ (पी.एच.डी. अध्येता), शिक्षा विभाग, पी. जी.डी.ए.वी. कालेज, देहरादून, ''पुरुष और महिला छात्रों के बीच ग्रामीण और शहरी अनुसूचित जनजाति और पिछड़ी जाति की आकांक्षा का स्तर और आधुनिकीकरण के प्रति आत्म विश्वास, समायोजन, अभिवृत्ति का एक तुलनात्मक अध्ययन''।

18. छवीवन एम. कमोल (पी.एच.डी. अध्येता, थाइलेण्ड), जाकिर हुसैन शिक्षा अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नई दिल्ली, ''थाइलेण्ड में शिक्षा सुधार: फिचिट तथा सुपुनपुरी प्रान्तों में प्राथमिक शिक्षा पर इसके प्रभावों का एक तुलनात्मक अध्ययन''।



परिशिष्ट-11

सम्मेलनों/डाटा संकलन हेतु समुद्रपार दौरे

1. डॉ. राजेश खरत, मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई, ने 17 से 19 अप्रैल 2002 तक यू.के. में "विश्व शरणार्थियों के संबंध में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में भाग लिया।
2. श्री सुधीर के. सामन्तरे, राजकीय महिला कालेज, बोलंगीर, उड़ीसा, ने 18-19 अप्रैल 2002 को यू.के. में "किशोरावस्था-माता-पिता-बच्चे 2002 पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में भाग लिया।
3. श्री रशपाल मल्होत्रा, सी.आर.आई.आई.डी. चण्डीगढ़, ने, 10-11 मई और 25-25 मई 2002 को यूरोप और अमरीका में "यूरोप में पेंशन पद्धति का भविष्य : निजीकरण अथवा एकसमान जोखिम भागीदारी तथा विकास और विश्व अर्थव्यवस्था में विकास व अन्योन्यक्रिया : पश्चिम और शेष, 1000-2002 ए. डी." पर कार्यशाला में भाग लिया।
4. डॉ. शान्ता एन. वर्मा, ने 25 मई से 1 जून 2002 तक कनाडा में "समाज विज्ञान तथा मानविकी कांग्रेस 2002" में भाग लिया।
5. डॉ. धर्नी पी. सिन्हा, कोस्मोड प्रबंधन अनुसंधान केन्द्र, हैदराबाद, ने 9 से 12 जून 2002 तक बैंकाक में "विश्व प्रबंधन शिक्षा फोरम" में भाग लिया।
6. श्री अमित प्रकाश, विधि तथा अधिशासन अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नई दिल्ली, ने 28 से 30 जून 2002 तक लेइडन में "एशियाई राज्य पर पुनर्विचार" पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
7. डॉ. सतिन्दर भाटिया, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान, कुतुब संस्थान क्षेत्र, आई.आई.एफ.टी. भवन, नई दिल्ली, ने, 10 से 12 जुलाई 2002 तक यू.के. में "प्रौद्योगिकी, हस्तान्तरण और नवीनीकरण सम्मेलन" में भाग लिया।
8. प्रोफेसर (श्रीमती) एन. विजया, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, ने 7 से 13 जुलाई 2002 तक आस्ट्रेलिया में "पन्द्रहवीं विश्व समाजशास्त्र कांग्रेस" में भाग लिया।
9. प्रोफेसर डी.एन. धनागरे, भारतीय समाजशास्त्रीय सोसायटी, समाज विज्ञान संस्थान, वसंत कुंज, नई दिल्ली, ने, 7 से 13 जुलाई 2002 तक आस्ट्रेलिया में "पन्द्रहवीं विश्व समाजशास्त्र कांग्रेस" में भाग लिया।
10. प्रोफेसर टी.के. ओम्मन, सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र, ज.ने.वि., नई दिल्ली, ने 7 से 13 जुलाई 2002 तक आस्ट्रेलिया में "पन्द्रहवीं विश्व समाजशास्त्र कांग्रेस" में भाग लिया।
11. प्रोफेसर डी. सुन्दरम, तिरुवनमियुर, चेन्नई, ने 7 से 13 जुलाई 2002 तक आस्ट्रेलिया में "पन्द्रहवीं विश्व समाजशास्त्र कांग्रेस" में भाग लिया।
12. प्रोफेसर आर.एस. सन्धु, गुरू नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, ने 7 से 13 जुलाई 2002 तक आस्ट्रेलिया में "पन्द्रहवीं विश्व समाजशास्त्र कांग्रेस" में भाग लिया।
13. प्रोफेसर पुइअन सेन, समाजशास्त्र विभाग, कल्याणी विश्वविद्यालय, कोलकाता ने, 7 से 13 जुलाई 2002 तक आस्ट्रेलिया में "पन्द्रहवीं विश्व समाजशास्त्र कांग्रेस" में भाग लिया।
14. प्रोफेसर आभा अवस्थी, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, ने 7 से 13 जुलाई 2002 तक आस्ट्रेलिया में "पन्द्रहवीं विश्व समाजशास्त्र कांग्रेस" में भाग लिया।
15. डॉ. अरुण पी. बाली, भा.सा.वि.अ.प., ने 7 से 13 जुलाई 2002 तक आस्ट्रेलिया में "पन्द्रहवीं विश्व समाजशास्त्र कांग्रेस" में भाग लिया।
16. श्री अशोक कुमार कौल, समाजशास्त्र विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, ने, 29 जुलाई से 3 अगस्त 2002 तक जर्मनी में "पद्धति अनुसंधान सूचना विज्ञान तथा साइबरनेटिक्स पर चौदहवें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में भाग लिया।
17. डॉ. नचिकेत त्रिपाठी, एच.एस.एस. विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, गुवाहाटी, ने, 7 से 12 जुलाई 2002 तक सिंगापुर में "प्रयुक्त मनोविज्ञान की पच्चीसवीं अन्तर्राष्ट्रीय कांग्रेस" में भाग लिया।
18. डॉ. अनशुला कृष्णा, मनोविज्ञान विभाग, वसन्ता महिला कालेज, वाराणसी, ने, 7 से 12 जुलाई 2002

तक सिंगापुर में ''प्रयुक्त मनोविज्ञान की पच्चीसवीं कांग्रेस'' में भाग लिया।

19. श्री ए.के. श्रीवास्तव, मनोविज्ञान विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, ने 7 से 12 जुलाई 2002 तक सिंगापुर में ''प्रयुक्त मनोविज्ञान की पच्चीसवीं कांग्रेस'' में भाग लिया।

20. श्री सुजित डेका, भूगोल विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, ने, 4 से 7 अगस्त 2002 तक दक्षिण अफ्रीका में ''आई.जी.यू. 2002 क्षेत्रीय सम्मेलन'' में भाग लिया।

21. डॉ. बी. डब्ल्यु पाण्डेय, भूगोल विभाग, शहीद भगत सिंह कालेज, दिल्ली, ने, 4 से 7 अगस्त 2002 तक दक्षिण अफ्रीका में ''आई.जी.यू. 2002 क्षेत्रीय सम्मेलन'' में भाग लिया।

22. डॉ. राम सुन्दर दुबे, प्रोफेसर, भूगोल, डॉ. एच.एस. गौड विश्वविद्यालय, सागर, ने, 4 से 7 अगस्त 2002 तक दक्षिण अफ्रीका में ''आई.जी.यू. 2002 क्षेत्रीय सम्मेलन'' में भाग लिया।

23. डॉ. (श्रीमती) प्रीति गुप्ता, वरदान मानसिक स्वास्थ्य और पीड़ा प्रबंधन, इन्द्रा नगर, लखनऊ, ने 17 से 22 अगस्त 2002 तक अमरीका में ''पीड़ा संबंधी दसवीं विश्व कांग्रेस'' में भाग लिया।

24. डॉ. अनिता घई, मनोविज्ञान विभाग, जेसस एण्ड मेरी कालेज, चाणक्यपुरी, दिल्ली, ने, 2 से 6 अगस्त तक कनाडा में ''अन्तर्राष्ट्रीय आचरणात्मक विकास अध्ययन सोसायटी – सत्रहवीं द्विवार्षिक बैठक'' में भाग लिया।

25. श्री एस.के. सिंह, भारत में उच्च अध्ययन हेतु पेनसिलवानिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, ने 20 से 26 अगस्त 2002 तक ''समुद्रीय सहयोग'' पर सेमिनार में भाग लिया जिसका आयोजन चीन अन्तर्राष्ट्रीय समकालीन संबंध संस्थान (सी.आई.सी.आई.आर.), बीजिंग, चीन द्वारा किया गया था।

26. डॉ. एस.जेड. कासिम, भारतीय समुद्रीय अध्ययन सोसायटी, सिक्यूलर हाउस, 1, अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली, ने, ने 20 से 26 अगस्त 2002 तक ''समुद्रीय सहयोग'' पर सेमिनार में भाग लिया जिसका आयोजन चीन अन्तर्राष्ट्रीय समकालीन संबंध संस्थान (सी.आई.सी.आई.आर), बीजिंग, चीन द्वारा किया गया था।

27. प्रोफेसर सतीश चन्द्र, भारतीय समुद्रीय अध्ययन सोसायटी, सिक्यूलर हाउस, 1, अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली, ने 20 से 26 अगस्त 2002 तक ''समुद्रीय सहयोग'' पर सेमिनार में भाग लिया जिसका आयोजन चीन अन्तर्राष्ट्रीय समकालीन संबंध संस्थान (सी.आई.सी.आई.आर.), बीजिंग, चीन द्वारा किया गया था।

28. वाइस-एडमिरल मिहिर राय (रिटायर्ड), पी.वी.एस.एम., ए.वी.एस.एम., भारतीय समुद्रीय अध्ययन सोसायटी, सिक्यूलर हाउस, 1, अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली, ने 20 से 26 अगस्त 2002 तक ''समुद्रीय सहयोग'' पर सेमिनार में भाग लिया जिसका आयोजन चीन अन्तर्राष्ट्रीय समकालीन संबंध संस्थान (सी.आई.सी.आई.आर), बीजिंग, चीन द्वारा किया गया था।

29. प्रोफेसर वी.आर. पंचमुखी, भा.सा.वि.अ.प., अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली, ने 20 से 26 अगस्त 2002 तक ''समुद्रीय सहयोग'' पर सेमिनार में भाग लिया जिसका आयोजन चीन अन्तर्राष्ट्रीय समकालीन संबंध संस्थान (सी.आई.सी.आई.आर), बीजिंग, चीन द्वारा किया गया था।

30. प्रोफेसर विजय अग्रवाल, आर्थिक विकास संस्थान, विश्वविद्यालय एनक्लेव, दिल्ली, ने 9 से 13 सितम्बी 2002 तक पुर्तगाल में ''अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक एसोसिएशन'' में भाग लिया।

31. डॉ. सुनिता रेड्डी भारती, समाजशास्त्र विभाग, श्री वेंकटेश्वर कालेज, धौला कुआं, नई दिल्ली, ने, 22 से 27 सितम्बर 2002 तक जापान में ''आई.यू.ए.ई.एस. 2002 अन्तर-कांग्रेस'' में भाग लिया।

32. डॉ. सिद्धार्थ शास्त्री, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान, ने, 9 से 13 सितम्बर 2002 तक पुर्तगाल में ''आई.ई.ए. 13वीं विश्व कांग्रेस'' में भाग लिया।

33. प्रोफेसर विनोद भाटिया, डी-2/113, काका नगर, नई दिल्ली, ने, 3 दिसम्बर 2002 से 1 जनवरी 2003 तक एक मास की अवधि के लिए ''मध्य एशियाई देश : विदेश नीति अनुस्थापन'' पर अपने शोध कार्य के संबंध में डाटा एकत्र करने के वास्ते पैरिस, फ्रांस का दौरा किया।

34. श्रीमती ज्योति अरोड़ा, म.नं. 1, सेक्टर-14, पंचकूला (हरियाणा), ने, 9 नवम्बर 2002 से तीन मास तक की अवधि के लिए ''एक विकासशील तथा अर्थव्यवस्था में सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के वास्ते सरकारी नीति और संस्थान निर्माण'' पर अपने शोध कार्य के संबंध में डाटा एकत्र करने के वास्ते अमरीका का दौरा किया।

35. श्री आर.आर. प्रसाद, भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली, ने, 19 से 21 फरवरी 2003 तक यूनेस्को मुख्यालय में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय समाज विज्ञान कार्यक्रम "मोस्ट" की अन्तर-राजकीय परिषद के छठे अधिवेशन में भाग लेने के लिए पैरिस, फ्रांस का दौरा किया।

36. प्रोफेसर प्रणव नन्दा जश, विश्व भारती विश्वविद्यालय, शान्तिनिकेतन, ने, 12 से 15, 26 से 29 सितम्बर, 2002 तक अमरीका में "वेदान्त पर तेरहवें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में भाग लिया।

37. श्रीमती चन्द्रिमा विश्वास, मुम्बई, ने, 13 से 15 नवम्बर 2002 तक अमरीका में "एशिया-प्रशान्त में वैश्विकरण की मानव अधिकार चुनौती" में भाग लिया।

38. डॉ. सी.जे. थामस, भा.सा.वि.अ.प. उत्तर-पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, शिलांग, ने, 17-18 अक्तूबर 2002 को सिंगापुर में "एशिया-प्रशान्त में आतंकवाद" में भाग लिया।

39. प्रोफेसर (श्रीमती) करुणा चानना, समाज विज्ञान स्कूल, ज.ने.वि., नई दिल्ली, ने, 28-29 सितम्बर 2002 को आस्ट्रेलिया में "ग्यारहवें अन्तर्राष्ट्रीय महिला नेतृत्व सम्मेलन" में भाग लिया।

40. डॉ. वैद्यनाथ लाभ, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, ने, 17 से 21 दिसम्बर 2002 तक अमरीका में "मानववादी बौद्ध धर्म पर चौथे अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में भाग लिया।

41. डॉ. निर्मल जिन्दल, दिल्ली, ने, 25 फरवरी से 1 मार्च 2003 तक अमरीका में "44वें वार्षिक आई.एस.ए. कन्वेंशन" में भाग लिया।

42. डॉ. हरीश शर्मा, भा.सा.वि.अ.प., नई दिल्ली, ने, 9 से 16 फरवरी 2003 तक इटली में "अन्तर्राष्ट्रीय निःशस्त्रीकरण तथा अनुसंधान संघर्ष स्कूल के 16वें शरत पाठ्यक्रम" में भाग लिया।

43. श्रीमती निधि शुक्ला, दक्षिण एशिया अध्ययन केन्द्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, ने, "दक्षिण एशिया में बाल श्रमिक : भारत और नेपाल में सामाजिक-विधिक पहलुओं का एक तुलनात्मक अध्ययन" नामक अपने शोध कार्य के संबंध में 11 फरवरी से 11 मार्च 2003 तक नेपाल का दौरा किया।

44. श्री प्रवीण कुमार, राजनीतिक विज्ञान विभाग, आर. एस.पी. कालेज, झरिया, धनबाद, झारखण्ड, ने, "भारत और यूरोपियन संघ : विदेश नीति की राजनीतिक अर्थव्यवस्था" नामक अपने पी.एच.डी. कार्य के संबंध में 24 मार्च से 23 मार्च तक यू.के. का दौरा किया।

45. श्रीमती कुलदीप कौर, राजनीतिक विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़, ने, "भारतीय समुद्र क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग : आस्ट्रेलिया के हित और भूमिका का एक अध्ययन" नामक अपने शोध के संबंध में (अक्तूबर 2001) दौरा किया।

■■

परिशिष्ट-12
अनुसंधान संस्थान

ए. एन सिन्हा सामाजिक अध्ययन संस्थान, पटना

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. उज्जैन, मध्य प्रदेश में जन शिक्षण संस्थान का मूल्यांकन अध्ययन।
2. सिल्चर, असम में जन शिक्षण संस्थान का मूल्यांकन।
3. सिलीगुडी, पश्चिम बंगाल, में समग्र साक्षरता अभियान (टी.एल.सी.) का बाह्य मूल्यांकन।
4. जिला जलपाईगुडी, पश्चिम बंगाल में साक्षरता-पश्चात कार्यक्रमों का बाह्य मूल्यांकन।
5. मुसाहार : एक समाजार्थिक अध्ययन।
6. सिलिगुडी, पश्चिम बंगाल में टी.एल.सी. का एक मूल्यांकन।
7. बिहार के चार जिलों में बाल श्रमिकों का एक अध्ययन।
8. बिहार के झाडूकश, नई दिल्ली।
9. सर्व शिक्षा अभियान : पूर्व चम्पारण, बिहार, के अन्तर्गत नैदानिक अध्ययन।
10. "चारका" (क्षमता निर्माण और जागरूकता के माध्यम से समन्वित एच.आई.वी./एड्स प्रतिक्रिया) के अन्तर्गत जिला स्थिति संबंधी विश्लेषण, किशनगंज, बिहार।

चल रही परियोजनाएं

1. जिला बलिया, उत्तर प्रदेश में साक्षरता-पश्चात अभियान का बाह्य मूल्यांकन।
2. बिहार राज्य में एच.आई.वी./एड्स का सामाजिक चित्रण।
3. उत्तरी बिहार के एक जिले में बन्धुआ मजदूरों का एक अध्ययन।
4. जनजातियों का संधारणीय विकास : सौरिआ पहाड़ियों का एक अध्ययन।
5. प्रेरित विकास के प्रभाव के संबंध में मूल्यांकन अध्ययन।
6. नालन्दा जिले में "कपार्ट" का मूल्यांकन।
7. बिहार में स्कूल विकेन्द्रीकरण और इसके सह-संबंधों के बारे में एक बहु-केन्द्रीय अध्ययन।
8. बिहार और झारखण्ड राज्य में सेवा-पूर्व अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम के बारे में बहु-केन्द्रीय अध्ययन।
9. समाजार्थिक सर्वेक्षण तथा पुनर्वास कार्रवाई योजना: जिला भोजपुर, बिहार में अकौना ग्राम का एक अध्ययन।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/संगोष्ठी

संकाय सदस्यों ने चौदह पत्र प्रस्तुत किए तथा पचास सेमिनारों, सम्मेलनों आदि में भाग लिया।

पी.एच.डी. कार्यक्रम

दो पी.एच.डी. अध्येताओं ने अपना शोध कार्य पूरा कर लिया। एक अध्येता अपना उत्तर डाक्टोरल शोध कार्य जारी रखे हुए है। बारह अध्येता अपना पी.एच.डी. का कार्य कर रहे हैं।

पुस्तकें

1. "डायनेमिक्स आफ ट्राइबल डवलपमेंट", एस. नारायण, ज्ञान पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
2. "प्रोटेक्टिव डिस्क्रिमिनेशन : आईडियोलाजी एण्ड प्रक्सिस", ए.के. लाल, कन्सेप्ट पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली।

लेख

इस अवधि के दौरान संकाय सदस्यों ने चौदह लेख प्रकाशित किए।

पुस्तकालय

इस समय पुस्तकालय में 58,000 से अधिक जिल्दबंधी पत्रिकाएं और पत्र हैं। इसके अलावा, स्टाक में 92 माइक्रो फिल्में हैं। ब्रिटिश काउन्सिल ने ओ.डी.ए. पुस्तक प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत 2000 पुस्तकें भेंट की। पुस्तकालय को भा.सा.वि.अ. परिषद ने 195 खण्ड भेंट किए।

कम्प्यूटर केन्द्र

संस्थान का एक सुसंगठित व तकनीकी रूप से सज्जित कम्प्यूटर केन्द्र है जो संस्थान के संकाय सदस्यों तथा क्षेत्र के अन्य अध्येताओं को पूर्ण डाटा प्रसंस्करण सुविधाएं प्रदान करता है। यह संस्थान, भा.सा.वि.अ.प. समर्थित अनुसंधान अध्येताओं को कम्प्यूटर डाटा नेटवर्क उपलब्ध कराने के वास्ते भा.सा.वि.अ.प. का एक मान्यता प्राप्त अनुसंधान केन्द्र है।

निधियाँ (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियाँ	राशि
प्रारम्भ में शेष	35,72,764.00	वेतन और भत्ते	68,57,259.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान (योजनेतर)	55,00,000.00	मुद्रण और लेखन सामग्री	23,170.00
		अनुरक्षण	1,94,933.00
भा.सा.वि.अ.प. से योजनागत आवर्ती अनुदान	15,00,000.00	सवारी	7,661.00
		पुस्तकालय	81,485.00
बिहार सरकार से अनुदान	50,00,000.00	डाकखर्च और टेलीफोन	39,629.00
आन्तरिक स्रोतों से प्राप्तियां	2,58,285.00	वार्षिक दिवस	5,540.00
		सेमिनार/सम्मेलन/बैठकें	31,000.00
		विद्युत प्रभार	1,15,710.00
		आडिट फीस व अन्य विधिक प्रभार	31,860.00
		निगम कर	8,60,000.00
		विविध	29,358.00
		आय की अधिकता	75,53,444.00
जोड़	**1,58,31,049.00**	**जोड़**	**1,58,31,049.00**

डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर राष्ट्रीय समाज विज्ञान संस्थान, महू (म.प्र.)

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. स्वतंत्रता-पश्चात भारत में अनुसूचित जातियों की आकांक्षाएं और उपलब्धियां : मध्य प्रदेश में एक अध्ययन।
2. मध्य प्रदेश में असंगठित श्रमिकों के संबंध में आयोजित अनुसंधान का सार।
3. मध्य प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में पेड़ काटने को रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा उपाय।

चल रही परियोजनाएं

1. मध्य प्रदेश के इन्दोर, सेहोर, राजगढ़ और डाबरा नगरों के झाडूकशों के बीच व्यावसायिक गतिशीलता और सामाजिक परिवर्तन।
2. छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के क्षेत्र में गरीबी दूर करने में आई.आर.डी.पी. की भूमिका।
3. मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल में अनुसूचित जातियों के विकास और सशक्तिकरण पर नवीन पंचायती राज के प्रभाव का अध्ययन।
4. विशेष संघटक योजना का निर्माण और कार्यान्वयन तथा मध्य प्रदेश की अनुसूचित जातियों पर इसके प्रभाव का एक मूल्यांकन अध्ययन।
5. मध्य प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, गुजरात और उड़ीसा में

पांचवें अनुसूचित क्षेत्र में चुने हुए प्रतिनिधियों की प्रशिक्षण जरूरतों का मूल्यांकन।

6. गुजरात में अनुसूचित जातियों के छात्रों की मैट्रिक-पश्चात छात्रवृत्तियों की स्कीम का मूल्यांकन अध्ययन।
7. जाति पद्धति में परिवर्तन के प्रति सतत विरोध : मध्य प्रदेश के मामला क्षेत्र में परिचय सम्मेलनों और सामूहिक विवाहों का एक अध्ययन।
8. बौद्ध और गैर-बौद्ध अनुसूचित जातियों के बीच बदलते मूल्य (मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र के विशेष संदर्भ में)।
9. मध्य प्रदेश और कर्नाटक में "झाडूकशों की मुक्ति" स्कीम के अन्तर्गत झाडूकशों के पुनर्वास का एक समालोचनात्मक विश्लेषण।
10. तमिलनाडु के विशेष संदर्भ में अनुसूचित जातियों के विकास के लिए विशेष संघटक योजना हेतु केन्द्रीय सहायता के उपयोग के संबंध में एक मूल्यांकन अध्ययन।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

1. अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की समस्याओं के प्रति सरकारी अधिकारियों को संवेदी बनाना।
2. अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के प्रति पुलिस कर्मियों को संवेदी बनाने के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम।
3. भारतीय सोसायटी में सामाजिक परिवर्तन की प्रवृत्तियों पर कार्यशाला।
4. "डॉ. अम्बेडकर के लेखों की समीक्षा" पर संगोष्ठी।
5. सोसायटी और धर्म के संबंध में डॉ. अम्बेडकर की दृष्टि पर संगोष्ठी।
6. अनुसंधान रीतिविज्ञान तथा समाज विज्ञान डाटा प्रसंस्करण में कम्प्यूटर अनुप्रयोग में भा.सा.वि.अ.प. का 12 दिन का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।
7. झाडूकशों के विशेष संदर्भ में "मानव अधिकारों की बहाली तथा दलितों का सम्मान" पर राष्ट्रीय सेमिनार।
8. अनुसूचित जाति, पिछड़े वर्ग व अल्पसंख्यकों के उम्मीदवारों को मार्च-मई 2002 के दौरान संस्थान में निःशुल्क आई.ए.एस. प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

व्याख्यान

संस्थान की व्याख्यानमाला के अन्तर्गत 6 व्याख्यान आयोजित किए गए।

उपरोक्त के अलावा, संकाय सदस्यों ने आलोच्य अवधि के दौरान लगभग 100 सम्मेलनों में भाग लिया/व्याख्यान दिए।

पी.एच.डी. कार्यक्रम

वर्ष 2002-2003 के दौरान 11 शोध छात्रों को पी.एच.डी. डिग्री प्रदान की गई।

अवार्ड/सम्मान

1. प्रोफेसर आर.जी.सिंह को म.प्र. विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल का डॉ. एच.एस. गौड़ अवार्ड 2000 प्रदान किया गया।
2. श्री आर.डी. मौर्य को दलित साहित्य अकादमी, उज्जैन द्वारा "विशिष्ट सेवा सम्मान" से सम्मानित किया गया।

पुस्तकें

1. आर.जी. सिंह, "महात्मा ज्योति राव फुले"।
2. आर.जी. सिंह, "भारत में सामाजिक परिवर्तन की दिशाएं"।

संस्थान की पत्रिकाएं/न्यूजलैटर

- "अम्बेडकर जरनल आफ सोशल डवलपमेंट एण्ड जस्टिस" (पत्रिका) 2002।
- "डॉ अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका"।
- बी.ए.एन.आई.एस.एस. न्यूजलैटर (त्रैमासिक)।
- रीसर्च एब्सट्रेक्ट्स ("एब्सट्रेक्ट्स आफ रीसर्च प्रोजेक्ट्स" 1999-2002 के दौरान पूरे हो गए)।

संकाय सदस्यों ने वर्ष के दौरान सात लेख प्रकाशित किए।

कम्प्यूटर केन्द्र

वर्तमान वित्त वर्ष के दौरान (2002-2003), भा.सा.वि.अ.प. से आनुपातिक अनुदान के आधार पर, सात पेन्टियम, चार कम्प्यूटर तथा तीन लेज़र प्रिन्टर खरीदे गए। उन्हें उन्न बनाया गया तथा एक पेन्टियम चार, 3420 एच.पी.प्रिन्टर के साथ, तथा एक वेब केमरा भा.सा.वि.अ.प. द्वारा प्रदान किया गया।

महात्मा फुले पुस्तकालय

संस्थान का महात्मा फुले पुस्तकालय फिलहाल 181 पत्र-पत्रिकाएं और समाचार पत्र मंगा रहा है जिनमें 29 विदेशी पत्रिकाएं सम्मिलित हैं। वर्तमान वित्त वर्ष के दौरान 588 पुस्तकें खरीदी गईं तथा 171 पुस्तकें निःशुल्क प्रतियों के रूप में प्राप्त हुईं।

निधियाँ (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियाँ	राशि
प्रारम्भ में शेष	31,48,399.00	वेतन	26,92,482.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान (योजागत)	13,00,000.00	किराया, कर और बीमा प्रीमियम	1,49,334.00
		डाकखर्च और टेलीफोन	3,30,834.00
म.प्र. राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान	3,10,00,000.00	मुद्रण तथा लेखन सामग्री	1,15,697.00
प्राप्त ब्याज	37,972.00	यात्रा व्यय	7,68,354.00
स्वयं के स्रोत	16,15,257.00	अनुरक्षण	8,66,766.00
विविध प्राप्तियां	2,01,559.00	समाचार पत्र/पत्रिकाएं/मेगजीन/ पुस्तकें/प्रकाशन/विज्ञापन	4,99,221.00
विगत वर्ष के लेनदार	9,68,950.00		
लेनदार (क्रेडिटर्स)	4,94,236.00	अध्येतावृत्तियां/कार्यक्रम/परियोजनाएं	33,20,031.00
		विद्युत और जल प्रभार	6,58,865.00
		सेमिनार/कार्यशालाएं/व्याख्यान	26,943.00
		आडिट व अन्य फीस	1,99,831.00
		विविध व्यय	3,86,357.00
		बैंक प्रभार	8,667.00
		भवन और फर्नीचर	54,36,633.00
		लेनदार (डेटर्स)	5,05,610.00
		पिछले वर्ष के देनदार (क्रेडिटर्स)	8,66,516.00
		शेष	1,09,34,242.00
जोड़	**3,87,66,373.00**	**जोड़**	**3,87,66,373.00**

विकास अध्ययन केन्द्र, तिरुवनन्तपुरम

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. केरल : विकास का भ्रामक उत्तम चक्र।
2. केरल के लिए ए.डी.बी. ऋण : विपरीत निहितार्थ और विकल्पों की खोज।
3. सामान्य का आशीर्वाद : लघु पैमाने पर मत्स्य पालन, सामुदायिक सम्पत्ति अधिकार और तटीय प्राकृतिक परिसम्पत्तियां।
4. पेय जल और भारत में कल्याण : डाटा सामग्री विश्लेषण।
5. भारत में गरीबी का उदारीकरण।
6. पूंजी आप्रवाहों का उदारीकरण और भारत में वास्तविक विनिमय दर : एक वी.ए.आर. विश्लेषण।
7. क्या बेहतर, पुनर्जनन स्वास्थ्य स्तर का अर्थ निम्न उर्वरता स्तर है? एशियाई देशों से साक्ष्य।
8. मृत्यु दर में यौन विभेदक की तुलना : क्या सरल अनुपात संगत है?
9. आयु संरचनात्मक संक्रमण और आर्थिक विकास: दक्षिण तथा दक्षिण-पूर्व एशिया में साक्ष्य।
10. सिंगापुर में उर्वरता संक्रमण का अन्त।
11. सिंगापुर के संबंध में सम्भाव्य मृत्यु दर अनुमान।
12. सिंगापुर में प्रौढ़ मृत्यु दर के स्तर, पद्धतियां तथा विभेदक।
13. परिवार संरचना, महिलाओं की शिक्षा और महिलाओं का कार्य : केरल में महिलाओं की ऊंची स्थिति पर पुनर्विचार।
14. केरल में लिंग और विकास के संबंध में डाटा।
15. भारत में महिलाओं का कार्य, इसकी बदलती पद्धति तथा नीतिगत हस्तक्षेप : कुछ नवीनतम घटनाएं।

16. घरेलू हिंसा रोकने में अधिकार-आधारित नीतियां।
17. भारत में दम्पत्ति हिंसा : क्या महिलाओं की सम्पत्ति स्थिति से कोई प्रभाव पड़ता है?
18. इरनाकुलम पर पुनर्विचार : भारत में प्रथम समग्रता साक्षर जिले में साक्षरता का एक अध्ययन।
19. परोपकार से आगे : केरल में राकफेलर फाउन्डेशन सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप, 1929-1940।
20. वैश्विकरण तथा भारत में प्रौद्योगिकीय परिवर्तन के संदर्भ में व्यावसायिक शिक्षा।
21. फर्मों का आकार, विकास और गतिशीलता।
22. भारतीय विनिर्माण उद्योग में फर्मों का आकार, विकास और गतिशीलता : खाद्य उत्पादों का एक मामला अध्ययन।
23. 1990 के दशक में भारतीय उद्योग में विकास और वितरण।
24. आर्थिक सुधार और औद्योगिक निष्पादन : भारतीय पूंजीगत वस्तु उद्योगों से साक्ष्य।
25. भारतीय विनिर्माण उद्योगों में आर्थिक सुधार और प्रतियोगिता।
26. भारत में विलयन लहर के नवीनतम चरण को समझने की दिशा में : एक तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य।
27. उभरते बाजारों में प्रवेश नीति : ए.बी.एन-अग्रो इण्डिया का एक मामला अध्ययन।
28. भारत में एफ.डी.आई. का सर्वेक्षण।
29. आर्थिक सुधार की राजनीति पर सुधार-भिन्न को लाभ और लागतों के वितरण का प्रभाव : 1996 और 2000 के बीच केरल में विद्युत क्षेत्रक सधारों का एक मामला अध्ययन।
30. केरल में विद्युत परियोजनाओं के समय और लागत में वृद्धि।
31. भारतीय विद्युत क्षेत्रक – अकार्यकुशलता का निदान।
32. केरल में विद्युत संकट।
33. शीर्ष लोड (भार) कीमत पद्धति का योगदान - सिद्धान्त और अनुप्रयोग।
34. फ्रेमिंग प्रथा, निर्देशन प्रथाएं : उन्नीसवीं शताब्दी मलाबार में उपनिवेशीय कानून के तहत प्राधिकार, सम्पत्ति और मातृकुलीनता।
35. पितृत्व के आधार में बदलाव : बीसवीं शताब्दी मलाबार में पूर्व में मातृकुलीनता, पुरुष और विवाह।
36. मुक्ति के रूप से परिवार नियोजन : केरल में जीवविज्ञान से छुटकारा"।
37. मलयालियों का घरेलूकरण : बीसवीं शताब्दी, केरल में परिवार नियोजन, राष्ट्र और गृह-केन्द्रित उत्सुकताएं।
38. रामबाण के रूप में परिवार नियोजन : स्वतंत्रता-पश्चात केरल में विकासात्मक तथा उप-राष्ट्रीय उत्सुकताएं।
39. महिलाओं का इतिहास अथवा लुप्तता का इतिहास? केरल में स्त्री-पुरुष पर प्रतिक्रियाएं और इतिहास लेखन।
40. विकास से जुड़े लोग : आधुनिक मलयाली अभिज्ञान में विकासवाद।
41. महत्वपूर्ण बहिनवाद का निर्माण : केरल में महिला आन्दोलन हेतु संचार में चुनौतियां।
42. ज्ञान सृजन और उपयोग : केरल अनुसंधान कार्यक्रम से पाठ।
43. केरल में नीति-आधारित ऋण का निर्धनता प्रभाव मूल्यांकन।

चल रही परियोजनाएं

1. मुथंगा : वास्तविक कहानी।
2. अनन्य के रूप में विकास : केरल में आदिवासी स्रोत संघर्ष की राजनीतिक अर्थव्यवस्था।
3. केरल के लिए वैकल्पिक विकास नीति।
4. तटीय तथा समुद्रीय संसाधन प्रबंधन का आर्थिक और वित्तीय विश्लेषण तथा दक्षिण एशिया में गरीबी में कमी।
5. लुप्त व्यापार का मामला : व्यापार सुधार के पश्चात भारतीय निर्यात।
6. व्यापार सुधारों से किसको लाभ होता है?
7. भारत में वास्तविक विनिमय दर आचरण : वास्तविक तथा मौद्रिक निर्धारकों की भूमिका।
8. आयु संरचना संक्रमण, बचत और आर्थिक विकास: भारत के साक्ष्य।
9. आधुनिक पितृसत्ता और महिलाओं की एजेन्सी : केरल में सामाजिक विकास की एक मीमांसा।
10. केरल में लिंग और भू-अधिकार : आनुभाविक मुद्दे।
11. केरल में बच्चों के विरुद्ध हिंसा के सह-संबंध।
12. महिलाओं की सम्पत्ति स्थिति और स्वायत्तता : केरल का मामला।

13. क्या केरल में स्त्री-पुरुष अनुपात बालिकाओं के प्रतिकूल बदल रहा है?
14. स्वास्थ्य में असमानताएं और भारत में स्वास्थ्य देख-रेख उपयोग : एन.एफ.एच.एस-1 और एन.एफ.एच.एस-2 सर्वेक्षणों से साक्ष्य।
15. भारत में मेडिकल शिक्षा का लागत विश्लेषण।
16. भारत में उपचार का बोझ : एन.एस.एस. सर्वेक्षण 42वें और 52वें चक्र से साक्ष्य।
17. राज्य, सोसायटी और औषधि : केरल में स्वास्थ्य देखरेख सेवाओं का विकास 1801-1951।
18. प्रौढ़ शिक्षा में परिवर्तन के बल और मूल्य कहां से उत्पन्न होते हैं? केरल, भारत के अनुभव की जांच।
19. संकेन्द्रण और बाजार संरचना : कमजोर प्रतिद्वन्दिता के साथ प्रमुख वर्ग का एक अध्ययन।
20. भारतीय फर्मों का प्रवेश, विकास और निर्गमन : औद्योगिक जनांकिकी का एक अध्ययन।
21. भारतीय उद्योग में लाभप्रदता।
22. एम.एफ.ए.-पश्चात व्यवस्था अवधि के दौरान सार्क देशों से कपड़े और वस्त्र निर्यात की समस्याएं और संभावनाएं।
23. विद्युत पद्धति की निकासी दर का अधिकतम सम्भावना अनुमान।
24. मार्कोव चेन माडल का अनुमान और सतत राज्य सम्भाव्यता।
25. केरल विद्युत उत्पादन पद्धति का विश्वसनीयता विश्लेषण।
26. अनिश्चितता के अन्तर्गत विद्युत कीमत पद्धति।
27. इर्द-गिर्द के श्रमिक : दक्षिणी भारत में बागान में दलित श्रमिकों का प्रेक्षपक पथ, सी.1820-2001।
28. दक्षिण एशिया में प्रकृति आधारित पर्यटन का अर्थशास्त्र।
29. पश्चिमी घाटों में समाधान नीतियां : आर्थिक वैश्विकरण का भय और अवसर तथा राज्य विकेन्द्रकरण।
30. उद्‌भव के सामन्जस्यपूर्ण नियमों के संबंध में डब्ल्यु. टी.ओ. प्रस्ताव : दक्षिण एशियाई दृष्टिकोण से एक विश्लेषण।
31. केरल में राज्य प्रायोजित कृत्रिम जन्म नियंत्रण हेतु सार्वजनिक सम्मति का विनिर्माण, 1930-1970।
32. उत्तर केरल में लिंग, परिवार और सम्पत्ति अधिकार: समकालीन प्रवृत्तियों की एक जांच।
33. वैश्विकरण के संदर्भ में लिंग, बाजार और आजीविका: दक्षिण भारत में काजू क्षेत्र का अध्ययन।
34. त्रिवेन्द्रम जिले की चुनिन्दा पंचायतों में पंचायत बजटों का लिंग विश्लेषण।
35. केरल, भारत में स्वास्थ्य देख-रेख और बुनियादी न्यूनतम सेवाओं की सुलभता: कार्रवाई-अनुसंधान पहल।
36. आर्थिक सुधार, औद्योगिक संरचना और नवीनीकरण।
37. नीतिगत व्यवस्था तथा भारतीय विनिर्माण में अर्थव्यवस्था का पैमाना।

पी.एच.डी. कार्यक्रम

तीन अध्येताओं को इस वर्ष पी.एच.डी. प्रदान की गई। इस समय 34 अध्येता नामजद हैं।

अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

केन्द्र, सिविल सेवकों, स्वास्थ्य व्यावसायिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, विश्वविद्यालय शिक्षकों और अनुसंधानकर्ताओं के लिए अल्पावधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। जनगणना प्रचालन निदेशालय के अन्दर जनगणना अधिकारियों के लिए तीन सप्ताह का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सी.डी.एस. - सेवा - आई.एस.एस. 3 मास का डिप्लोमा कार्यक्रम

निर्धनों के लिए सर्वसुलभ समाजार्थिक सुरक्षा के संबंध में तीन मास का डिप्लोमा कार्यक्रम, सी.डी.एस., त्रिवेन्द्रम, सामाजिक अध्ययन संस्थान (आई.एस.एस.), दि हेग और "सेवा" अहमदाबाद के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 15 छात्रों ने भाग लिया जो भारत के अलावा चीन, नेपाल, श्रीलंका, बंगलादेश और इण्डोनेशिया से सामाजिक कार्यकर्ता, अधिकारीगण और अनुसंधानकर्ता थे।

सार्वजनिक व्याख्यान

केरल ऐतिहासिक अनुसंधान केन्द्र के सहयोग से न्यास द्वारा प्रदान किए गए अनुदान की आंशिक सहायता से 31 दिसम्बर 2002 से डॉ. डेविड वाशबुक, आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यू. के. द्वारा "भारत के इतिहास में आधुनिकता से निपटना" नामक एक सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किया।

पुस्तकें

1. के.पी. कन्नन और एन. विजयमोहन पिल्लई (2202),

"प्लाइट आफ पावर सेक्टर इन इण्डिया- इनएफीसिएन्सी, रिफोर्म एण्ड पालिसी इकोनोमी", विनिबंध श्रृंखला, विकास अध्ययन केन्द्र, तिरुवनन्तपुरम।

2. जान कुरिअन (2002), "पीपिल एण्ड दि सी : ए ट्रापिकल मेजोरिटी वर्ल्ड पर्सपेक्टिव", "मारे" पब्लिकेशन्स, अमस्टरडम।

3. के.सी. जकारिया, के.पी. कन्नन और एस. इरुदय राजन (2002), "केरल गल्फ कनेक्शन : सी.डी. एस. स्ट्डीज आन इन्टरनेशनल लेबर माइग्रेशन फ्राम केरल स्टेट इन इण्डिया", विनिबंध श्रृंखला, विकास अध्ययन केन्द्र, तिरुवनन्तपुरम।

पत्रिका लेख

आलोच्य वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 41 लेख और 16 कार्य पत्र प्रकाशित किए गए।

सेमिनार और कार्यशालाएं

संस्थान के संकाय सदस्यों ने वर्ष के दौरान 104 कार्यशालाएं, सम्मेलन, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किए/उनमें भाग लिया/पत्र प्रस्तुत किए।

इलेक्ट्रानिक डाटाबेस केन्द्र

पुस्तकालय में उपयोगकर्ताओं के लिए आनलाइन और आफ-लाइन इलेक्ट्रपनिक डाटाबेस सुविधाएं प्रदान कीं। इनमें विभिन्न सूचना सेवा प्रदाताओं से ग्रन्थसूचीय व पूर्ण पाठ तथा सांख्यिकीय डाटाबेस - दोनों शामिल हैं। व्यापक रूप से प्रयोग किए जाने वाला "आन-लाइन स्टेटिस्टिकल डाटाबेस इण्डिया स्टेट.काम" का चन्दा नवीकृत किया गया।

निधियाँ (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियाँ	राशि
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान	95,00,000.00	वेतन और भत्ते	1,37,80,000.00
योजना-भिन्न		भ्रमणकारी फैलो/विद्वान	2,04,000.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान	30,00,000.00	स्टाफ लाभ	27,23,000.00
योजनागत आवर्ती		अनुरक्षण	10,02,000.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान	3,00,000.00	बिजली और पानी	8,37,000.00
योजनागत अनावर्ती		टेलीफोन और टेलेक्स	2,31,000.00
केरल सरकार से अनुदान	53,90,000.00	डाकखर्च	2,12,000.00
योजनेतर		अध्येतावृत्तियां	4,93,000.00
केरल सरकार से अनुदान	36,00,000.00	अनुसंधान सहायता	79,000.00
योजनागत		मुद्रण, लेखन सामग्री और	
स्वयं के स्रोत	24,00,000.00	प्रकाशन	3,92,000.00
आन्तरिक आय	9,69,000.00	यात्रा खर्च	20,91,000.00
		भवन/भूमि/स्टाफ प्रशिक्षण	22,04,000.00
		आदि पर अनावर्ती खर्च	
		आय की अधिकता	3,81,000.00
जोड़	**2,51,59,000.00**	**जोड़**	**2,51,59,000.00**

आर्थिक और सामाजिक अध्ययन केन्द्र, हैदराबाद

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. आन्ध्र प्रदेश जिला निर्धनता पहल परियोजना (ए.पी. डी.पी.आई.पी.) : संधारणीय आजीविका फ्रेमवर्क में बेसलाइन सर्वेक्षण।
2. पर्यावरणीय अवनयन : बाजार, संस्थात्मक तथा नीति असफलताएं : आन्ध्र प्रदेश में जल संसाधनों का मामला।
3. वाटरशेड आधारित आजीविका दृष्टिकोण : आन्ध्र प्रदेश में एक नीतिगत कार्रवाई अनुसंधान कार्यक्रम – चरण दो।
4. आन्ध्र प्रदेश, भारत में स्वास्थ्य और विकेन्द्रीकरण।
5. राज्य स्तर पर वित्त : आन्ध्र प्रदेश का एक मामला अध्ययन।
6. आन्ध्र प्रदेश वित्त : सरकारी वित्त पर नियंत्रण।
7. भारत और बंगलादेश में उर्वरता ह्रास के कारण: एक जांच।
8. आन्ध्र प्रदेश में निर्धनता उपशमन कार्यक्रम।

चल रही परियोजनाएं

1. भारत में खाद्य का अधिकार।
2. संधारणीय कृषि हेतु वाटरशेड विकास।
3. वाटरशेड आधारित आजीविका दृष्टिकोण : आन्ध्र प्रदेश में एक नीति अनुसंधान कार्यक्रम – चरण–तीन।
4. सिंचाई प्रणालियों का औपचारिकरण : आन्ध्र प्रदेश में जल उपभोक्ता एसोसिएशनों का एक अध्ययन।
5. दक्षिण एशिया में स्वास्थ्य क्षेत्रक नीतियों में बदलाव का मानीटरन।
6. आन्ध्र प्रदेश में मातृत्व मृत्यु और रुग्णता के संबंध में अध्ययन।
7. भारत में गरीबों के लिए स्वास्थ्य बीमा के प्रति नए संस्थात्मक तथा आर्थिक दृष्टिकोण।
8. आन्ध्र प्रदेश में मातृ रुग्णता।
9. ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी–रोधी कार्यक्रमों का प्रभाव।
10. मुसुरुमिलि जलाशय स्कीम, पूर्व गोदावरी जिला, आन्ध्र प्रदेश की पुनर्वास और पुनरुद्धार (आर एण्ड आर) तथा सी.ए.डी. योजना।
11. सुरमपालेम जलाशय स्कीम, पूर्व गोदावरी जिला, आन्ध्र प्रदेश की पुनर्वास और पुनरुद्धार (आर एण्ड आर) तथा सी.ए.डी. योजना।
12. पंचायती राज संस्थाओं का कार्यकरण और निर्धनों पर इसका प्रभाव।
13. बाजारों का विस्तार तथा महिला कामगार : हैदराबाद में राजकीय विनिर्माण इकाइयों का एक मामला अध्ययन।
14. महिला स्वयंसेवी समूह और निर्धनता।
15. आन्ध्र प्रदेश जिला निर्धनता पहल परियोजना (ए.पी. डी.पी.आई.पी.) : संधारणीय आजीविका फ्रेमवर्क में परिवर्तन बीजों की प्रभावशालिता।
16. जिला निर्धनता पहल परियोजना (ए.पी.डी.पी.आई. पी.) : मध्यावधि प्रभाव अध्ययन।
17. युवा जीवन : बाल निर्धनता के संबंध में एक अन्तर्राष्ट्रीय परियोजना।
18. आन्ध्र प्रदेश ग्रामीण निर्धनता कटौती कार्यक्रम (ए. पी.आर.पी.आर.पी.) : बेसलाइन और प्रभाव विलेषण।
19. सार्वजनिक नीति प्रक्रियाओं का तुलनात्मक अध्ययन।
20. आजीविका विकल्प।

सेमिनार/सम्मेलन/व्याख्यान/कार्यशालाएं/वार्ताएं/प्रमुख अभिभाषण

तीन सेमिनार और एक कार्यशाला आयोजित की गई। इनके अलावा विभिन्न सेमिनारों, सम्मेलनों, व्याख्यानों, कार्यशालाओं, वार्ताओं/प्रमुख अभिभाषणों में 51 पत्र प्रस्तुत किए गए।

1. स्मारक व्याख्यान

आठवां डॉ. वहीदुद्दीन खान स्मारक व्याख्यान, अर्जुन के. सेनगुप्ता, पूर्व सदस्य-सचिव, योजना आयोग ने, 8 अगस्त 2002 को सी.ई.एस.एस. पर ''अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार के रूप में विकास'' विषय पर दिया। डॉ. वहीदुद्दीन खान, सी.ई.एस.एस. के संस्थापक निदेशक थे जिनकी स्मृति में प्रत्येक वर्ष किसी प्रख्यात समाज विज्ञानी द्वारा व्याख्यान दिया जाता है।

लेख

संकाय सदस्यों ने 42 लेख प्रकाशित किए।

कार्य पत्र

संस्थान के संकाय द्वारा तीन कार्य पत्र प्रकाशित किए गए।

अनुसंधान कार्यक्रम

आलोच्य अवधि के दौरान दो अध्येताओं को पी.एच.डी. डिग्री प्रदान की गई तथा एक अध्येता को एम.फिल. डिग्री प्रदान की गई। चार अध्येताओं ने अपना पी.एच.डी. शोध निबंध प्रस्तुत कर दिया तथा तीन अध्येताओं ने इस अवधि के दौरान अपना एम.फिल. शोध निबंध प्रस्तुत कर दिया।

निधियाँ (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियाँ	राशि
आन्ध्र प्रदेश सरकार	15,00,000.00	वेतन, पी.एफ. और पुस्तकालय	8,00,082.05
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान		पत्रिकाओं के लिए चन्दा	
(योजना-भिन्न)	42,00,000.000	स्थापना व्यय	40,31,497.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान		पुस्तकालय	2,05,368.40
(योजनानगत आवर्ती)	9,00,000.00	अनुसंधान कार्यकलाप	3,48,997.20
अनुसंधान विकास अनुदान	13,54,623.00	कम्प्यूटी और कार्टोग्राफी	
प्राप्त अनुदान की तुलना में		यूनिट व्यय	1,68,830.00
व्यय की अधिकता	32,203.01	कैम्पस अनुरक्षण	3,11,895.85
		अचल परिसम्पत्तियों का	
		अनुरक्षण	1,65,715.41
		आकस्मिकताएं	4,50,802.95
		बोर्ड/ई.सी. व्यय	62,286.00
		अनुसंधान विकास अनुदान	13,60,137.15
		फर्नीचर तथा फिक्सर्स	83,214.00
जोड़	**79,86,826.01**	**जोड़**	**79,86,826.01**

बहु-विषयक विकास अनुसंधान केन्द्र, धारवाड़

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. पर्यावरणीय अर्थशास्त्र में मामला अध्ययन।
2. जवै-विविधता का अर्थशास्त्र और मूल्यांकन।
3. व्यापार और पर्यावरण : सार्क देशों में संयोजन, संघर्ष और संभावनाएं।
4. सामान्य सम्पत्ति संसाधन : भारत में सिद्धान्त और अभ्यास पर प्रतिक्रियाएं।
5. शैक्षिक डाटा बैंक : बुलेटिन नं. 1 – प्रारम्भिक शिक्षा।
6. जैव-विविधता पर ग्रन्थसूची।

चल रही परियोनाएं

1. भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र पर आर्थिक सुधारों का प्रभाव।
2. भारत में तम्बाकू उत्पादकों के लिए सब्सिडी : एक आनुभाविक अध्ययन।

3. प्राचीन भारतीय साहित्य में दीक्षान्त अभिभाषणों के संबंध में एक अध्ययन।
4. i) कर्नाटक की पर्यावरणीय रिपोर्ट की स्थिति – जल संसाधन।

   ii) कर्नाटक की पर्यावरण रिपोर्ट की स्थिति – ग्राम और शहरी पेय जल आपूर्ति और स्वच्छता।

   iii) कर्नाटक की पर्यावरण रिपोर्ट की स्थिति – आर्थिक साधन।
5. आय असमानता और पर्यावरणीय वस्तुओं की मांग : तीन जनजातीय अर्थव्यवस्थाओं में एक सिंचाई परियोजना के वितरण प्रभावों का विश्लेषण।
6. सूखे का भार और प्रभाव : कर्नाटक के लिए सूखा प्रभाव अध्ययन।
7. कर्नाटक में प्राकृतिक संसाधन लेखांकन : भूमि और वानिकी (खनन को छोड़कर) क्षेत्रक का एक अध्ययन।

सेमिनार/प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. पर्यावरणीय अर्थशास्त्र पर प्रशिक्षण कार्यक्रम 23.9.2002 से 28.9.2002 तक आयोजित किया गया।
2. भारत में आर्थिक सुधारों और स्वास्थ्य क्षेत्रक के संबंध में चल रही परियोजना के संबंध में सेमिनार 11–12 फरवरी 2003 को आयोजित किया गया।

पी.एच.डी. कार्यक्रम

इस अवधि के दौरान एक अध्येता को पी.एच.डी. प्रदान की गई। एक अध्येता ने अपना शोध निबन्ध प्रस्तुत कर दिया तथा सात छात्र अपनी पी.एच.डी. के लिए कार्यरत थे।

पुस्तकें

1. ''शिखरोग्याशास्त्रम'', डॉ. पी.आर. पंचमुखी द्वारा।

   उपरोक्त के अलावा, संकाय सदस्यों ने वर्ष के दौरान 14 विनिबंध/मिमियोग्राफ प्रकाशित किए।

निधियाँ (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियाँ	राशि
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान		वेतन	24,33,000.00
योजनेतर	8,00,000.000	पुस्तकालय	1,68,000.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान–		मुद्रण और लेखन सामग्री	73,000.00
योजनानगत आवर्ती	18,00,000.00	अनुसंधान अवस्थापना तथा	
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान		सामग्री प्रकाशन	1,95,000.00
योजनागत अनावर्ती	22,00,000.00	डाकखर्च और टेलीफान	65,000.00
केन्द्र के स्वयं के स्रोत, दान		यात्रा और क्षेत्र व्यय	32,000.00
ब्याज आय व अन्य स्रोतों सहित	23,08,000.00	वाहनों का अनुरक्षण	36,000.00
		कैम्पस अनुरक्षण	92,000.00
		आकस्मिकता	14,000.00
		आय की अधिकता	40,00,000.00
जोड़	71,08,000.00	जोड़	71,08,000.00

नीति अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. राजनीतिक सुधार।
2. भारतीय इस्पात 2025।
3. परमाणु अस्त्र और भारतीय सुरक्षा।
4. क्षेत्रीय सहयोग हेतु भारतीय महासागर क्षेत्र एसोसिएशन के देशों के बीच व्यापार और आर्थिक सहयोग।
5. बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के विशेष संदर्भ में जनसंख्या नीति के संबंध में राष्ट्रीय और राज्य नीति निर्माताओं को जुटाना।
6. अच्छा शासन और विकास नीतियां : उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र का एक तुलनात्मक अध्ययन।

चल रही परियोजनाएं

1. भारत का संविधान : एक विनिश्चित संधि-पत्र।
2. भारत-2025।
3. भारत की सुरक्षा के लिए आन्तरिक खतरे।
4. i) यू.एन.डी.पी., न्युयार्क के लिए विकास निगम के संबंध में नए माडल।

   ii) मानव विकास रिपोर्ट के लिए विश्व अर्थ-व्यवस्था में वित्त प्रबंधन।

   iii) मानव विकास रिपोर्ट - 2000, मानव विकास और मानव अधिकारों के विषय पर।

   iv) विकास के अधिकार पर संयुक्त राष्ट्र मानव अधिकार आयोग, जेनेवा की रिपोर्ट।

   v) भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास और आयोजना की भूमिका पर इरेस्मस विश्वविद्यालय रिपोर्ट।

   vi) एक दक्षिण एशियाई समुदाय और क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में।
5. भारत-नेपाल जन संसाधन विकास हेतु महाकाली सम्बद्ध व्यापक मामले और सम्भावनाएं।
6. प्रौद्योगिकी तथा सुरक्षा : भारत के दीर्घावधिक हित।
7. परमाणु अवरोध का भविष्य।
8. भारत, चीन, जापान और एशिया में उभरता सुरक्षा परिदृश्य।
9. उत्तर-पूर्व भारत में स्व:शासन।
10. भारत का विकास अनुभव : 1950-2001।
11. भारत की ऊर्जा सुरक्षा और सुधारों की राजनीतिक अर्थव्यवस्था।
12. एक परमाणु सम्पन्न दक्षिणी एशिया में परम्परागत युद्ध और न्यून तीव्रता संघर्षों हेतु सेवाओं को इष्टतम बनाना।
13. इसरायल-अरब संघर्ष में भारत के लिए भूमिका।
14. एक उदारीकृत अर्थव्यवस्था में क्षेत्रीय असमानताएं: 1990 के दशक से भारत का एक अध्ययन।
15. भाखड़ा-नंगल परियोजना के समाजार्थिक और पर्यावरणीय प्रभाव।

प्रमुख कार्यशालाएं/सेमिनार/सम्मेलन/ प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 2002-2003 के दौरान सी.पी.आर. ने 23 प्रमुख सेमिनार/सम्मेलन, 10 कार्यशालाएं और तीन अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए।

कार्यशालाएं/सम्मेलन

1. भारतीय राजतंत्र के तहत नागरिक और न्यायिक सुधारों के संबंध में सेमिनार, नई दिल्ली, 13-14 अप्रैल 2002।
2. प्रारम्भिक शिक्षा का सर्वसुलभीकरण : निर्धनता व अन्य मार्जिनकृत समूहों से बच्चों को शामिल करने की चुनौतियां, नई दिल्ली, 16 अप्रैल 2002।
3. नीति अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली में "भारत 2005" पर कार्यशाला, 18-19 अप्रैल 2002।
4. राजनीतिक सुधारों पर सेमिनार, पोर्ट ब्लेयर, 29 अप्रैल 2002।
5. "भारत इस्पात 2025" पर कार्यशाला, भारतीय इस्पात प्राधिकरण लि., नई दिल्ली, 6 मई 2002।
6. "जनसंख्या नीति पर राष्ट्रीय और राज्य नीति निर्माताओं का जुटाव" परियोजना के अन्तर्गत निम्नलिखित तीन राज्य स्तरीय सम्मेलन आयोजित किए गए:

   i) राजस्थान राज्य स्तर सम्मेलन, जयपुर, 3 जुलाई 2002।

   ii) उत्तर प्रदेश राज्य स्तर सम्मेलन, लखनऊ, 6 जुलाई 2002।

iii) बिहार राज्य स्तर सम्मेलन, पटना, 12 अगस्त 2002।

7. भारत में अधिशासन और राजनीतिक सुधारों पर सेमिनार, उदयपुर, 29 अगस्त 2002।

8. मध्य प्रदेश राज्य जनसंख्या और विकास परिषद बैठक, भोपाल, 6 नवम्बर 2002।

9. दक्षिण एशिया में परमाणु अस्त्र, नई दिल्ली, 5 मार्च 2003।

10. परिसीमन पर कार्यशाला, 6 मार्च 2003।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन/वार्ताएं

1. पूर्व एशिया और क्षेत्रीय सहयोग पर भारत-कनाडा वार्ता, नई दिल्ली, 14-15 फरवरी 2003।
2. भारत-बंगलादेश वार्ता, नई दिल्ली, 11-12 मार्च 2003।
3. भारत-बंगलादेश वार्ता, ढाका, 28-29 मार्च 2003।

पुस्तकें

1. न्युक्लीयर वेपन्स एण्ड इण्डियन सिक्युरिटी : दि रिअलिस्ट फाउन्डेशन्स आफ स्ट्रेटेजी।
2. दि सिटिजन एण्ड ज्युडिशियल रिफोर्म्स अण्डर इण्डियन पालिटी।
3. पालिटिकल रिफोर्म्स फार गुड गवर्नेन्स : ए पालिसी ब्रीफ।
4. ब्ल्युप्रिन्ट आफ पालिटिकल रिफोर्म्स।
5. इण्डियन स्टील पर्सपेक्टिव्ज, 2025।

विनिबंध

1. इन्टरनेट : विगत, वर्तमान और भविष्य : एक सर्वेक्षण।
2. विश्व परिवेश में मेक्रो और माइक्रो अर्थशास्त्र की अन्तर-निर्भरता।
3. भारत में प्रशासनिक सुधार : विगत, वर्तमान और भावी सम्भावनाएं।
4. क्या जनसंख्या स्थिरीकरण हेतु विकास आवश्यक है?
5. भारत की राजनीतिक-सैनिक स्थापना और निर्णय निर्माण।
6. बदलते परिप्रेक्ष्य में कश्मीर : पाकिस्तान, कश्मीर और गुजरात में चुनावों का प्रभाव।
7. कान्सटेबल दिल्ली पुलिस के लिए - भर्ती परीक्षण का एक मूल्यांकन - कुत्ता स्कवेड।
8. निवेश और भागीदारी : विकासशील देशों के लिए उचित बर्ताव का प्रयास।
9. बहुसंख्यक-अल्पसंख्यक संबंधों के आर्थिक कानून।
10. भारत के लिए एक दीर्घावधिक धमकी के रूप में पाकिस्तान का पुनः मूल्यांकन।
11. स्वास्थ्य देखरेख में अन्तर - राज्य विवाद और भारत में निर्धनों पर आर्थिक बोझ।
12. ई-गवर्नेन्स : बेहतर अधिशासन हेतु यंत्र : एक भारतीय परिप्रेक्ष्य।

पुस्तकालय

वर्ष 2002-2003 के दौरान केन्द्र के पुस्तकालय में 196 पुस्तकें शामिल की गईं। पुस्तकालय का अधिप्राप्ति कार्यक्रम मुख्य रूप से, नीति विज्ञान, आर्थिक नीति, बैंकिंग, राजनीतिक विज्ञान, भविष्य विज्ञान, सामाजिक संकेतकों, विदेश नीति, रक्षा जैसे विषयों व केन्द्र के अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए प्रासंगिक क्षेत्रों से संबंधित पुस्तकों तक सीमित है।

पुस्तकों और समाचार पत्र कतरनों के प्रसंस्करण और सूचक तैयार करने के लिए विकसित कम्प्यूटरीकृत पद्धति प्रचलन में है।

निधियाँ (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियाँ	राशि
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान	33,00,000.00	वेतन और भत्ते	88,53,592.00
योजनेतर		पुस्तकालय पुस्तकें और पत्रिकाएं	1,85,849.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान	16,00,000.00	योजनागत	
सावधि जमाओं/बांडों पर ब्याज	23,77,238.75	यात्रा और सवारी	2,49,882.00
विविध आय	80,724.00	किराया, दर और कर	2,30,866.00
अन्य प्राप्तियां	51,80,154.81	मुद्रण/लेखन सामग्री	2,14,439.00
	60,000.00	डाकखर्च/संचार	2,68,112.00
		प्रकाशन	1,436.00
		बिजली/पानी	2,78,656.00
		कार्यालय अनुरक्षण/आतिथ्य	5,44,408.00
		सदस्यता	21,300.00
		सम्मेलन/कार्यक्रम	32,258.00
		अन्य	1,71,021.21
		विधिक व्यय	31,747.00
		वाहन व्यय	27,470.00
		मूल्यह्रास	6,87,080.00
		व्यय की तुलना में आय की अधिकता	8,00,000.00
जोड़	**1,25,98,117.56**	**जोड**	**1,25,98,116.21**

ग्रामीण और औद्योगिक विकास केन्द्र, चण्डीगढ़

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. पंजाब के संबंध में राज्य विकास रिपोर्ट।
2. फतेहगढ़ साहिब और रूपनगर के जिलों में खरीफ फसलों की स्थिति का सर्वेक्षण।

चल रहीं परियोजनाएं/कार्यक्रम

1. हिमाचल प्रदेश के संबंध में राज्य विकास रिपोर्ट। पंजाब में पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण और शिक्षा, उसके बाद अनुसंधान।
2. उत्तरी भारत में खमानो ब्लाक (फतेहगढ़ साहिब, जिला पंजाब), नूरपुर बेदी ब्लाक (रोपड़ जिला : पंजाब) और भवर्ना ब्लाक (कांगड़ा जिला : हिमाचल प्रदेश), के 508 गांवों में समुदाय भागीदारी के माध्यम से पुनर्जनन व बाल स्वास्थ्य देखरेख प्रोत्साहित करने के लिए स्थानीय पहल कार्यक्रम (एल.आई. पी)।
3. पंजाब में परिवार कल्याण कार्यक्रम।
4. एक पर्वतीय नगर में शहरी प्रबंधन : मनाली (हिमाचल प्रदेश) का एक मामला अध्ययन।
5. चार विभाजन-सम्बद्ध शान्ति प्रक्रियाओं के एक

तुलनात्मक विश्लेषण से नृवंश परक्रामण में उभरती प्रवृत्तियां।

व्याख्यानमाला

वर्ष 2002-2003 के दौरान विख्यात विद्वानों ने पच्चीस व्याख्यान दिए।

सेमिनार और सम्मेलन

1. पंजाब राज्य वित्त के संबंध में श्वेत-पत्र।
2. संघर्ष समाधान के प्रति तुलनात्मक दृष्टिकोण।
3. पंजाब बजट पर चर्चा
4. अधिशासन।
5. पंचायती राज संस्थाओं के चुने हुए प्रतिनिधियों की शिक्षा, प्रशिक्षण और सशक्तिकरण हेतु राज्य स्तरीय सम्मेलन।
6. संघर्ष समाधान की दिशा में तुलनात्मक दृष्टिकोणों के संबंध में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
7. उत्तरी क्षेत्र में राज्यों का औद्योगीकरण।
8. पंजाब में अन्न प्रबंधन के संबंध में अन्योन्यक्रिया सत्र, पंजाब में कृषि में सब्सिडी की तर्कसंगतता।
9. आयोजना प्रक्रिया : दसवीं पंचवर्षीय योजना के संदर्भ में नीतियां और प्राथमिकताएं।
10. पाकिस्तान सरकार के साथ वार्ता शुरु करने में भारत सरकार द्वारा की गई पहल की समस्याएं और सम्भावनाएं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं

1. यूसेड के "फायर" (डी-II) कार्यक्रम के अन्तर्गत पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और संघ राज्य क्षेत्र चण्डीगढ़ के नगर निगमों/परिषदों के चुने हुए मनोनीत प्रतिनिधियों के क्षमता निर्माण हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम/अनुस्थापन सेमिनार/अन्योन्यक्रिया चर्चा।
2. बैंकों के वरिष्ठ कार्यकारियों के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम।
3. जम्मू और कश्मीर की महिलाओं और बच्चों का कल्याण बढ़ाना।
4. सी.आर.आर.आई.डी-एल.आई.पी. की राज्य स्तर प्रसार कार्यशाला।
5. बैंकों के वरिष्ठ कार्यकारियों के लिए प्रबंधन विकास कार्यक्रम।
6. पुनर्जनन तथा बाल स्वास्थ्य स्थानीय पहल कार्यक्रम के संबंध में राज्स स्तर प्रसार कार्यशाला।
7. करों से संसाधन जुटाव व शहरी सेवाओं से लागत वसूली के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रम।
8. शहरी अवसंरचना और म्युनिसिपल सेवाओं की कीमत पद्धति और लागत वसूली।
9. विभिन्न बैंकों के वरिष्ठ कार्यकारियों के लिए प्रबंध न विकास कार्यक्रम।

आलोच्य अवधि के दौरान 25 व्याख्यान आयोजित किए गए, 20 पत्र प्रस्तुत किए गए, 6 सेमिनारों और 5 कार्यशालाओं में संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इसके साथ ही विशिष्ट अतिथियों ने 41 व्याख्यान भी दिए।

पुस्तकें

1. माइग्रेंट लेबर एण्ड दि ट्रेड यूनियन इन पंजाब : ए केस स्टडी आफ दि शुगर इंडस्ट्री।
2. ट्रेनिंग माड्यूल फार दि रिप्रेजेन्टेटिव्ज आफ पी.आर. आई. इन पंजाब।
3. पंजाब डवलपमेंट रिपोर्ट।

लेख

वर्ष के दौरान संकाय सदस्यों ने विभिन्न पत्रिकाओं में 13 लेख प्रकाशित किए।

निधियाँ (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियाँ	राशि
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान (योजनेतर) आवर्ती	49,00,000.00	वेतन	98,65,000.00
		पुस्तकालय पुस्तकें	2,50,000.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान (योजनागत) आवर्ती	13,00,000.00	अनुसंधान प्रकाशन	3,41,000.00
		यात्रा और सवारी	1,07,000.00
पंजाब सरकार से अनुदान (योजनेतर)	40,00,000.00	मरम्मत और अनुरक्षण	2,66,000.00
		सेमिनार/सम्मेलन/बैठकें	3,60,000.00
पंजाब सरकार से अनुदान (योजनागत)	11,00,000.00	टेलीफोन और डाकखर्च	2,70,000.00
		उपस्कर/फर्नीचर/फिक्सचर्स	5,05,000.00
एम एण्ड डी पत्रिका का चंदा	1,61,000.00	बिजली और पानी प्रभार	92,000.00
प्रकाशनों की बिक्री	84,000.00	विविध व्यय	3,22,000.00
सी.आर.आर.आई.डी. वे स्वयं के स्रोत	17,000.00	मुद्रण और लेखन सामग्री	2,05,000.00
भा.सा.वि.अ.प. और पंजाब सरकार से योजनेतर (आवर्ती) की अंतिम किस्त की प्राप्ति की प्रत्याशा में अन्य स्रोतों से अस्थाई ऋण	10,21,000.00		
जोड़	**1,25,83,000.00**	**जोड़**	**1,25,83,000.00**

विकासशील सोसायटी अध्ययन केन्द्र, दिल्ली

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. विधान सभा चुनाव अध्ययन 2002।
2. विधान सभा चुनाव अध्ययन 2003
3. प्रजातंत्र, नृवंश और ज्ञान।
4. 1999 लोक सभा चुनावों में खर्च का एक मूल्यांकन अध्ययन।

चल रही परियोजनाएं

1. जीवन का पुनिर्माण।
2. दक्षिण एशिया में प्रजातन्त्र और मानव सुरक्षा।
3. 1952 से विधान सभा सदस्यों (एम.एल.ए.) का सामाजिक चित्र।
4. दलित, भेदभाव और समान नागरिकता के लिए संघर्ष।
5. लोक सभा चुनावों के संबंध में वैचारिक अध्ययन।
6. अन्योन्यक्रिया में समुदाय : संघर्ष का मार्ग, धर्म परिवर्तन और महानगरों के संदर्भ में सह-अस्तित्व, कतिपय एशियाई नगरों से परस्पर-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य।
7. उन्नत राजनीतिक और सामाजिक सिद्धान्त के संबंध में कार्यक्रम।
8. सराय : नई मिडिया पहल।
9. भारतीय भाषा कार्यक्रम।
10. मूल्यों को समझना : चीन, जापान, भारत और संयुक्त राज्य में मूल्यों और पर्यावरणीय नीति निर्माण का एक तुलनात्मक अध्ययन।

11. जैव-प्रौद्योगिकी, वैश्विकरण और नीतिगत प्रक्रियाएं।
12. समकालीन भारत में पुराना और नया मिडिया : वर्तमान के इतिहास में नीतियाँ तथा प्रथाएं।
13. भारत में एड्स नियंत्रण के लिए कार्यनीतियों पर चर्चा।
14. वैश्विकरण तथा उपनिवेश-पश्चात नगर।
15. उपनिवेशीय सन्दर्भ में हिन्दू धर्म की स्व:समझ।
16. गांधी जी की आत्मकथा।
17. समुदाय, संघर्ष और अधिशासन का संकट : उत्तर-पूर्व भारत की सोसायटियों का एक विश्लेषण।
18. समकालीन राजनीतिक सिद्धान्त के परिप्रेक्ष्य में भारतीय संविधान।
19. कानून, आजादी और आजीविका।
20. अवमानना का राजनीतिक सिद्धान्त।
21. मणिपुर : स्वयं व इसकी अन्यथा के साथ भरोसा, दक्षिा एशिया में अभिज्ञान राजनीति का एक मन:ऐतिहासिक अध्ययन।
22. बिहार और झारखण्ड में मानव अधिकारों की स्थिति।
23. धर्म और विकास – एक रीडर।
24. चीन की अर्थव्यवस्था और बाजार के संबंध में अध्ययन।
25. इक्कीसवीं शताब्दी में चीन।
26. बाजार सूचना के संबंध में सी.आई.आई.-आई.सी.एस. अनुसंधान।
27. चीन के ग्राम सुधार।
28. भारत-चीन संबंधों के पचास वर्ष।
29. मुम्बई और चीन व्यापार।
30. राज्य और मानव विकास : भारत, चीन और जापान में स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रकों का एक तुलनात्मक अध्ययन।
31. परिवार और परिवार सुधार का तुलनात्मक अध्ययन।
32. समकालीन अवधि में जापान-चीन संबंध।
33. यूनान और पश्चिम क्षेत्रीय विकास नीति।
34. बिहार में नक्सली आन्दोलन।
35. धर्म निरपेक्ष राष्ट्रीयता का संकट और अभिज्ञान की राजनीति।
36. दक्षिण एशिया में आर्थिक और सामाजिक अधिकारों पर मामला पुस्तक।
37. दिल्ली में पर्यावरणीय वाद-विवाद।

पुस्तकें

1. ''टाइम वार्प्स : दि इन्सिस्टेन्ट पालिटिक्स आफ साइलेंट एण्ड इवेजिव पास्ट्स'', आशिष नन्दी, नई दिल्ली : पर्मानेंट ब्लैक, लन्दन, सी हर्स्ट एण्ड कं., न्युयार्क, रटगर्स यूनिवर्सिटी प्रैस 2002।
2. ''दि रोमान्स आफ दि स्टेट एण्ड दि फेट आफ डिस्सेन्ट इन दि ट्रापिक्स'', आशिष नन्दी, नई दिल्ली: आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रैस, 2003।
3. ''सराय रीडर 03 : शेपिंग टेक्नोलोजीज'', रवि वासुदेव, रवि सुन्दरम, दिल्ली : विकासशील सोसायटी अध्ययन केन्द्र, 2003।
4. ''दीवान-ए-सराय 01 : मिडिया विमर्श'', रवि वासुदेव, रवि सुन्दरम, दिल्ली : विकासशील सोसायटी अध्ययन केन्द्र, 2003।
5. ''गलियों से'' (बाई लेन), रवि वासुदेव, रवि सुन्दरम, दिल्ली : विकासशील सोसायटी अध्ययन केन्द्र, 2003।
6. ''लोकतंत्र के सात अध्याय (हिन्दी में)'', अभय कुमार दुबे (सं.), वी.बी. सिंह और योगेन्द्र यादव (श्रृंखला सं.), दिल्ली, वाणी प्रकाशन, 2002।
7. ''आधुनिकता के आइने में दलित (हिन्दी में)'', अभय कुमार दुबे (सं.), वी.बी. सिंह और योगेन्द्र यादव (श्रृंखला सं.), दिल्ली, वाणी प्रकाशन, 2002।

पत्रिकाएं

वर्ष 2002-2003 के दौरान, केन्द्र ने दो अकादमिक पत्रिकाओं, यथा ''आलटर्नेटिव्ज'' और ''चाइना रिपोर्ट'' का प्रकाशन जारी रखा।

सेमिनार/व्याख्यान/बैठकें

वर्ष 2002-2003 के दौरान केन्द्र ने 70 सेमिनारों, वार्ताओं, व्याख्यानों, बैठकों का सह-आयोजन किया तथा फिल्में क्युरेट कीं।

केन्द्र में आयोजित सेमिनार/वार्ताएं/बैठकें

1. ''आइडेन्टिटी पालिटिक्स : चैलेन्जिज एण्ड प्रोस्पेक्ट्स आफ पीस'', 27.1.2003 को।
2. चीन पर द्वितीय वार्षिक राष्ट्रीय कार्यशाला, 11 से 16.1.2003।
3. ''सिटी वन कन्फरेन्स'', 9 से 11.1.2003।
4. नाइजीरिया में बहुवाद, संघवाद और संसाधन नियंत्रण

की राजनीति : भारत से क्या पाठ", 21.10.2002।

5. राष्ट्र-राज्य तथा प्रजातन्त्र, 2.7.2003।

6. "ग्रीन पर्सपेक्टिव आन डीपनिंग आफ डेमोक्रेसी ग्लोबली", 20.9.2002।

7. "अन्डरस्टेन्डिंग दि एन्टी-डेमोक्रेटिक ट्रेण्ड्स इन ग्लोबल पालिटिक्स", 21.9.2002।

8. "हाऊ सफरोन इज दि साइलेन्ट मेजरिटी?" 12.8.2002।

9. "इको-सोशलिस्ट मेनिफेस्टो", 25.7.2002।

10. "नेपाल-इण्डिया-फिनिश डायलाग सीरीज आन इकोनोमिक डेमोक्रेसी", 17.4.2002।

लोकनीति के अन्तर्गत आयोजित सेमिनार/वार्ताएं/चर्चाएं और आधारभूत प्रजातंत्र के समेकन हेतु दक्षिण एशियाई दृष्टि के संबंध में परियोजना

वर्ष 2002-2003 के दौरान चौबीस सेमिनार/वार्ताएं/चर्चाएं आयोजित की गईं।

चीनी अध्ययन संस्थान के तहत आयोजित सेमिनार/वार्ताएं/चर्चाएं

वर्ष 2002-2003 के दौरान बाईस सेमिनार/वार्ताएं/चर्चाएं आयोजित की गईं।

सराय : नई मिडिया पहल के अधीन आयोजित सेमिनार/कार्यशालाएं/वार्ताएं

वर्ष 2002-2003 के दौरान बारह सेमिनार/वार्ताएं/सम्मेलन आयोजित किए गए।

निधियां (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियां	राशि
भा.सा.वि.अ.प. से अनुरक्षण और विकास अनुदान	73,00,000.00	वेतन और भत्ते (योजनेतर)	68,01,000.00
		वेतन और भत्ते (योजनागत-आवर्ती)	30,53,000.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान - योजनागत आवर्ती	28,00,000.00	पुस्तकें और पत्रिकाएं	49,000.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान - योजनागत अनावर्ती	14,00,000.00	यात्रा/सवारी/वाहन की चालन लागत	1,65,000.00
विविध आय	23,53,000.00	मुद्रण और लेखन सामग्री	1,81,000.00
		टेलीफोन	2,39,000.00
		बिजली	6,20,000.00
		पानी	91,000.00
		डाकखर्च और तार	77,000.00
		मरम्मत और अनुरक्षण	1,31,000.00
		आकस्मिकताएं	4,49,000.00
		आडिटर्स फीस	35,000.00
		परिसम्पत्तियां	4,85,000.00
		भवन खाता	27,000.00
		सम्पत्ति कर	2,50,000.00
		विविध आय से घाटा पूरा किया गया	10,47,000.00
		व्यय की तुलना में आय की अधिकता	3,53,000.00
जोड़	**1,38,53,000.00**	**जोड़**	**1,38,53,000.00**

सामाजिक अध्ययन केन्द्र, सूरत

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. गुजरात में दलित संघर्ष और कमी।
2. सूरत नगर का बैंचमार्क अध्ययन।
3. जनजातीय विकास परिकल्पना-2010।
4. कृषि विद्युत सब्सिडी : उत्तरी गुजरात का एक मामला अध्ययन।
5. सूरत, अंकलेश्वर, हलोल और पोरबंदर में मलिन बस्तियों का एक अध्ययन।
6. पंचायती राज के माध्यम से सामाजिक सामन्जस्य हेतु निष्कासित समुदायों को सम्मिलित करने के संबंध में अध्ययन : सूरत जिले का एक मामला अध्ययन।
7. उच्च शिक्षा का निजीकरण : मुद्दे और समस्याएं (दक्षिण गुजरात के विशेष संदर्भ में)।
8. सूरत नगर के कपड़ा उद्योग में बाल श्रमिक।
9. बन्द कपड़ा मिलों के कामगार।

चल रही परियोजनाएं

1. महाराष्ट्र में दलितों की स्थिति : संघर्ष कम करने की प्रक्रिया के संदर्भ में।
2. जल का अभाव और लोग (लिंग आयाम के विशेष संदर्भ में)।
3. भावनगर जिले के विकास पर पत्तन का प्रभाव।
4. गुजरात में पंचायती राज संस्थाओं की सामाजिक न्याय समितियों के दलित सदस्य : एक मूल्यांकन।
5. पत्तन विकास का समाजार्थिक प्रभाव (पणधारियों का विश्लेषण)।
6. सरदार सरोवर नर्मदा परियोजना प्रभावित परिवारों का मानीटरन और मूल्यांकन (पी.ए.एफ.)।
7. विवेकानन्द ग्रामीण तकनीकी केन्द्र (वी.जी.टी.के.) की समीक्षा-सेवा ग्रामीण।
8. गुजरात में हिन्दू-मुसलमान संबंध।
9. दक्षिण गुजरात में जनजातियों में कला और सौन्दर्यशास्त्र।
10. लोधवा-सिंगसर क्षेत्र का समाजार्थिक अध्ययन।

इस अवधि के दौरान सामाजिक अध्ययन केन्द्र ने 14 व्याख्यान, प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की।

इसके अलावा, संकाय सदस्यों ने, 75 चर्चाओं/प्रशिक्षण/कार्यशालाओं/सेमिनारों/व्याख्यानों व अन्य कार्यकलापों में भाग लिया।

डाक्टोरल फैलो

पांच डाक्टोरल छात्र पी.एच.डी. के लिए अध्ययन कर रहे हैं।

सत्रहवां आई.पी. देसाई स्मारक व्याख्यान

''समाजशास्त्र में क्षेत्र परम्परा'', 27 जनवरी 2003, बृज राज चौहान।

प्रथम भागीरथ मानव अधिकार अवार्ड

विख्यात मानव अधिकार कार्यकलाप और अधिवक्ता गिरीश पटेल को भागीरथ शाह मानव अधिकार अवार्ड से सम्मानित करने के लिए 21 सितम्बर 2002 को प्रथम भागीरथ मानव अधिकार अवार्ड समारोह आयोजित किया गया।

पुस्तकें

1. ''मुस्लिम मानस'' (गुजराती में), समाजदर्शन श्रृंखला में पुस्तक, महबूब देसाई।
2. ''पंचायती राज : सामाजिक न्याय समिति ओनु सशक्तिकरण'' पर पुस्तक, सत्यकाम जोशी, सूरत, सामाजिक अध्ययन केन्द्र, 2002।
3. ''संगठित बानो भागीदारी मेलावो'' (गुजराती में), विद्युत जोशी, सर्वांगी शिक्षण, किम एज्युकेशन सोसायटी, किम, अप्रैल 2002।
4. ''आई.पी. देसाई'' (गुजराती में), विद्युत जोशी, अहमदाबाद, यूनिवर्सिटी बुक प्राडक्शन बोर्ड, जनवरी 2003।
5. ''आपनो पाणि नो प्रश्न अणे लोकभागीदारी'', विद्युत जोशी (गुजराती में), सामाजिक कार्रवाई और अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद, 2003।
6. ''ए पोलिस हेण्डबुक फार बैटर इन्वेस्टिगेशन टेक्नीक्स टू कम्बेट क्राइम्स अगेन्स्ट चिल्ड्रन'', अपराजिता डे, कोलकाता, संलाप, 2002।
7. ''रीलिजन एण्ड कल्चर : दि ओरिजिन एण्ड

डायनेमिक्स आफ डिवाइडिड स्पेस एण्ड पीपिल- दि केस आफ गुजरात इन दि सेग्रेग्रेटिड सिटी", अपराजिता डे, अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार श्रृंखला, हेबिटाट नोर्ज, दिसम्बर 2002।

8. "सीनियर सोशिओलोजिस्ट्स प्रोफाइल एण्ड पोरट्रेट्स इनक्लुडिंग आई.पी. देसाई", ओ.पी. जोशी।

पत्रिकाएं और मिमिओज

1. केन्द्र ने अपनी गुजराती त्रैमासिक पत्रिका "अर्थात" का प्रकाशन जारी रखा। वर्ष 2002-2003 के दौरान चार अंक प्रकाशित किए गए।
2. "ए प्रोपोजल फार इन्ट्रोड्युसिंग हैल्थ सर्विसिज टू दि माइक्रो फाइनेन्स क्लाइन्ट्स आफ "स्पन्दन" : फीचर्स, स्ट्रक्चर्स, केपेसिटी एण्ड फीजिबिलिटी", विश्वरूप दास (मिमिओ), नवम्बर 2002।
3. "ए रिव्यु स्टडी आफ ए वोकेशनल ट्रेनिंग सेन्टर (वी. जी.टी.के.)", स्वैच्छिक समूह द्वारा प्रबंधित (सेवा ग्रामीण), किरण देसाई (मिमिओ) मार्च 2003।
4. "ए स्लम स्टडी इन पोरबन्दर टाउन", किरण देसाई (एक अन्तिम रिपोर्ट) (मिमिओ), सी.एम.ए.जी. तथा सामाजिक अध्ययन केन्द्र, सूरत, मार्च 2003।
5. "ए स्लम स्टडी इन अंकलेश्वर टाउन", किरण देसाई (अन्तिम रिपोर्ट), (मिमिओ), सी.एम.ए.जी. तथा सामाजिक अध्ययन केन्द्र, सूरत, मार्च 2003।
6. "ए स्टडी आन इनक्लुज़न आफ एक्सक्लुडिड कम्युनिटीज फार सोशल कोहेसन थ्रू पंचायती राज इन गुजरात : ए केस स्टडी आफ सूरत डिस्ट्रिक्ट", सत्यकाम जोशी (अन्तिम रिपोर्ट), (मिमिओ), सामाजिक अध्ययन केन्द्र, सूरत, जनवरी 2003।
7. "ए स्टडी आफ स्लम्स इन सूरत सिटी", (मिमिओ), बाबा साहेब काज़ी, सामाजिक अध्ययन केन्द्र, सूरत, 2003।
8. "ए स्टडी आफ स्लम्स इन हलोल टाउन", बाबा साहेब काज़ी, (मिमिओ), सामाजिक अध्ययन केन्द्र, सूरत, 2003।

पुस्तकालय

केन्द्र में 100 पत्रिकाएं मंगाई जाती हैं। इनमें 90 भारतीय और 10 विदेशी हैं। इसके अलावा, दस पत्रिकाएं आदान-प्रदान आधार पर और 8 भेंट स्वरूप प्राप्त होती हैं। पुस्तकालय ने अपने संग्रह में "गुजरात मित्र", "बिबलिओग्राफी आफ ई. पी.डब्ल्यु सिंस 1966" की माइक्रोफिल्म रोल्ल्स, 68 विडियोकेसट और 24 सी.डी. जोड़ी। वर्ष 2002-2003 के दौरान 375 अध्येताओं ने पुस्तकालय का दौरा किया।

प्रलेखन

पुस्तकालय के एक भाग के रूप में एक प्रलेखन यूनिट स्थापित किया गया है ताकि केन्द्र के संकाय तथा अन्य अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों में कार्यरत अध्येताओं के भी अनुसंधान प्रयासों में सुविधा हो सके।

मार्गदर्शन, परामर्श और सदस्यता

भा.सा.वि.अ.प. मार्गदर्शन और परामर्श स्कीम के अन्तर्गत, केन्द्र में अनुसंधान का डिजाइन करने, रीति विज्ञान को परिष्कृत करने व डाटा का विश्लेषण करने के लिए अपने संकाय की सेवाएं कालेज शिक्षकों और अनुसंधानकर्ताओं को प्रदान करना जारी रखा। वर्ष के दौरान चार अनुसंधान अध्येताओं ने इस स्कीम का लाभ उठाया।

निधियां (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियां	राशि
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान	32,00,000.00	वेतन, पी.एफ. व अन्य लाभ	43,72,293.00
योजनेतर		पुस्तकालय व्यय	1,08,532.00
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		संस्थान की वस्तुओं पर व्यय	1,07,004.00
योजनागत	14,00,000.00	प्रशासनिक व्यय	7,90,764.00
गुजरात सरकार से अनुदान	46,00,000.00	निधि खाते में अन्तरण	41,88,000.00
ब्याज	28,809.00	आय की तुलना में अधिकता	2,357.00
ऊपरि प्रभार	1,84,383.00		
अन्य आय	1,55,758.00		
जोड़	95,68,950.00	जोड़	95,68,950.00

समाज विज्ञान अध्ययन केन्द्र, कोलकाता

चल रही परियोजनाएं

1. पश्चिम बांगल के लिए राज्य विकास रिपोर्ट तैयार करना।
2. दक्षिण एशियाई अर्थ-व्यवस्थाओं को एक प्रमुख व्यापार ब्लाक के रूप में उभरने से क्या रोकता है : कुछ कीमत-भिन्न कारकों की भूमिका।
3. दक्षिण एशिया में समाज विज्ञान अनुसंधान क्षमता।
4. बंगाल में विज्ञापनों से संबंधित दृश्यक अभिलेखागार, 1800-1990।

भारतीय रिजर्व बैंक धर्मादा स्कीम

स्कीम के तहत एक कोरप्स निधि स्थापित की गई है ताकि औद्योगिक अर्थशास्त्र में अनुसंधान आयोजित किया जा सके।

पी.एच.डी. कार्यक्रम

तीन अध्येताओं ने अपना पी.एच.डी. शोध निबंध प्रस्तुत कर दिया। पांच छात्र अपना पी.एच.डी. कार्यक्रम चला रहे हैं।

पुस्तकें

1. "ए प्रिंसली इम्पोस्टर? दि कुमार आफ भवल एण्ड दि सिक्रेट हिस्ट्री आफ नेशनलिज्म", पार्था चटर्जी, प्रिंसटन विश्वविद्यालय प्रैस, अमरीका।
2. "जल राजार कथा : बर्धामानेर जल प्रतापचन्द्र", गौतम भान्द्रा (बंगला में), आनन्द पब्लिशर्स।
3. "हिस्ट्री एण्ड दि पीजेन्ट", पार्था चटर्जी एण्ड अन्जान घोष (सं.), पर्मानेन्ट ब्लैक, नई दिल्ली।
4. "इन्टरनेशनल इन्वेस्टमेंट एण्ड टेकनोलोजी ट्रान्सफर", सुगाता मार्जित और एन.सिंह (सं.), आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रैस।
5. "इन्टरनेशनल ट्रेड वेज – इनइक्विलिटी एण्ड दि डवलपिंग इकोनोमी – ए जनरल इक्विलिब्रियन एनेलिसिस", सुगाता मार्जित, रजत आचार्य के साथ, वर्लाग-हैडेलबर्ग, अमरीका।

लेख/विनिबंध

संकाय सदस्यों ने 16 लेख और विनिबंध प्रकाशित किए।

अवसरिक पत्र

1. "सिगनलिंग एण्ड एन्ट्री डिटेरेन्स इन बैंकिंग", श्री इन्द्रजीत मलिका, सुगाता मार्जित और हमीद बेलादी द्वारा।

सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन

भ्रमणकारी विद्वानों ने 25 सेमिनार और पांच कार्यशालाएं

आयोजित कीं। अनुसंधान अध्येताओं और युवा व्यावसायिकों का एक दो दिन का सम्मेलन केन्द्र में 23 और 24 दिसम्बर 2002 को आयोजित किया गया।

एस.जी. ड्युस्कर व्याख्यान

कोलम्बिया विश्वविद्यालय, न्युयार्क, अमरीका के प्रोफेसर गायत्री चक्रवर्ती ने 10 फरवरी 2003 को "दि कन्सेप्ट आफ डिसग्रेस इन पोस्ट कोलोनिअल नेशन्स : टेगोर, कोअत्जी एण्ड प्राइमरी एज्युकेशन इन वेस्ट बंगाल" पर एस.जी. ड्युस्कर ने व्याख्यान दिया।

निधियां (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियां	राशि
प्रारम्भ में शेष	58,00,432.93	वेतन	72,97,871.80
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान – बैंक प्रभार और आडिट फीस/ योजनेतर	60,00,000.00	विधि पुस्तकें/प्रकाशन	3,42,593.00
व्यय	1,05,293.00	विविध	3,87,494.10
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान – योजनागत आवर्ती	17,00,000.00	बिजली और पानी	1,40,837.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान – योजनागत अनावर्ती	1,30,000.00	अनुरक्षण	5,55,351.10
प.बंगाल सरकार से अनुदान – योजनेतर	51,71,695.00	टेलीफोन/डाकखर्च	1,88,108.96
प.बांगल सरकार से अनुदान – योजनागत आवर्ती	15,03,000.00	पुस्तकालय/सदस्यता शुल्क	5,500.00
अन्य स्रोत	58,18,329.93	सवारी/वाहन व्यय	2,45,259.00
		दरें/कर	12,25,331.00
		कार्यशाला/सेमिनार/बैठकें	16,440.00
		मुद्रण और लेखन सामग्री	1,730.00
		परियोजनाएं/स्कीमें	4,06,255.00
		स्टाफ कल्याण	37,22,797.13
		फर्नीचर/फिक्चर्स	4,38,091.00
		अग्रिम	94,99,393.90
		अध्येतावृत्तियां	2,22,783.00
		प्राप्ति योग्य	1,77,876.00
		अन्त में शेष	25,28,290.87
		प्राप्तियों की अधिकता	13,83,838.00
जोड़	**2,61,23,457.86**	**जोड़**	**2,61,23,457.86**

महिला विकास अध्ययन केन्द्र, नई दिल्ली

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. महिलाओं के विरुद्ध अपराध - बन्धन और उसके बाद -डाटा का प्रकटन।
2. महिलाओं की समानता और सशक्तिकरण : संकेतक की कहानी।
3. लिंग और पुनर्जनन आचरण : दिल्ली में दो धार्मिक समूहों का एक तुलनात्मक अध्ययन।
4. क्षेत्रीय लिंग विकास संकेतक (पूर्वी क्षेत्र)।

चल रही परियोजनाएं

1. विधायी निकायों में महिलाओं के लिए सीटों का आरक्षण : पीछे देखना - एक ऐतिहासिक समीक्षा।
2. राष्ट्रीय आयोजना समिति की उप-समिति के प्रलेख, 1939 की समीक्षा।
3. महिलाओं के बढ़ते कार्यक्षेत्र पर एक फोटो अभिलेखागार, 1847-1947, प्रदर्शनी, प्रलेखन और प्रकाशन।
4. महिलाओं का अध्ययन रीडर - एक संकलन।
5. मानव अधिकारों का इतिहास : एक तृतीय विश्व परिप्रेक्ष्य।
6. गंगा के किनारे के साथ-साथ लिंग और बदलती आजीविका पद्धतियां - एक अनुसंधान परियोजना।
7. बच्चे और कानून - एक समीक्षा।
8. भारत में साम्प्रदायिक हिंसा में स्त्री-पुरुष।
9. मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश राज्यों में पंचायती राज और महिलाओं के संबंध में अनुवर्ती अध्ययन – एक कार्रवाई अनुसंधान रिपोर्ट।
10. एक सिद्धान्त और अभ्यास के रूप में स्त्रीत्व : एक अनुसंधान प्रलेखन।
11. नैतिक मैडिकल प्रेक्टिस को प्रोत्साहित करके तथा जन चेतना जागृत करके बालिका भ्रूण हत्या से जूझना व रोकना : एक वकालत और अभियान।
12. भारतीय गणतंत्र में लिंग और अधिशासन का विकास- राजनीति, तंत्र और एजेन्सियां - चयनित दस्तावेजों का एक संकलन।
13. परिवार में लिंग समानता हस्तक्षेप - आन्ध्र प्रदेश का महबूम नगर जिला : एक कार्रवाई और प्रयोग प्रयास।
14. पश्चिम बंगाल में कार्रवाई अनुसंधान परियोजना - कृषक महिलाओं (और पुरुषों) के साथ - परती भूमि विकास, संयुक्त प्रबंधन, लघु वित्त, बागवानी, वर्मी-खेती, टसर खेती और सहायक सेवाओं के संबंध में (बाल देख-रेख और ग्राम पुस्तकालय सेवाएं तथा प्रौढ़ शिक्षा)।

नई परियोजनाएं

1. बिहार में अगरबत्ती कामगारों की स्वास्थ्य स्थिति और कार्य।
2. वैश्विकरण के तहत भारतीय महिलाओं के अधिकार : दिल्ली का एक अध्ययन।
3. आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार - लिंग आयाम।
4. एस.आई.डी.-एस.ए.एन. लिस्टसर्व (एस.आई.डी. दक्षिण एशिया नेटवर्क)।

सेमिनार/कार्यशालाएं/विशेष व्याख्यान

1. ''स्मृति और सहीपन'' पर 15वां जे.पी. नायक स्मारक व्याख्यान, प्रोफेसर उपेन्द्र बक्शी, फिलहाल विधि प्रोफेसर, वारविक विश्वविद्यालय, कावेन्ट्री, यू.के. द्वारा, 13 दिसम्बर 2002।
2. इक्कीसवीं शताब्दी में सिविल सोसायटी के संदर्भ और गतिकी के संबंध में कार्यशाला, 20-21 फरवरी 2003।

   उपरोक्त के अलावा, केन्द्र ने विभिन्न विषयों पर पांच कार्यशालाएं/सेमिनार भी आयोजित किए।

पुस्तकें

''स्पेस फार पावर : वीमेन्स वर्क एण्ड फेमिली स्ट्रेटेजीज इन साउथ एण्ड साउथ-ईस्ट एशिया'' जाय देशमुख राणादिव द्वारा।

अवसरिक पत्र और विनिबंध

1. ''जेण्डर डवलपमेंट इंडीकेटर्स : डिस्ट्रिक्ट लेवल

एनेलिसिस फार दि ईस्टर्न रीजन", अवसरिक पत्र सं. 22, प्रीत रस्तोगी द्वारा।

2. "जेण्डर कन्स्ट्रक्शन इन दि मिडिया ड्युरिंग दि टवेल्थ लोक सभा इलेक्शन", अवसरिक पत्र सं. 23, सोनिया बाठला द्वारा।

3. "फेस टू फेस विद रूरल वीमेन : सी.डब्ल्यु.डी.एस. सर्च फार न्यु नोलिज एण्ड एन इन्टरवेनशनिस्ट रोल", विनिबंध श्रृंखला, अक्तूबर 2000, वीणा मजुमदार द्वारा।

4. "इण्डियन नेशनलिज्म एण्ड दि जेण्डर क्वेशचन : एन इनक्वारी इनटू दि थाट्स आफ डॉ. राम मनोहर लोहिया", विनिबंध श्रृंखला, ए.वी. शरण और रविकान्त शर्मा द्वारा।

5. "सुभाष चन्द्र बोस एण्ड दि रिजोल्युशन आफ दि वीमेन्स क्वेशचन", विनिबंध श्रृंखला (पप), रेबा सोम द्वारा।

पत्रिका

केन्द्र ने अपनी पत्रिका "इण्डियन जरनल आफ जेण्डर स्टडीज" का भी प्रकाशन किया।

वेबसाइट

वेबसाइट "डब्ल्यु डब्ल्यु डब्ल्यु.सी डब्ल्यु डी एस.आर्ग और एचटीटीपी : जेण्डरवार.जेन.इन" प्रचलन में रही।

निधियां (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियां	राशि
प्रारम्भ में शेष	1,25,55,707.34	भा.सा.वि.अ.प. अनुरक्षण अनुदान	59,15,892.53
भा.सा.वि.अ.प. अनुरक्षण अनुदान		संस्थात्मक विकास अनुदान	
योजनेतर	49,00,000.00	एच.वी.आई.ओ.एस.	78,53,033.80
योजनागत	15,00,000.00	परियोजनाएं	72,09,092.65
संस्थात्मक अनुरक्षण अनुदान –	73,54,914.50	खरीदी गई अचल परिसम्पत्तियां	6,83,772.50
एच.आई.वी.ओ.एस.		अग्रिम वेतन	1,03,880.00
कोर्पस निधि	3,87,83,265.48	परियोजना अग्रिम	9,63,485.75
अन्य प्राप्तियां –		अन्य अग्रिम	91,263.95
प्रकाशन बिक्री	63,570.28	अन्त में शेष	5,05,45,635.50
विविध प्राप्तियां	4,12,689.20		
ब्याज आय	3,97,829.30		
अर्जित ब्याज	83,124.00		
प्राप्त रायल्टी	90,058.00		
परियोजना ऊपरि व्यय	5,15,965.00		
सदस्यता फीस	4,000.00		
परियोजना अनुदान	67,04,933.58		
अन्य	3,00,000.00		
जोड़	**7,33,66,056.68**	**जोड़**	**7,33,66,056.68**

सामाजिक विकास परिषद, हैदराबाद

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. सहभागिता के जरिए आजादी : आन्ध्र प्रदेश में एस.एच.जी./डी.डब्ल्यु.सी.आर.ए. समूहों का एक अध्ययन।
2. स्वयं सेवी समूहों के माध्यम से महिलाओं का सशक्तिकरण : आन्ध्र प्रदेश में एक माइक्रो स्तर अध्ययन।
3. देवदासियां – कमजोरों के बीच भेद्यता।
4. आन्ध्र प्रदेश की पंचायती राज संस्थाओं में अनुसूचित जाति सदस्यों की भागीदारी के संबंध में एक अध्ययन।
5. एच.ए.आर.डी. द्वारा कार्यान्वित और एम.सी.सी., भारत द्वारा वित्तपोषित सामुदायिक विकास कार्यक्रमों का मूल्यांकन।
6. भारत में वृद्धावस्था।
7. सेवाओं और संसाधनों का अभिसरण : श्रीकाकुलम और महबूबनगर जिलों में एक अध्ययन।

चल रही परियोजनाएं

1. पालामुर श्रमिकों पर पुनर्विचार।
2. पी.एम.आर.वाई. स्कीम के अन्तर्गत प्रवर्तित स्व: रोजगार उद्यमों का निष्पादन – आन्ध्र प्रदेश में एक अध्ययन।
3. वन संरक्षण समितियों का प्रभाव और निष्पादन – आन्ध्र प्रदेश में एक अध्ययन।
4. बाल श्रमिक : एक नैदानिक अनुसंधान अध्ययन।
5. बाल श्रम को समाप्त करने में नियोक्ताओं द्वारा उनके पुनर्वास और उन्हे मुख्य धारा के साथ जोड़कर किए गए सकारात्मक प्रयासों के बारे में मामला अध्ययनों का प्रलेखन।
6. कार्यक्रमों में जनजातियों की भागीदारी के संबंध में अन्तरिम अध्ययन।
7. अच्छा ग्राम स्तर अधिशासन : ग्राम सभा के प्रति सरपंच और पंचायत सचिव की जवाबदेही।
8. ए.पी.बी.सी.सी.एफ.सी.लि. द्वारा सृजित बैल परिसम्पत्तियों का प्रभाव मूल्यांकन, उपयोग और स्व:प्रबंधन।

स्मारक व्याख्यान

केन्द्र ने "मीडिया पावर, रोल्स एण्ड सोशल रेस्पोन्सिबिलिटी: दि इण्डियन एक्सपीरएन्स" पर छठा डॉ. सी.डी. देशमुख स्मारक व्याख्यान 22 फरवरी 2003 को आयोजित किया। यह व्याख्यान "फ्रन्टलाइन" के सम्पादक श्री एन.राम ने दिया।

प्रशिक्षण/कार्यशाला

1. समाज विज्ञानियों के लिए डाटा प्रसंस्करण में दो सप्ताह का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।
2. सहभागी अनुसंधान प्रक्रियाओं के माध्यम से विकास नीतियों के संबंध में एन.जी.ओ. के लिए क्षमता निर्माण के संबंध में एन.जी.ओ. के लिए तीन क्षेत्रीय कार्यशालाएं-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम।

सेमिनार/कार्यशालाएं/अनुस्थापन कार्यक्रम/विचार-विमर्श बैठक

1. "बिजनिस अपोरच्युनिटी आइडेन्टिफिकेशन : इट्स फीजिएबिलिटी एण्ड वाएबिलिटी", माल, चिन्तापल्ली मण्डल, नलगोण्डा जिले में हाल ही में गठित एस.एच.जी./डी.डब्ल्यु.सी.आर.ए. समूहों के लिए, फातिमा सोसायटी और ह्युमन एक्शन फार रूरल डवलपमेंट (एच.ए.आर.डी.) के सहयोग से, 15 अप्रैल 2002 को।
2. रंगा रेड्डी जिले के मोइनाबाद मण्डल के चुनिन्दा गांवों के सरपंचों और वार्ड सदस्यों के लिए कार्यक्रम, 29 जून 2002 को।
3. व्यवसाय अवसर विनिर्धारण और एस.एच.जी. तथा डी.डब्ल्यु.सी.आर.ए. महिलाओं के लिए इसकी व्यवहार्यता, 6 जुलाई 2002 को, आन्ध्र प्रदेश के महबूबनगर जिले के अमंगल मंडल में।
4. भागीदारी के जरिए आजादी : आन्ध्र प्रदेश में एस.एच.जी./डी.डब्ल्यु.सी.आर.ए. के संबंध में एक अध्ययन, 16 जुलाई 2002 को।
5. सेवा प्रदाताओं और लाभार्थियों के बीच विचार-विमर्श, डी.आर.डी.ए. महबूबनगर के सहयोग से, 19 अगस्त 2002 को महबूबनगर में।

6. वन संरक्षण समितियों के संबंध में परियोजना के बारे में विचार-विमर्श बैठक, 30.10.2002 को खम्माम में वन अधिकारियों और वी.एस.एस. सदस्यों के बीच।

सेमिनारों और कार्यशालाओं में प्रस्तुत पत्र

संकाय सदस्यों द्वारा सेमिनारों/कार्यशालाओं में आठ पत्र प्रस्तुत किए गए।

पुस्तकें

1. "इमेनसिपेशन आफ मासिज फार सोशल डवलपमेंट, एस. विजय कुमार, डी. वासुदेव राव और आर. वेंकटा रवि द्वारा, 2002।

लेख

वर्ष के दौरान संकाय सदस्यों ने अठारह लेख प्रकाशित किए।

निधियां (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियां	राशि
प्रारम्भ में शेष	1,09,88,248.87	वेतन	34,14,543.00
भा.सा.विअ.प. से अनुदान		सावधि जमा	1,83,59,757.25
(योजनेतर)	32,00,000.00	मेडिकल खर्च	18,000.00
भा.सा.वि.अप.प. से अनुदान		अनुरक्षण	53,432.25
(योजनागत)	10,00,000.00	यात्रा व्यय	2,03,012.50
बैंक ब्याज	1,32,767.00	लेखन सामग्री और मुद्रण	34,982.15
		पुस्तकें और पत्रिकाएं	1,16,528.55
ऋण (वसूली)	19,000.00	कम्प्यूटर प्रभार	30,555.00
पी.एफ. प्रोफे. टेक्स एलआईसी (वसूली)	2,093.00	टेलीफोन और डाकखर्च	69,403.87
कोरप्स निधि	75,00,000.00	किराया/आवास/खानपान/	
अन्य स्रोत	11,33,744.00	व्याख्यान/प्रशिक्षण कार्यक्रम	2,89,404.05
विकास कार्यक्रम	9,99,476.00	बिजली	23,648.75
		फर्नीचर और उपस्कर	3,200.00
		आडिट फीस	7,000.00
		आकस्मिकता	15,362.25
		विविध प्रभार	61,907.65
		अन्त में शेष	17,74,590.10
		व्यय की तुलना में आय	
		की अधिकता	5,00,000.00
जोड़	2,49,75,328.87	जोड़	2,49,75,328.87

गिरी विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. उत्तर प्रदेश में निर्धनता और सामाजिक मानीटरन पद्धति के संबंध में बेसलाइन सर्वेक्षण रिपोर्ट, 1999-2000।
2. बी.आर.सी./एन.पी.आर.सी. तथा डी.आई.ई.टी. द्वारा दी गई शिक्षा सहायता की कारगरता का एक सर्वेक्षण।
3. एकीकृत वाटरशेड विकास परियोजना, जिला आगरा (उ.प्र.), का मूल्यांकन।
4. उत्तर प्रदेश में कृषि जिन्सों के लिए बाजार विनिमय का औचित्य।
5. एकीकृत वाटरशेड विकास परियोजना, जिला लखनऊ (उ.प्र.), का मूल्यांकन।
6. सूखा प्रधान क्षेत्र कार्यक्रम (डी.पी.ए.पी.), जिला लखीमपुर खेडी (उ.प्र.) का मूल्यांकन।
7. सूखा प्रधान क्षेत्र कार्यक्रम (डी.पी.ए.पी.), जिला सीतापुर (उ.प्र.) का मूल्यांकन।
8. उ.प्र. के ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर में सुधार के लिए कार्यक्रम का मूल्यांकन।
9. सांस्कृतिक निर्माण के रूप में राज्य : धार्मिक-राजनीतिक अभिप्रेरण की भूमिका।

चल रही परियोजनाएं

1. भू-सुधारों की स्थिति के संबंध में अध्ययन तथा इसके कार्यान्वयन की समस्याएं और उत्तर प्रदेश में ग्राम विकास के लिए प्रासंगिकता।
2. भारत में क्षेत्रीय दोहरापन, राज्य और विकास प्रक्रिया।
3. उ.प्र. के उत्तरांचल क्षेत्र के विकास पर जिले-वार योजनाबद्ध व्यय का प्रभाव।
4. सामुदायिक विकास प्रशिक्षण के प्रभाव का मूल्यांकन।
5. भारत और अमरीका के बीच अन्तर-फर्म व्यापार: एक संरचनात्मक विश्लेषण (चरण-1)।
6. उत्तर प्रदेश के लिए जिला माडल भू-उपयोग योजना का निर्माण।
7. एक ही क्षेत्र में कार्यरत अन्य किस्मों के स्कूलों के साथ तुलना में परिषदीय प्राथमिक स्कूलों की सामाजिक स्वीकार्यता।
8. उत्तर प्रदेश में ग्रामीण निर्धनता : कृषि श्रमिकों की मजदूरी दरों और रोजगार का एक विश्लेषण।
9. मुरादाबाद और बुलन्दशहर के लिए प्रायोगिक अध्ययन की सुपुर्दगी।
10. मार्जिन किसानों के संबंध में अध्ययन और उनकी आजीविका सुधारने का विकल्प : उत्तरांचल में एक अध्ययन।
11. उत्तर प्रदेश राज्य के लिए सर्व शिक्षा अभियान का मानीटरन और पर्यवेक्षण।

विशेष/स्मारक व्याख्यान

1. ''सुधारों का दशक : विगत तथा संभावना'' पर चौथा डी.पी. धर स्मारक व्याख्यान, प्रोफेसर ए. वैद्यनाथ, मद्रास विकास अध्ययन संस्थान, चेन्नई, द्वारा।
2. ''राज्य बाजार संयोग और भारत में विकास राज्य का पतन'' पर विशेष व्याख्यानमाला, प्रोफेसर कमल नारायण कसरा, आई.आई.पी.ए., नई दिल्ली द्वारा दिया गया।
3. ''नई आर्थिक व्यवस्था में रोजगार'' पर पांचवां वी. वी. गिरी स्मारक व्याख्यान, डॉ. एस.पी. गुप्ता, सदस्य, योजना आयोग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. जिला सांख्यिकी अधिकारी/उप निदेशक, आर्थिक और सांख्यिकी प्रभाग, योजना विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, राष्ट्रीय सर्वेक्षण और निर्धनता मानीटरन, सर्वेक्षण के 58वें चक्र के लिए।
2. समाज विज्ञानों में एक दस दिन का अनुसंधान अनुस्थापन तथा प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।

राष्ट्रीय और आन्तरिक सेमिनार

संस्थान ने आलोच्य अवधि के दौरान पांच सेमिनार आयोजित किए।

संस्थात्मक डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां

भा.सा.वि.अ.प. ने वर्ष 2002-2003 के दौरान संस्थान में तीन संस्थात्मक डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां प्रदान की (दो सामान्य तथा एक वेतन संरक्षण)।

पी.एच.डी.

तीन छात्रों ने संस्थान में अपना पी.एच.डी. अध्ययन कार्य जारी रखा।

पुस्तकें

1. ''एम्पावरिंग वीमेन थ्रू पंचायत राज सिस्टम'', जी. एस. मेहता द्वारा, कनिष्क पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
2. नान-फार्म इकोनोमी एण्ड रूरल डवलपमेंट'', जी. एस. मेहता, अनमोल पब्लिकेशन्स प्रा.लि., नई दिल्ली।

कार्य पत्र (मिमिओग्राफ्ड)

1. उत्तरांचल में मार्जिनकृत किसानों की आजीविका बढ़ाने के लिए अन्वेषण विकल्प।
2. उत्तरांचल पर बल देते हुए पर्वत कृषि।
3. नवोदय विद्यालय स्कीम का एक समालोचनात्मक मूल्यांकन।
4. डी.आई.ई.टी., बी.आर.सी. और एन.पी.आर.सी. की व्यवहार्यता के प्रति प्राथमिक अध्यापकों का बोध और विचार।
5. प्राथमिक स्तर पर शैक्षिक सहायता प्रदान करने वाले संस्थान कितने कार्यात्मक हैं?
6. प्राथमिक शिक्षा की कोटि सुधारने में डी.आई.ई.टी., बी.आर.सी. और एन.पी.आर.सी. की भूमिका।
7. उत्तराखण्ड आन्दोलन, उत्तरखण्डियों की नजर में।
8. भूमिका संघर्ष के सिद्धान्त की दिशा में : एक नया प्रतिमान।
9. समाजशास्त्रीय अनुसंधान की पद्धतियां : कुछ रीति वैज्ञानिक मुद्दे और सुझाव।

निधियां (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अवायगियां	राशि
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान	43,00,000.00	स्थापना	1,01,32,334.00
योजनेतर		पुस्तकालय	10,58,911.85
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान -		आकस्मिकता	8,500.00
योजनागत	11,00,000.00	कोरप्स निधि	7,50,953.65
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान -		सेमिनार और सम्मेलन	56,530.85
योजनागत अनावर्ती	13,00,000.00	अनुसंधान प्रकाशन	10,000.00
उ.प्र. सरकार (योजनेतर)	44,52,000.00	कोरप्स व्यय	12,460.00
उ.प्र. सरकार (योजनागत)	13,00,000.00	मुद्रण और लेखन सामग्री	7,85,766.55
कोरप्स निधि	11,45,953.65	फर्नीचर, फिक्सचर्स तथा उपस्कर	5,05,675.00
अन्य प्राप्तियां	8,42,953.00	डाकखर्च, टेलीफोन व तार	97,820.35
प्राप्तियों की तुलना में व्यय		यात्रा/सवारी	89,927.50
की अधिकता	7,71,137.10	बैठक व्यय	7,500.00
		मरम्मत और अनुरक्षण	3,68,160.50
		बिजली और जल प्रभार	6,83,234.00
		भवन का बीमा	16,721.00
		किराया, दर और कर	1,39,995.00
		वाहन संचालन और अनुरक्षण	50,083.69
		विविध व्यय	79,896.50
		आडिट फीस	1,34,164.00
		अन्य	1,64,552.00
		आय की तुलना में व्यय	
		की अधिकता	58,857.01
जोड़	**1,52,12,043.75**	**जोड़**	**1,52,12,043.75**

गोविन्द वल्लभ पन्त सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. बुनियादी जरूरत के रूप में ग्रामीण आवास - इलाहाबाद जिला, उत्तर प्रदेश का एक अध्ययन, भास्कर मजुमदार द्वारा।
2. औद्योगिक पौधों में अपशिष्टों का आन्तरिककरण: दो पौधों में तकनीकी-आर्थिक क्षेत्र का एक अध्ययन, भास्कर मजुमदार।

चल रही परियोजनाएं

1. पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषि श्रमिकों की रहन-सहन स्थितियां तथा उत्तरजीविता नीति।
2. भारत में गरीबी पर पुनर्विचार।
3. भारत की खाद्य अर्थव्यवस्था का सुधार।
4. चाइल्डलाइन, इलाहाबाद।
5. तीसरे विश्व का वैश्विकरण : अनिवार्यताएं और चुनाव/वैश्विकरण की राजनीतिक अर्थव्यवस्था।
6. उत्तर प्रदेश के जिले फैजाबाद में बाल श्रमिक के उन्मूलन का एकीकृत क्षेत्र विशिष्ट कार्यक्रम : मानीटरन तथा मूल्यांकन परियोजना।
7. उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में बाल श्रमिक के उन्मूलन का एकीकृत क्षेत्र विशिष्ट कार्यक्रम : मानीटरन तथा मूल्यांकन परियोजना।
8. पंचायती राज में महिलाओं के लिए आरक्षण के संदर्भ में महिला सशक्तिकरण।
9. बीसवीं शताब्दी में सूफीवाद का परिवर्तित विश्व: उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में सिलसिला का एक अध्ययन।
10. विगत पर विचार : इलाहाबाद जिले में एक विनिर्धारित ग्राम का अध्ययन।
11. पटना, जमशेदपुर और राउरकेला के जन शिक्षण संस्थान का मूल्यांकन।
12. इलाहाबाद जिला, उत्तर प्रदेश के कर्चना ब्लाक में गांवों में बसे लोगों का जीवन परिवेश।

राष्ट्रीय सेमिनार

उत्तर प्रदेश में श्रम और गरीबी।

राष्ट्रीय कार्यशाला

लिंग हिंसा और महिलाओं पर अत्याचारों से निपटने के लिए परामर्श-तकनीक और सम्बद्ध सेवाएं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. समाज विज्ञान डाटा विश्लेषण में कम्प्यूटर अनुप्रयोग पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।
2. ''काश और सुआ'' पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम, संस्थान द्वारा 11 से 27 अक्तूबर 2002 तक आयोजित।

जी.बी. पन्त स्मारक व्याख्यानमाला, 2002-2003

सत्रहवां जी.बी. पन्त स्मारक व्याख्यान, ''लिंग अधिकार, चुनाव और हिंसा'' पर प्रोफेसर रूप रेखा वर्मा, पूर्व कुलपति तथा अध्यक्ष, दर्शन शास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, द्वारा 26-27 मार्च 2003 को दिया गया।

हिंसा के संबंध में कोरप्स निधि व्याख्यानमाला

जी.बी. पंत समाज विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद द्वारा ''भारत में हिंसा'' पर अनेक व्याख्यान आयोजित किए गए।

सम्मेलन

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा समर्थित पी.एच.डी. छात्रों का चौथा क्षेत्रीय सम्मेलन 26 से 28 फरवरी 2003 तक आयोजित किया गया।

प्रदत्त पी.एच.डी.

आलोक पाण्डेय (2002) : ''जनजातीय क्षेत्रों में मानव विकास के लिए कार्यनीति : सोनभद्र जिले के विशेष संदर्भ में।

भा.सा.वि.अ.प. डाक्टोरल अध्येतावृत्ति

निम्नलिखित अध्येताओं ने 2002-2003 में अपनी अध्येतावृत्ति प्रारम्भ की :

1. करीमुल्लाह : भारत में 1991 से आर्थिक सुधार और स्टाक बाजार।
2. शैलेन्द्र कुमार पाठक, पंचायती राज संस्थाओं के

माध्यम से महिला अधिकारों को प्रोत्साहन : सुल्तानपुर जिले का एक अध्ययन।

पुस्तकें

1. "साइकोलाजी इन ह्युमन एण्ड सोशल डवलपमेंट: लेसन्स फ्राम डाइवर्स कल्चर्स : ए फ्रेस्ट्सक्रिप्ट फार दुर्गानन्द सिन्हा, आर.सी. त्रिपाठी, आर.सी. मिश्रा, जान डब्ल्यु. बेरी द्वारा : सागे पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली/थाउजेण्ड ओक्स/लन्दन।
2. "जेण्डर बायस इन गर्ल चाइल्ड एज्युकेशन", डॉ. एस.के. पन्त, कनिष्क पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रिब्युटर्स, नई दिल्ली।
3. "प्रयाग : अतीत, वर्तमान और भविष्य", बद्री नारायण तिवारी (सं.) : वाणि प्रकाशन, दिल्ली, 2002।

पत्र/लेख

वर्ष के दौरान संकाय सदस्यों ने प्रमुख पत्रों/समाचार-पत्रों में 48 लेख/पत्र प्रकाशित किए।

राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं

वर्ष के दौरान संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में लगभग 50 पत्र प्रस्तुत किए गए।

निधियां (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियां	राशि
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान	45,00,000.00	स्थापना	42,52,407.00
योजनेतर		पुस्तकालय	4,54,434.85
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान -		यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता	49,684.95
योजनागत	17,00,000.00	वाहन	77,355.00
उ.प्र. सरकार (योजनेतर)	17,00,000.00	मेडिकल भत्ता	57,300.00
उ.प्र. सरकार (योजनागत)	37,00,000.00	वेतन	35,37,931.90
		सेमिनार/व्याख्यान	18,727.80
		प्रकाशन	29,160.00
		अनुसंधान परियोजनाएं/कार्यक्रम	47,725.00
		लेखन सामग्री और मुद्रण	1,14,035.50
		डाकखर्च और टेलीफोन	1,82,810.00
		मरम्मत और अनुरक्षण	3,72,844.30
		आडिट फीस	12,500.00
		बिजली और जल प्रभार	6,93,505.00
		विविध व्यय	64,324.50
		कैम्पस	9,51,208.39
		आय की तुलना में व्यय की अधिकता	6,84,045.81
जोड़	**1,16,00,000.00**	**जोड़**	**1,16,00,000.00**

गुजरात विकास अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. गिर पारि-पद्धति का संरक्षण : वैकल्पिक प्रबंध व्यवस्था के तहत लाभ और लागत का मूल्यांकन।
2. कृषि में महिलाएं : घटते विकल्प, भावी सम्भावनाएं।
3. भारत में अनौपचारिक रोजगार का आकार, योगदान और विशेषताएं।
4. गुजरात के लिए पर्यावरणीय संकेतकों का निर्माण।

चल रही परियोजनाएं

1. गुजरात में एक सूखा प्रधान क्षेत्र में अवनयन और उत्प्रवास।
2. भारत में चिरकालिक गरीबी।
3. शहरी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में महिलाएं।
4. जल परम्परा की बहाली : पश्चिमी भारत में पारम्परिक जल दोहन पद्धतियों के आर्थिक और पर्यावरणीय निष्पादनों का मूल्यांकन।
5. ग्रामीण गुजरात में पेय जल और स्वच्छता क्षेत्रक का सुधार।
6. गुजरात में सहभागी सिंचाई प्रबंध कार्यक्रम का प्रक्रिया मानीटरन और तमिलनाडु तथा नेपाल में नेटवर्किंग।
7. भूकम्प पीड़ित लोगों की पूरी हुई व पूरी न हुई जरूरतें।
8. मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र से और गुजरात में बसे परियोजना प्रभावित लोगों का मानीटरन व मूल्यांकन।

नई परियोजनाएं

1. भारत में सहभागी वाटरशेड विकास परियोजनाओं के प्रभाव के संबंध में बैंचमार्क सर्वेक्षण।
2. गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ स्वास्थ्य सेवा प्रसूति की दृष्टि से दाई प्रशिक्षण कार्यक्रम।
3. गुजरात राज्य में एच.आई.वी./एड्स के प्रति भेद्य लोगों का जिले-वार मानचित्रण।

कार्यशालाएं और सेमिनार

1. प्राकृतिक संसाधन प्रबंध के प्रति दृष्टिकोण : राजनीति, प्रयास और प्रथाएं, 7-8 अगस्त 2002।
2. भारत में पश्चिमी और मध्य क्षेत्र राज्यों के संबंध में नए विकास प्रतिमान और चुनौतियां, 6 मार्च 2003।
3. भारत की आबादी, विगत, वर्तमान और भविष्य, स्वर्गीय प्रोफेसर प्रवीण विसारिया की स्मृति में, 4 मार्च 2003।
4. सामाजिक नीति के रूप में प्राकृतिक संसाधन वितरण, प्रोफेसर जेफ रोम्म, केलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कली, अमरीका, द्वारा, 9 अगस्त 2002।
5. बम्बई प्रेसीडेन्सी : 1891-1946 में कृषि और पशुधन विकास, प्रोफेसर तकाशी शिनोदा, दायतो बुनको विश्वविद्यालय, जापान, द्वारा, 21 फरवरी 2003।
6. कम आयु में मातृत्व, बाल उत्तरजीविता और बाल स्वास्थ्य, 24 दिसम्बर 2002।
7. जापान में श्रम बाजार में महिलाएं, 31 दिसम्बर 2002।

उपरोक्त के अलावा विभिन्न सेमिनारों, सम्मेलनों और कार्यशालाओं में 26 अन्य पत्र प्रस्तुत किए गए।

पुस्तकें

1. "गुजरात - एक सर्वायु" (गुजराती में), 2002, सुन्दर्शन आयंगर और डिगेन्ट ओझा द्वारा।
2. "डायनेमिक्स आफ डवलपमेंट इन गुजरात, 2002", एस.पी. कश्यप, अमिता शाह द्वारा।

इस अवधि के दौरान संकाय सदस्यों ने दो पुस्तकें और 30 लेख प्रकाशित किए। ग्यारह रिपोर्टें भी प्रकाशित की गईं।

निधियां (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियां	राशि
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान		वेतन	38,57,519.00
योजनेतर	16,00,000.00	बीमा	39,568.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान -		डाकखर्च, तार और टेलीफान	
योजनागत	22,00,000.00	प्रभार	1,64,349.00
गुजरात सरकार	19,00,000.00	लेखन सामग्री और मुद्रण	41,215.00
		पुस्तकें, पत्रिकाएं तथा जरनल	3,34,833.00
परियोजना से ऊपरि प्रभार	7,87,940.00	अनुरक्षण	3,82,178.00
बचत बैंक खाते पर ब्याज	26,110.00	आडिट फीस	15,750.00
विविध आय	2,50,202.00	बिजली	1,98,482.00
		सदस्यता	6,472.00
		यात्रा और सवारी	48,776.00
		वाहन व्यय	1,68,184.00
		विविध व्यय	1,98,861.00
		पिछले वर्षों के घाटे का समायोजन	13,08,065.00
जोड़	67,64,252.00	जोड़	67,64,252.00

भारतीय शिक्षा संस्थान, पुणे

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. महाराष्ट्र में प्रारम्भिक शिक्षा पद्धति के अपर प्राइमरी खण्ड का एक स्थिति व मूल्यांकन अध्ययन।
2. पुणे नगर में महिला स्नातकों के बीच बेरोजगारी का एक अध्ययन।
3. सतारा, पुणे और रत्नागिरि जिलों में पांच आदर्श गांवों का शैक्षिक सर्वेक्षण।
4. मावल और खेड तालुकों के तीन गांवों में महिलाओं के लिए प्रौढ़ साक्षरता कार्यक्रम के अन्तर्गत किए गए कार्य का मध्यावधि मूल्यांकन।

चल रही परियोजनाएं

1. राजश्री शाहू सर्वांगीण शिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत कोल्हापुर जिले में प्राथमिक स्कूलों का मूल्यांकन, कोल्हापुर जिला परिषद द्वारा आयोजित।
2. ग्रामीण महाराष्ट्र में ग्रामीण शिक्षा के लिए एक कोटि सुधार योजना तैयार करना।
3. थाणा में दहानु तालुक में ग्रामीण प्रारम्भिक शिक्षा के विकेन्द्रीकृत अधिशासन का अध्ययन।
4. महाराष्ट्र में उभरते विविध शैक्षिक और सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ हेतु सेवा-पूर्व शिक्षक शिक्षा : परिप्रेक्ष्य, प्रथाएं और सम्भावनाएं।
5. अल्पसंख्यकों की शिक्षा : उर्दू प्राथमिक स्कूलों का अध्ययन।
6. शिक्षा की मांग : एक अन्तर-विषयक परिप्रेक्ष्य।
7. शिक्षा के अर्थशास्त्र में अनुसंधान का सर्वेक्षण : एक अन्तर-विषयक दृष्टिकोण।
8. तीन दशकों के दौरान मराठी भाषा पाठ्यपुस्तकों में परिलक्षित विषयों का एक समालोचनात्मक अध्ययन।

सेमिनार

1. ''घूमन्तु जनजातियों (एन.टी.) तथा विसूचित जनजातियों (डी.टी.) की शैक्षिक समस्याओं'' पर एक राज्य स्तरीय सेमिनार आयोजित किया गया, 17-18 जून 2002।
2. ''पुणे नगर में महिला स्नातकों के बीच बेरोजगारी'' परियोजना से सम्बद्ध एक सेमिनार 24 जून 2002 को आयोजित किया गया।

डाक्टोरल अनुसंधान

चार छात्र अपने पी.एच.डी. अनुसंधान के संबंध में कार्यरत हैं।

प्रकाशन

संकाय सदस्यों ने 9 आवसरिक पत्र और विभिन्न पत्रिकाओं में 16 लेख प्रकाशित किए। संस्थान ने मराठी भाषा में ''शिक्षण अणि समाज'' पत्रिका का प्रकाशन किया।

निधियां (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियां	राशि
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान		मुद्रण और लेखन सामग्री	93,458.75
भा.सा.वि.अ.प. से प्राप्त तदर्थ		स्थापना	48,70,624.00
अनुदान सहित (योजनेतर)	17,00,000.00	डाकखर्च और टेलीफान	2,01,081.50
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान		या.भ./दै.भ.	25,618.00
(योजनागत)	20,00,000.00	वाहन का अनुरक्षण	1,60,518.35
अन्य प्राप्तियां	18,003.00	आकस्मिकता	3,68,032.20
आय की तुलना में व्यय की		सेमिनार/कार्यशालाए	5,97,060.30
अधिकता	26,95,554.10	अध्येतावृत्तियां	1,200.00
		एम.फिल. पाठ्यक्रम व्यय	2,195.00
		पुस्तकालय	93,769.00
जोड़	**64,13,557.10**	**जोड़**	**64,13,567.10**

विकास अध्ययन केन्द्र, जयपुर

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. सिंचाई का प्रबंधन : राजस्थान में मझौली और लघु सिंचाई परियोजनाओं का मूल्यांकन।
2. स्थानीय आपूर्ति और संरक्षण प्रबंधन-II ।
3. मानव उर्वरता और उत्प्रवास और इस प्रकार कृषि संधारणीयता पर ग्रामीण असमानता का प्रभाव।
4. एन.जी.ओ. नेटवर्किंग : राजस्थान के बीकानेर जिले में महिलाओं और बच्चों के बीच कुपोषण का निवारण और उन्मूलन।
5. भारतीय कृषि के सुधरे निष्पादन के लिए इक्विटी प्रेरित व्यापार और विपणन नीति कार्यनीतियां।
6. निर्धनोन्मुखी नगर आयोजना : कोटा और जोधपुर नगर।
7. राजस्थान राज्य में निर्धनों पर ग्रामीण गरीबी और उपशमन कार्यकलापों के प्रभाव का मूल्यांकन।
8. डी.पी.आई.पी. के लिए बेसलाइन सर्वेक्षण।
9. शिशुवस्था देश-रेख और विकास में पी.आर.आई. के महिला प्रतिनिधियों की भूमिका-पी.ई.सी.डी.।
10. जनसंख्या का विस्थापन : रणथम्बोर आरक्षणालय में ग्राम पाद्रा के स्वैच्छिक पुनर्आबंटन का एक प्रचालनात्मक अध्ययन।
11. बाल संरक्षण हेतु राष्ट्रीय पहल।
12. प्रशिक्षण कार्मिकों का मूल्यांकन, मास्टर प्रशिक्षकों का विनिर्धारण और बाल अधिकारों तथा लिंग मुद्दों के संबंध में उनका क्षमता निर्माण।
13. निर्धनोन्मुखी तथा लिंग संवेदी राज्य जल नीति : राजस्थान में मौसम संसाधन प्रबंधन के संबंध में एनजीओ बोध।
14. रूपारेल नदी बेसिन में लघु जल दोहन संरचनाओं का प्रभाव मूल्यांकन।
15. भारत में निर्धनता विश्लेषण और मानीटरन के लिए क्षमता निर्माण।
16. न्यूनतम समर्थन मूल्य - कुछ मुद्दे।
17. बड़ी कृषि अस्थिरता वाले राज्य - राजस्थान में खाद्य सुरक्षा मुद्दे।
18. एड्स नियंत्रण हेतु एन.जी.ओ. का मूल्यांकन।

चल रही परियोजनाएं

1. जैव विविधता और भू-उपयोग : लूनी नदी का एक पारिस्थितिकीय अध्ययन।
2. एक विकासशील अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक परिवर्तन - राजस्थान।
3. बाल लाइन : अनुसंधान सहायता और मानीटरन।
4. पंचायत समिति-वार विकास स्थिति सूचक : शिक्षा, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था।
5. शहरीकरण और जयपुर में भू-उपयोग परिवर्तन।
6. राजस्थान के प्राकृतिक संसाधन और कृषि एटलस।
7. एकीकृत क्षेत्र का मानीटरन और मूल्यांकन - जयपुर में बाल श्रमिकों के खतरनाक और शोषण रूपों के विरुद्ध दृष्टिकोण।
8. बालिका तथा खाद्य सुरक्षा मुद्दे : राजस्थान में आश्रयहीन बच्चों का अध्ययन।
9. एक लिंग परिप्रेक्ष्य की दृष्टि से राज्य बजट का विश्लेषण।
10. भारत में कृषि विपणन : भारतीय किसानों का सहस्राब्दि अध्ययन।
11. ग्रामीण भारत में सतही जल संसाधन का सामुदायिक प्रबंध।
12. वैकल्पिक पारिस्थितिकीय संवेदी जल अनुकूल विकास उपायों के संबंध में संस्थागत सुधार।
13. डी.पी.आई.पी. का प्रक्रिया मानीटरन।
14. बाल्यावस्था गरीबी अध्ययन।
15. राज्य स्तर पर भारतीय कृषि में सब्सिडियां।
16. राजस्थान में महिलाओं और बच्चों का व्यापार।
17. राजस्थान के 10 डी.पी.ई.पी. जिलों में ब्लाक संसाधन केन्द्र, समूह संसाधन केन्द्र और स्कूल प्रबंध समितियों के कामकाज का मूल्यांकन।
18. पारिस्थितिकी और जाति - चरण-II ।
19. भारत में कृषि क्रेडिट : भारतीय किसानों का सहस्राब्दि अध्ययन।

20. कनाडा मे भारतीय परिदृश्य।
21. क्या ग्रामीण असमानता ग्रामीण-शहरी उत्प्रवास को और अन्यथा प्रभावित करती है?
22. असमानताएं-उर्वरता अन्योन्यक्रिया - क्या परिसम्पत्ति पुन: विभाजक नीति भारत में उर्वरता को प्रभावित करती है?

कार्यशालाएं/सेमिनार/व्याख्यान/समूह चर्चाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम

इस अवधि के दौरान संस्थान ने 69 कार्यशालाएं, सेमिनार, व्याख्यान, समूह चर्चाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

पुस्तकें

1. "सस्टेनेबिल एग्रीकल्चर : पावर्टी एण्ड फूड सिक्युरिटी", एशियाई कृषि अर्थशास्त्री सोसायटी के तीसरे सम्मेलन की कार्यवाही, दो खण्ड, एस.एस. आचार्य, सुरजीत सिंह और विद्या सागर (सं), रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर-2002।
2. "एज्युकेशनल डवलपमेंट इन्डेक्स - राजस्थान : स्पेटिओ-टेम्पोरल एप्राइजल एट पंचायत समिति/ब्लाक लेवल", हेमलता जोशी, विश्वविद्यालय बुक हाउस, जयपुर, 2003।

संकाय और स्टाफ के लेख और प्रकाशन

1. इस अवधि के दौरान संस्थान के संकाय और स्टाफ ने 91 पत्र प्रकाशित किए।
2. इसके अलावा, संस्थान द्वारा 9 कार्य पत्र और 2 अनुसंधान रिपोर्टें भी तैयार की गईं।

कम्प्यूटर नेटवर्क

संस्थान में, नोवल नेट वेयर और विन एन टी प्लेटफार्मों पर दो समर्पित सर्वरों के साथ एक लोकल एरिया नेटवर्क (लेन) है। इन्टरनेट की सुलभता का विस्तार, वैयक्तिक ई-मेल पतों वाले सभी संकाय सदस्यों के साथ, 33 नोडों तक कर दिया गया है। प्रत्येक नोड से पुस्तकालय पुस्तकें, पत्रिकाएं, लेख और अनुसंधान रिपोर्टें प्राप्त की जा सकती हैं।

संस्थान, डब्ल्यु डब्ल्यु डब्ल्यु-आई डी एस जे. ओर्ग पते के साथ वर्ल्ड वाइड वेब पर है।

निधियां (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियां	राशि
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान		वेतन	81,33,990.00
(योजनेतर)	49,00,000.00	यात्रा व्यय	1,19,906.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान -		विद्युत और जल व्यय	4,07,019.00
(योजनागत)	7,00,000.00	टेलीफोन व्यय	76,009.00
प्राप्त ब्याज	20,80,782.00	डाकखर्च और तार	85,847.00
राजस्थान सरकार से अनुदान	18,00,000.00	अनुरक्षण	3,95,416.00
विविध आय	28,50,551.00	लेखन सामग्री और मुद्रण	1,74,923.00
ऊपरि प्रभार से प्राप्तियां		अनुसंधान प्रकाशन	60,526.00
परियोजनाओं पर प्रभारित	10,28,493.00	विधिक व्यय	5,296.00
		आकस्मिकताएं	1,29,142.00
		पुस्तकें और पत्रिकाएं	5,64,182.00
		भवन किराया	81,900.00
		सेमिनार और कार्यशालाएं	1,000.00
		विविध व्यय	9,04,138.00
		निधियों को अंतरित	16,06,288.00
		व्यय की तुलना में आय की अधिकता	6,44,244.00
जोड़	**1,33,89,826.00**	**जोड़**	**1,33,89,826.00**

आर्थिक विकास संस्थान, दिल्ली

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. पूर्व एशिया में ब्याज दरें और निवेश : विभिन्न वित्तीय उदारीकरण परिकल्पना का एक आनुभाविक मूल्यांकन।
2. भारत में स्टाक उतार-चढ़ाव।
3. मेक्रो-आर्थिक परिवर्तनशील तथा भारत में कीमत उतार-चढ़ाव : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन।
4. अल्प और मध्यावधि विकास तथा स्थिरता : एक मेक्रो इकोनोमीट्रिक विश्लेषण तथा भारत के लिए पूर्वानुमान।
5. भारत में अल्पावधिक विनिमय दर गतिकी के संबंध में एक अध्ययन।
6. भारत में मौद्रिक सम्प्रेषण तंत्र।
7. भारत में वित्तीय बाजार एकीकरण।
8. ग्रामीण अवस्थापना विकास निधि के उपयोग में अन्तर-राज्य भिन्नताएं।
9. सिंचाई में ग्रामीण अवस्थापना का वित्तपोषण : वित्तीय बहाली मुद्दे।
10. राज्य स्तर कृषि उत्पादन का एकपक्षीय पूर्वानुमान।
11. भूमि से प्रतिफल पर व्यापार उदारीकरण का प्रभाव: भारतीय कृषि का एक क्षेत्रीय अध्ययन।
12. भारत में संगठित विनिर्माण उद्योगों में मजदूरी दर का निर्धारण।
13. सुधार-पश्चात अवधि में औद्योगिक कार्यकुशलता में प्रवृत्तियां : एक डी.ई.ए. दृष्टिकोण।
14. विदेशी प्रत्यक्ष निवेश तथा स्थान लाभ : चीन और पूर्व एशिया की तुलना में भारत का जापानी बोध।
15. भारत में सूचना प्रौद्योगिकी फर्मों पर विदेशी प्रत्यक्ष निवेश उदारीकरण का प्रभाव।
16. एम.एन.ई. सम्बद्धन, फर्म आकार और निर्यात पुनरावलोकन : भारत में सूचना प्रौद्योगिकी फर्मों का एक अध्ययन।
17. भारतीय एयरलाइन्स में क्षमता उपयोग।
18. औद्योगिक विकास और भारतीय इस्पात उद्योग में प्रौद्योगिकी खपत : एक जापानी अनुभव के विशेष संदर्भ में।
19. तमिलनाडु के चर्म उद्योग में परक्रामित सामूहिक कार्रवाई : पर्यावरणीय स्तर और सफल अनुपालन की गतिकी।
20. लिंग और भू-अधिकारों पर पुनर्विचार : राज्य, परिवार और बाजारों की दृष्टि से नव सम्भावनाओं की खोज।
21. कृषि में ठेके की व्यवस्था के चुनाव में अभिप्रेरण, जोखिम और पर्यवेक्षण लागत।
22. कृषि बाजार हस्तक्षेप नीतियां : एक नई व्यवस्था में प्रवृत्तियां तथा निहितार्थ।
23. भारतीय कृषि में पूंजी निर्माण : प्रवृत्तियां, गठन और विकास निहितार्थ।
24. भारतीय कृषि के लिए संस्थात्मक क्रेडिट : चूक और नीतिगत विकल्प।
25. संधारणीय कृषि विकास में उदारीकरण के निहितार्थ: उत्तर-पश्चिम भारत का एक मामला अध्ययन।
26. लिंग असमानता, सहयोग और पर्यावरणीय संधारणीयता।
27. सामान्य पूल संसाधनों पर परिवार निर्भरता : भारत से एक इकोनोमीट्रिक अध्ययन।
28. वन जैव-विविधता और काष्ठ निष्कर्षण : बाजार और बाजार-भिन्न तंत्रों की अन्योन्यक्रिया का एक विश्लेषण।
29. लोग तथा पारि-पद्धतियां : मूल्यांकन के लिए एक रूपरेखा।
30. सखात्मक (हेडोनिक) सम्पत्ति कीमतें तथा भारत में शहरी वायु प्रदूषण कम करने के लाभों का मूल्यांकन।
31. उद्योग के लिए पर्यावरणीय और आर्थिक लेखा-जोखा।
32. समूह आचरण का अप्रत्यक्ष पक्ष : दक्षिण एशिया में सामुदायिक वानिकी समूहों का लिंग विश्लेषण।
33. सौदेबाजी और विधिक परिवर्तन : भारत के वसीयत कानूनों में लिंग समानता की दिशा में।
34. अर्थशास्त्र और अन्य समाज विज्ञान : एक अनिवार्य विभाजन?
35. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण प्रशिक्षण संस्थानों का कामकाज : दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के संबंध में एक मूल्यांकन।

36. घटते सेक्स अनुपात के संबंध में जनांकिकीय परिप्रेक्ष्य।
37. जिला स्तर पर गर्भनिरोधक उपयोग दरें और उर्वरता का माप : विद्यमान डाटा आधारों के इष्टतम उपयोग हेतु पद्धतियों का विकास।
38. भारतीय उपमहाद्वीप में शहरी वायु प्रदूषण उपशमन से स्वास्थ्य लाभ।
39. उत्तर प्रदेश और उत्तरांचल में उर्वरता और आर.सी. एच. स्थिति : एक जिला स्तरीय विश्लेषण।
40. दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बन्ध्यीकरण बिस्तर स्कीम के सम्वर्ती मूल्यांकन की रिपोर्ट।
41. समकालीन भारत : एक समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण।
42. वैश्विकरण के युग में नागरिकता : प्रतियोगिताएं, उभयवादिता और विकल्प।
43. अच्छे नागरिक का निर्माण : स्कूलों में मूलभूत ड्युटियों का शिक्षण।
44. नागरिकता : ऐतिहासिक और वैचारिक खोज।
45. असुरक्षित को सुरक्षित करना : दक्षिण एशिया में विस्थापितों के अधिकार और दशा।
46. विविधता में एकता : भारतीय केलेण्डर आर्ट में राष्ट्रवाद का असमंजस।
47. स्वतंत्रता-पश्चात भारत में परिवार को कानूनी रूप देना।
48. लोकप्रिय प्रिन्ट संस्कृति का समाजशास्त्रीय अध्ययन।
49. हिमाचल प्रदेश में फ्रन्ट गार्ड की आनुवंशिकी।
50. प्रकृति का आरक्षण : सतत वाद-विवाद और निष्कासन की प्रक्रियाएं।
51. नीति कार्यान्वयन अन्योन्यक्रिया की खोज : हिमाचल प्रदेश, भारत में काष्ठ अधिकार।
52. विविधता के साथ रहना : पश्चिम हिमालय में वानिकी संस्थान।
53. एच.आई.वी./एड्स के लिए डाटाबेस का संकलन: आर्थिक प्रभाव और कार्यक्रम प्रबंध पहलू।
54. उपचार प्राप्ति आचरण और भारत में पृष्ठरोधी उपचार हेतु अदायगी करने की इच्छा।
55. उपचारात्मक देख-रेख की मांग : एक आपूर्ति परिप्रेक्ष्य -हिन्दूजा अस्पताल का एक मामला अध्ययन।
56. किशोरों की स्कूल शिक्षा कौन निर्धारित करता है? भारत से नए साक्ष्य।
57. दिल्ली नगर में किशोर स्वास्थ्य देख-रेख।
58. व्यावसायिक चुनाव, नेटवर्क और अन्तरण।
59. ग्रामीण कृषि-भिन्न क्षेत्रक।
60. अवस्थापना के अर्थशास्त्र में मुद्दे।

चल रही परियोजनाएं

1. गिरती ब्याज दर : भारत में बचत, निवेश और विकास पर प्रभाव।
2. बंगलादेश में बचत और विकास।
3. भारत, दक्षिण एशिया व अन्य विकासशील देशों में बचत आचरण।
4. भारत और दक्षिण एशिया में निवेश आचरण।
5. आर्थिक सुधार और रोजगार में संरचनात्मक परिवर्तन : भारत में संगठित और अनौपचारिक क्षेत्रक में लिंग विशिष्ट रोजगार आचरण का एक तुलनात्मक विश्लेषण।
6. जी.एस.डी.पी. पूर्वानुमान और विश्लेषण रिपोर्ट।
7. भारतीय अर्थव्यवस्था का एक मेक्रो-इकोनोमीट्रिक पूर्वानुमान।
8. भारत में पूर्व चेतावनी सिगनल का एक बेसिअन विश्लेषण।
9. स्टाक बाजार आचरण का एक मेक्रोइकोनोमीट्रिक विश्लेषण।
10. सुधार-पश्चात युग में भारतीय राज्यों के बीच भिन्नता-1980 तथा 1990 के दशकों में जी.एस.डी.पी. डाटा का विश्लेषण।
11. भारतीय कार्यबल की बदलती संरचना।
12. दसवीं योजना लक्ष्य का एक मेक्रो-इकोनोमीट्रिक मूल्यांकन।
13. बी.वी.ए.आर. माडल के जरिए टर्निंग पाइंट का पूर्वानुमान तथा सशर्त भविष्यवाणी।
14. भारतीय विदेशी मुद्रा बाजार के संबंध में एक विनिबंध।
15. भारतीय आर्थिक नीति सुधारों को समझना।
16. विदेशी बचतों के प्रभावों का पता लगाने के लिए अन्तर-देशीय साक्ष्य।
17. पी.पी.पी. (क्रय शक्ति समानता) पर विनिमय दर व्यवस्था और घरेलू नीतियों का प्रभाव।
18. पिछड़े राज्यों पर केन्द्रीय अन्तरणों का प्रभाव।
19. माडलिंग उद्योग क्षेत्र।
20. व्यापार, प्रतिस्पर्द्धात्मकता और आकार संयोजन।
21. भारतीय फर्मों में कार्यकुशलता की व्याख्या करने में प्रौद्योगिकीय कारकों की बदलती भूमिका।

22. बौद्धिक सम्पदा, व्यवसाय नीति और उद्योग विकास: भारत में साफ्टवेयर का मामला।
23. नेटवर्किंग के जरिए, न कि एम एण्ड ए के जरिए अन्तर्राष्ट्रीय विकास : भारतीय साफ्टवेयर उद्योग का काउन्टर उदाहरण।
24. भारत/चीन : चीन और भारत में आई.टी. उद्योग के विकास का तुलनात्मक अध्ययन – विनिर्माण अथवा सेवाएं?
25. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की उभरती गतिकी और भारत तथा चीन के बीच निवेश।
26. एयर इण्डिया की लागत प्रतिस्पर्द्धात्मकता।
27. इण्डियन एयरलाइन्स का निष्पादन : एक उत्पादकता तथा लागत तुलना।
28. भारत में निजीकरण तथा औद्योगिक निष्पादन।
29. भारत के अन्दर उप-राष्ट्रीय भिन्नताएं हमें वैश्विकरण के युग में समान क्षेत्रीय विकास की सम्भावनाओं के बारे में क्या बताती हैं?
30. तृतीय पीढ़ी/मूल्य श्रृंखला के अन्दर अध्ययन : तमिलनाडु के कपड़ा उद्योग से सफल समायोजन के उदाहरण।
31. भारतीय किसान की स्थिति – एक सहस्राब्दि अध्ययन।
32. अन्तर-क्षेत्रकीय विकास संयोजन : सुधार।
33. कृषि बाजार हस्तक्षेप नीतियां : एक नई व्यवस्था में प्रवृत्तियां तथा निहितार्थ।
34. भारत की कृषि निर्यात क्षमता तथा बदलते अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य में वास्तविक लागत।
35. भारत में घरेलू खाद्य सुरक्षा पर व्यापार तथा सम्बद्ध सुधारों का प्रभाव।
36. मेक्रो नीतिगत परिवर्तन तथा भारतीय कृषि की प्रतिक्रिया।
37. एशिया में कृषि व्यापार नीति के समर्थन के लिए क्षेत्रीय महत्वपूर्ण संरचना।
38. आर्गनिक तथा बायो-उर्वरकों के साथ-साथ रासायनिक उर्वरकों का उपयोग करना।
39. भारतीय कृषि का वैश्विकरण : फसल चुनाव तथा इन्पुट उपयोग पर एक परस्पर-खण्डीय दृष्टि।
40. भारत में फसल बीमा की समस्याएं और सम्भावनाएं।
41. भारत में ग्रामीण कृषि-भिन्न रोजगार।
42. भारत में दूध और दुग्ध उत्पादों के लिए आयात उदारीकरण के निहितार्थ।
43. सरकारी नीतियां तथा कृषि विकास : वाणिज्यिक कृषि का एक मामला अध्ययन।
44. सहस्राब्दि पारि-पद्धति मूल्यांकन।
45. अन्तर्राष्ट्रीय कार्बन अर्थव्यवस्था और भारतीय वनों द्वारा कार्बन अलगाव : एक खोज।
46. भारत में सहभागी वन प्रबंधन में पणधारियों के बोध को शामिल करना।
47. अधूरे बाजारों में परिवार जल सेवाएं : शहरी निर्धनों के लिए जल दबाव के प्रबंधन में बोध और पद्धतियां।
48. आधारीय सुविधाविहीन शहरी परिवार के लिए सुरक्षित जल की आर्थिक कीमत : दिल्ली, भारत का एक मामला अध्ययन।
49. विकास के प्रेरक के रूप में सी.पी.आर. : हिमाचल प्रदेश, भारत में एन.टी.एफ.पी. का अध्ययन।
50. शहरी वायु प्रदूषण का मूल्यांकन और जवाबदेही: भारतीय उप-महाद्वीप में कुछ प्रमुख शहरी क्षेत्रों का अध्ययन।
51. कोरपोरेट सामाजिक दायित्व।
52. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली की शहरी पारि-पद्धतियों में भू-उपयोग परिवर्तन के आर्थिक अभिप्रेरकों का मूल्यांकन।
53. पारम्परिक राष्ट्रीय लेखों के लिए उपग्रह लेखों के रूप में प्राकृतिक स्रोतों का भौतिक और मौद्रिक लेखा-जोखा : भारत के आन्ध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल राज्यों के संबंध में वायु और जल का लेखा।
54. भारत और नेपाल में लिंग, परिवेश और सामूहिक कार्रवाई।
55. भारत में दम्पत्ति हिंसा : क्या महिला की सम्पत्ति हैसियत का कोई प्रभाव पड़ता है?
56. वृद्ध भारतीयों के स्वास्थ्य और आजीविका मुद्दे: वृद्धावस्था सुरक्षा उपाय तैयार करने की दिशा में एक खोज।
57. बिहार और झारखण्ड में जनांकिकीय प्रवृत्तियां : हाल ही के सर्वेक्षणों और जनगणना से क्या खोजा जा सकता है?
58. भारत के लिए एक जनांकिकीय बोनस? वृद्ध जनसंख्या का प्रथम परिणाम।
59. भारत में भिन्न-भिन्न मृत्यु दर प्रवृत्तियां।
60. भारत में माता-पिता नैदानिक प्रौद्योगिकियों के उपयोग

के निर्धारक तथा जन्म के समय सेक्स अनुपात, भारत।

61. ग्रामीण उत्तर भारत में गर्भनिरोधकों की पूरी हुईं और पूरी न हुईं जरूरतों के निर्धारक।
62. भारतीय राज्यों में उत्प्रवास तथा विकास।
63. उत्तर प्रदेश और उत्तरांचल में पुनर्जनन व बाल स्वास्थ्य।
64. उत्तर प्रदेश और उत्तरांचल में पुनर्जनन व बाल स्वास्थ्य, चक्र II, चरण I।
65. उत्तर प्रदेश और उत्तरांचल में पुनर्जनन व बाल स्वास्थ्य, चक्र II, चरण II।
66. भारत के चुनिन्दा राज्यों में 11 से 20 वर्ष की आयु में उर्वरता।
67. आर्थिक सुधारों के संदर्भ में 1990 के दशक में शहरीकरण की पद्धति।
68. राजस्थान में जनांकिकीय संक्रमण की गतिकी।
69. विशेषाधिकार का एनक्लेव : गलत नाम वाली मिडिल श्रेणी का पता लगाना।
70. आर्थिक समाजशास्त्र में एक रीडर।
71. जाति असमानता और सामाजिक नीति।
72. लिंग और उत्प्रवास : सामाजिक बहिष्कार और नागरिकता में मुद्दे।
73. नागरिकता : ऐतिहासिक और वैचारिक खोज।
74. मातृकुल और राज्य : तुलनात्मक एशियाई परिप्रेक्ष्य।
75. अनुशासनात्मक जीवनियां : भारतीय मानवशास्त्र व समाजशास्त्र का इतिहास।
76. विवाह और उत्प्रवास।
77. वैश्विक पर्यावरणीय मार्ग, स्थानीय आजीविका विस्थापन : संधारणीय परिवेशों और आजीविकाओं का समायोजन।
78. स्थित संरक्षणवादी समुदाय अपने स्थान पर : कुल्लु देवबन की राजनीतिक अर्थव्यवस्था।
79. हिमालय में सोसायटी और पारिस्थितिकी : सिद्धान्त और अभ्यास को जोड़ना।
80. अस्पष्ट सीमाओं का परक्रामण : भारत में आवास, सामाजिक पूंजी और नीति कार्यान्वयन।
81. झारखण्ड में वन प्रबंधन में विनियम रूपरेखा की समीक्षा।
82. भारत में किशोरों का स्वास्थ्य और शिक्षा।
83. भारतीय अस्पतालों में एच.आई.वी. सकारात्मक रोगियों के लिए अस्पताल परिवेश सुधारना।
84. एच.आई.वी./एड्स देखभाल और समर्थन कार्यक्रम की लागत।
85. भारत में एन्टीरिट्रोवल उपचार की सुलभता : एक व्यवहार्यता अध्ययन।
86. भारत में एच.आई.वी./एड्स के संबंध में वैकल्पिक हस्तक्षेपों की किफायतता।
87. जनसंख्या की स्वास्थ्य जरूरतों के प्रत्युत्तर में राष्ट्रीय कार्यक्रम।
88. वैकल्पिक औषधि और भारत में इसका विकास।
89. वृद्धों के बीच समाजार्थिक और स्वास्थ्य असमानताएं: ग्रामीण भारत से कुछ साक्ष्य।
90. सामूहिक अर्थव्यवस्थाएं, आर्थिक विकास और निध नता।
91. सरकारी और निजी क्षेत्रक रोजगार और मजदूरी निर्माण का सिद्धान्त।
92. 1990 के दशक में असंगठित विनिर्माण।
93. ग्रामीण कृषि-भिन्न क्षेत्रक में रोजगार।
94. निर्धनता में परिवर्तन : एक विघटन विश्लेषण।
95. उदारीकृत अवधि में भारत में खुलापन, मजदूरी और रोजगार।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

आर्थिक विकास संस्थान ने भारतीय आर्थिक सेवा परिवीक्षार्थियों के लिए (पच्चीसवां दल) नौ मास का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जिसका प्रायोजन आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने फरवरी 2002 से किया था।

पी.एच.डी. कार्यक्रम

दो अनुसंधान छात्रों को भा.सा.वि.अ.प. डाक्टोरल अध्येतावृत्तियां प्रदान की गईं। एक छात्र को पी.एच.डी. डिग्री प्रदान की गई। विभिन्न विश्वविद्यालयों से 16 पी.एच.डी. छात्र अपना डाक्टोरल अनुसंधान कार्य जारी रखे हुए हैं तथा दो छात्रों ने डिग्री प्रदान करने हेतु अपना शोध निबंध दिल्ली विश्वविद्यालय को प्रस्तुत कर दिया है।

पुस्तकें

वर्ष 2002-2003 के दौरान संस्थान के संकाय सदस्यों ने निम्नलिखित पुस्तकें प्रकाशित कीं :

1. "ट्रेड लिब्रलाइजेशन, डब्ल्यु.टी.ओ. एण्ड इण्डियन एग्रीकल्चर : एक्सपीरिएन्स एण्ड प्रोस्पेक्ट्स" रमेश चन्द्र, मित्तल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली, 2002।

2. "कनटेम्पोरेरी इण्डिया : ए सोशिओलाजिकल व्यू: सतीश देशपाण्डे, वाइकिंग, पेनगुइन बुक्स इण्डिया, 2003।
3. "सोशल साइंस रीसर्च केपेसिटी इन साउथ एशिया: सतीश देशपाण्डे, समाज विज्ञान अनुसंधान परिषद, न्युयार्क, 2002।
4. "मुस्लिम कम्युनिटीज आफ साउथ एशिया : कल्चर, सोसायटी एण्ड पावर", 2002।
5. "अक्युपेशनल चोइसिज, नेटवर्क एण्ड ट्रान्सफर्स: एन एक्सजेसिस बेस्ड आन माइक्रोडाटा फ्राम दिल्ली स्लम्स", अरूण मित्रा, मनोहर, नई दिल्ली।
6. "ए फिस्कल डोमेन फार पंचायत्स", इन्दिरा राजारमन, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रैस, 2003।
7. बीयोण्ड अपीरिएन्सिज? विजुअल प्रेक्टिसिज एण्ड आइडियोलोजीज इन माडर्न इण्डिया", सुमति रामास्वामी, नई दिल्ली, सागे पब्लिकेशन्स, 2003।
8. "ग्लोबल बिजनिस, टेक्नोलाजी एण्ड नोलिज शेयरिंग : लेसन्स फार डवलपिंग कन्ट्री एन्टरप्राइजिज", एन. एस. सिद्धार्थ (वाई.एस. राजन के साथ), मेकमिलन, नई दिल्ली, 2002।

लेख/पत्र

संकाय सदस्यों ने विख्यात पत्रिकाओं में 116 लेखों का योगदान दिया, 14 पत्र मिडिया में तथा छः अन्य संस्थानों द्वारा प्रकाशित किए गए। उन्होंने आई.ई.जी. श्रृंखला के लिए 15 कार्य पत्रों का योग दिया। इसके अलावा, संकाय सदस्यों ने 15 कार्यपत्रों का भी योगदान किया।

सेमिनार

संकाय सदस्यों ने 28 सेमिनार आयोजित किए।

आई.ई.जी. चर्चा पत्र श्रृंखला

आई.ई.जी. चर्चा पत्र श्रृंखला के लिए 15 पत्रों का योगदान किया गया।

आई.ई.जी. अवसरिक पत्र श्रृंखला

चार अवसरिक पत्र और 61 मिमिओग्राफ्ड पत्र तैयार किए गए।

अवसरिक अध्ययन

1. "सिटिजनशिप : हिस्टोरिकल एण्ड कन्सेपचुअल एक्सप्लोरेशन्स", अनुपम राय, ओरिएन्ट लोंगमेन।
2. "धर्म एण्ड डिजायर : जेण्डर एण्ड फेमिली इन इण्डियन पापुलर कल्चर", पैट्रिसिआ उबेराय, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रैस, दिल्ली, 2004।
3. "डिस्सिपिलनरी बायोग्राफीज : एसेज इन दि हिस्ट्री आफ इण्डियन एन्थ्रोपोलोजी", पर्मानेन्ट ब्लैक, नई दिल्ली, जनवरी 2004।
4. "लिविंग विद डाइवर्सिटी : फोरेस्ट्री इन्स्टिट्यूशन्स इन दि वेस्टर्न हिमालयाज", सुधा वासन, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला।
5. "सोसायटी एण्ड इकोलोजी इन दि हिमालय : लिविंग थ्योरी एण्ड प्रेक्टिस", सुधा वासन (सं), भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला।

समाजशास्त्र में अवसरिक पत्र

1. "ग्लोबलाइजेशन एण्ड सिटिजनशिप : कन्टेस्ट्स, एमबिगुईटीज, एण्ड आल्टर्नेटिव्ज" अनुपमा राय, अंक 10।
2. "एनलाइटमेंट इयुजेनिक्स, हिन्दू आर्थोडोक्सी एण्ड नार्थ इण्डियन प्रीज्युडिस : लेजिस्लेटिंग दि फेमिली इन पोस्ट-इन्डीपेन्डेंस इण्डिया", पेट्रिसिआ उबेराय, अंक 8 ।
3. फ्रान्सिस एल. के. ह्स्यु एण्ड दि कम्पेरेटिव स्टडी आफ दि फेमिली इन इण्डिया एण्ड चाइना", पेट्रिसिआ उबेराय, अंक 9 ।
4. "एक्सप्लोरिंग दि पालिसी-इम्प्लीमेन्टेशन इन्टरफेसः टिम्बर राइट्स इन हिमाचल प्रदेश, इण्डिया", सुधा वासन, अंक 11 ।

कन्ट्रीब्युशन्स टू इण्डियन सोसिओलाजी

वर्ष के दौरान "कन्ट्रीब्युशन्स टू इण्डियन सोसिओलाजी" के तीन अंक, खण्ड 36, अंक 1-3 (2002) प्रकाशित किए गए। खण्ड 37, अंक 1 और 2 (2003), "माइग्रेशन इन साउथ एशिया" पर एक विशेष अंक होगा जिसका सम्पादन अतिथि फिलिप्पो ओसेला और केटी गार्डनर, ससेक्स विश्वविद्यालय, द्वारा किया जाएगा। इसे भी एक हार्ड कवर के रूप में जारी किया जाएगा जिसका प्रकाशन सागे पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली द्वारा समाजशास्त्र में अवसरिक अध्ययन श्रृंखला (अंक 11) के लिए किया जाएगा।

शिक्षण/प्रशिक्षण/आयोजन कार्यकलाप

संकाय सदस्यों ने 72 व्याख्यान दिए और सम्मेलनों में भाग लिया तथा प्रशिक्षण प्रदान किया।

पुस्तकालय

आई.ई.जी. पुस्तकालय, 500 से अधिक अनुसंधान संस्थानों, सरकारी विभागों और यू.एन. जैसे अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों की निःशुल्क सूची में है। पुस्तकालय को विश्व बैंक तथा अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई.एम.एफ.) के प्रकाशन प्राप्त करने के लिए एक जमाकर्ता का दर्जा प्राप्त है।

निधियां (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियां	राशि
प्रारम्भ में शेष	1,50,11,656.00	वेतन तथा भत्ते	2,49,01,825.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान (योजनेतर)	60,00,000.00	राजस्व व्यय	2,70,26,796.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान (योजनागत आवर्ती)	14,00,000.00	विनिश्चित निधियां	16,75,456.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान (योजनागत अनावर्ती)	33,00,000.00	अचल परिसम्पत्तियां	29,26,550.00
अन्य नियमित खण्ड	1,95,69,000.00	निवेश	2,86,58,400.00
संस्थात्मक पीठ	1,03,63,007.00	अग्रिम	1,32,99,861.00
धर्मादा/दान	80,88,385.00	नकद व बैंक शेष	3,52,09,378.00
प्रायोजित परियोजनाएं	3,70,85,817.00		
अनुसंधान अध्येतावृत्तियां	2,29,000.00		
निवेशों से आय	18,46,798.00		
राजस्व आय	17,30,626.00		
निवेशों की परिपक्वता	2,76,60,000.00		
अग्रिम की वसूली	14,13,977.00		
जोड़	**13,36,98,266.00**	जोड़	13,36,98,266.00

लोक उद्यम संस्थान, हैदराबाद

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. आन्ध्र प्रदेश के 29 प्रथम श्रेणी नगरों में मेनटरिंग कार्यकलाप शुरू करने के लिए उपयुक्त नगर स्तरीय एजेन्सियों (एन.जी.ओ.) का विनिर्धारण।
2. भारत में राज्य सरकार क्षेत्रक उपक्रमों का पुनर्गठन व विनिवेश।
3. आन्ध्र प्रदेश में ए.पी.एस.यू. का पुनर्गठन।
4. भारत-फ्रांस निजीकरण।
5. ए.पी.एस.आर.टी.सी. का पुनर्गठन।
6. रायल कालेज आफ इंजीनियरिंग, मेडक के लिए आई.एस.ओ. 9000:2000 प्रमाणन।

चल रही परियोजनाएं

1. ए.पी.एस.टी.एस. के लिए, आई.एस.ओ. 9000:2000 प्रमाणन -नोटबुक डिविजन तथा एयर कार्गो कम्प्लेक्स का स्तरोन्नयन तथा आई.एस.ओ. 9000:2000 के लिए किराया खरीद का प्रमाणन।
2. जैव-प्रौद्योगिकी के लिए शैक्षिक ढांचा।
3. राज्य स्तर सरकारी उद्यमों में विनिवेश।

पी.एच.डी. कार्यक्रम

दो पी.एच.डी. छात्रों ने अपना कार्य पूरा कर लिया तथा सात छात्र अध्ययनरत थे।

प्रकाशित पुस्तकें

1. "मेनेजरियल टूल्स फार कोरपोरेट लीडरशिप", आर.के. मिश्रा, हिमालय पब्लिकेशन्स, मुम्बई, 2002।
2. "पब्लिक एन्टरप्राइजिज मेनेजमेंट इश्यूज एण्ड पर्सपेक्टिव", आर.के. मिश्रा, अनमोल, नई दिल्ली 2002।

3. ''प्राइवेटाइजेशन'', आर.के. मिश्रा और के.एस. भरती, विकास, नई दिल्ली, 2002।
4. ''दि रोल आफ मेमोरेन्डम आफ अन्डरस्टेंडिंग इन पब्लिक एन्टरप्राइज रिफोर्म'', आर.के. मिश्रा, आर. नन्दगोपाल, पी. गीता और बी. नवीन, विकास, नई दिल्ली, 2002।
5. रीस्ट्रक्चरिंग आफ स्टेट लेवल पब्लिक एन्टरप्राइजिज'', आर.के. मिश्रा और बी. नवीन, अनमोल, नई दिल्ली, 2002।
6. ''प्राइवेटाइजेशन : इवोल्युशन आफ इण्डियन थॉट'', आर.के. मिश्रा, नई दिल्ली, 2002।
7. ''रिफोर्मिंग पब्लिक मेनेजमेंट'', आर.के. मिश्रा, रावत, जयपुर, 2003।
8. ''कस्टमर रीलेशनशिप मेनेजमेंट - टेक्स्ट एण्ड केसिज'', जी. सोमायाजुलु और वी. वेंकट रमन (सं.), एक्सेल पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
9. ''प्रोसीडिंग्स आफ दि नेशनल कन्फरेंस आन ''नोलिज मेनेजमेंट'', एम.एल. साईकुमार और एस. श्रीनिवास मूर्ति (सं.), आई.पी.ई. जनवरी 2003।

आई.पी.ई. के संकाय सदस्यों ने सेमिनारों और सम्मेलनों में 13 पत्र प्रस्तुत किए तथा 12 पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए।

उपरोक्त के अलावा, संस्थान ने सात कार्य पत्र प्रकाशित किए।

सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. ग्लोबल बिजनिस डवलपमेंट इन्स्टिट्युट (जी.बी.डी.आई.), केलिफोर्निया, अमरीका के सहयोग से ''नई सहस्राब्दि में वैश्विकरण पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2-3 जनवरी 2003।
2. ''नोलेज मेनेजमेंट'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 24-25 जनवरी 2003।
3. विभिन्न विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों के लिए ''ऊर्जा और मानव संसाधन प्रबंध'', वि.अ.आ. द्वारा प्रायोजित, 20 दिसम्बर 2002 से 21 जनवरी 2003।
4. ''वैश्विकरण पर जी.बी.डी.आई. अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2-3 जनवरी 2003।
5. ''भारत में सरकारी उद्यमों में विनिवेश तथा निजीकरण'', लोक उद्यम विभाग, भारत सरकार के सहयोग से, 20-21 जनवरी 2003।
6. ''नोलिज मेनेजमेंट'', 24-25 जनवरी 2003।
7. केन्द्रीय और राज्य स्तरीय सरकारी उद्यमों के लिए सहमति ज्ञापन (एम.ओ.यू.) लोक उद्यम विभाग, भारत सरकार के सहयोग से, 27-28 जनवरी 2003।
8. महत्वपूर्ण वित्तीय प्रबंधन, 5-7 फरवरी 2003।
9. विभिन्न विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों के लिए ''प्रबन्ध अनुस्थापन, वाणिज्यिक प्रबंध और परियोजना प्रबंध'', वि.अ.आ. द्वारा प्रायोजित, 24 फरवरी 2003 से 18 मार्च 2003 तक।
10. बी.एच.ई.एल. के कार्यकारियों के लिए (प्रबंध अनुस्थापन, वाणिज्यिक प्रबंध और परियोजना प्रबंध'', 23 दिसम्बर 2002 से 16 जनवरी 2003।
11. आन्ध्र प्रदेश वेयरहाउसिंग कारपोरेशन के कार्यकारियों के लिए विज़न मिशन, 12 जनवरी 2003।
12. आन्ध्र प्रदेश वेयरहाउसिंग कारपोरेशन के कार्यकारियों के लिए कारपोरेशन पर पुनर्विचार, 2 से 16 फरवरी 2003।
13. गोदावरी फर्टिलाइजर्स लि. के कार्यकारियों के लिए महत्वपूर्ण प्रबंधन, 10-11 फरवरी 2003।
14. वि.अ.आ. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (प्रबंध, बैंकिंग और व्यवसाय अर्थव्यवस्था), 24 फरवरी से 18 मार्च 2003।
15. गोदावरी फर्टिलाइजर्स के कार्यकारियों के लिए व्यक्तित्व विकास, 13-15 मार्च 2003।

निधियां (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियाँ	राशि
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान		स्थापना	1,05,78,597.12
योजनेतर	29,00,000.00	परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास	14,70,730.19
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान –		एम.बी.ए. कार्यक्रम कोष	9,00,000.00
योजनागत	12,00,000.00	प्रोत्साहन व विकास कोष	6,00,000.00
वार्षिक चन्दा	14,000.00	प्राप्तियों की अधिकता	17,91,225.69
अन्य प्राप्तियां	1,12,26,553.00		
जोड़	**1,53,40,553.00**	**जोड़**	**1,53,40,553.00**

सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बंगलौर

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. कर्नाटक में फसल बीमा स्कीम का एक विश्लेषण।
2. कर्नाटक में औद्योगिक प्रोत्साहन : पूंजी निवेश सब्सिडी का एक अध्ययन – गुलबर्ग डिविजन।
3. कर्नाटक में लघु और सीमान्तिक किसान और क्रेडिट का प्रवाह।
4. कर्नाटक में ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का जन बोध।
5. कर्नाटक में किसानों की कठिनाई के कारण और उपचार।
6. कर्नाटक में तिलहन उत्पादन कार्यक्रम (ओ.पी.पी.)।
7. माइक्रो-वित्त कार्यक्रम : निर्धनता उपशमन और महिलाओं का सशक्तिकरण।
8. कर्नाटक में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, प्रशिक्षण संस्थाओं का कार्यकरण।
9. कर्नाटक में पंचायत जामाबन्दी : एक मूल्यांकन अध्ययन।
10. व्यवहार में संधारणीयता : भारत में घरेलू ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में नवीनताओं की खोज।
11. एन.जी.ओ. की निर्धनता उपशमन कार्यनीतियां।
12. कर्नाटक की कृषि अर्थव्यवस्था पर न्यूनतम समर्थन कीमतों का प्रभाव।
13. कर्नाटक के चुनिन्दा क्षेत्रों में टमाटरों की कटाई-पश्चात हानि का मूल्यांकन।
14. फसल कटाई प्रयोगों के परिणामों का एक विश्लेषण।
15. कर्नाटक वाटरशेड विकास परियोजना की ''कवड'' परियोजना का परिणाम और प्रभाव मानीटरन अध्ययन।
16. कर्नाटक और केरल में केन्द्रीय विद्यालयों का एक अध्ययन।
17. अन्डमान और निकोबार द्वीपसमूहों में काष्ठ-आधारित उद्योगों के लिए परिवहन सब्सिडी संबंधी नीति का आर्थिक और पर्यावरणीय प्रभाव।
18. सामुदायिक वानिकी संसाधनों के स्वःशासन के लिए संस्थाएं : तीन भारतीय राज्यों से अनुभव।
19. कर्नाटक में सरकारी क्षेत्रक उद्यमों में सुधार : उभरते आयाम।

चल रही परियोजनाएं

1. कर्नाटक में वित्तीय विकेन्द्रीकरण।
2. विकास परियोजनाओं में स्थानीय संगठनों की भूमिका।
3. फ्रांस में ऊर्जा उपयोग और नीति तथा भारत के लिए पाठ।

4. कायेला तथा लिग्नाइट पर रायल्टी दरों का आर्थिक और वित्तीय प्रभाव : चुनिन्दा भारतीय राज्यों का अध्ययन।
5. कर्नाटक में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातियों का समाजार्थिक सर्वेक्षण : एक समालोचनात्मक विश्लेषण।
6. कर्नाटक में मानेबेलाकु उद्योगिनी स्कीमों का मूल्यांकन।
7. कर्नाटक में बड़े पैमाने पर राज्य हस्तक्षेप हेतु जरूरत को कम करने के लिए एक कुशल विपणन पद्धति का निर्माण करना।
8. कर्नाटक में पुष्प कृषि : निष्पादन, समस्याएं और सम्भावनाएं।
9. डब्ल्यू.टी.ओ. करार तथा कर्नाटक राज्य में लघु उद्योग : वर्तमान नीति मुद्दों और हस्तक्षेपों का एक खोजात्मक अध्ययन और भावी नीतिगत विकल्प।
10. कर्नाटक और गोवा में दूरसंचार सुविधाओं की उपभोक्ता मांग।
11. जीवन और आघात जोखिमों का मूल्यांकन।
12. कर्नाटक में आई.सी.डी.एस. परियोजना का मूल्यांकन।
13. भारत में कृषि नीति : एक संघीय पद्धति में नीति मेट्रिक्स।
14. फसल कटाई प्रयोगों के परिणामों का एक विश्लेषण।
15. कर्नाटक में केन्द्र प्रायोजित स्कीमों के तहत खाद्य और चारा विकास का मूल्यांकन।
16. व्यवहार में संधारणीयता : भारत में घरेलू ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में नवीनताओं की खोज।
17. कर्नाटक में राज्य सरकारी उद्यमों में सुधार।
18. स्कूली बच्चों को नि:शुल्क वर्दियां – एक मूल्यांकन।
19. बेहतर स्वास्थ्य परिणामों के लिए स्थानीय पर्यावरणीय प्रबंधन का पुनर्गठन : कर्नाटक में एक जिला स्तर प्रायोगिक की दिशा में।

अकादमिक कार्यकलाप

इस अवधि के दौरान संकाय सदस्यों ने 20 सेमिनार आयोजित किए। उपरोक्त के अलावा, सेमिनारों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं, बैठकों में 50 पत्र प्रस्तुत किए और बैठकों में भाग लिया। इसके अलावा, 5 सेमिनार, प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा संकाय सदस्यों ने 9 प्रमुख प्रस्तुतीकरण किए।

व्याख्यान माला

67 व्याख्यान दिए।

अध्येतावृत्तियां

चार अध्येतावृत्तियां प्रदान की गईं।

अतिथियों द्वारा सेमिनार

संस्थान में आने वाले विशिष्ट अतिथियों द्वारा पन्द्रह सेमिनार आयोजित किए गए।

पी.एच.डी.

इस अवधि के दौरान छः अध्येताओं को पी.एच.डी. डिग्री प्रदान की गई।

पुस्तकें

1. जी.के. करन्थ, "दलित आइडेन्टिटी एण्ड पालिटिक्स", सागे पब्लिकेशन्स इण्डिया लि., 2002।
2. साराच्चन्द्रा लेले, "इन्टर-डिसिप्लीनरी इन एनवायरनमेंटल रीसर्च", भारतीय पारिस्थितिकीय अर्थशास्त्र सोसायटी, 2002।
3. राजीव मीनाक्षी, "एस्टिमेटिंग डिस्ट्रिक्ट इन्कम इन इण्डिया", मेकमिलन इण्डिया लि., 2002।
4. के.वी. राजा, "यूजिज इन वाटर मेनेजमेंट", रावत पब्लिकेशन्स, 2002।
5. एम. गोविन्द राव, "डवलपमेंट पावर्टी एण्ड फिस्कल पालिसी : डिसेन्ट्रलाइजेशन आफ इन्स्टिट्युशन्स", आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रैस, 2002।

इस अवधि के दौरान संकाय सदस्यों ने 47 लेख भी प्रकाशित किए।

निधियां (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियाँ	राशि
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान (योजनेतर)	94,00,000.00	वेतन	1,47,14,210.00
		मुद्रण और लेखन सामग्री	4,50,563.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान (आवर्ती)	25,00,000.00	टेलीफोन और डाकखर्च	4,53,658.00
		यात्रा	5,34,003.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान (अनावर्ती)	12,00,000.00	अनुरक्षण	46,48,739.00
		आडिट फीस/संस्थान फीस/ विधिक फीस	2,26,750.00
कर्नाटक सरकार से अनुदान- योजनेतर	84,46,000.00	बैंक प्रभार	5,201.00
		विविध व्यय	12,80,320.00
कर्नाटक सरकार से अनुदान- योजनागत	18,00,000.00	भवन और उपस्कर	32,65,097.00
स्वयं के स्रोत	2,00,000.00	पुस्तकें और कार्य पत्र	2,12,125.00
पिछले वर्ष में अधिक व्यय (योजनेतर)	(-)5,167.00	आकस्मिकता	43,806.00
		खर्च न हुआ अनुदान	26,691.00
पिछले वर्ष में अधिक व्यय (योजनागत)	(-)55,887.00		
बचत बैंक खाते पर ब्याज	14,769.00		
अन्य प्राप्तियां	23,01,169.00		
अनुदान अधिक खर्च हुआ	60,279.00		
जोड़	2,58,61,163.00	जोड़	2,58,61,163.00

औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. 1990 के दशक में भारत का विदेश व्यापार : कुछ पहलू (कस्टम हाउस और कम्पनी डाटा का एक विश्लेषण)।
2. भारतीय निजी निगमित क्षेत्रक का बचत और पूंजी निर्माण : हाल ही की प्रवृत्तियों का विश्लेषण।

चल रही परियोजनाएं

1. भारत में निगमित अधिशासन का सर्वेक्षण।
2. विलयनों, समूहों, संभाल लेने के जरिए भारतीय निगमित क्षेत्रक का पुनर्गठन।
3. डम्पिंग-रोधी का वैश्विकरण : नियंत्रण व सधार।
4. विदेशी प्रत्यक्ष निवेश और भारतीय उद्योग।

पी.एच.डी. कार्यक्रम

इस अवधि के दौरान दो अध्येताओं को पी.एच.डी. डिग्री प्रदान की गई।

प्रकाशन

इस अवधि के दौरान संकाय सदस्यों ने पांच पत्र प्रस्तुत किए।

कार्य पत्र और टिप्पणियां

1. 1988-89 से 1994-95 तक की अवधि के संबंध में आयात और निर्यात डाटा का विश्लेषण, जून 2002।

2. गैर-सरकारी, गैर-वित्तीय सार्वजनिक लि. कम्पनियों का 1995-96 से 2000-01 तक की अवधि के संबंध में निर्यात निष्पादन, अगस्त 2002।
3. व्यापार कारोबार में अन्तरण कीमत-पद्धति : कस्टम हाउस डाटा का एक विश्लेषण, अक्तूबर 2002।
4. अतुलन गुहा, भारतीय श्रम अर्थव्शास्त्र सोसायटी के 44वें वार्षिक सम्मेलन के लिए भारत में ग्रामीण कृषि-भिन्न रोजगार के संबंध में रेपोर्टियर की रिपोर्ट, जिसका आयोजन 15 से 17 दिसम्बर 2002 तक अमृतसर में हुआ था।
5. अतुलन गुहा, पूंजी प्रवाहों की ब्याज संवेदनशीलता में असमानता : कुछ आनुभाविक साक्ष्य, जनवरी 2003।
6. अतुलन गुहा, कम्पनी आकार और प्रभावी निगमित कर दर : भारतीय प्राइवेट विनिर्माण कम्पनियों के संबंध में एक पैनल डाटा अध्ययन, फरवरी 2003।

कार्यशालाएं/प्रदर्शन

1. वैश्विक पारिस्थितिकी के संबंध में अन्तर्राष्ट्रीय आनर्स कार्यक्रम : संस्कृति, पारिस्थितिकी और न्याय के अध्येताओं के लिए आई.एस.आई.डी. डाटाबेसों और अनुसंधान संदर्भ सी.डी. पर एक दिन की कार्यशाला।
2. भारतीय श्रम अर्थशास्त्र सोसायटी के 44वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने वालों के लिए आई.एस.आई.डी. अनुसंधान के संदर्भ में सी.डी. का प्रदर्शन। सम्मेलन का आयोजन 15 से 17 दिसम्बर 2002 तक अमृतसर में किया गया था।
3. 85वें भारतीय आर्थिक एसोसिएशन सम्मेलन में भाग लेने वालों के लिए आई.एस.आई.डी. अनुसंधान संदर्भ सी.डी. का प्रदर्शन। यह सम्मेलन 27 से 29 दिसम्बर 2002 तक तिरुवनन्तपुरम में आयोजित किया गया था।

सेमिनारों और सम्मेलनों में संकाय भागीदारी

वर्ष के दौरान संकाय सदस्यों ने सेमिनारों में सात पत्र प्रस्तुत किए।

निधियां (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियां	राशि
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान -		वेतन और भत्ते	47,99,226.00
योजनागत	60,00,000.00	अनुरक्षण	5,03,218.00
अन्य स्रोतों से अनुदान	31,41,120.00	बिजली और पानी प्रभार	2,48,319.00
अन्य स्रोतों से निधियां	88,33,475.00	भवन निर्माण	1,20,10,903.35
आय की तुलना में व्यय की		डाकखर्च और टेलीफोन	97,229.00
अधिकता	4,01,719.35	किराया प्रभार	94,751.00
		अनुसंधान परियोजनाएं/अध्ययन	2,34,353.00
		मुद्रण और लेखन सामग्री	90,571.00
		सेमिनार/सम्मेलन	6,241.00
		सवारी	42,715.00
		बोर्ड बैठकें	5,502.00
		आडिट फीस	7,500.00
		विविध व्यय	2,35,786.00
जोड़	1,83,76,314.35	जोड़	1,83,76,314.35

मध्य प्रदेश समाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान, उज्जैन

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश के दूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में चिरकालिक गरीबी, डी.सी. शाह।
2. छत्तीसगढ़ राज्य में "ग्रामसैट" प्रस्ताव सृजित करने का अध्ययन", संदीप जोशी।
3. सार्वजनिक वितरण पद्धति और जनजातियों की रोजी-रोटी : मध्य प्रदेश की पश्चिमी जनजातीय पेटी का एक अध्ययन, मनु गौतम।
4. मध्य प्रदेश के अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायती राज पद्धति : ग्राम सभाओं के विशेष संदर्भ में एक अध्ययन, यतीन्द्र सिंह सिसोदिया।

चल रही परियोजनाएं

1. विकास कार्यक्रमों के तहत जनजातियों के क्षेत्रों के समाजार्थिक परिवर्तन की प्रक्रिया : झाबुआ जिले (मध्य प्रदेश) में एक स्थानिक मूल्यांकन।
2. 73वें संशोधन अधिनियम के बाद ग्रामीण परिदृश्य में सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन : मध्य प्रदेश के गांवों में एक अध्ययन।
3. मध्य प्रदेश में सरदार सरोवर विस्थापितों का पुनर्वास।
4. सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से ग्राम विकास : मध्य प्रदेश के धार जिले का एक मामला अध्ययन।
5. स्वास्थ्य क्षेत्रक में सामुदायिक भागीदारी : विकेन्द्रीकृत अधिशासन में प्रयोग।

नई परियोजनाएं

1. प्रत्यक्ष प्रजातन्त्र का प्रयोग : मध्य प्रदेश में ग्राम स्वराज का एक अध्ययन।
2. मध्य प्रदेश की पश्चिमी जनजातीय पेटी में उर्वरक उपयोग।

सेमिनार/कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. मध्य प्रदेश के अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायत राज पद्धति तथा जनजातीय विकास, 20-21 अप्रैल 2002।
2. डॉ. डी.पी. मिश्रा स्मृति समारोह, 28 अप्रैल 2002।
3. श्री अरविन्द और वेद, 15 जून 2002।
4. भारत में जनजातीय लोगों के मानव अधिकारों का संरक्षण और प्रोत्साहन, 21-22 जून 2002।
5. इन्टरनेट युग में समाज विज्ञान सूचना की सुलभता, 7-9 अगस्त 2002।
6. भारत में साम्प्रदायिक सामन्जस्य : चुनौतियां और सम्भावनाएं, 26-28 सितम्बर 2002।
7. समाज विज्ञानों में अनुसंधान विधि, 6-15 जनवरी 2003।
8. समाज विज्ञानों में कम्प्यूटर अनुप्रयोग, 20-29 मार्च 2003।
9. इक्कीसवीं शताब्दी में भारतीय प्रजातंत्र : सुधारों की कार्यसूची, 30-31 मार्च 2003।

सामाजिक न्याय के संबंध में विशेष व्याख्यान माला

म.प्र.सा.वि. अनु. संस्थान ने श्रृंखला के तहत छः व्याख्यान आयोजित किए।

पी.एच.डी. कार्यक्रम

बारह अध्येता इस कार्यक्रम के अन्तर्गत अपना अनुसंधान कार्य जारी रखे हुए हैं।

पुस्तकें

1. यतीन्द्र सिंह सिसोदिया, "गर्ल्स लिटरेसी इन रूरल इण्डिया", रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर, 2003।
2. सुनिल सिंह चन्देल, "इन्फोर्मेशन इन एकेडेमिक लायब्रेरीज", रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर, 2003।
3. डी.सी. शाह, "इनवालन्ट्री माइग्रेशन", रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर, 2003।

विनिबंध

इसके अलावा, म.प्र.सा.वि. अनु. संस्थान ने दो विनिबंध प्रकाशित किए। संकाय सदस्यों ने विख्यात पत्रिकाओं में 14 लेख प्रकाशित किए।

1. मध्य प्रदेश के अनुसूचित क्षेत्रों में पंचायती राज पद्धति के संबंध में कार्यशाला की रिपोर्ट तथा जनजातीय विकास (2002), यतीन्द्र सिंह सिसोदिया।
2. दक्षिण पश्चिम मध्य प्रदेश के दूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में चिरकालिक गरीबी (2003), डी.सी. साह।

पत्रिकाएं

संस्थान ने ''मध्य प्रदेश जरनल आफ सोशल साइन्सिज'' नामक अपनी छमाही पत्रिका का प्रथम और द्वितीय अंक 2002 प्रकाशित किया। संस्थान ने ''मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान'' नामक अपनी छमाही पत्रिका का प्रथम और प्रारम्भिक अंक, 2002 भी प्रकाशित किया।

निधियां (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियां	राशि
प्रारम्भ में शेष	3,50,000.00	वेतन	18,70,000.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान – योजनेतर	20,00,000.00	डाकखर्च और टेलीफोन	72,000.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान – योजनागत	20,00,000.00	फर्नीचर तथा फिक्सचर्स	51,000.00
म.प्र. सरकार से अनुदान	10,00,000.00	उपस्कर और कम्प्यूटर	4,82,000.00
परियोजनाएं	8,37,000.00	मुद्रण और लेखन सामग्री	31,000.00
विदेशी योगदान	48,000.00	पुस्तकालय	3,98,000.00
बैंक से ब्याज	12,000.00	सेमिनार/कार्यशाला/व्याख्यान	1,58,000.00
प्रकाशनों की बिक्री	8,000.00	कैम्पस	2,23,000.00
अन्य प्राप्तियां	4,000.00	यात्रा व्यय	30,000.00
		भ्रमणकारी संकाय	57,000.00
		आकस्मिकताएं	1,62,000.00
		परियोजनाएं	9,70,000.00
		विदेशी योगदान	48,000.00
		अंत में शेष	24,000.00
		प्राप्तियों की अधिकता	16,83,000.00
जोड़	**62,59,000.00**	**जोड**	**62,59,000.00**

मद्रास विकास अध्ययन संस्थान, चेन्नई

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. महिलाओं का रोजगार और परिवार : बीडी उद्योग में गतिकी। परियोजना निदेशक - प्रोफेसर के. नागराज।

चल रही परियोजनाएं

1. आई.डी.आर.सी. परियोजना : सतही पानी और स्थानीय जल आपूर्ति विकल्पों में संघर्षों पर परियोजना के एक भाग के रूप में।
2. तमिलनाडु में भू-सुधार।
3. महिलाएं और मतदान राजनीति।
4. स्व:विकास तथा सामाजिक परिवर्तन।
5. बांधों के संबंध में विश्व आयोग के लिए भारतीय रिपोर्ट।
6. तमिलनाडु में दलित इसाइयों के विकास के लिए दस सूत्री कार्यक्रम का मूल्यांकन।
7. तमिलनाडु में विज्ञान, प्रौद्योगिकी तथा सामाजिक विज्ञान व उच्च शिक्षा।
8. पुनर्विभाजन के लिए स्रोत।
9. भारत में औपचारिक और अनौपचारिक स्थानीय अधिशासन।
10. परम्परागत ज्ञान के संरक्षण तथा संधारणीय उपयोग के आर्थिक विश्लेषण के लिए एक रूपरेखा।
11. दक्षिण कन्नड में गर्भपात।
12. श्रम बाजारों में ठेका करार।
13. लिंग बजट विश्लेषण।

पत्रिका और न्यूजलेटर

संस्थान की पत्रिका ''रीव्यू आफ डवलपमेंट एण्ड चेंज'' ने अपने अस्तित्व के आठवें वर्ष में प्रवेश कर लिया। और अभी तक चौदह अंक प्रकाशित हो चुके हैं। ''वलारमुगम'' (तमिल) तथा ''मिडस्ट्रीम'' (अंग्रेजी) एम.आई.डी.एस. के त्रैमासिक न्यूजलेटर हैं।

प्रदत्त पी.एच.डी.

एक छात्र को पी.एच.डी. डिग्री प्रदान की गई।

डाक्टोरल उम्मीदवार

चार छात्र अपनी पी.एच.डी. के लिए कार्यरत हैं।

सेमिनार श्रृंखला

इस अवधि के दौरान संस्थान ने 25 सेमिनार आयोजित किए।

कार्य पत्र

1. श्रम बहुल उद्योग किन्तु श्रमिकों के बगैर इकाइयां: आई.एल.ओ. की सामाजिक वार्ता कहां शुरू होगी?
2. खाद्य सुरक्षा, पर्याप्तता और सुरक्षा के संबंध में कुछ टिप्पणियां।
3. विकेन्द्रीकरण, सुधार और सरकारी स्कूल : एक मानव विकास परिप्रेक्ष्य।
4. अधीरता में राज्य : तमिलनाडु में जल अधिकारों और पद्धति प्रतिफल की राजनीति।
5. जल बाजार, वस्तु श्रृंखला और जल का मूल्य।
6. अल्पाक्कम : एक पुनर्सर्वेक्षण।
7. क्या करें कृषक कल्याण के लिए एक सक्षम खतरा है? तमिलनाडु में घटती सतही जल सिंचाई।
8. नम कृषि और नष्ट पर्यावरण : तमिलनाडु में सतही प्रदूषण का समाजार्थिक प्रभाव।
9. एक धर्म निरपेक्ष समाज के लिए आध्यात्मिक प्रसार।
10. विषय के लिए एक स्कूल : एकीकृत शिक्षा का विज़न और प्रयोग।

पुस्तकें

1. अनन्त के. गिरी, ''कन्जर्वेशन्स एण्ड ट्रान्सफोर्मेशन्स: टूवर्ड्स ए न्यु एथिक्स आफ सेल्फ एण्ड सोसायटी'', लेक्सिंगटन बुक्स एण्ड टाउमन एण्ड लिटिलफील्ड, लनहम, एम.डी. अमरीका, 2002।
2. अनन्त के. गिरी और फिलिप क्वेरीज वानुफोर्ड, ''ए मोरल क्रिटिक आफ डवलपमेंट इन सर्च आफ ग्लोबल रेस्पोनसिबिलिटीज'', रटलेज टेलर एण्ड फ्रान्सिस ग्रुप, लन्दन तथा न्युयार्क, 2003।
3. एस. जनकराजन, ''रूरल इण्डिया फेसिंग दि ट्वेन्टियथ सेन्चरी : ऐसे आन लांग टर्म विलेज चेंज एण्ड रीसेन्ट डवलपमेंट पालिसी", बरबरा हैरिस व्हाइट (सं.) के साथ संयुक्त रूप से, एन्थम, लन्दन, 2003।
4. पी. राधाकृष्णन, ''इण्डिया, दि परफिडेस आफ पावर : ए सोशल क्रिटिक'', वेदम बुक्स, दिल्ली 2002।

5. एस. सुब्रह्मण्यम (सं.) ''इण्डियांज डवलपमेंट एक्सपीरिएन्स : सिलेक्टिड राइटिंग्स आफ एस. गुहान, ओ.यू.पी., नई दिल्ली।
6. एस. सुब्रह्मण्यम (सं.) ''मेनेजमेंट आफ इनइक्विलिटी एण्ड पावर्टी'', ओ.यू.पी. (पेपरबैक), नई दिल्ली 2002।
7. वेंकटाचलपति ए.आर., ''नोबलम वसीप्पुम, काला-चुबाडु'' नगरकोइल।
8. ए.आर. वेंकटापति (अनुवाद), ''पुडुमईप्पीतन कट्टुरइगा, कालाचुवाडु, नगरकोइल कटुरइगा, तमिलनाडु, कालाचूवाड, नगरकोअल।
9. ए.आर. वेंकटापति (अनुवाद), ''पास्ट एण्ड प्रीजुडिसः (सं.), रोमिला थापर, भारतीय राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, दिल्ली 2003?

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएं

संकाय संदस्यों ने विभिन्न सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में आठ पत्र प्रस्तुत किए।

माल्कोम अदिशेषय्या अवार्ड

वर्ष 2002 के लिए विकास अध्ययनों में विशिष्ट योगदान के लिए माल्कोम अदिशेषय्या अवार्ड डॉ. बीना अग्रवाल, आई. ई.जी. दिल्ली को प्रदान किया गया।

निधियां (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियां	राशि
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		वेतन	77,77,799.00
(योजनेतर)	34,00,000.00	बीमा/कर/किराया	5,24,701.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान -		अनुरक्षण	1,93,115.40
योजनागत (आवर्ती)	23,00,000.00	विद्युत/बिजली/पानी	2,81,819.00
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		टेलीफान/डाकखर्च/कूरियर	2,13,200.50
योजनागत (अनावर्ती)	13,00,000.00	स्टाफ कल्याण	10,00,879.30
तमिलनाडु सरकार अनुदान		आडिट फीस व अन्य	
(2001-2002)	51,33,000.00	व्यावसायिक/बैंक प्रभार	52,985.00
तमिलनाडु सरकार अनुदान		पुस्तकें/प्रकाशन	2,15,749.16
(2002-2003)	24,05,000.00	कार्यशालाएं/सेमिनार/बैठकें	1,73,310.25
अप्रत्यक्ष आय	2,25,381.85	विविध	31,570.90
		सवारी	92,615.50
		मुद्रण और लेखन सामग्री	1,20,536.80
		सदस्यता शुल्क	5,500.00
		प्राप्तियों की अधिकता	40,79,600.04
जोड़	**1,47,63,381.85**	**जोड़**	**1,47,63,381.85**

नवकृष्ण चौधरी विकास अध्ययन केन्द्र, भुवनेश्वर

पूरी हो गई योजनाएं

1. उड़ीसा के लिए निर्धनता कटौती कार्यनीति की दिशा में।
2. ''उड़ीसा में कृषि नीति के तहत प्रोत्साहित वाणिज्यिक कृषि-उद्यमियों'' का प्रभाव मूल्यांकन।
3. महिलाओं के जीवन और आजीविका पर महाचक्रवात का प्रभाव : उड़ीसा के दो तटीय जिलों का एक अध्ययन।
4. उड़ीसा में उच्च माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण के संबंध में अध्ययन।
5. उड़ीसा के मयूरभंज जिले के समग्र साक्षरता अभियान कार्यक्रम का सम्वर्ती मूल्यांकन।
6. उड़ीसा में सतही जल क्षमता : इसका उपयोग और प्रबंधन।
7. रोजगार, पर्यावरण और संधारणीय विकास।
8. वित्तीय संकट तथा व्यय संकुचन : उड़ीसा में विकास तथा गरीबी पर सम्भाव्य प्रभाव।
9. लघु उद्योगों और अनौपचारिक क्षेत्रक सहित औद्योगिक क्षेत्रक पर आर्थिक सुधार (उदारीकरण, वैश्विकरण तथा निजीकरण) का प्रभाव।

चल रही परियोजनाएं

1. उड़ीसा के संबंध में मानव विकास रिपोर्ट, प्रोफेसर एस.पी. पाढी और प्रोफेसर के.सी. समल।
2. वन संसाधनों की सुलभता, बाजार और प्रबंध : उड़ीसा में वन/एन.टी.एफ.पी. नीतियों का अध्ययन।
3. राहत से आगे : आपदा, उत्प्रवास, आजीविका, पुनर्वास और चक्रवात पश्चात बहाली।
4. महाचक्रवात पश्चात उड़ीसा में कमजोर वर्गों, दलितों और महिलाओं की समाधान कार्यनीति : इरसामा ब्लाक का एक मामला अध्ययन।
5. वन तथा आजीविका।
6. हिराधरबती और बघुआ सिंचाई परियोजना में कृषक संगठन तथा प्रतिफल कार्यक्रम।
7. राउरकेला इस्पात संयंत्र के ईर्द-गिर्द के गांवों में स्वास्थ्य देख-रेख सुविधाओं का अध्ययन।
8. कार्यरत महिलाओं के बीच संगठनात्मक भूमिका दबाव तथा समाधान कार्यनीति।
9. उड़ीसा के लिए केन्द्रीय अन्तरण : एक अन्तर-राज्य विश्लेषण।
10. उड़ीसा में ग्रामीण श्रम बाजार में महिलाओं के विरुद्ध लिंग भेदभाव।
11. चार समुदायों के बीच परिवार नियोजन साधनों को अपनाना - एक तुलनात्मक अध्ययन।
12. उड़ीसा के जनजातीय समुदायों के बीच भू-अन्यक्रामण समस्याएं।
13. भुवनेश्वर नगर में स्तब्ध बच्चों की सामाजिक स्थिति।

प्रदत्त पी.एच.डी.

एक अध्येता को बरहामपुर विश्वविद्यालय द्वारा पी.एच.डी. डिग्री प्रदान की गई।

सेमिनार/कार्यशालाएं

केन्द्र में निम्नलिखित सेमिनार/कार्यशालाएं आयोजित की गईं :

1. ''खाद्य सुरक्षा और खाद्य सहायता के संबंध में राज्य परामर्श'' पर दो दिन की एक कार्यशाला, संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम तथा एम.एस. स्वामीनाथन अनुसंधान प्रतिष्ठान के सहयोग से आयोजित की गई।
2. डॉ. आर.एन. प्रधान, एसोसिएट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र, ने ''प्रवेश शुल्क संरचना तथा ओ.एस.एफ.ए.एम.-ए माइक्रो-थ्योरिटिक एनेलिसिस'' पर एक सेमिनार आयोजित किया।
3. योजना आयोग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित उड़ीसा विकास रिपोर्ट पर एक कार्यशाला केन्द्र में आयोजित की गई।
4. ''उड़ीसा में निर्धनता का मानीटरन'' पर दो दिन की एक मस्तिष्क दोहन कार्यशाला केन्द्र में आयोजित की गई।

निधियां (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियां	राशि
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान (योजनेतर)	16,00,000.00	वेतन	82,58,481.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान - योजनागत (अनावर्ती)	10,00,000.00	यात्रा व्यय	66,745.00
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान - योजनागत (आवर्ती)	24,00,000.00	सेमिनार/कार्यशालाएं	3,26,145.00
राज्य सरकार सहित अन्य स्रोतों से अनुदान	1,01,55,271.00	आडिट/बैंक कमीशन	9,619.50
ब्याज/लाभांश	27,03,164.78	कैम्पस अनुरक्षण	2,140.00
अन्य आय	95,20,005.40	आकस्मिकता	1,45,545.00
		कर	28,134.00
		डाटा प्रसंस्करण	79,806.00
		विद्युतीय अनुरक्षण	27,233.00
		परियोजनाएं	51,06,149.00
		विविध	27,32,638.00
		पत्र-पत्रिकाएं	2,22,172.00
		वाहन का अनुरक्षण	26,505.00
		डाकखर्च/टेलीफोन	75,709.00
		मुद्रण और प्रकाशन	1,24,612.00
		आय की अधिकता व अन्य व्यय	1,01,46,807.68
जोड़	**2,73,78,441.18**	**जोड़**	**2,73,78,441.18**

ओमेओ कुमार दास सामाजिक परिवर्तन और विकास संस्थान, गुवाहाटी

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. श्रम बाजारों में ठेका करार : बागान का मामला।
2. असम में जनांकिकीय परिवर्तन।
3. राष्ट्रीय गर्भपात मूल्यांकन : मिजोरम के संबंध में एक बहु-केन्द्रिक अध्ययन।
4. लक्षित हस्तक्षेप परियोजना में एन.जी.ओ. का मध्यावधि क मूल्यांकन।
5. नागालेण्ड में एकीकृत डेयरी विकास कार्यक्रम के संबंध में मूल्यांकन अध्ययन।
6. असम में हिंसा के पीड़ित बच्चे : एक बेसलाइन सर्वेक्षण।
7. उत्तर-पूर्व में ग्रामीण पेय जल आपूर्ति का मूल्यांकन।

चल रही परियोजनाएं

सात परियोजनाएं चल रही हैं।

व्याख्यान

इस अवधि के दौरान संस्थान ने दो व्याख्यान आयोजित किए।

विशिष्ट अतिथि

1. रेक्स मोजर, निदेशक, अमरीकी केन्द्र, कोलकाता, ने प्रजातंत्र पर 43 पुस्तकें संस्थान के पुस्तकालय को स्वयं सौंपने के लिए 4 अप्रैल 2002 को संस्थान का दौरा किया।

सेमिनार और कार्यशालाएं

1. भा.सा.वि.अ.प. के सहयोग से ''राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों'' पर एक सेमिनार 22-23 अप्रैल 2002 को आयोजित किया गया।
2. उत्तर-पूर्व भारत में भू-उपयोग आयोजना के मुद्दों'' पर एक सेमिनार, 30-31 अक्तूबर 2002 को उ.पू. प.वि., शिलांग में आयोजित किया गया।
3. ''उत्तर-पूर्व भारत में महिलाओं और बच्चों के संबंध में अनुसंधान प्राथमिकताओं'' पर एक सेमिनार 12-13 नवम्बर 2002 को गुवाहाटी में आयोजित किया गया।
4. ''त्रिपुरा में समाज तथा अधिशासन'' पर एक सेमिनार 9-10 दिसम्बर 2002 को अगरतला में आयोजित किया गया।
5. ''अनौपचारिक क्षेत्रक के लिए क्षमता विकास'' पर एक कार्यशाला 27 मार्च 2003 को गुवाहाटी में आयोजित की गई।

शैक्षिक कार्यकलाप

इस अवधि के दौरान संस्थान के संकाय ने 22 कार्य पत्रों/लेखों का योगदान किया।

विशेष व्याख्यान

1. समाज विज्ञान अनुसंधान हेतु कम्प्युटर अनुप्रयोग, 21 से 28, 2002 के दौरान।
2. समाज विज्ञान अनुसंधान हेतु अनुसंधान प्रक्रिया, 16 जनवरी-24 अक्तूबर 2002 के दौरान।

पुस्तकें

1. ''ट्रेडीशनल सेल्फ गवर्निंग इन्स्टिट्युशन्स अमंग दि हिल ट्राइब्स आफ नार्थ-ईस्ट इण्डिया''।
2. ''पापुलेशन ग्रोथ इन असम 1951-1991 विद फोकस आन माइग्रेशन।

पत्रिका

संस्थान ने अपनी पत्रिका ''सोशल चेंज एण्ड डवलपमेंट'' का एक संक्षिप्त संस्करण प्रकाशित किया, अक्तूबर 2002।

पी.एच.डी. कार्यक्रम

चार अनुसंधान अध्येता अपनी पी.एच.डी. डिग्री के लिए कार्यरत हैं।

निधियां (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियां	राशि
भा.सा.वि.अ.प. अनुदान		वेतन	21,98,220.00
(आवर्ती)	42,00,000.00	बैठकें तथा सेमिनार	1,38,338.00
असम सरकार से अनुदान		सवारी	37,266.00
(आवर्ती)	10,00,000.00	अनुरक्षण	84,109.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान		मुद्रण और लेखन सामग्री	71,954.00
(अनावर्ती)	36,00,000.00	टेलीफोन	98,011.00
अन्य स्रोतों से आय	2,25,99,620.00	विद्युतीय व्यय	22,672.00
		डाकखर्च और तार	17,476.00
		पुस्तकें	7,48,151.00
		सामूहिक छुट्टी नकदीकरण	
		स्कीम	40,000.00
		मकान किराया	1,65,000.00
		कनिष्ठ अनुसंधान फैलो को	
		वृत्तिका	3,49,875.00
		सामूहिक उपदान प्रीमियम	40,000.00
		निर्माणधीन भवन	19,88,687.00
		बीमा	1,84,491.50
		कम्प्यूटर	6,05,327.00
		आडिट फीस	2,250.00
		बैंक प्रभार और कर	1,19,31,387.00
		दान	5,000.00
		विविध आय	4,29,646.00
		फर्नीचर, फिक्सशर्स व	
		कार्यालय उपस्कर	7,40,287.00
		अध्येतावृत्तियां	1,34,164.00
		प्रकाशन	71,062.00
		या.भ./दै.भ.	75,853.00
		अनुसंधान परियोजनाएं	22,65,832.05
		आय की अधिकता	89,54,561.55
जोड़	**3,13,99,620.10**	**जोड़**	**3,13,99,620.10**

सरदार पटेल आर्थिक और सामाजिक अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद

पूरी हो गई परियोजनाएं

1. यू.आर.एस.टी. तथा यू.जी.सी.डी. (सुरेन्द्रनगर जिला) के निष्पादन मूल्यांकन के संबंध में एक अध्ययन।

चल रही परियोजनाएं

1. पशुधन, औद्योगीकरण, भारत में व्यापार और सामाजिक स्वास्थ्य, पर्यावरणीय प्रभाव : कुक्कुट क्षेत्रक में मुद्दे।
2. आई.डब्ल्यु.एम.आई. टाटा जल नीति कार्यक्रम और एस.पी.आई.ई.एस.आर. ने "कृषि पर नर्मदा जल टेंक भरण का प्रभाव" के बारे में एक संयुक्त अध्ययन।
3. शिक्षक प्रशिक्षण का प्रभाव।
4. ग्राम शिक्षा समिति/मातृ-शिक्षक एसोसिएशन तथा स्कूल सुधार के संबंध में माता-पिता-शिक्षक एसोसिएशन की भूमिका।
5. पेय जल में अत्यधिक फ्लुओराइड सामग्री का मानवों तथा पशुओं पर एक इनपुट।
6. शिलाज ग्राम में पेय जल प्रबंधन।
7. जल संरक्षण और सतही जल पुनर्भरण का प्रभाव: जामखमभालिया तालुक, जामनगर जिले का एक मामला अध्ययन।

पी.एच.डी. कार्यक्रम

इस समय 14 पी.एच.डी. छात्र संस्थान में अपना डाक्टोरल डिग्री कार्यक्रम जारी रखे हुए हैं।

पी.एच.डी. अवार्ड

एक छात्र को गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा पी. एच.डी. डिग्री प्रदान की गई।

सेमिनार/कार्यशालाएं और संगोष्ठी

1. राष्ट्रीय समाज विज्ञान नीति पर एक संगोष्ठी 13 सितम्बर 2002 को संस्थान में आयोजित की गई।
2. यू.जी.सी.डी. और यू.आर.एस.टी. के निष्पादन मूल्यांकन पर एक कार्यशाला 23 जुलाई 2002 को आयोजित की गई।
3. अनौपचारिक क्षेत्रक को सक्षम तथा विकासोन्मुखी बनाने पर एक सेमिनार 12 और 13 सितम्बर 2002 को आयोजित किया गया।

उपरोक्त के अलावा, संकाय सदस्यों ने 36 सम्मेलनों/सेमिनारों/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में भाग लिया।

पुस्तकें

1. "स्टेबिलिटी एण्ड डवलपमेंट" (सं. वाई.के. अलघ, आर.जे. मोदी, आर.डी. देसाई) हर आनन्द पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
2. "सेक्टोरल ग्रोथ एण्ड चेंज" (सं. वाई.के. अलघ, आर.जे. मोदी, आर.डी. देसाई) हर आनन्द पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
3. "दि हाउसहोल्ड सेक्टर : ए स्टडी आफ ज़री इन सूरत" आर.डी. देसाई, हर आनन्द पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
4. "इकोनोमिक डायमेन्शन्स आफ दि सरदार सरोवर प्रोजेक्ट", वाई.के. अलघ, आर.डी. देसाई, जी.एस. गुहा, एस.पी. कश्यप, हर आनन्द पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
5. "इकोनोमिक थ्योरी एण्ड इकोनोमिक एप्लीकेशन्स-रीसेन्ट डवलपमेंट", (सं. जी.वी.एस.एन. मूर्ति) हर आनन्द पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
6. "पावर इकोनोमिक्स इन गुजरात", वाई.के. अलघ, जयश्री शाह तथा विनोद के. शाह, हर आनन्द पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।

विनिबंध

आलोच्य अवधि के दौरान संस्थान ने 15 विनिबंध प्रकाशित किए।

गुजरात अन्वेषण श्रृंखला

1. "कन्स्ट्रक्शन लेबर मार्केट", के.के. सुब्रमण्यन, आर. वीणा और श्रीमती बी. के. पारीख, आर.आर. शेठ एण्ड कम्पनी, मुम्बई द्वारा वितरित।
2. "एडल्ट एज्युकेशन प्रोग्राम इन गुजरात", अतुल शर्मा, गिरिजा शरण, डी.आर. वीणा और श्रीमती बी. के. पारीख, आर.आर. शेठ एण्ड कम्पनी, मुम्बई द्वारा वितरित।
3. "पावर्टी इरेडिकेशन प्रोग्राम", इन्दिरा हिर्वे, आर. आर. शेठ एण्ड कम्पनी, मुम्बई द्वारा वितरित।

4. ''सोशल फोरेस्ट्री इन गुजरात'' रोहित शुक्ला'', आर. आर. शेठ एण्ड कम्पनी, मुम्बई द्वारा वितरित।

''एब्सट्रेक्ट्स आफ सिलेक्टिड रीसर्च प्रोजेक्ट रिपोर्ट'', गुजराती में पुस्तिका के रूप में प्रकाशित।

''जामनगर ग्रामीण बैंक : एन एकसर्साइज'', बी.सी. ठाकेर।

''ए स्टडी आन इम्पेक्ट आफ एग्रीकलचरल लेण्ड्स सीलिंग एक्ट आन इकोनोमिक कन्डीशन्स आफ सरप्लस लेण्ड अलोटीज इन गुजरात'',-यू.एस. शर्मा।

पत्रिकाएं

वर्ष के दौरान ''अन्वेषक'' और ''मधुकरी'' नामक संस्थान की पत्रिकाएं प्रकाशित की गईं।

निधियां (अपरीक्षित)

प्राप्तियां	राशि	अदायगियां	राशि
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान (योजनेतर)	61,00,000.00	वेतन और भत्ते	7,98,443.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान (योजनागत)	15,00,000.00	स्टाफ कल्याण	82,009.00
भा.सा.वि.अ.प. से अनुदान योजनागत (अनावर्ती)	10,00,000.00	यात्रा व्यय	49,195.00
गुजरात सरकार से अनुदान	39,25,000.00	संस्थान के प्रकाशन	48,775.00
अन्य आय	5,99,691.30	मुद्रण और लेखन सामग्री	21,673.10
परियोजनाओं से वसूल हुआ वेतन	52,698.00	विद्युत प्रभार	2,60,379.00
अदायगियों की तुलना में प्राप्तियों की अधिकता	13,98,261.53	डाकखर्च, टेलीफोन और तार	1,05,759.00
		विविध व्यय	65,008.50
		विज्ञापन व्यय	5,000.00
		पुस्कालय	1,62,141.90
		मरम्मत और अनुरक्षण	92,770.00
		किराय, दरें, कर, बीमा व्यय आदि	20,870.00
		आडिट फीस	13,125.00
		सदस्यता शुल्क	500.00
		अदायगियों की तुलना में प्राप्तियों की अधिकता	38,50,002.33
जोड़	**1,45,75,650.83**	**जोड़**	**1,45,75,650.83**

परिशिष्ट-13

वर्ष 2002-03 के दौरान योजनेतर तथा योजनागत के तहत अनुसंधान संस्थानों का अनुदानों का अंतिम आवंटन और संवितरण

रु

क्र. सं.	अनुसंधान संस्थान का नाम	योजनेतर		योजनागत		योजनागत (अनावर्ती)		कुल संवितरण 4+6+8
		आवंटन	संवितरण	आवंटन	संवितरण	आवंटन	संवितरण	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	आई एस ई सी, बंगलौर	90.00	94.00	25.00	25.00	-	12.00	131.00
2.	सी डी एस, तिरुवनन्तपुरम	90.00	95.00	30.00	30.00	-	03.00	128.00
3.	सी एस एस एस, कोलकाता	70.00	75.00	18.00	18.00	-	-	93.00
4.	जी आई एस, वाराणसी*	-	-	-	-	-	-	0
5.	ए एन एस आई एस एस, पटना**	50.00	55.30	15.00	15.00	-	-	70.00
6.	आई पी ई, हैदराबाद	27.00	29.00	12.00	12.00	-	-	41.00
7	आई ई जी, दिल्ली	66.00	69.00	11.00	11.00	-	18.00	98.00
8.	सी एस डी एस, दिल्ली	70.00	73.00	28.00	28.00	-	14.00	115.00
9.	सी एस एस, सूरत	30.00	32.00	14.00	14.00	-	-	46.00
10.	एम आई डी एस, चेन्नई	40.00	43.00	22.00	22.00	-	05.00	70.00
11.	आई आई ई, पुणे	16.00	17.00	20.00	20.00	-	-	37.00
12.	जी आई डी एस, लखनऊ	41.00	43.00	11.00	11.00	-	13.00	67.00
13.	सी पी आर, नई दिल्ली	30.00	33.00	16.00	16.00	-	-	49.00
14.	एस पी आई ई तथा एस आर, अहमदाबाद	59.00	61.00	15.00	15.00	-	10.00	86.00
15.	जी बी पी एस एस आई, इलाहबाद	42.00	46.00	17.00	17.00	-	-	62.00
16.	सी एस डी, हैदराबाद	30.00	32.00	10.00	10.00	-	-	42.00
17.	आई डी एस, जयपुर	46.00	49.00	07.00	07.00	-	-	56.00
18.	सी आर आर आई डी, चण्डीगढ़	46 00	49.00	11.00	11.00	-	02.00	62.00
19.	सी डब्ल्यु डी एस, नई दिल्ली	46.00	49.00	15.00	15.00	-	-	64.00
20.	सी ई एस एस, हैदराबाद	39.00	42.00	09.00	09.00	-	-	51.00
21.	एन के सी सी एंड डी एस, भुवनेश्वर	--	16.00	40.00	24.00	-	10.00	50.00
22.	जी आई डी आर, अहमदाबाद	--	16.00	38.00	22.00	-	-	38.00
23.	आई एस आई डी, नई दिल्ली	--	--	40.00	40.00	-	20.00	60.00
24.	ओ के डी आई एस सी तथा डी, गुवाहाटी	--	--	42.00	42.00	-	36.00	78.00
25.	सी एम डी आर, धारवाड़	--	8.00	26.00	18.00	-	22.00	48.00
26	बी ए एन आई एस एस, महू	--	--	13.00	13.00	-	-	13.00
27.	एम पी आई एस एस आर, उज्जैन	--	--	20.00	20.00	-	20.00	40.00
	जोड़	929.00	1,025.00+	525.00	485.00	-	185.00	1,695.00

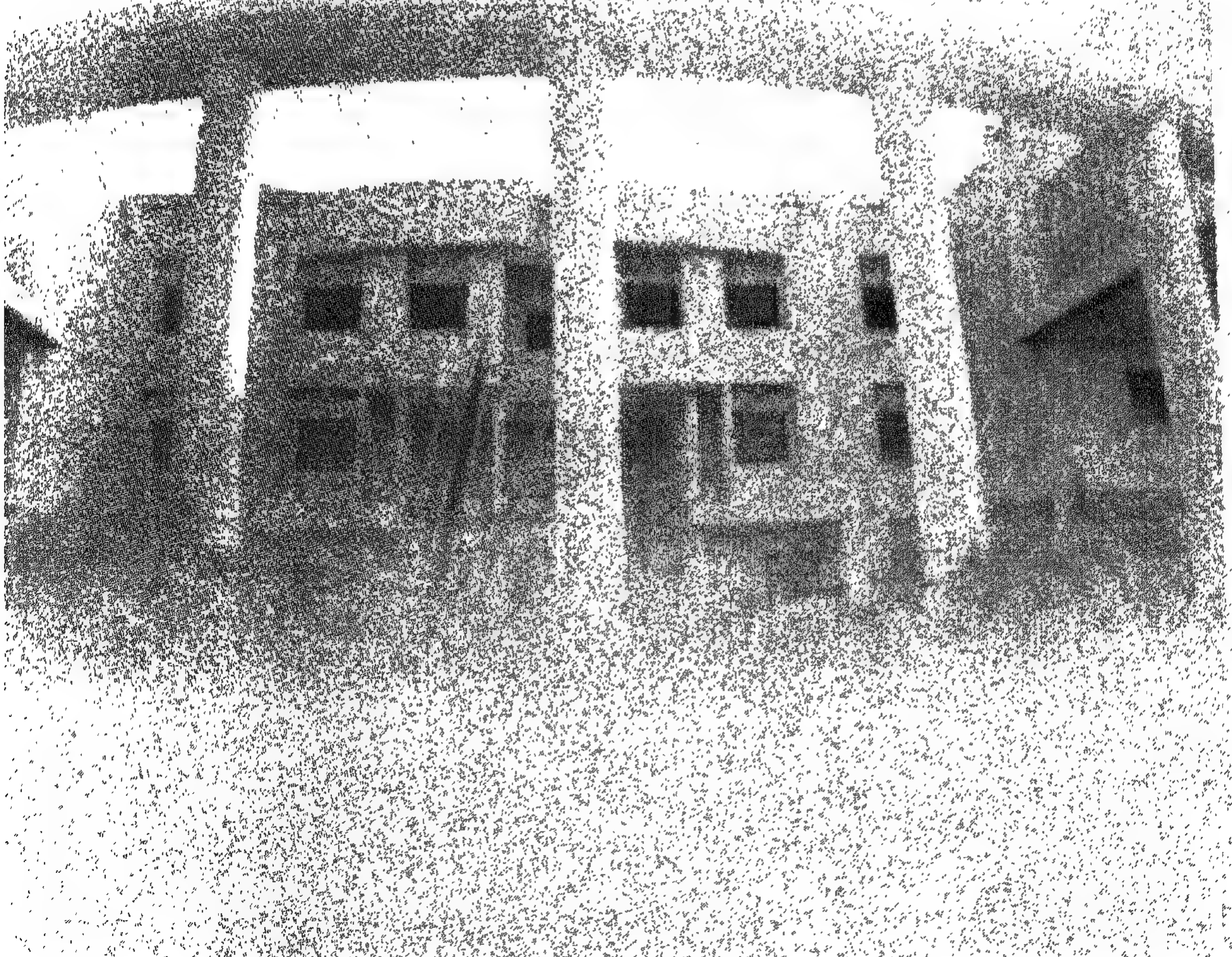
* भारत सरकार ने अनुसंधान संस्थानों और क्षेत्रीय केन्द्रों के लिए अतिरिक्त योजनेतर अनुदान जारी किया था जिसे अनुपातिक आधार पर संवितारत किया गया था। इसलिए संवितरण 2002-03 के दौरान आवंटन से अधिक है।

** पटना उच्च न्यायालय द्वारा जारी निर्देशों को ध्यान में रखते हुए, संस्थान को अधिक अनुदान दिए गए।

\+ संशोधित वेतनमान अभी कार्यान्वित किए जाने हैं, इसलिए आबंटन पुराने वेतनमानों पर आधारित थे।



वार्षिक लेखे



लेखा-परीक्षा प्रमाण पत्र

मैंने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् नई दिल्ली में 31मार्च 2003 को समाप्त वर्ष के प्राप्ति तथा भुगतान लेखे/आय और व्यय लेखे की तथा 31 मार्च 2003 को समाप्त अवधि के तुलन पत्र की जांच कर ली है। मैंने टिप्पणी संख्या 6 मे यथानिर्दिष्ट 158.59 लाख रुपये में शमिल आंकडों से सम्बन्धित पुष्टिकारी अभिलेखों को छोड़कर बाकी सभी जानकारी और स्पष्टीकरण जिनकी मुझे आवश्यकता थी और उसके साथ संलग्न टिप्पणी में दिए गए स्पष्टीकरण और जो संलग्न लेखा-परीक्षा रिपोर्ट के लेखों और अभिलेखों का अंग है के अध्यधीन प्राप्त कर लिए हैं।

मैं यह प्रमाणित करता हूं कि मेरी लेखा-परीक्षा के परिणामस्वरूप मेरी राय में लेखे सही ढंग से तैयार किए गए हैं और वे मुझे दी गई सर्वोत्तम जानकारी तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार तथा संगठन की बहियों में दिखाई गई स्थिति के अनुरूप भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के हालात की निष्पक्ष तस्वीर प्रस्तुत करते हैं।

महानिदेशक, लेखा परीक्षक
केन्द्रीय राजस्व

स्थानः नई दिल्ली
दिनांक 18.10.2004

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् के वर्ष 2002-2003 के लेखाओं की लेखा-परीक्षा रिपोर्ट

1. प्रस्तावना

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् (परिषद्) का सोसायटी पंत्रीकरण अधिनियम 1860 के अधीन जुलाई 1969 में पंजीकरण किया गया था। परिषद् के मुख्य लक्ष्य सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की समीक्षा करना, उसे प्रोत्साहित करना, बढ़ावा देना, सहायता और समन्वय करना है। नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियां और सेवा की शर्तें) अधिनियम 1971 के खण्ड 20(1) के अधीन 2003-04 तक की पांच वर्षों की अवधि के लिए परिषद् के लेखाओं की लेखा-परीक्षा सौंपी गई है।

2. वित्तीय व्यवस्था

परिषद् मुख्यतः भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित होती है। वर्ष 2002-03 के दौरान परिषद् को माध्यमिक और उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली से योजनागत के अधीन 1739.66 लाख रुपये का तथा योजनेता के अधीन 1775.71 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है।

लेखों पर टिप्पणियां

3. लेखों का प्रपत्र

परिषद् के वर्ष 2002-03 के वार्षिक लेखाओं की छानबीन से यह पता चला कि ये लेखे, सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के अधीन पंजीकृत स्वायत्त निकायों के लिए वित्त मंत्रालय, महालेखा नियंत्रक द्वारा जारी किए गए नए निर्धारित प्रपत्र में नही रखे गए हैं। परिषद् ने यह कहा (मार्च 2004) कि वित्त मंत्रालय ने स्वायत्त संस्थाओं से स्वयं अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप प्रपत्र में कुछ संशोधन करने की छूट दे दी थी। परिषद् ने यह भी कहा कि वह अगले वित्तीय वर्ष से उसी प्रपत्र को अपना लेगी।

4. अपुष्ट परिसम्पत्तियां

I परिषद् ने तुलन पत्र में प्रतिभूति जमा के रूप में 0.42 लाख रुपये की राशि परिसम्पत्तियों के रूप मे दिखाई थी। प्रतिवर्ष निधि में बकाया राशि में वृद्धि होती जा रही थी और सम्बधित व्यक्ति से पुष्टि/स्वीकृति नहीं प्राप्त की गई थी। फलतः इन परिसम्पत्तियों की परिशुद्धता का सत्यापन नही किया जा सका। पिछली लेखा-परीक्षा रिपोर्ट मे भी इस अनियमितता की ओर ध्यान आकृष्ट किया गया था लेकिन परिषद् द्वारा अभी तक कोई उपचारात्मक कार्रवाई नही की गई है। परिषद् ने कहा (मई 2004) कि वह सम्बधित पक्षकाऐं से पुष्टि प्राप्त कर रही है।

II परिषद् के पास 31.2.2003 को पुस्तकालय की पुस्तकों और सीडी रोमों उपहार स्वरूप प्राप्त पुस्तकों और प्रकाशनों के रूप में 260.41 लाख रुपये की परिसम्पत्तियां थीं सामान्य/वित्तीय नियमावली के नियम 148(7-ख) के अधीन इन परिसम्पत्तियों का भौतिक सत्यापन कराया जाना चाहिए था, वह नही कराया गया। इन परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन के अभाव में परिसम्पत्तियों की परिशुद्धता का सत्यापन नही किया जा सका।

5. अपुष्ट देयता

परिषद् 31.3.1998 से तुलन पत्र मे देय रायल्टी के रूप में 0.23 लाख रुपये की राशि दर्शाती रही हैं। क्योंकि परिषद् ने यह जानकारी उपलब्ध नही कराई कि यह रायल्टी किसको दी जानी है, इसकी परिशुद्धता का सत्यापन नही किया जा सका। इसके अलावा देयता खाने में विविध लेनदारों के रूप में 0.05 लाख रुपये की राशि दर्शाई गई है, यह राशि पिछले वर्ष के तुलना पत्र में भी दिखाई गई थी। लेखा-परीक्षा को सूचित करने हुए इसके ब्यौरे तत्काल स्पष्ट किए जाने चाहिए।

6. क्षेत्रीय केन्द्रों की स्थिति

क्षेत्रीय केन्द्रों की स्थिति के समाधान सम्बधी मामले की ओर पिछली लेख-परीक्षा रिपोटों में बार-बार ध्यान आकृष्ट किया जाता रहा है लेकिन परिषद् द्वारा इस सम्बन्ध में अभी तक कोई उपचारात्मक कार्रवाई नही की गई है। मौजूदा सहयोगात्मक

व्यवस्था के अधीन क्षेत्रीय केन्द्रों को किए जाने वाला भुगतान सहायता अनुदान माना जा रहा है। इन केन्द्रों द्वारा प्रस्तुत वार्षिक लेखे परिषद् के वार्षिक लेखों में शामिल नही किए गए हैं। 1972 से 1977 की अवधि के दौरान छः क्षेत्रीय केन्द्र स्थापित किए गए थे लेकिन इन केन्द्रों को दिए गए अनुदान सम्बन्धी ब्यौरे तत्काल उपलब्ध नही थे। इस प्रकार इन ब्यौरों की लेखा-परीक्षा नही की जा सकी। वर्ष 2002-03 के दौरान परिषद् ने अपने क्षेत्रीय केन्द्रों को 158.89 लाख रुपये (योजनेता के अधीन 99.99 लाख रुपये और योजनागत के अधीन 58.90 लाख रुपये) की राशि सहायता अनुदान के रूप में प्रदान की। 158.89 लाख रुपये से सम्बधित पुष्टिकारी अभिलेख लेखा-परीक्षा को प्रस्तुत नही किए गए। परिषद् ने कहा (मई 2004) कि वित्तीय वर्ष 2004-05 से क्षेत्रीय केन्द्रों के लेखे प्रमुख लेखे में शमिल कर दिए जाएंगे।

7. सहायता अनुदान की अव्ययित बकाया को अग्रेनीत करने का अनुमोदन न मिलना

वर्ष 2002-03 मे परिषद् को 3515.37 लाख रुपये का जो अनुदान प्राप्त हुआ था उसमें से योजनेता के

अधीन 29.94 लाख रुपये की अव्ययित बकाया थी। लेखा-परीक्षा ने कहा कि इस बकाया को अग्रेनीत करने के लिए मंत्रालय से मई 2004 तक अनुमोदन प्राप्त नहीं किया गया था। इस अव्ययित बकाया को परिषद् के भावी अनुदान में समयोजित किया जाना चाहिए।

8. परिसम्पत्तियों का न्यून कथन

परिषद् ने पत्रिकाओं के चन्दे के रूप मे रु 14,060/- का भुगतान दर्शाया है लेकिन पत्रिकाएं वर्ष 2002-03 के दौरान तुला पत्र में प्राप्त नही हुई हैं जबकि राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान प्रलेखन केन्द्र के संगत रिकार्डों की जांच से ऐसा पता चला कि विदेशी पत्रिकाओं के सम्बन्ध में रु 55,554 तथा भारतीय पत्रिकाओं के सम्बन्ध में रु 6,477.59 रुपये की राशि बकाया थी। इस प्रकार तुलन-पत्र में परिसम्पत्तियों के खाने में रु 47,971.59 (रु 62,031.50 - रु 14,060/-) की राशि कम दिखाई गई और इस प्रकार समान मूल्य की परिसम्पत्तियां कम दिखाई गईं। इसके अलावा रु 14,060/- पूर्वप्रदत्त व्ययथा जिसे गलत ढंग से इस शीर्ष के अधीन दिखाया गया था।

9. जीपीएफ/सीपीएफ का निवेश केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित शैली के विरुद्ध किया जाना

भारत सरकार वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), नई दिल्ली के दिनांक 17 मार्च 1997 के आदेशों के माध्यम से गैर-सरकारी भविष्य निधि द्वारा अपनाई जाने वाली निवेश की शैली से सम्बधित अनुदेश जारी किए गए थे। सरकार द्वारा निर्धारित शैली का अतिक्रमण करते हुए परिषद् ने जीपीएफ/सीपीएफ के अधीन 505.67 लाख रुपये की समूची राशि बैंक में सावधि जमा के रूप में जमा कर दी।

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक 18.10.2004

महानिदेशक, लेखा परीक्षक
केन्द्रीय राजस्व

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद

महानिदेशक, लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व की वर्ष 2002-2003 की लेखा परीक्षा रिपोर्ट में दी गई टिप्पणियों का उत्तर

पैरा सं.	संक्षेप में आपत्तियां	आई सी एस एस आर का उत्तर
1.	प्रस्तावना	डी.जी.ए.सी.आर कार्यालय द्वारा तथ्यात्मक स्थिति का उल्लेख किया गया है तथा किसी टिप्पणी की जरूरत नहीं है।
2.	वित्तीय व्यवस्था	डी.जी.ए.सी.आर कार्यालय द्वारा तथ्यात्मक स्थिति का उल्लेख किया गया है तथा किसी टिप्पणी की जरूरत नहीं है।
3.	लेखों के संबंध में टिप्पणियां	
3.1	लेखों का प्रारूप	अनुपालन हेतु नोट कर लिया गया।
4.	पूंजीगत निधि सामान्य और उसमें से सृजित परिसम्पत्तियों में अन्तर	एक सामाधान विवरण संलग्नक 1 में दिया गया है।
5.	अपुष्ट परिसम्पत्तियां	प्रतिभूति जमा की बाबत 0.42 लाख रुपए का विवरण निम्नानुसार है :
(I)		

क्रम संख्या	फर्म का नाम	जमा का वर्ष	लाख रु.	उत्तर
1.	मेसर्स अशोक टूरिस्ट सर्विस प्रतिभूति स्टेशन (पेट्रोल पम्प), नई दिल्ली-अधिकारियों के लिए	1996-97	0.27	यह राशि, परिषद के वाहनों के लिए पेट्रोल, डीजल की आपूर्ति हेतु जमा की गई है।
2.	मेसर्स मालचा फिलिंग स्टेशन प्रतिभूति वसंत विहार, नई दिल्ली-अधिकारियों के लिए	2002-03	0.15	यह राशि, परिषद के वाहनों के लिए पेट्रोल, डीजल की आपूर्ति हेतु जमा की गई है।
	जोड़		0.42	

हम प्रतिभूति जमाओं की पुष्टि प्राप्त कर रहे हैं।

(ii) अन्य विभागों/स्थानीय निकायों के पास जमाओं की बाबत 5.08 लाख रुपए की परिसम्पत्तियों का ब्योरा निम्न प्रकार है :

क्रम संख्या	विभागों/स्थानीय निकायों के नाम	जमा करने का वर्ष	लाख रुपये	उत्तर
1.	केन्द्रीय तार घर	1986-87	0.24	यह राशि (23,700 रुपए सी.टी.ओ. नई दिल्ली के पास जमा की गई थी।
2.	एन.डी.एम.सी.	1990-91	0.04	यह राशि (3875 रुपए) डाटा के पीसी विद्युत कनेक्शन नं. के. 71239 के लिए है।
3.	डी.ई.एस.यू.	1991-92	2.09	यह राशि (2,08,750 रु.) भवन के लिए, 835 के. डब्ल्यू विद्युत और प्रकाश के लिए जमा कराई गई थी।
4.	एम.सी.डी.	1997-98	0.71	यह राशि पानी कनेक्शन के लिए चैक नं.781955, दिनांक 25.3.1998 द्वारा एम.सी.डी. के पास जमा कराई गई थी।
5.	डी.ए.वी.पी.	2001-02	2.03	यह राशि, डी.ए.वी.पी. दरों, अर्थात रियायती दरों पर भा.सा.वि.अ.प. के विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए अग्रिम अदायगी हेतु जमा कराई गई थी।
	जोड़		5,08	

(iii) प्रतिभूति जमा वाले प्रासंगिक वर्ष में विभिन्न एजेन्सियों के पास जमा से संबंधित अभिलेख भा.सा.वि.अ.प. के पास उपलब्ध हैं और आडिट द्वारा संबंधित वर्षों के दौरान पहले ही सत्यापित किए जा चुके हैं।

6. अपुष्ट देनदारी — अनुपालन हेतु नोट कर लिया गया।

7.	बैंक समाधान विवरण (i) (ii)	ब्योरों की जांच की जा रही है और तदनुसार आवश्यक शुद्धियां की जाएंगी।
8.	क्षेत्रीय केन्द्रों की स्थिति	परिषद ने पहले ही चैकों को वापस लिख दिया है जो वित्त वर्ष 2003-2004 के दौरान समय बाधित हो गए हैं। बैंक ने पहले ही चैकों के संबंध में, जिन्हें जमा कराया गया था किन्तु जिन्हें क्रेडिट नहीं किया गया था, 202.06 लाख रुपए क्रेडिट कर दिए हैं।
9.	सहायता-अनुदान के खर्च न हुए शेष को आगे ले जाने का अनुमोदन नहीं	31 अक्तूबर 2003 को हुई अनुसंधान संस्थान समिति (आर.आई.सी.) की 51वीं बैठक में, सभी क्षेत्रीय केन्द्रों के लेखों को वित्त वर्ष 2004-2005 से परिषद के मुख्य खाते में शामिल करने का निर्णय लिया गया।
10.	परिसम्पत्तियों का कम अनुमान	जहां तक योजनागत के अन्तर्गत 20.05 लाख रुपए के खर्च न हुए शेष का संबंध है, इसे एम.एच.आर.डी. के पत्र सं. एफ 7/12/03-यू5, दिनांक 17 मार्च 2004 के अनुसार (प्रतिलिपि संलग्न है), वर्ष 2003-04 के लिए अनुदान की चौथी किस्त जारी करते समय, पहले ही काट लिया गया है। जहां तक योजनेतर के अन्तर्गत 29.94 लाख रुपए के खर्च न हुए बकाया के संबंध में आगे ले जाने की अनुमति का संबंध है, परिषद लागातार एम.एच.आर.डी. को लिख रही है कि वह हमें आगे ले जाने की अनुमति प्रदान करे परन्तु मंत्रालय की अनुमति अभी आनी बाकी है। नवीनतम पत्र की एक प्रतिलिपि आपके अवलोकनार्थ संलग्न है।?
11.	केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित पद्धति के उल्लंघन में जी.पी.एफ./ सी.पी.एफ. का निवेश	अनुपालन हेतु नोट कर लिया गया।

लेखांकन पद्धतियां

1. लेखांकन कन्वेंशन

1.1 वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत कन्वेंशन के आधार पर तथा लेखांकन की प्रोद्भवन पद्धति पर। तैयार किए जाते हैं, जब तक कि अन्यथा न कहा जाए।

1.2 बैंक समाधान में बकाया रहती प्रविष्टियों को, जो गैर-सत्यापन प्रकृति की होती हैं, वर्ष 2002-2003 में राजस्व व्यय/आय के रूप में समझा गया है।

2. तालिका (इन्वेन्टरी) मूल्यांकन

2.1 प्रकाशनों की कीमत लागत पर लगाई जाती है।

3. अचल परिसम्पत्तियां

2.2 अचल परिसम्पत्तियों का उल्लेख अधिप्राप्ति की लागत पर किया गया है जिसमें आवक भाड़ा, ड्यूटी और कर तथा प्रासंगिक व अधिप्राप्तियों से संबंधित प्रत्यक्ष खर्च सम्मिलित है। निर्माण वाली परियोजनाओं के संबंध में, सम्बद्ध प्रचालन-पूर्व व्यय (परियोजना के पूरा होने से पहले विनिर्दिष्ट परियोजना के संबंध में ऋण पर ब्याज सहित), पूंजीकृत परिसम्पत्तियों की कीमत का भाग होता है।

3.2 मुद्रा-भिन्न अनुदान के रूप में प्राप्त अचल परिसम्पत्तियों को (कोरप्स निधि के लिए छोड़कर) पूंजी रिजर्व में तदनुरूपी क्रेडिट के अनुसार, बताई गई कीमत पर पूंजीकृत किया गया है।

4. मूल्यह्रास

4.1 मूल्यह्रास की व्यवस्था, आयकर अधिनियम, 1961 में विनिर्दिष्ट दरों के अनुसार स्ट्रेट-लाइन पद्धति पर की गई है।

4.2 वर्ष के दौरान अचल परिसम्पत्तियों की कटौतियों/अभिवृद्धियों के संबंध में मूल्यह्रास को आयकर अधिनियम, 1961 के अनुसार समझा गया है, यथा 30 सितम्बर के पहले और बाद में खरीदी गई परिसम्पत्तियों के संबंध में मूल्यह्रास की व्यवस्था क्रमशः पूर्ण रूप से अथवा आधे के रूप में की गई है।

5. बिक्री के संबंध में लेखा-जोखा

5.1 बिक्री की राशि विक्रय प्रतिफल, छूट और व्यापार डिस्काउन्ट को घटाकर दिखाई गई है।

6. सरकारी अनुदान/सब्सिडी

6.1 अंशदान की प्रकृति के सरकारी अनुदानों को राजस्व व्यय और पूंजी व्यय के रूप में विभाजित किया गया है। अनुदानों को पूंजी रिजर्व के रूप में समझा जाता है।

6.2 सरकारी अनुदानों/सब्सिडी को वसूली आधार पर हिसाब में लिया गया है।

7. विदेशी मुद्रा लेन-देन

7.1 विदेशी मुद्रा में किए गए लेन-देन को लेन-देन की तारीख को प्रचलित विनिमय दर पर हिसाब में लिया गया है।

8. सेवानिवृत्ति लाभ

8.1 कर्मचारियों की मृत्यु/सेवानिवृत्ति पर देय उपदान हेतु देयता वास्तविक मूल्यांकन पर प्रोद्भवन आधार पर है।

8.2 कर्मचारियों को इकट्ठे हुए नकदीकरण लाभ के लिए व्यवस्था सेवानिवृत्ति/मृत्यु के समय वास्तविक मूल्यांकन पर प्रोदभूत है।

(एन.के. गुप्ता)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
भा.सा.वि.अ.प.

(भास्कर चटर्जी)
सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

फुटकर देनदारियों तथा लेखों के संबंध में टिप्पणियां

1. **फुटकर देनदारी**
1. ऐसी इकाई (एनटिटी) के विरुद्ध दावा, जिन्हें कर्ज के रूप में नहीं माना गया - कुछ नहीं (पिछला वर्ष - कुछ नहीं)
2. **वर्तमान परिसम्पत्तियां, ऋण और अग्रिम**
प्रबंधन की दृष्टि में, वर्तमान परिसम्पत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का मूल्य सामान्य कामकाज के दौरान वसूली पर है, तुलन-पत्र में दर्शाई गई कुल राशि के कम से कम बराबर।
3. **कराधान**
आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कोई कराधान आय न होने की वजह से आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया।
4. पिछले वर्ष के संबंध में तदनुरूपी आंकड़ों को, आवश्यक होने पर, पुनर्गठित/पुनःव्यवस्थित किया गया है।
5. अनुसूचियां 1 से 9 संलग्न हैं और 31.3.2003 के तुलन-पत्र व उसी तारीख को समाप्त वर्ष के संबंध में आय और व्यय खाते का अभिन्न अंग हैं।

(एन. के. गुप्ता)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
भा.सा.वि.अ.प.

(भास्कर चटर्जी)
सदस्य-सचिव
भा.सा.वि.अ.प.

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च 2003 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए प्राप्ति और अदायगी लेखा

प्राप्तियां

पूर्ववर्ती वर्ष 2001-2002 (रुपए) (1)	लेखा शीर्ष (2)		वर्तमान वर्ष 2002-2003 (रुपए) (3)
	1. प्रारम्भिक शेष		
1,114.90	(क) नकद	519.90	
37,66,714.74	(ख) बैंक में	34,55,245.81	34,55,765.71
	योजनागत	10,34,457.00	
	योजनेतर	24,21,308.71	
	2. भारत सरकार (मानव संसाधन विकास मंत्रायल) से अनुदान		
	शिक्षा विभाग		
15,23,95,815.00	योजनागत	17,39,66,000.00	
15,73,36,355.00	योजनेतर	17,75,71,000.00	35,15,37,000.00
	3. परिषद के क्रियाकलापों से राजस्व उगाही (योजनेतर)		
63,615.00	(क) समूल्य प्रकाशनों की बिक्री	1,20,255.00	
31,655.00	(ख) रायल्टी	57,098.03	
32,017.00	(ग) फोटो प्रतियों से प्राप्ति	24,241.00	
25,702.00	(घ) ग्रन्थ सूची संकलन	35,745.00	
--	(ङ.) आंकड़ा अभिलेखागार	5,069.00	2,42,408.03
	4. अन्य आय (योजनेतर)		
	(i) अग्रिमों पर ब्याज		
44,862.00	(क) मोटर वाहन अग्रिम पर ब्याज	1,05,299.00	
168.00	(ख) अन्य सवारी अग्रिम पर ब्याज	782.001	
2,27,422.00	(ग) गृह निर्माण अग्रिम पर ब्याज	3,81,843.00	
	(घ) कम्पयूटर अग्रिम पर ब्याज	27,730.00	5,15,654.00
	(ii) व्यर्थ हुए/अनुपयुक्त सामान की बिक्री		
4,07,301.00	(क) फर्नीचर	--	
5,600.00	(ख) वाहन	--	
--	(ग) पत्रिकाएं	--	
1,468.00	(घ) समाचार-पत्र आदि	--	4,61,191.00

अदायगियां

पूर्ववर्ती वर्ष 2001-2002 (रुपए) (4)	लेखा शीर्ष (5)		वर्तमान वर्ष 2002-2003 (रुपए) (6)
योजनागत			
-	ए. प्रशासन		
--	(क) सेमिनार तथा सम्मेलन	--	
--	(ख) सांस्कृतिक और कल्याण कार्यकलाप	--	
	बी. अनुसंधान		
99,699.00	(क) परामर्शदाताओं के लिए मानदेय	2,04,636.00	
37,35,237.00	(ख) अनुसंधान परियोजनाओं के लिए अनुदान	55,91,202.00	
59,42,085.00	(ग) पूर्वोत्तर क्षेत्र कार्यक्रम	1,74,03,367.00	
3,05,414.00	(घ) भा.सा.वि.अ.प. पत्रिकाएं	4,83,181.00	2,36,82,386.00
1,33,07,674.00	सी. अनुसंधान अध्येतावृत्तियां (विवरण अनुसूची-1में)		1,81,76,848.00
	डी. प्रशिक्षण		
-	(क) अनुसंधान प्रणाली	10,67,292.00	
15,16,752.00	(ख) कम्पयूटर अनुप्रयोग	4,77,473.00	
4,23,899.00	(ख) अन्य कार्यक्रम	1,79,318.00	17,24,083.00
	ई. अध्ययन अनुदान		
1,24,830.00	(क) पुस्तकालय/प्रलेखन केन्द्रों का दौरा करने के लिए डाक्टरल छात्रों/अध्येताओं को वित्तीय सहायता		90,106.00
94,85,000.00	एफ. क्षेत्रीय केन्द्र (विवरण अनुसूची-2में)		58,90,000.00
	जी. प्रलेखन		
6,99,988.00	(क) पुस्तकों/ पत्रिकाओं आदि की खरीद	12,58,719.00	
4,900.00	(ख) प्रलेखन तथा ग्रन्थसूची परियोजना के लिए अनुदान	12,500.00	
4,160.00	(ग) परामर्शदाताओं को मानदेय	14,900.00	
42,333.00	(ङ.) बाइंडिंग चार्ज	12,416.00	
5,53,735.00	(घ) एशियाई प्रलेखन केन्द्र	7,55,369.00	
4,70,224.00	(च) सी.डी.रोम	12,06,953.00	

	(iii) विविध		
--	(क) खपाए गए कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति लाभ		
	(ख) छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदान	1,39,951.00	
1,00,115.00	(ग) ठेकेदारों से प्रतिभूति जमा	8,36,775.00	
16,98,206.00	(घ) अल्पावधि जमाओं पर ब्याज	6,92,185.40	
3,05,374.80	(ङ.) विविध प्राप्तियां	4,92,311.30	
1,54,350.00	(च) अतिथि गृह सेवाओं से प्राप्ति	10,600.00	21,71,822.70
	5. अग्रिमों की वसूली (योजनेतर)		
1,94,187.00	(क) मोटर वाहन अग्रिम की वसूली	3,88,341.00	
17,600.00	(ख) कम्प्यूटर अग्रिम की वसूली	62,400.00	
2,10,949.00	(ग) गृह निर्माण अग्रिम की वसूली	2,66,291.00	
12,000.00	(घ) अन्य वाहन अग्रिम की वसूली	17,550.00	7,34,582.00
1,61,32,748.00	6. प्रेषण (योजनेतर)		1,74,79,459.00
	7. कुल प्राप्तियां (2 से 6)		
15,23,95,815.00	योजनागत	17,39,66,000.00	
17,70,11,694.80	योजनेतर	19,91,76,116.73	37,31,42,116.73
37,65,97,882.44			33,31,75,339.44

30,000.00	(छ) कम्प्यूटर उपस्कर	19,18,310.00	
69,500.00	(ज) एशिया प्रशान्त तथा वैश्विक व्यवस्था सेमिनार	--	
3,00,000.00	(झ) समाज विज्ञान प्रोन्नयन तथा प्रचार	4,47,936.00	56,27,103.00
	एच. आंकड़ा अभिलेखागार		
55,000.00	मार्गदर्शन और परामर्शी सेवाएं	45,000.00	
40,000.00	आंकड़ा संगठन के के लिए अनुदान	87,000.00	
31,14,490.00	संस्थान-आधारित आंकड़ा बैंक आधुनिकीकरण	26,32,946.00	27,64,946.00
	आई. प्रकाशन		
11,547.00	(क) परामर्शदाताओं को मानदेय	34,358.00	
1,84,320.00	(ख) प्रकाशनों के लिए सहायता-अनुदान	3,67,752.00	
4,95,745.00	(ग) समूल्य प्रकाशन/पत्रिकाएं	6,34,460.00	
43,500.00	(घ) अन्य समूल्य प्रकाशन	13,680.00	
3,76,442.00	(ङ.) अनुसंधान सर्वेक्षण	89,220.00	11,39,470.00
	जे. अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग		
47,89,306.00	(विवरण अनुससूची-6 में)		1,45,80,919.00
	के. अनुसंधान संस्थानों को अनुरक्षण तथा विकास अनुदान		
7,54,82,163.00	(विवरण अनुसूची-3 में)		6,52,45,819.00
	एम. अन्य कार्यक्रम		
5,46,362.00	(क) समाज वैज्ञानिकों के व्यावसायिक संगठनों को अनुरक्षण तथा विकास अनुदान	7,10,000.00	
78,73,069.00	(ख) सेमिनार तथा सम्मेलन	54,21,520.00	
20,00,000.00	(ग) आई ए एस एस आई	20,00,000.00	
1,81,048.00	(घ) सांस्कृतिक और कल्याण कार्यकलाप	6,12,870.00	
	(ङ.) कार्य अध्ययन	2,512.00	87,46,902.00
	एन. फर्नीचर तथा उपकरण की खरीद		
10,34,932.00	(क) फर्नीचर	10,03,184.00	
12,39,225.00	(ख) कम्प्यूटर उपकरण	3,71,869.00	
19,69,162.00	(ग) अन्य उपकरण	23,13,157.00	
3,73,336.00	(घ) स्टाफ कार/वाहन	--	36,88,210.00
	ओ. भूमि तथा भवन		
--	भवन	--	
1,55,40,476.00	कार्यालय भवन का रखरखाव	2,16,39,129.00	2,16,39,129.00

37,65,97,882.44	33,31,75,339.44		पी. कुल भुगतान		
		15,24,65,543.00	योजनागत	17,29,95,921.00	
			योजनेतर		
			क. प्रशासन		
		3,11,19,189.73	(विवरण अनुसूची-4 में)		3,51,31,881.87
			ख. अनुसंधान		
		1,08,99,226.00	(विवरण अनुसूची-4 में)		1,06,02,776.00
			ग. अनुसंधान अध्येतावृत्तियाँ		
		--	(विवरण अनुसूची-1 में)		--
		--	घ. प्रशिक्षण		--
		--	ङ. अध्ययन अनुदान		--
			च. क्षेत्रीय केन्द्र		
		1,01,39,000.00	(विवरण अनुसूची-2 में)		99,99,314.00
			छ. प्रलेखन		
		95,04,880.00	(विवरण अनुसूची-4 में)		92,68,804.00
			ज. आंकड़ा अभिलेखागार		
		29,02,471.00	(विवरण अनुसूची-4 में)		20,01,826.00
			झ. प्रकाशन		
		25,38,449.00	(विवरण अनुसूची-4 में)		47,63,983.00
			ट. अनुसंधान संस्थानों को अनुरक्षण तथा विकास अनुदान		
		8,34,30,000.00	(विवरण अनुसूची-3 में)		10,25,00,000.00
		--	ठ. अन्य कार्यक्रम		--
		15,05,33,215.73	जोड़ 'क' से 'ठ' तक योजनेतर		17,44,68,574.87
			ड. ऋण और अग्रिम		
			(क) भवन निर्माण		
		4,24,900.00	अग्रिम	5,65,749.00	
			(ख) मोटर वाहन		
		8,93,125.00	अग्रिम	1,47,770.00	
			(ग) अन्य वाहन		
		28,500.00	अग्रिम	--	7,13,519.00
			ढ. भविष्य निधि		
			(क) अं.भ.नि. में नियोक्ता का		
		48,435.00	अंशदान (योजनेतर)	50,067.00	
		--	(ख) जी पी एफ में		
			अंतरण	--	50,067.00
			त. सेवानिवृत्ति लाभ		
			(क) पेंशन के परिवर्तन सहित		
		30,81,151.00	अंशदान	40,41,919.00	
		14,17,865.00	(ख) उपदान	11,63,353.00	52,05,272.00
			थ. भवन		
			भवन का		
		43,68,976.00	रखरखाव	--	--
			ध. जमा		
		2,00,000.00	प्रतिभूमि जमा	15,000.00	
			ठेकेदारों को वापस		
		1,25,115.00	प्रतिभूमि जमा	5,00,000.00	5,15,000.00
		1,61,32,748.00	न. प्रेषण		1,76,80,576.00
			अन्त में शेष		
		519.90	(क) नकद	28,770.90	
		34,55,245.81	(ख) बैंक में	40,70,161.67	40,98,932.57
37,65,97,882.44	33,31,75,339.44				

			योजनागत		20,04,536.00
			योजनेतर		29,94,396.57
37,65,97,882.44	कुल जोड़	33,31,75,339 44	37,65,97,882.44	कुल जोड़	33,31,75,339.44

(एम. के. गुप्ता)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

(भास्कर चटर्जी)
सदस्य-सचिव
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31 मार्च 2003 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

व्यय | आय

पिछला वर्ष 2001-2002 (रुपए) (1)	लेखा शीर्ष (2)		वर्तमान वर्ष 2002-2003 (रुपए) (3)	पिछला वर्ष 2001-2002 (रुपए) 4	लेखा शीर्ष 5		वर्तमान वर्ष 2002-2003 (रुपए) 6
2,35,88,689 73	क. प्रशासन	योजनेतर	3,38,89,314.67		भारत सरकार से राजस्व		
		योजनागत	--		व्यय के लिए अनुदान		
1,08,99,226.00	ख. अनुसंधान अनुदान	योजनेतर	1,08,02,766.00				
		योजनागत	2,36,82,386.00		मानव संसाधन		
98,94,197.00							
--	ग. अनुसंधान	योजनेतर	--		विकास मंत्रालय		
1,38,07,674.00	अधिछात्रवृत्तियां	योजनागत	1,81,76,848.00	15,73,05,855.00	शिक्षा विभाग	योजनेतर	17,75,71,000 00
				14,05,72,434.00		योजनागत	14,95,88,367.00
13,41,363.00	घ. प्रशिक्षण	योजनागत	17,24,083.00		परिषद के क्रियाकलापों		
1,24,830.00	ङ. अध्ययन अनुदान	योजनागत	90,106-00		से राजस्व की प्राप्ति		
1,61,39,000.00	च. क्षेत्रीय केन्द्र	योजनेतर	99,99,314.00				
		योजनागत	58,90,000.00	63,615.00	समूल्य प्रकाशनों की बिक्री		1,20,255.00
94,85,000.00							
95,04,880.00	छ. प्रलेखन	योजनेतर	92,68,804.00	72,001.00	- रायल्टी से प्राप्ति		33,620.00
5,05,278.00		योजनागत	7,05,402.00	32,017.00	- फोटोकापी से प्राप्ति		24,241 00
28,92,471.00	ज. आंकड़ा	योजनेतर	20,01,826.00	25,702.00	- ग्रन्थसूची का संकलन		35,745.00
2,87,300.00	अभिलेखागार	योजनागत	6,05,750.00	2,72,452.00	- पेशगी पर ब्याज		5,15,654 00
25,44,937.00	झ. प्रकाशन	योजनेतर	47,49,717.00		- छुट्टी वेतन तथा		
2,25,989.00		योजनागत	4,91,330.00	--	पेंशन अंशदान		1,39,951 00
	ञ. अन्तर्राष्ट्रीय				- विविध प्राप्तियां		4,92,311.30
42,39,574.00	सहयोग	योजनागत	1,45,80,919.00	3,05,374.80			
	ट. अनुसंधान संस्थानों			16,98,206.00	- अल्पावधि जमा राशि		6,92,185.40
	को अनुरक्षण तथा				पर ब्याज		
8,34,30,000.00	विकास अनुदान	योजनेतर	10,25,00,000.00	5,04,369.00	- अनुपयुक्त व्यर्थ भण्डार		
7,54,82,163.00		योजनागत	6,52,45,819.00		आदि की बिक्री		4,61,191.00
1,05,91,519.00	ठ. अन्य कार्यक्रम	योजनागत	87,46,902.00		- आंकड़ा अभिलेखागार		
--	ड. भविष्य निधि		--		से प्राप्तियां		5,069.00
48,435.00	परिषद का अंशदान	योजनेतर	50,087.00				10,600.00
				1,64,350.00	- अतिथि गृह सेवाओं		
6,799.00	ण. फर्नीचर तथा उपस्कर	योजनागत	--		के लिए प्राप्तियां		
44,99,016.00	त. सेवानिवृत्ति लाभ	योजनेतर	52,05,272.00		- आय की तुलना में		
75,40,476.00	थ. भवन का रखरखाव	योजनागत	1,26,33,269.00		व्यय की अधिकता		64,24,549 67
43,68,976.00		योजनेतर	--				
41,85,986.00	परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास		50,74,824.00				
30,10,16,375.80	कुल जोड़		33,61,14,739.37	30,10,16,375.80	कुल जोड़		33,61,14,739.37

(एन. के. गुप्ता)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

(भास्कर चटर्जी)
सदस्य-सचिव
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

31.3.2003 की वित्तीय स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

देनदारियां | **परिसम्पत्तियां**

पिछला वर्ष 2001-2002 (रुपए) (1)	*निधियां और* देनदारियां (2)		*वर्तमान वर्ष* 2002-2003(रुपए) (3)
-	**पूंजी निधि सामान्य**		
	प्रारंभिक शेष	14,04,92,508.42	
	वर्ष के दौरान अभिवृद्धियां		
-	पूंजी अनुदान	2,37,29,493.00	
	आईडीपीएडी	28.08.695.00	16,70,30,696.00
	घटा: बट्टेखाते		
	डाला गया	8,74,796.50	16,61,55,899.92
	पूंजी-निधि-उपहारस्वरूप पुस्तकें		
	प्रारम्भिक शेष	8,17,574.95	
	अभिवृद्धियां	40.950.00	8,58,524.95
	घटा: बट्टेखाते		
8,17,574.95	डाला गया	11,395.45	8,47,129.50
	पूंजी निधि-समूल्य		
62,37,156.00	प्रकाशन कान्ट्रा के अनुसार (संलग्नक-5)		64,50,221.00
	अन्य निधियां		
5,10,52,161.82	- भविष्य निधियां		5,96,68,337.82
1,28,318.13	- साराभाई स्मारक न्यास निधि		1,08,493.13
1,90,621.45	- यूनेस्को परियोजना		1,97,796.45
58,878 67	- एन्थ्रोपोलाजी खाता		57,322.57
11,188 85	- भा.सा.वि.अ.प. का प्रायोजित जनजातियां अध्ययन कार्यक्रम		11,633.85
5,10,261.85	- आईसीएसएसआर-आईसीएमआर सभी के लिए स्वास्थ्य परियोजना		4,05,274.85
23,06,484.55	- आईसीएसएसआर-इडपेड चतुर्थ-पंचम चरण		27,74,454.26
1,01,997.15	- आईसीएसएसआर-एएसएसआरईसी		1,20,728.15
1,02,937 00	- आईसीएसएसआर साइन्ट्रोमीट्रिक		31,986.00
	- अन्य देनदारियां		
2,04,484 00	- प्रतिभूति जमा		5,41,259.00
5,216 42	- विविध देनदार		5,216.42
1,81,13,027.56	**व्यय की तुलना में आय की अधिकता**		
	वर्ष 2002-03 के लिए		
	घटा-आय की तुलना में व्यय की अधिकता	1,81,13,027.56 64.24.549.67	1,16,88,477.89
22,03,56,029.67	**कुल जोड़**		**24,90,87,443.66**

पिछला वर्ष 2001-2002(रुपए) (4)	*परिसम्पत्तियां* (5)		*वर्तमान वर्ष* 2002-2003(रुपए) (6)
	भूमि तथा भवन		
9,12,84,238.00	प्रारंभिक शेष	9,12,84,238.00	
	अभिवृद्धिया	1.29.60.386.00	
	घटा: मूल्यहास	14,87,933.00	10,27,56,691.00
	वाहन		
	प्रारम्भिक शेष	16,29,582.00	
16,29,582.00	घटा - मुल्यह्रास	1.64.358.00	14,65,224.00
	फर्नीचर तथा उपस्कर		
	प्रारंभिक शेष	2,60,78,773.00	
	अभिवृद्धियां	1.05.74.411.00	
		3,66,53,184.00	
	घटा: बट्टेखाते		
	डाला गया	5,88,169.50	
2,60,78,773.00	घटा: मूल्यहास	34.22.533.50	3,26,42,481.00
	पुस्तकालय पुस्तकें तथा सीडी रोम		
	प्रारम्भिक शेष	1,67,54,596.42	
	अभिवृद्धियां	22.76.446.00	
		1,90,31,042.42	
	घटा: बट्टेखाते		
	डाला गया	2.86.627.00	1,87,44,415.42
	उपहारस्वरूप पुस्तकें		
	प्रारंभिक शेष	8,17,574.95	
	अभिवृद्धियां	40.950.00	
		8,58,524.95	
	घटा: बट्टेखाते		
8,17,574.95	डाला गया	11.395.45	8,47,129 50
	समूल्य प्रकाशनों का भण्डार खाता		
62,37,156.00	(विवरण-अनुसूची-5 में)		64,50,221.00
	देनदार		
1,01,109.00	- चन्दा अदा कर दिया परन्तु पत्र-पत्रिकाएं प्राप्त नहीं हुई		14,060 00
69,596.18	- रायल्टी जो प्राप्त होनी है		46,118.15
5,07,884.00	- अन्य विभागों/स्थानीय निकायों के पास जमा		5,07,884 00
1,59,70,224.00	- पूर्ति करने वालों को अग्रिम		1,40,80,259 00
27,000.00	- प्रतिभूति जमा		42,000.00
--	- प्रेषण		1,71,117.00
	ऋण और पेशगी		
12,86,278 00	- मोटर वाहन		10,45,707.00
17,550.00	- अन्य वाहन		--

22,03,56,029.67	कुल जोड	24,90,87,443.66	15,85,452.94	- मकान निर्माण		18,84,910.00
			62,400.00	- वैयक्तिक कम्प्यूटर		--
				भविष्य निधि		
			4,43,31,958.00	- निवेश		5,05,66,518.00
			57,53,851.00	- अर्जित ब्याज जो प्राप्त नहीं हुआ		78,49,368.00
			9,66,352.82	- केनरा बैंक में नकद		12,52,451.82
				अन्य निधियां शेष		
				साराभाई स्मारक न्यास खाता		
				- नकद	4,000.00	
			18,961.13	- यूको बैंक	--	
			1,09,357.00	- केनरा बैंक	1,04,493.13	
				ऐन्थ्रोपोलाजी खाता		
			35,766.77	- स्टेट बैंक आफ इंडिया	--	
			23,111.90	- यूको बैंक	--	
			--	- केनरा बैंक	57,322.82	
				यूनेस्को परियोजना		
			2,024.45	- यूको बैंक	--	
			1,88,597-00	- केनरा बैंक	1,97,796.45	
				भा.सा.वि.अ.प. का प्रायोजित जनजातीय अध्ययन कार्यक्रम		
			396.00	- नकद	--	
			6,931.85	- यूको बैंक	--	
			3,861.00	- केनरा बैंक	11,633.85	
				भा.सा.वि.अ.प.-आई.सी.एम.आर. सभी के लिए स्वास्थ्य परियोजना		
			8,928.85	- यूको बैंक	--	
			5,01,333.00	- केनरा बैंक	4,05,274.85	
				भा.सा.वि.अ.प.-इडपेड परियोजना-चौथा-पंचम चरण		
			1,257.00	- नकद	13,789.00	
			1,04,881.90	- यूको बैंक	--	
				आईसीएसएसआर-एएएसएसआरईसी खाता		
			1,01,997.15	- यूको बैंक	--	
			--	- केनरा बैंक	1,20,728.15	
				आईसीएसएसआर-साइनट्रोमीट्रिक खाता		
			1,02,937.00	- केनरा बैंक	31,986.00	
				अन्त में शेष		
			34,55,245.81	- नकद बैंक में	49,70,161.67	
			519.90	- नकद हाथ में	28,770.90	49,98,932.57
22,03,56,029.67	कुल जोड	24,90,87,443.66	22,03,56,029.67	कुल जोड		24,90,87,443.66

<u>लेखापद्धति नीति का प्रकटन</u>

(क) परिषद लेखों के रखरखाव के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित सभी नियम तथा विधियों और लेखापद्धति नीतियों का पालन कर रही है। इसलिए, अचल परिसम्पित्तियों आदि पर मूल्यह्रास खाते में प्रभारित नहीं किया गया है।

(ख) परिषद के लेखे नकद-आधारित हैं, सिवाय प्रकाशन लेखों तथा भविष्य निधि लेखों के, जहां पर इन्हें प्रोदभवन के आधार पर रखा जाता है।

(एन. के. गुप्ता)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

(भास्कर चटर्जी)
सदस्य-सचिव
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
प्रोफार्मा लेखा - भविष्य निधि लेखा (सामान्य और अंशदायी)
(क) वर्ष 2002-2003 की प्राप्तियों और अदायगियों का लेखा

	प्राप्तियां (रुपए)	अदायगियां (रुपए)
प्रारम्भिक शेष	9,66,352.82	--
प्राप्त अंशदान	1,03,34,901.00	--
निवेशों पर ब्याज	45,63,593.00	--
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद का अंशदान-अंशदायी भविष्य निधि हेतु	50,087.00	--
निकासी और अग्रिम	--	83,92,050.00
भाविष्य निधि निवेश खाता	--	62,34,560.00
जमा से जुड़ी बीमा स्कीम	--	33,551.00
बैंक प्रभार	--	321.00
अंत में शेष: केनरा बैंक	--	12,52,451.82
जोड़	**1,59,14,933.82**	**1,59,14,933.82**

(एन. के. गुप्ता)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

(भास्कर चटर्जी)
सदस्य-सचिव
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद
नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

(ख) आय तथा व्यय खाता-वर्ष 2002-2003

व्यय	राशि (रुपए)	आय		राशि (रुपए)
भविष्य निधि पर देय ब्याज खाता	43,75,475.00	ब्याज प्राप्ति खाता	45,63,593.00	
		(-) घटा: पूर्ववर्ती वर्षों में प्रोदमूत	31,04,303.00	
बैंक प्रभार	321.00		14,59,290.00	
जमा से जुड़ी बीमा स्कीम	35,551.00	वर्ष 2002-2003 के दौरान अर्जित ब्याज	51,99,820.00	66,59,110.00
व्यय की तुलना में आय की अधिकता	22,47,763.00			
जोड़	66,59,110.00			66,59,110.00

(एन. के. गुप्ता)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

(भास्कर चटर्जी)
सदस्य सचिव
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद
नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

(ग) 31 मार्च 2002 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र

देनदारियां		राशि (रुपए)	परिसम्पत्तियां		राशि (रुपए)
भविष्य निधि अंशदाता खाता			**ब्याज**		
प्रारंभिक शेष	4,86,48,788.00		अर्जित ब्याज जो 31.3.2002 तक प्राप्त नही हुआ	57,53,851.00	
जमाः प्राप्त अंशदान	1,03,34,901.00		घटाः 2002-03 के दौरान प्राप्त ब्याज	31,04,303.00	
सी पी एफ अंशदान	50,087.00			26,49,548.00	
अभिदाताओं को देय ब्याज	43,75,475.00		जमाः वर्ष 2002-2003 के दौरान अर्जित ब्याज	51,99,820.00	78,49,368.00
	6,34,09,251.00		**निवेश**		
घटाः निकासियां	83,92,050.00	5,50,17,201.00	प्रारम्भिक शेष	4,43,31,958.00	
व्यय की तुलना में आय की अधिकता			जमाः वर्ष 2002-03 के दौरान	62,34,560.00	5,05,66,518.00
प्रारम्भिक शेष	24,03,373.82		**बैंक में शेष**		
जमाः वर्ष 2002-03 के सम्बन्ध में व्यय की तुलना में आय की अधिकता	22,47,763.00	46,51,136.82	केनरा बैंक		12,52,451.82
जोड़		**5,96,68,337.82**			**5,96,68,337.82**

(एन. के. गुप्ता)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

(भास्कर चटर्जी)
सदस्य-सचिव
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्

वर्ष 2002-2003 के सम्बन्ध में "करेंट एन्थरोपोलाजी" का प्रोफार्मा लेखा

खाता संख्या 1636 - यूको बैंक

खाता संख्या 50256 - केनरा बैंक

प्राप्तियां		राशि (रुपए)	अदायगियां		राशि (रुपए)
प्रारम्भिक शेष			बैंक प्रभार		2,867.00
नकद	कुछ नहीं				
यूको बैंक	23,111.90		अन्त में शेष		
स्टेट बैंक आफ इंडिया	35,766.77	58,878.67	नकद	कुछ नहीं	
			केनरा बैंक	57,322.57	57,322.57
प्राप्त ब्याज		1,311.00			
		60,189.67			60,189.67

(एन. के. गुप्ता)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

(भास्कर चटर्जी)
सदस्य-सचिव
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्

वर्ष 2002-2003 के लिए "यूनेस्को प्रोजेक्ट" का प्रोफार्मा लेखा

यूको बैंक खाता संख्या 623

केनरा बैंक खाता संख्या 50039

प्राप्तियां		राशि (रुपए)	**अदायगियां**		राशि (रुपए)
प्रारम्भिक शेष			अन्त में शेष		
नकद	कुछ नहीं		केनरा बैंक	1,97,796.45	1,97,796.45
यूको बैंक	2,024.45				
केनरा बैंक	1,88,597.00	1,90,621.45			
प्राप्त ब्याज		7,175.00			
		1,97,796.45			1,97,796.45

(एन. के. गुप्ता)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

(भास्कर चटर्जी)
सदस्य-सचिव
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

वर्ष 2002-2003 के लिए "साराभाई स्मारक न्यास" का प्रोफार्मा लेखा

यूको बैंक खाता संख्या 1371

केनरा बैंक खाता संख्या 50055

प्राप्तियां		राशि (रुपए)	अदायगियां		राशि (रुपए)
प्रारम्भिक शेष			कार्यक्रम व्यय		24,300.00
नकद	कुछ नहीं		अन्त में शेष		
यूको बैंक	18,961.13		नकद	4,000.00	
केनरा बैंक	1,09,357.00	1,28,318.13	केनरा बैंक	1,04,493.13	1,08,493.13
बैंक से प्राप्त ब्याज		4,475.00			
		1,32,793.13			1,32,793.13

(एन. के. गुप्ता)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

(भास्कर चटर्जी)
सदस्य सचिव
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

वर्ष 2002-2003 के लिए "आई.सी.एस.एस.आर. - आई.सी.एम.आर. सभी के लिए स्वास्थ्य परियोजना" का प्रोफार्मा लेखा

यूको बैंक खाता संख्या 1487

केनरा बैंक खाता संख्या 50038

प्राप्तियां		राशि (रुपए)	अदायगियां		राशि (रुपए)
प्रारम्भिक शेष			वेतन		1,21,382.00
नकद	कुछ नहीं		अन्त में शेष		
यूको बैंक	8,928.85		नकद	कुछ नहीं	
केनरा बैंक	5,01,333.00	5,10,261.85	केनरा बैंक	4,05,274.85	4,05,274.85
प्राप्त ब्याज		16,395.00			
जोड़		5,26,656.85			5,26,656.85

(एम. के. गुप्ता)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

(भास्कर चटर्जी)
सदस्य-सचिव
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्

वर्ष 2002-2003 के लिए "जनजातीय अध्ययनों पर आई.सी.एस.एस.आर. प्रायोजित कार्यक्रम" का प्रोफार्मा लेखा

यूको बैंक खाता संख्या 1369

केनरा बैंक खाता संख्या 50037

प्राप्तियां		राशि (रुपए)	अदायगियां		राशि (रुपए)
प्रारम्भिक शेष			अन्त में शेष		
नकद	396.00		केनरा बैंक	11,633.85	11,633.85
यूको बैंक	6,931.85				
केनरा बैंक	3,861.00	11,118.85			
प्राप्त ब्याज		445.00			
जोड़		**11,633.85**			**11,633.85**

(एन. के. गुप्ता)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

(भास्कर चटर्जी)
सदस्य-सचिव
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

वर्ष 2002-2003 के लिए "आई.सी.एस.एस.आर.-इडपेड चतुर्थ चरण" प्रोफार्मा लेखा

यूको बैंक खता संख्या 33

केनरा बैंक खाता संख्या 50254

प्राप्तियां				अदायगियां		
			राशि (रुपए)			राशि (रुपए)
प्रारम्भिक शेष				कार्यक्रम खर्च		29,36,945.00
नकद	-	1,257.00		सदस्यों तथा प्रतिनिधियों आदि का यात्रा खर्च		32,21,292.00
यूको बैंक	-	1,04,881.90				
केनरा बैंक	-	22,00,345.65	23,06,484.55	वेतन		6,76,870.00
डच अंशदान			1,27,39,340.00	सेमिनार/सम्मेलन		73,78,408.34
प्राप्त चन्दा			54,000.00	कम्प्यूटर और उपकरण		28,08,695.00
विविध प्राप्तियां			2,15,315.00	इन्टरनेट/टेलीफोन प्रभार		2,25,271.00
परिष्द का अंशदान			49,00,000.00	बैंक प्रभार		4,423.00
प्राप्त ब्याज			58,171.00	**ई.ओ.एल.डी.डी.परियोजना**		
				कार्यक्रम	1,08,718.00	
				वेतन	90,419.00	
				आतिथ्य/फुटकर	47,815.00	2,46,952.00
				अन्त में शेष		
				नकद	13,789.00	
				केनरा बैंक	27,60,665.26	27,74,454.26
			2,02,73,310.60			**2,02,73,310.60**

(एन.के. गुप्ता)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

(भास्कर चटर्जी)
सदस्य-सचिव
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

वर्ष 2002-2003 के लिए "आई.सी.एस.एस.आर.-ऐसरेक" प्रोफार्मा लेखा

यूको बैंक खाता संख्या 1807

केनरा बैंक खाता संख्या 50255

प्राप्तियां		राशि (रुपए)	अदायगियां		राशि (रुपए)
प्रारम्भिक शेष			बैंक प्रभार		81.00
नकद	कुछ नहीं		अन्त में शेष		
यूको बैंक	1,01,997.15	1,01,997.15	नकद	कुछ नहीं	
प्राप्त ब्याज		4,696.00	केनरा बैंक	1,20,728.15	1,20,728.15
सदस्तथा शुल्क		14,116.00			
जोड़		**1,20,728.15**			**1,20,728.15**

(एन.के. गुप्ता)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

(भास्कर चटर्जी)
सदस्य सचिव
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली
वर्ष 2002-2003 के लिए "आई.सी.एस.एस.आर.-साइनट्रोमीट्रिक" प्रोफार्मा लेखा

केनरा बैंक खाता संख्या 50224

प्राप्तियां			अदायगियां		
		राशि (रुपए)			राशि (रुपए)
प्रारम्भिक शेष			वेतन		73,980.00
केनरा बैंक	1,02,937.00	1,02,937.00	अन्त में शेष		
			केनरा बैंक	31,986.00	31,986.00
प्राप्त ब्याज		3,029.00			
जोड़		**1,05,966.00**			**1,05,966.00**

(एन. के. गुप्ता)
वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

(भास्कर चटर्जी)
सदस्य-सचिव
भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्
नई दिल्ली

अनुसूची-1

ग. अनुसंधान अधिछात्रवृत्तियां 2002-2003 के अन्तर्गत अदायगियों का विवरण

	योजनागत (रुपए)
(क) राष्ट्रीय अधिछात्रवृत्तियां	25,93,360.00
(ख) भा.सा.वि.अ.प. वरिष्ठ अधिछात्रवृत्तियां	20,64,014.00
(ग) भा.सा.वि.अ.प. सामान्य अधिछात्रवृत्तियां	12,84,574.00
(घ) डाक्टरल अधिछात्रवृत्तियां	
(1) संस्थागत अधिछात्रवृत्तियां	43,69,215.00
(2) केन्द्र प्रशासित अधिछात्रवृत्तियां	33,13,035.00
(3) मुक्त डाक्टरल अधिछात्रवृत्तियां	11,05,677.00
(4) उत्तर-पूर्वी क्षेत्र अधिछात्रवृत्तियां	10,12,617.00
(ड.) फुटकर अनुदान	1,50,328.00
(च) परामर्शदाताओं को मानदेय	1,88,858.00
(छ) पीएच.डी. अध्येताओं को आंशिक सहायता	20,95,170.00
जोड़	1,81,76,848.00

अनुसूची-2

च – क्षेत्रीय केन्द्रों को अदायगियों का विवरण, 2002-2003

क्षेत्रीय केन्द्रों की अवस्थिति	योजनेतर (रुपए)	योजनागत (रुपए)
(क) मुम्बई	18,50,000.00	10,00,000.00
(ख) हैदराबाद	22,00,000.00	8,40,000.00
(ग) कोलकाता	11,50,000.00	7,00,000.00
(घ) शिलांग (उत्तर-पूर्वी केन्द्र)	16,50,000.00	8,00,000.00
(ड.) चण्डीगढ़ (उत्तर-पश्चिम केन्द्र)	26,99,314.00	21,50,000.00
(च) नई दिल्ली	4,50,000.00	4,00,000.00
जोड़	**99,99,314.00**	**58,90,000.00**

अनुसूची-3

अनुसंधान संस्थानों को अनुरक्षण और विकास अनुदान (2002-2003) "के" के अन्तर्गत अदायगियों का ब्यौरा

क्र. सं.	केन्द्र/संस्थान का नाम	योजनागत (रुपए)	योजनेतर (रुपए)
1.	विकास अध्ययन केन्द्र, तिरुवनंतपुरम	33,00,000.00	95,00,000.00
2.	सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन संस्थान, बंगलौर	37,00,000.00	94,00,000.00
3.	सामाजिक विकास अध्ययन केन्द्र, कोलकाता	18,00,000.00	75,00,000.00
4.	आर्थिक विकास संस्थान, दिल्ली	29,00,000.00	69,00,000.00
5.	विकासशील सोसाइटी अध्ययन केन्द्र, दिल्ली	42,00,000.00	73,00,000.00
6.	ए.एन.सिन्हा सामाजिक अध्ययन संस्थान, पटना	15,00,000.00	55,00,000.00
7.	गांधी अध्ययन संस्थान, वाराणसी	--	.
8.	लोक उद्यम संस्थान, हैदराबाद	12,00,000.00	29,00,000.00
9.	सामाजिक अध्ययन संस्थान, सूरत	14,00,000.00	32,00,000.00
10.	सरदार पटेल आर्थिक और सामाजिक अनुसंधान संस्थान, अहमदाबाद	25,00,000.00	61,00,000.00
11.	मद्रास विकास अध्ययन संस्थान, चेन्नई	27,00,000.00	43,00,000.00
12.	गोविन्द बल्लभ पन्त सामाजिक विज्ञान संस्थान, इलाहाबाद	17,00,000.00	45,00,000.00
13.	गिरी विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ	24,00,000.00	43,00,000.00
14.	भारतीय शिक्षा संस्थान, पुणे	20,00,000.00	17,00,000.00
15.	नीति अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली	16,00,000.00	33,00,000.00
16.	सामाजिक विकास परिषद, नई दिल्ली	10,00,000.00	32,00,000.00
17.	विकास अध्ययन संस्थान, जयपुर	7,00,000.00	49,00,000.00
18.	ग्रामीण तथा औद्योगिक विकास अनुसंधान केन्द्र, चण्डीगढ़	13,00,000.00	49,00,000.00
19.	महिला विकास अध्ययन केन्द्र, नई दिल्ली	15,00,000.00	49,00,000.00
20.	आर्थिक और सामाजिक अध्ययन केन्द्र, हैदराबाद	9,00,000.00	42,00,000.00
21.	एन.के.सी. विकास अध्ययन केन्द्र, भुवनेश्वर	34,00,000.00	16,00,000.00
22.	गुजरात क्षेत्र योजना संस्थान, अहमदाबाद	22,00,000.00	16,00,000.00
23.	औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान, दिल्ली	60,00,000.00	--
24.	ओ.के.डी सामाजिक परिवर्तन तथा विकास संस्थान, गुवाहाटी	46,00,000.00	..
25.	बहु-विषयक विकास अनुसंधान केन्द्र, धारवाड़	40,00,000.00	8,00,000.00
26.	मध्य प्रदेश सामाजिक विज्ञान अनुसंधान संस्थान, उज्जैन	40,00,000.00	.
27.	बाबा साहेब अम्बेडकर राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान संस्थान, महू (मध्य प्रदेश)	13,00,000.00	--
28.	समीक्षा समिति	14,45,819.00	--
	कुल जोड़	**6,52,45,819.00**	**10,25,00,000.00**

अनुसूची-4

योजनेतर के अन्तर्गत विभिन्न उप-शीर्षों के तहत खर्च का विवरण, 2002-2003

क्रम सं.	उप-शीर्ष	क प्रशासन (रुपए)	ख अनुसंधान (रुपए)	छ प्रलेखन (रुपए)	ज आंकड़ा अभिलेखागार (रुपए)	झ प्रकाशन (रुपए)
1.	अधिकारियों का वेतन	21,52,840.00	31,12,721.00	23,00,585.00	3,51,437.00	7,72,847.00
2.	कर्मचारियों का वेतन	50,43,466.00	23,59,407.00	23,95,768.00	2,08,275.00	7,01,570.00
3.	मंहगाई भत्ता	30,74,088.00	26,76,827.00	21,63,267.00	2,74,285.00	6,41,694.00
4.	नगर प्रतिपूर्ति भत्ता	1,94,847.00	1,53,500.00	1,28,807.00	15,000.00	36,197.00
5.	मकान किराया भत्ता	17,30,198.00	14,78,092.00	11,87,791.00	1,59,209.00	3,64,664.00
6.	परिवहन भत्ता	2,20,085.00	2,74,900.00	1,80,206.00	24,000.00	60,753.00
7.	समयोपरि भत्ता	1,57,814.00	--	381.00	--	--
8.	अन्य भत्ते तथा मानदेय	1,84,076.00	1,12,682.00	1,25,168.00	10,228.00	33,923.00
9.	चिकित्सा व्यय	4,97,929.00	3,89,753.00	4,05,856.00	24,823.00	52,291.00
10.	कर्मचारियों का यात्रा खर्च	34,583.00	18,360.00	13,660.00	--	--
11.	परिषद के सदस्यों तथा इसकी समिति के लिए यात्रा खर्च	12,66,929.00	--	--	--	--
12.	आकस्मिक खर्च	15,91,825.00	2,26,578.00	3,67,315.00	14,975.00	44,697.00
13.	लेखन सामग्री	9,90,862.00	--	--	--	--
14.	फर्नीचर/उपस्करों की मरम्मत/रखरखाव	8,05,369.00	--	--	--	--
15.	दूरभाष प्रभार	11,88,661.00	--	--	--	--
16.	वाहनों की मरम्मत/रखरखाव	9,58,892.00	--	--	--	--
17.	विज्ञापन खर्च	17]07]799-00	--	--	--	--
18.	वर्दी	38,469.00	--	--	--	--
19.	आतिथ्य सत्कार	11,22,889.00	--	--	--	--
20.	भवन का अनुरक्षण	44,33,282.00	--	--	--	--
21.	बिजली और पानी पर खर्च	30,95,397.00	--	--	--	--
22.	छुट्टियों का वेतन तथा पेंशन अंशदान	21,504.00	--	--	--	--
23.	सदस्यता शुल्क	1,72,495.00	--	--	--	--
24.	लेखा परीक्षा शुल्क	1,50,335.00	--	--	--	--
25.	बैंक प्रभार	14,240.87	--	--	--	--
26.	डाक और तार	6,24,800.00	--	--	--	--
27.	सम्पत्ति कर	12,34,080.00	--	--	--	--
28.	विधि/व्यावसायिक खर्च	24,24,127.00				
29.	कम्प्यूटर का रखरखाव	--	--	--	2,64,774.00	--
30.	कम्प्यूटर के लिए सामग्री की खरीद	--	--	--	6,54,820.00	--
31.	कागज की खरीद	--	--	--	--	56,940.00
32.	मूल्य रहित प्रकाशन	--	--	--	--	14,99,882.00
33.	प्रदर्शनी व्यय	--	--	--	--	4,98,525.00
	जोड़	3,51,31,881.87	1,08,02,766.00	92,68,804.00	20,01,826.00	47,63,983.00

अनुसूची-5

समूल्य प्रकाशनों के स्टाक का प्रोफार्मा लेखा

	रुपए	रुपए
1. प्रारम्भिक बकाया - 1 अप्रैल 2002	--	62,37,156.00
2. जमा: 2002-2003 में अभिवृद्धियां		
(क) पत्र-पत्रिकाओं की छपाई की लागत	6,34,460.00	
(ख) अन्य समूल्य प्रकाशनों की छपाई की लागत	13,680.00	--
3. जमा: वर्ष 2002-2003 के लिए लेखकों को अदा की गई/ अदा की जाने वाले रायल्टी	--	
4. जमा: समूल्य प्रकाशनों की छपाई के लिए स्टाक से 2002-2003 में खपत हुए कागज की लागत	--	
5. (2+3+4) का कुल जोड़, जिसे जोड़ा जाना है	--	6,48,140.00
6. घटा: प्रकाशनों व पत्रिकाओं की लागत मूल्य पर बेचने की कीमत	1,18,690.00	--
7. घटा: 2002-2003 के दौरान प्रकाशकों से प्राप्त रायल्टी/प्राप्त होने वाली रायल्टी	33,620.00	--
8. घटा: नि:शुल्क वितरित प्रकाशनों का मूल्य	2,82,765.00	
9. (6+7+8) का कुल जोड़, जिसे घटाया जाना है	--	(-) 4,35,075.00
31.3.2003 को अंत में शेष (1+5-9)	--	64,50,221.00

नोट: बेचे गए समूल्य प्रकाशनों का मूल्याकंन 1989-90 तक विक्रय मूल्य पर किया गया था तथा वर्ष 1990-91 से 2001-2002 तक लागत मूल्य पर और 2002-03 से बिक्री मूल्य पर किया गया है।

अनुसूची-6

"ञ" के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग हेतु अदायगियों का विवरण, 2002-2003

	रुपए
भारत-डच सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम	49,00,000.00
भारत-रूस सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम	3,78,035.00
भारत-चीन सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम	6,84,288.00
भारत-फ्रांस सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम	16,81,372.00
भारत-वियतनाम	--
भारत-जापान सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम	4,90,404.00
एशिया, अफ्रीका, लातिन अमरीका, पूर्वी यूरोप में अन्य देशों के साथ कार्यक्रम	9,66,558.00
सम्मेलनों/सेमिनारों में भाग लेने तथा डाटा संग्रहण हेतु विदेश का दौरा करने वाले अध्येताओं को सहायता	25,99,816.00
विख्यात विद्वानों का भारत दौरा	--
सरकारी विदेश दौरे	27,71,813.00
आई.एस.एस.सी./आई.एफ.एफ.एस.एस.ओ./ ए.ए.एस.एस.आर.ई.सी./यूनेस्को	37,033.00
परामर्शदाताओं को मानदेय	71,600.00
जोड़	1,45,80,919.00

अनुसूची-7

ठेकेदारों से प्रतिभूति जमा

		रुपए
प्रारम्भिक शेष	-	2,04,484.00
जमा: 2002-2003 के दौरान प्राप्त	-	8,36,775.00
	-	10,41,259.00
घटा: 2002-2003 के दौरान वापसी	-	5,00,000.00
जोड़		**5,41,259.00**

अनुसूची-8

पूर्तिकर्ताओं को अग्रिम - 2002-2003

	रुपये	रुपये
1. सी डी-रोम के लिए अग्रिम		
प्रारम्भिक शेष	4,70,224.00	
जमा: वर्ष 2002-2003 के दौरान अदायगी	11,54,703.00	
घटा: 2002-2003 के दौरान प्राप्ति	3,32,709.00	12,92,218.00
2. भवन के रख-रखाव हेतु आग्रिम		
योजनेतर		
प्रारम्भिक शेष	75,00,000.00	
जमा: वर्ष 2002-2003 के दौरान अदायगी	36,00,000.00	
	1,11,00,000.00	
घटा: 2002-2003 के दौरान समायोजन	23,57,433.00	87,42,567.00
योजनागत		
प्रारम्भिक शेष	80,00,000.00	
जमा: वर्ष 2002-2003 के दौरान अदायगी	50,00,000.00	
	1,30,00,000.00	
घटा: 2002-2003 के दौरान समायोजन	89,54,526.00	40,45,474.00
जोड़		**1,40,80,259.00**

अनुसूची-9

वर्ष 2002-2003 के दौरान मूल्यह्रास का विवरण

	रुपये
1. भवन	14,87,933.00
2. वाहन	1,64,358.00
3. फर्नीचर तथा उपस्कर	34,22,533.50
जोड़	**50,74,824.50**